रा.इ.सू.प्रौ.सं
NIELIT

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट)

29वीं

वार्षिक रिपोर्ट

2023-24

29वीं वार्षिक रिपोर्ट

रा.इ.सू.प्रौ.सं
NIELIT

2023–24

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

नाइलिट के केंद्र

52 स्वयं के केंद्र

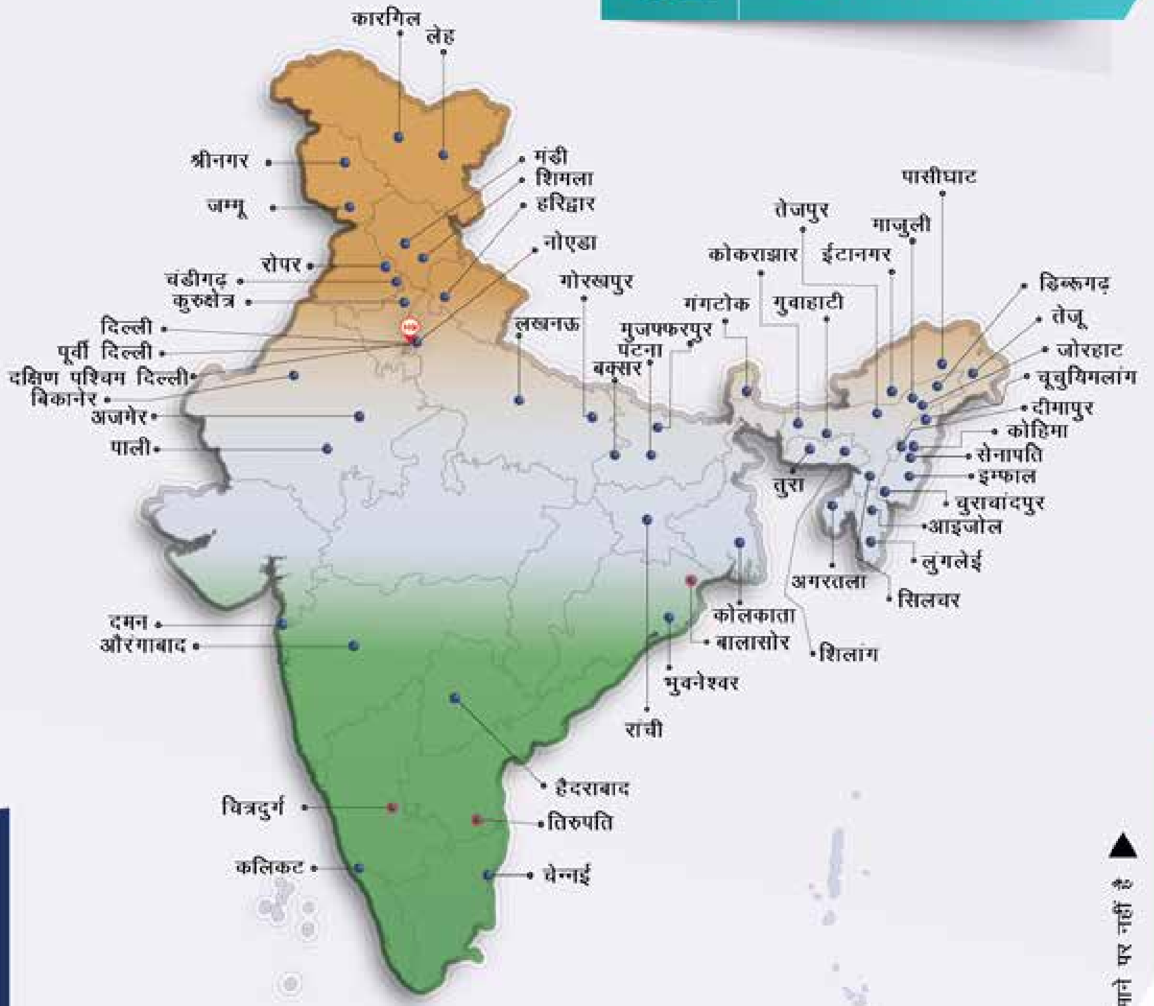

HQ मुख्यालय

केंद्र/विस्तार केंद्र

आगामी केंद्र

मानचित्र केवल सांकेतिक है, पैमाने पर नहीं है

उपलब्धियाँ

52	पूरे भारत में स्वयं के नाइलिट केंद्र
22	उत्तर पूर्व क्षेत्र में नाइलिट केंद्र
12	नाइलिट डीम्ड विश्वविद्यालय के परिसर
700+	आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स में प्रशिक्षण हेतु प्रत्यायित केंद्र
9800+	डिजिटल क्षमता पाठ्यक्रम हेतु सुविधा केंद्र
86 लाख+	पिछले 11 वर्षों में प्रशिक्षित अभ्यर्थी
2.7 लाख+	डीबीटी योजना के तहत एससीएसटी लाभार्थी (एससीएसपी/टीएसपी योजना)
80 हजार+	जनता के लिए आईटी योजना के अंतर्गत विभिन्न परियोजनाओं में प्रशिक्षित अभ्यर्थी
95	आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स में एनएसक्यूएफ संरेखित कौशल आधारित पाठ्यक्रम
2.16 करोड़+	ऑनलाइन परीक्षाओं में सम्मिलित अभ्यर्थी

उपविजेता

डीएससीआई श्रेष्ठता पुरस्कार 2023

ऐकेडेमिया द्वारा साइबर अपराध, साइबर कानून और डिजिटल फॉरेंसिक्स के क्षमता निर्माण में उत्कृष्टता

एनसीवीईटी अनुमोदित

'पुरस्कार देने वाली संस्था'
और
'मूल्यांकन एजेंसी'
(दोहरी श्रेणी)

APPROVED

अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं

विषय-सूची

01	संदेश	04
02	परिषदें	10
03	संगठन अधिदेश	15
04	संगठन की विशेषताएं	18
05	शोध पत्र प्रकाशित	24
06	नई पहल	52
07	परियोजनाएं	59
08	केन्द्र	68
09	लेखा परीक्षा	118
10	लेखा	126
11	संक्षेपाक्षर	181

अश्विनी वैष्णव
Ashwini Vaishnaw

सत्यमेव जयते

रेल, संचार एवं इलेक्ट्रॉनिकी और
सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
भारत सरकार
Minister of Railways,
Communications & Electronics and
Information Technology
Government of India

संदेश

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने स्किलिंग, रीस्किलिंग एवं अपस्किलिंग का मंत्र दिया है।

नाइलिट अपने 52 केन्द्रों, 712 प्रत्यायित संस्थानों एवं 9,840 सुविधा केन्द्रों द्वारा इस विजन को साकार करने की दिशा में कार्य कर रहा है।

वित्तीय वर्षः 2023–24 हेतु लेखाओं के लेखापरीक्षित विवरण तथा लेखा परीक्षक की रिपोर्ट सहित राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) की 29वीं वार्षिक रिपोर्ट की प्रस्तुति अत्यंत हर्ष का विषय है।

(अश्विनी वैष्णव)

Digital India
Power To Empower

Electronics Niketan, 6 C.G.O. Complex, Lodhi Road, New Delhi-110003
Phone: 011-24369191, 24362626 FAX : 011-24366070

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

जितिन प्रसाद
JITIN PRASADA

राज्य मंत्री
वाणिज्य एवं उद्योग,
इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी
भारत सरकार
Minister of State
Commerce & Industry,
Electronics and Information Technology
Government of India

सत्यमेव जयते

संदेश

हमारा देश डिजिटल परिवर्तन की ओर आगे बढ़ रहा है और माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के विजन के अनुरूप, हमारा देश 'विकसित भारत' की दिशा में प्रगति कर रहा है।

हम प्रौद्योगिकी के निरंतर विकास की ओर जैसे–जैसे आगे बढ़ रहे हैं, डिजिटल कौशल एवं क्षमता–निर्माण को बढ़ावा देने में नाइलिट की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ब्लॉकचेन और साइबर सुरक्षा जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने में नाइलिट की पहल युवाओं को आगामी समय में रोजगार हेतु आवश्यक कौशल सहित तैयार करने में सहायक हुई हैं।

पूरे देश में नाइलिट ने कौशल विकास एवं क्षमता निर्माण को बढ़ावा देने हेतु अपने प्रयासों से महत्वपूर्ण प्रगति की है। आगे, मुझे विश्वास है कि नाइलिट भारत के डिजिटल परिवर्तन को आगे बढ़ाने हेतु निरंतर अत्यधिक सतत प्रयास करेगा।

(जितिन प्रसाद)

Digital India
Power To Empower

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

कार्यालय : इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन, 6, सी.जी.ओ. कॉम्प्लेक्स, नई दिल्ली–110003, दूरभाष : 011-24368757-58
Office : Electronics Niketan , 6, C.G.O. Complex, New Delhi-110003, Tel. : 011-24368757-58
E-Mail : mos-eit@gov.in, Website : www.meity.gov.in

एस. कृष्णन, आई.ए.एस.
सचिव
S. Krishnan, I.A.S.
Secretary

सत्यमेव जयते

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय
भारत सरकार
Ministry of Electronics &
Information Technology (MeitY)
Government of India

संदेश

डिजिटल इंडिया प्रौद्योगिकियों की शक्तियों का निरंतर प्रभाव एवं प्रसार हो रहा है जिसमें, जनसाधारण के जीवन स्तर को और बेहतर, देश को आत्मनिर्भर तथा वैश्विक स्तर पर विश्वसनीय भागीदार बनाना शामिल है। वर्तमान में, भारत को आईटी सेवाओं एवं उद्योग में नवाचार और व्यवध ाान को आकार देने वाली उभरती प्रौद्योगिकियों हेतु वैश्विक केंद्र माना जाता है तथा ये उत्कृष्ट और प्रौद्योगिकी आधारित परिवर्तन से भविष्य को पुनः परिभाषित करना जारी रखेंगी।

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय डिजिटल नवाचार को बढ़ावा, स्टार्टअप्स को सहयोग और मजबूत कानूनी अवसंरचना विकसित करने संबंधी प्रयास करता है जो, डिजिटल इंडिया पहल की सफलता के अभिन्न अंग हैं। ये प्रयास डिजिटल रूप से सशक्त एवं समावेशी समाज के निर्माण में सामूहिक रूप से सहायता करते हैं। एमईआईटीवाई ने प्रौद्योगिकी स्टार्टअप और नवाचार को सहयोग करने हेतु कई योजनाएं भी शुरू की हैं, उदाहरणतः, उभरती प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न क्षेत्रों में कई उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) स्थापित करना।

एक राष्ट्र तब विकास करता है जब उसका कार्यबल सशक्त होता है तथा प्रत्येक कामगार के महत्व को पहचानना समावेशी संस्कृति को बढ़ावा देता है। **नाइलिट ने भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण उद्योग में महिला कार्यबल के योगदान को सम्मान एवं मान्यता प्रदान करने हेतु दिनांकः 27 जनवरी, 2024 को एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया था।** दीर्घकालिक औद्योगिक वृद्धि एवं विकास को बनाए रखने हेतु स्थिर तथा कुशल कार्यबल आवश्यक है।

नाइलिट ने कई पहलों एवं कार्यक्रमों के माध्यम से देश के युवाओं को कौशल प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है, जिसके अंतर्गत विभिन्न उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे एआई, साइबर सुरक्षा, आईओटी, ब्लॉकचेन आदि पर प्रशिक्षण आयोजित किए जाते हैं। **मैं नाइलिट को शुभकामनाएं देना चाहूंगा जैसाकि उन्होंने नामतः साइबर सुरक्षा जागरूक सोसायटी (आई.सी.एस.ए.एस.) एक पहल की शुरुआत की है,** जो नाइलिट का एक मोबाइल एप्लीकेशन है और 16 भारतीय तथा 7 अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं जैसे फ्रेंच, स्पेनिश आदि में उपलब्ध है।

मैं कामना करता हूं कि नाइलिट आगामी वर्षों में अपने कार्यक्षेत्र का और विस्तार करे, ताकि देश के सुदूरतम क्षेत्रों तक आईईसीटी क्षेत्र में अपने कौशल/पुनः कौशल/उन्नयन कार्यक्रमों को आगे बढ़ा सके।

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकः 25 जून, 2024

(एस. कृष्णन)

आज़ादी का अमृत महोत्सव

Digital India
Power To Empower

इलेक्ट्रॉनिक्स निकेतन, 6, सी.जी.ओ. कॉम्पलेक्स, नई दिल्ली–110003 / Electronics Niketan, 6, C.G.O. Complex, New Delhi-110003
Tel. : 011-24364041 • email : secretary@meity.gov.in

राइसूप्रौसं NIELIT
डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी
Dr. Madan Mohan Tripathi
महानिदेशक
Director General

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (रा.इ.सू.प्रौ.सं.)
National Institute of Electronics and Information Technology (NIELIT)
(इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत्त वैज्ञानिक संस्था)
(An Autonomous Scientific Society of Ministry of Electronics and Information Technology, Government of India)
नाइलिट भवन, प्लॉट नं. 3, पीएसपी पॉकेट, इंस्टीट्यूशनल एरिया सैक्टर-8, द्वारका, नई दिल्ली-110077
NIELIT Bhawan, Plot No. 3, PSP Pocket, Institutional Area, Sector-8, Dwarka, New Delhi-110077
दूरभाष/Tele No. : 011-25308302
ईमेल/E-mail : dg@nielit.gov.in
ट्विटर/Twitter : @NIELITIndia

संदेश

वर्ष 2023–24 नाइलिट के लिए अथक प्रयासों का वर्ष रहा है, जैसे कि हम महत्वपूर्ण उपलब्धियाँ हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध रहे हैं। हमारा ध्यान अत्याधुनिक डिजिटल तकनीकों के एकीकरण, पाठ्य–सामग्री के अद्यतनीकरण, वंचित क्षेत्रों तक अपनी पहुँच बढ़ाने पर केन्द्रित रहा है तथा प्रत्येक नागरिक तक आवश्यक कौशल की उपलब्धता का सुनिश्चय कर रहे हैं। वर्ष 2023–24 की वार्षिक रिपोर्ट में इनमें से कई उल्लेखनीय उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया है।

इस वर्ष की सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक उभरती प्रौद्योगिकियों में कौशल विकास हेतु डीम्ड विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त करने में नाइलिट का समर्पित प्रयास रहा है। हमारे डी–नोवो श्रेणी के अंतर्गत यूजीसी को प्रदत्त आवेदन के पश्चात, शिक्षा मंत्रालय ने 24 नवंबर 2023 को नाइलिट रोपड़ के साथ–साथ कालीकट, औरंगाबाद, गोरखपुर, श्रीनगर, अगरतला, इम्फाल, आइजोल, पटना, कोहिमा, अजमेर एवं ईटानगर में 11 अन्य परिसरों को आशय–पत्र जारी किया। यह प्रयास शिक्षा एवं प्रशिक्षण में नवाचार तथा उत्कृष्टता के लिए हमारी सुदृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

मुझे यह सूचित करते हुए भी प्रसन्नता हो रही है कि नाइलिट ने दिनांकः 15 फरवरी, 2024 को गुवाहाटी में डिजिटल इंडिया फ्यूचर स्किल्स शिखर सम्मेलन का आयोजन किया, जिसके अंतर्गत भविष्य के लिए तैयार कार्यबल विकास संबंधी नीतियों पर विमर्श करने हेतु मंच प्रदान किया गया। गत वर्ष, अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, एनआईसीई–डीटी '23 की सफलता के आधार पर, हमने दिनांकः 16–17 फरवरी, 2024 को पुनः गुवाहाटी में एनआईसीई–डीटी '24 का दूसरा संस्करण का आयोजन किया। इस कार्यक्रम ने सभी क्षेत्रों से सम्मिलित उत्साही प्रतिभागियों सहित ध्यान आकृष्ट किया।

पूरे देश में, नाइलिट ने अग्रणी के रूप में कौशल विकास एवं क्षमता–निर्माण में डिजिटल समावेशन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी है। एमईआईटीवाई द्वारा वित्तपोषित एनईसीबी 2.0 परियोजना के अंतर्गत, हमने लगभग 1.5 लाख व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया है तथा उत्तर–पूर्व क्षेत्रों में 25 स्टार्ट–अप की स्थापना में सहयोग प्रदान किया है। लाभार्थी सभी क्षेत्रों से जिनमें किसान, शिक्षक, स्कूल छोड़ने वाले, स्नातक, बुजुर्ग व्यक्ति और महिलाएं सम्मिलित हैं जो जनसंख्या के विस्तृत स्पेक्ट्रम का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस प्रकार से, नाइलिट की विभिन्न क्षमता–निर्माण पहल राष्ट्र के कौशल–युक्त कार्यबल को निरंतर योगदान प्रदान करती है।

प्रौद्योगिकी क्षेत्र की निरंतर मांगों को दृष्टिगत रखते हुए, नाइलिट ने नामतः यूनेस्को, आईटीआइ मिस्र, इंटेल, एनएसडीसी, एआईसीटीई एवं अन्य प्रतिष्ठित शैक्षणिक एवं औद्योगिक संस्थानों जैसे प्रतिष्ठित संगठनों के साथ सामरिक भागीदारी स्थापित की है।

वर्ष 2023–24 के दौरान, नाइलिट ने लगभग 9 लाख अभ्यर्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया है तथा धनराशि 444.16 रु. करोड़ का टर्नओवर हासिल किया है।

भविष्य को देखते हुए, हम आशान्वित हैं कि आज हम जो नींव रख रहे हैं, जिसमें शिक्षा की परिवर्तनकारी शक्तियों द्वारा शैक्षिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देना तथा जनसाधारण एवं समुदायों को सशक्त बनाना शामिल है जिससे आगामी वर्षों में सार्थक परिणाम प्राप्त होगें।

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)

दृष्टि

डिजिटल प्रौद्योगिकी के माध्यम से शिक्षा, प्रशिक्षण एवं कौशल प्रदान तथा प्रसार करना साथ ही, उद्योग की आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु वैश्विक प्रतिभा का सृजन करना।

मिशन

डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग करके शहरी–ग्रामीण अंतर को कम करते हुए "लागत प्रभावी, कभी भी, कहीं भी शिक्षा" प्रदान करना।

सहभागिता द्वारा डिजिटल कौशल, शिक्षा एवं प्रमाणन में वैश्विक मानक स्थापित करना।

पाठ्यक्रम में नवाचार के माध्यम से उद्यमशीलता की संस्कृति का सृजन तथा अनुप्रयोग–उन्मुख अनुसंधान से उत्पाद विकास को बढ़ावा देना है।

समावेशी एवं सतत विकास हेतु प्रासंगिक कार्यक्रमों और परियोजनाओं की अवधारणा बनाना तथा उन्हें कार्यान्वित करना।

संगठन संरचना

अधिशासी परिषद

प्रबंधन बोर्ड

शैक्षणिक सलाहकार समिति

महानिदेशक

वित्त एवं लेखा समिति

कार्यकारिणी केन्द्रों की समिति

कार्यकारी निदेशक/निदेशक/प्रभारी निदेशक

अगरतला, आइजोल, अजमेर, औरंगाबाद, भुवनेश्वर, बीकानेर, बक्सर, कालीकट, चंडीगढ़, चेन्नई, चुचुयिमलांग, चुराचांदपुर, पूर्वी दिल्ली, दमन, दिल्ली, डिब्रूगढ़, दीमापुर, गंगटोक, गोरखपुर, गुवाहाटी, हरिद्वार, हैदराबाद, इंफाल, ईटानगर, जम्मू, जोरहाट, कारगिल, कोहिमा, कोलकाता, कोकराझार, कुरूक्षेत्र, लेह, लखनऊ, लुंगलेई, माजुली, मंडी, मुजफ्फरपुर, नोएडा, पासीघाट, पटना, पाली, रांची, रोपड़, सेनापति, शिलांग, शिमला, सिलचर, श्रीनगर, दक्षिण पश्चिम दिल्ली, तेजपुर, तुरा, तेजू।

अधिशासी परिषद

	सदस्य	भूमिका
1.	**श्री अश्विनी वैष्णव** *माननीय मंत्री* रेलवे, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी	अध्यक्ष
2.	**श्री जितिन प्रसाद** *माननीय राज्य मंत्री* वाणिज्य और उद्योग, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी	उप सभापति
3.	**श्री एस. कृष्णन** *सचिव* इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	कार्यकारी उपाध्यक्ष
4.	**श्री के. संजय मूर्ति** *सचिव,* उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय	सदस्य
5.	**प्रो. एम. जगदीश कुमार** *अध्यक्ष,* विश्वविद्यालय अनुदान आयोग	सदस्य
6.	**प्रो. टी. जी. सीताराम** *सदस्य,* अध्यक्ष, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद	सदस्य
7.	**सुश्री त्रिशालजीत सेठी** *महानिदेशक (प्रशिक्षण)/अपर सचिव* कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय	सदस्य
8.	**श्री भुवनेश कुमार** *अपर सचिव* इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	सदस्य
9.	**श्री अभिषेक सिंह** *अपर सचिव* इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	सदस्य
10.	**श्री राजेश सिंह** *संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार* इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	सदस्य
11.	**श्री राजेश नांबियार** *अध्यक्ष,* नैसकॉम	सदस्य
12.	**श्री सुनील** *अध्यक्ष,* इंस्टीट्यूशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियर्स	सदस्य
13.	**श्री टी.वी. मोहनदास पई** *अध्यक्ष,* मणिपाल ग्लोबल एजुकेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड	सदस्य
14.	**श्री हरिओम राय** *अध्यक्ष,* लावा इंटरनेशनल लिमिटेड	सदस्य
15.	**श्री विनीत नायर** *संस्थापक,* संपर्क फाउंडेशन	सदस्य
16.	**डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी** *महानिदेशक,* नाइलिट	सदस्य सचिव

प्रबंधन बोर्ड

	सदस्य	भूमिका
1.	श्री एस. कृष्णन *सचिव* इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	अध्यक्ष
2.	श्री भुवनेश कुमार *अपर सचिव* इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	सदस्य
3.	श्री अभिषेक सिंह *अपर सचिव* इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	सदस्य
4.	प्रो. टी. जी. सीताराम *अध्यक्ष,* अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद	सदस्य
5.	श्री राजेश सिंह *संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार* इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	सदस्य
6.	श्री राजेश नांबियार *अध्यक्ष,* नैसकॉम	सदस्य
7.	डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी *महानिदेशक,* नाइलिट	सदस्य सचिव

वित्त एवं लेखा समिति

	सदस्य	भूमिका
1.	डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी *महानिदेशक,* नाइलिट	अध्यक्ष
2.	श्री भुवनेश कुमार *अपर सचिव* इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	सदस्य
3.	श्री राजेश सिंह *संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार* इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	सदस्य
4.	श्री ए.के. पीपल *निदेशक एवं विभागाध्यक्ष (मानव संसाधन विकास)* इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	सदस्य
5.	श्री आर. के. त्रिपाठी *मुख्य वित्त अधिकारी* नाइलिट मुख्यालय	सदस्य सचिव

शैक्षणिक सलाहकार समिति

	सदस्य	भूमिका
1.	**डॉ. पंकज जलोटे** *प्रोफेसर*, आईआईआईटी, दिल्ली	अध्यक्ष
2.	**डॉ. सुशील चंद्रा** *वैज्ञानिक–जी*, डीआरडीओ	सदस्य
3.	**डॉ. सरोज कौशिक** *मानद प्रोफेसर*, शिव नादर विश्वविद्यालय	सदस्य
4.	**श्री अमृत मनवानी** *सीएमडी*, सहस्र इलेक्ट्रॉनिक्स	सदस्य
5.	**श्री आशीष गुप्ता** *उपाध्यक्ष*, बारको इंडिया	सदस्य
6.	**डॉ. (सुश्री) संध्या चिंताला** *उपाध्यक्ष*, नैसकॉम	सदस्य
7.	**श्री गुंजन चौधरी** *निदेशक*, एनसीवीईटी	सदस्य
8.	**श्री अनुपम जायसवाल** *सामाजिक कार्यकर्ता*	सदस्य
9.	**श्री भुवन दमाहे** *प्रमुख*, एलएंडटी एसटीए, मुंबई	सदस्य
10.	**श्री आलोक त्रिपाठी** *विभागाध्यक्ष (तकनीकी) एवं मुख्य परीक्षा नियंत्रक*, नाइलिट मुख्यालय	सदस्य
11.	**श्रीमती चेतना सिंह राठौर** *परीक्षा नियंत्रक–I*, नाइलिट मुख्यालय	सदस्य
12.	**श्री रजनीश कुमार अस्थाना** *अपर निदेशक*, नाइलिट मुख्यालय	सदस्य सचिव

अध्यक्ष, अधिशासी परिषद

वर्ष	नाम
1995-1996	प्रो. पी.वी. इंदिरेसन, प्रख्यात शिक्षाविद्
1996-1997	प्रो. पी.वी. इंदिरेसन, प्रख्यात शिक्षाविद्
1997-1998	प्रो. पी.वी. इंदिरेसन, प्रख्यात शिक्षाविद्
1998-1999	प्रो. सी.एस. झा, प्रख्यात शिक्षाविद्
1999-2000	प्रो. सी.एस. झा, प्रख्यात शिक्षाविद्
2000-2001	प्रो. सी.एस. झा, प्रख्यात शिक्षाविद्
2001-2002	प्रो. (डॉ.) के.के. अग्रवाल, प्रख्यात शिक्षाविद्
2002-2003	डॉ. संजय पासवान, संचार और आईटी राज्य मंत्री
2003-2004	थिरु दयानिधि मारन, मंत्री, संचार और आईटी
2004-2005	थिरु दयानिधि मारन, मंत्री, संचार और आईटी
2005-2006	थिरु दयानिधि मारन, मंत्री, संचार और आईटी
2006-2007	थिरु ए. राजा, संचार और आईटी मंत्री
2007-2008	थिरु ए. राजा, संचार और आईटी मंत्री
2008-2009	थिरु ए. राजा, संचार और आईटी मंत्री
2009-2010	थिरु ए राजा, संचार और आईटी मंत्री
2010-2011	थिरु ए. राजा, संचार एवं आईटी मंत्री (14.11.2010 तक)

वर्ष	नाम
2010-2011	श्री कपिल सिब्बल, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (15.11.2010 से)
2011-2012	श्री कपिल सिब्बल, संचार और आईटी मंत्री
2012-2013	श्री कपिल सिब्बल, संचार और आईटी मंत्री
2013-2014	श्री रविशंकर प्रसाद, संचार और आईटी मंत्री
2014-2015	श्री रविशंकर प्रसाद, संचार और आईटी मंत्री
2015-2016	श्री रविशंकर प्रसाद, मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी
2016-2017	श्री रविशंकर प्रसाद, मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी
2017-2018	श्री रविशंकर प्रसाद, मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी
2018-2019	श्री रविशंकर प्रसाद, मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी
2019-2020	श्री रविशंकर प्रसाद, मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी
2020-2021	श्री रविशंकर प्रसाद, मंत्री, इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी
2021-2022	श्री अश्विनी वैष्णव, मंत्री, रेल; संचार और इलेक्ट्रॉनिकी एवं आईटी (दिनांक 07.07.2021 से)
2022-2023	श्री अश्विनी वैष्णव, मंत्री, रेल; संचार और इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी
2023-2024	श्री अश्विनी वैष्णव, मंत्री, रेल; संचार और इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी

उपाध्यक्ष, अधिशासी परिषद

वर्ष*	नाम
2016-2017	श्री पीपी चौधरी, एम ओ एस, एमईआईटीवाई
2017-2018	श्री के जे अल्फोंस, राज्य मंत्री, एमईआईटीवाई
2018-2019	श्री एसएस, अहलूवालिया, एम ओ एस, एमईआईटीवाई
2019-2020	श्री संजय धोत्रे, एम ओ एस, एमईआईटीवाई

वर्ष*	नाम
2020-2021	श्री संजय धोत्रे, एम ओ एस, एमईआईटीवाई
2021-2022	श्री राजीव चन्द्रशेखर, एम ओ एस, एमईआईटीवाई (07.07.2021 से)
2022-2023	श्री राजीव चन्द्रशेखर, एम ओ एस, एमईआईटीवाई
2023-2024	श्री राजीव चन्द्रशेखर, राज्य मंत्री, एमईआईटीवाई

*पहली बार 2016 में सृजित

अध्यक्ष, प्रबंधन बोर्ड

नाम	से	तक
श्री जे.सत्यनारायण, आईएएस, सचिव, एमईआईटीवाई	14.03.2012	30.04.2014
श्री आर.एस. शर्मा, आईएएस, सचिव, एमईआईटीवाई	01.05.2014	07.08.2015
श्री राकेश गर्ग, आईएएस, सचिव, दूरसंचार विभाग	08.08.2015	30.08.2015
श्री जे.एस. दीपक, आईएएस, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	31.08.2015	08.02.2016
श्रीमती अरुणा शर्मा, आईएएस, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय	08.02.2016	28.07.2016

नाम	से	तक
श्रीमती अरुणा सुंदरराजन, आईएएस, सचिव, एमईआईटीवाई	29.07.2016	22.06.2017
श्री अजय साहनी, आईएएस, सचिव, एमईआईटीवाई	23.06.2017	28.02.2022
श्री के. राजारमन, आईएएस, सचिव, एमईआईटीवाई	01.03.2022	04.05.2022
श्री अलकेश कुमार शर्मा, आईएएस, सचिव, एमईआईटीवाई	05.05.2022	31.08.2023
श्री एस. कृष्णन, आईएएस, सचिव, एमईआईटीवाई	01.09.2023	

कार्यकारी निदेशक

नाम	से	तक
श्री टी.सी. गुप्ता	09.11.1994	26.06.1999
श्री वी.बी. तनेजा	28.06.1999	04.08.1999
श्री अरिंदम बोस	05.08.1999	17.07.2000
डॉ. बी.एन. गुप्ता	18.07.2000	30.12.2005
श्री जी.वी.रघुनाथन	31.12.2005	28.09.2006
डॉ. वी.एन. वालिवाडेकर	29.09.2006	28.02.2007
डॉ. बी.के. मूर्ति	01.03.2007	15.07.2007
श्री जी.वी.रघुनाथन	16.07.2007	16.10.2008

नाम	से	तक
डॉ. एस. बीरेंद्र सिंह	17.10.2008	01.11.2010
डॉ. वी.एन. वालिवाडेकर	02.11.2010	18.08.2011
श्री एन. रविशंकर, आईएएस	19.08.2011	28.08.2011
डॉ. वी.एन. वालिवाडेकर	29.08.2011	31.08.2011
श्री एन. रविशंकर, आईएएस	02.09.2011	03.05.2012
डॉ. अजय कुमार, आईएएस	04.05.2012	05.08.2012
डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा	06.08.2012	09.09.2012

प्रबंधक निदेशक

नाम	से	तक
डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा	10.09.2012	06.12.2015

महानिदेशक

नाम	से	तक
डॉ. अश्विनी कुमार शर्मा	07.12.2015	05.08.2017
श्री राजीव कुमार आईएफओएस	16.08.2017	14.08.2018

नाम	से	तक
डॉ. जयदीप कुमार मिश्रा, आईसीएएस	21.08.2018	30.01.2022
डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी	31.01.2022	

संगठन का अधिदेश

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन एक स्वायत्त वैज्ञानिक संस्था है। नाइलिट आईईसीटी के क्षेत्रों जैसे; आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, ब्लॉकचेन, साइबर सुरक्षा एवं फोरेंसिक, क्लाउड कंप्यूटिंग, आईओटी, ईएसडीएम तथा संबंधित क्षेत्रों में क्षमता–निर्माण एवं कौशल विकास में सक्रिय रूप से जुड़ा हुआ है। यह डिग्री/ डिप्लोमा स्तर के साथ–साथ कौशल पाठ्यक्रम भी संचालित करता है तथा राष्ट्रीय परीक्षा एवं मान्यता निकाय में से एक है जो, गैर–औपचारिक क्षेत्र में पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए संस्थानों/ संगठनों को प्रत्यायित करता है। नाइलिट कई राज्य सरकारों के कर्मचारियों तथा जनसाधारण हेतु डिजिटल योग्यता कार्यक्रम की भी शुरुआत कर रहा है।

नाइलिट शासी परिषद के समग्र नियंत्रण एवं मार्गदर्शन के अधीन कार्य कर रहा है। माननीय केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (ई एंड आईटी) परिषद के अध्यक्ष हैं, जबकि माननीय राज्य मंत्री (ई एंड आईटी) इसके उपाध्यक्ष हैं, साथ ही सरकार, उद्योग, शिक्षा जगत और विभिन्न व्यावसायिक निकायों के प्रतिनिधि भी परिषद के सदस्य हैं।

नाइलिट के **प्रबंधन बोर्ड** की अध्यक्षता सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारत सरकार द्वारा की जाती है। प्रत्येक नाइलिट केंद्र में बोर्ड और परिषद के निर्णयों के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए संबंधित राज्य सरकारों, शैक्षणिक संस्थानों एवं उद्योग के प्रतिनिधियों के सम्मिलन से एक कार्यकारी समिति होती है।

वित्त एवं लेखा (एफ एंड ए) समिति नाइलिट की अध्यक्षता महानिदेशक, नाइलिट द्वारा की जाती है तथा समिति बजट अनुमान/ संशोधित अनुमान तथा अन्य वित्त संबंधी मामलों में सिफारिश करके शासी परिषद को सहयोग प्रदान करती है। समिति को लेखा परीक्षकों की नियुक्ति के अतिरिक्त, शासी परिषद को प्रस्तुत करने से पूर्व लेखापरीक्षित वार्षिक लेखों की संपरीक्षा करने का भी अधिकार है।

शैक्षणिक सलाहकार समिति (एएसी) की अध्यक्षता एक प्रतिष्ठित शिक्षाविद् द्वारा की जाती है, तथा इसके सदस्य शिक्षा जगत और उद्योग जगत से होते हैं तथा यह नाइलिट की शैक्षिक गतिविधियों पर परामर्श निकाय है।

नाइलिट के सतर्कता विभाग का नेतृत्व मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) करते हैं, जो एमईआईटीवाई के एक वरिष्ठ अधिकारी हैं। सीवीओ को समस्त केंद्रों तथा नाइलिट मुख्यालय में सतर्कता अधिकारियों द्वारा सहयोग प्रदान किया जाता है।

पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा देने हेतु, जुलाई, 2005 से, संस्थान में सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई) के अनिवार्य प्रावधानों को लागू किया गया है। आरटीआई अधिनियम के अधीन उल्लिखित आवश्यकता के अनुसार, मुख्यालय में लोक सूचना अधिकारी (पीआईओ) के साथ–साथ सभी नाइलिट केंद्रों में पीआईओ नियुक्त किए गए हैं। आरटीआई अधिनियम के तहत आवेदनों के निपटान हेतु, आंतरिक प्रक्रियाएँ तैयार की गई हैं एवं अनिवार्य जानकारी नाइलिट वेबसाइट (www.nielit.gov.in) पर होस्ट की गई है। सार्वजनिक सेवा वितरण में उत्कृष्टता लाने और नागरिकों की शिकायतों का सार्थक तरीके से निपटान करने के उद्देश्य से, नाइलिट ने प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग द्वारा प्रख्यापित दिशानिर्देशों के अनुरूप एक लोक शिकायत अधिकारी (पीजीओ) भी नियुक्त किया है।

नाइलिट की अपनी उपस्थिति अगरतला, आइजोल, अजमेर, औरंगाबाद, भुवनेश्वर, बीकानेर, बक्सर, कालीकट, चंडीगढ़, चेन्नई, चुचुयिमलांग, चुराचांदपुर, दमन, दिल्ली, पूर्वी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली, डिब्रूगढ़, दीमापुर, गंगटोक, गोरखपुर,

गुवाहाटी, हरिद्वार, हैदराबाद, इम्फाल, ईटानगर, जम्मू, जोरहाट, कारगिल, कोहिमा, कोलकाता, कोकराझार, कुरूक्षेत्र, लेह, लखनऊ, लुंगलेई, माजुली, मंडी,मुजफ्फरपुर, नोएडा, पासीघाट, पटना, पाली, रांची, रोपड़, सेनापति, शिलांग, शिमला, सिलचर, श्रीनगर, तेजपुर, तुरा और तेजू तथा इसका मुख्यालय नई दिल्ली स्थित बावन (52) स्थानों पर है।

नाइलिट के अपने केन्द्रों की वर्षवार वृद्धि

अप्रैल 2014 से पूर्व	31	अगरतला, आइजोल, अजमेर, औरंगाबाद, कालीकट, चंडीगढ़, चेन्नई, चुचुयिमलांग, चुराचांदपुर, दिल्ली, गंगटोक, गोरखपुर, गुवाहाटी, इंफाल, ईटानगर, जम्मू, जोरहाट, कोहिमा, कोकराझार, कोलकाता, लेह, लखनऊ, लुंगलेई, पटना, रांची, सेनापति, शिमला, शिलांग, सिलचर, श्रीनगर, तेजपुर
2014-15	1	रोपड़
2015-16	2	पासीघाट, तुरा

2016-17	3	कुरूक्षेत्र, डिब्रूगढ़, भुवनेश्वर
2017-18	2	पाली, हरिद्वार
2018-19	3	माजुली, तेजू, मंडी
2019-20	1	कारगिल
2020-21	2	दीमापुर, दमन
2022-23	4	बक्सर,मुजफ्फरपुर, पूर्वी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली
2023-24	3	नोएडा, बीकानेर, हैदराबाद
आगामी केंद्र		**तिरूपति, चित्रदुर्ग, बालासोर**

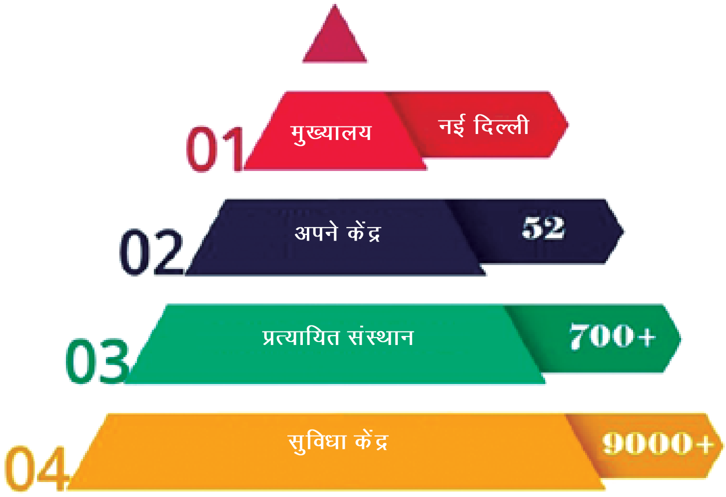

52 स्व–केन्द्रों के अतिरिक्त, नाइलिट का नेटवर्क लगभग 1000 से अधिक संस्थानों के माध्यम से भी जुड़ा हुआ है तथा 700+ **प्रत्यायित प्रशिक्षण संस्थान** ओ/ए/बी/सी स्तर के पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण तथा डिजिटल योग्यता पाठ्यक्रमों के प्रशिक्षण में जुड़े हुए हैं, लगभग 9000+ सुविधा केंद्रों के नेटवर्क के माध्यम से देश के सभी क्षेत्रों तथा समाज के समस्त वर्गों तक अपनी पहुँच की दृष्टि से, नाइलिट को विशिष्ट स्थान प्राप्त हुआ है। नाइलिट अपने एनएसक्यूएफ संरेखित लघु अवधि पाठ्यक्रम तथा सीएचएमटी–ओ स्तरीय पाठ्यक्रम संचालित करने हेतु प्रशिक्षण संस्थानों को प्रत्यायन भी प्रदान करता है।

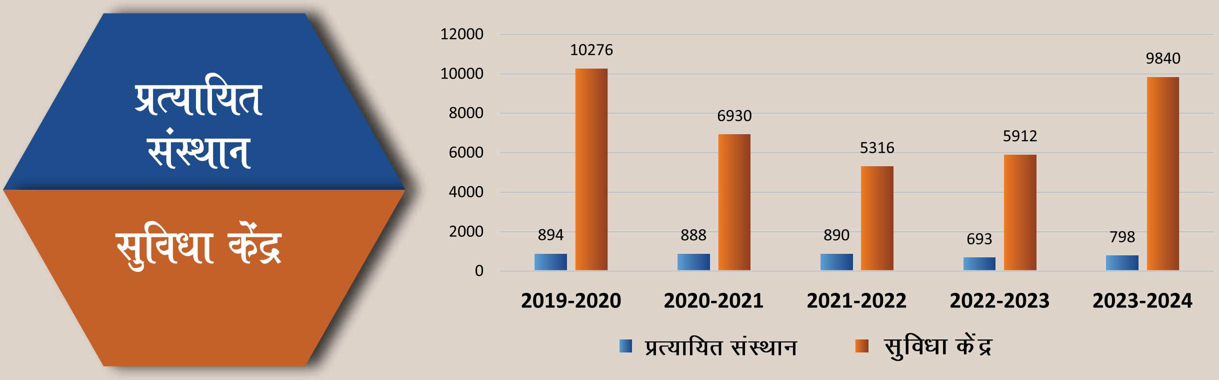

नाइलिट – अखिल भारतीय

(31 मार्च, 2024 तक)

क्र. सं.	राज्य/ संघ शासित प्रदेश	इकाइयों की संख्या					
		मुख्य (अपने केन्द्र)	विस्तार (अपने केन्द्र)	सीएचएमटी–ओ स्तर हेतु प्रत्यायित संस्थान	प्रत्यायित संस्थान आईटी ओ–ए–बी–सी स्तर	डिजिटल योग्यता पाठ्यक्रमों हेतु सुविधा केंद्र	एनएसक्यूएफ से संबद्ध लघु अवधि पाठ्यक्रमों हेतु प्रशिक्षण सहभागी
1	अंडमान और निकोबार द्वीप	-	-	-	-	1	-
2	आंध्र प्रदेश	-	-	-	1	37	-
3	अरुणाचल प्रदेश	1	2	1	3	33	3
4	असम	1	6	7	17	219	13
5	बिहार	1	2	1	7	409	10
6	चंडीगढ़	-	1	1	1	10	1
7	छत्तीसगढ	-	-	-	6	290	7
8	दादरा और नगर हवेली दमन और दीव	1	-	-	1	16	-
9	दिल्ली	1	2	2	34	138	8
10	गोवा	-	-	-	-	10	-
11	गुजरात	-	-	6	9	272	8
12	हरियाणा	1	-	6	23	346	19
13	हिमाचल प्रदेश	1	1	1	58	158	26
14	जम्मू और कश्मीर	1	1	8	34	186	34
15	झारखंड	1	-	3	9	444	17
16	कर्नाटक	-	-	1	2	75	16
17	केरल	1	-	3	6	67	22
18	लक्षद्वीप	-	-	-	-	17	-
19	मध्य प्रदेश	-	-	4	6	412	1
20	महाराष्ट्र	1	-	5	5	804	4
21	मणिपुर	1	2	1	3	59	2
22	मेघालय	1	1	1	2	23	1
23	मिजोरम	1	1	1	1	14	1
24	नागालैंड	1	2	1	5	14	3
25	ओडिशा	1	-	2	31	112	35
26	पुदुचेरी	-	-	2	1	6	-
27	पंजाब	1	-	1	8	82	4
28	राजस्थान	1	2	2	19	350	19
29	सिक्किम	1	-	0	2	5	1
30	तमिलनाडु	1	-	2	2	77	7
31	तेलंगाना	1	-	1	-	136	2
32	त्रिपुरा	1	-	1	1	19	1
33	केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख	1	1	1	-	0	6
34	उत्तर प्रदेश	1	2	19	382	4522	156
35	उत्तराखंड	1	-	0	13	157	4
36	पश्चिम बंगाल	1	-	2	20	320	7
स्वयं के केन्द्रों/टीपी की कुल संख्या		**26**	**26**	**86**	**712**	**9840**	**438**

संगठन की मुख्य बातें

नाइलिट पाठ्यक्रमों का स्पेक्ट्रम

आईईसीटी के क्षेत्र में युवाओं को कौशल प्रदान करने में नाइलिट महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। नाइलिट पाठ्यक्रमों की विस्तृत सूची में सम्मिलित हैं: (i) **डिग्री/ डिप्लोमा स्तर के पाठ्यक्रम** जैसे; **एम.टेक, बी.टेक, एमसीए, बीसीए** कार्यक्रम जो नाइलिट केंद्रों द्वारा राज्य विश्वविद्यालयों/ तकनीकी बोर्ड के सहयोग से संचालित किए जाते हैं; औरंगाबाद केंद्र इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में पीएचडी कार्यक्रम की सुविधा भी प्रदान कर रहा है (ii) **कौशल पाठ्यक्रम (दीर्घकालिक)** जैसे; ओ लेवल (आईटी), ए लेवल (आईटी), सीएचएमटी–ओ लेवल, आदि; (iii) आईओटी, क्लाउड कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग, साइबर सुरक्षा, एआई आदि जैसे विशिष्ट क्षेत्रों में **कौशल पाठ्यक्रम (अल्पकालिक)** तथा (iv) देश में **डिजिटल दक्षता के प्रसार** हेतु डिजिटल योग्यता कार्यक्रम; इसके साथ राज्य सरकारों और केंद्रीय मंत्रालयों के विभागों के कर्मचारियों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से उभरती प्रौद्योगिकियों में विशेष कार्यक्रम। इसके अतिरिक्त, नाइलिट ने युवाओं एवं उद्योगों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार **अनुकूलित कौशल, अपस्किलिंग और रीस्किलिंग कार्यक्रमों** की शुरुआत करने हेतु विशेषज्ञता भी सृजित की है।

प्रशिक्षण संक्षेप

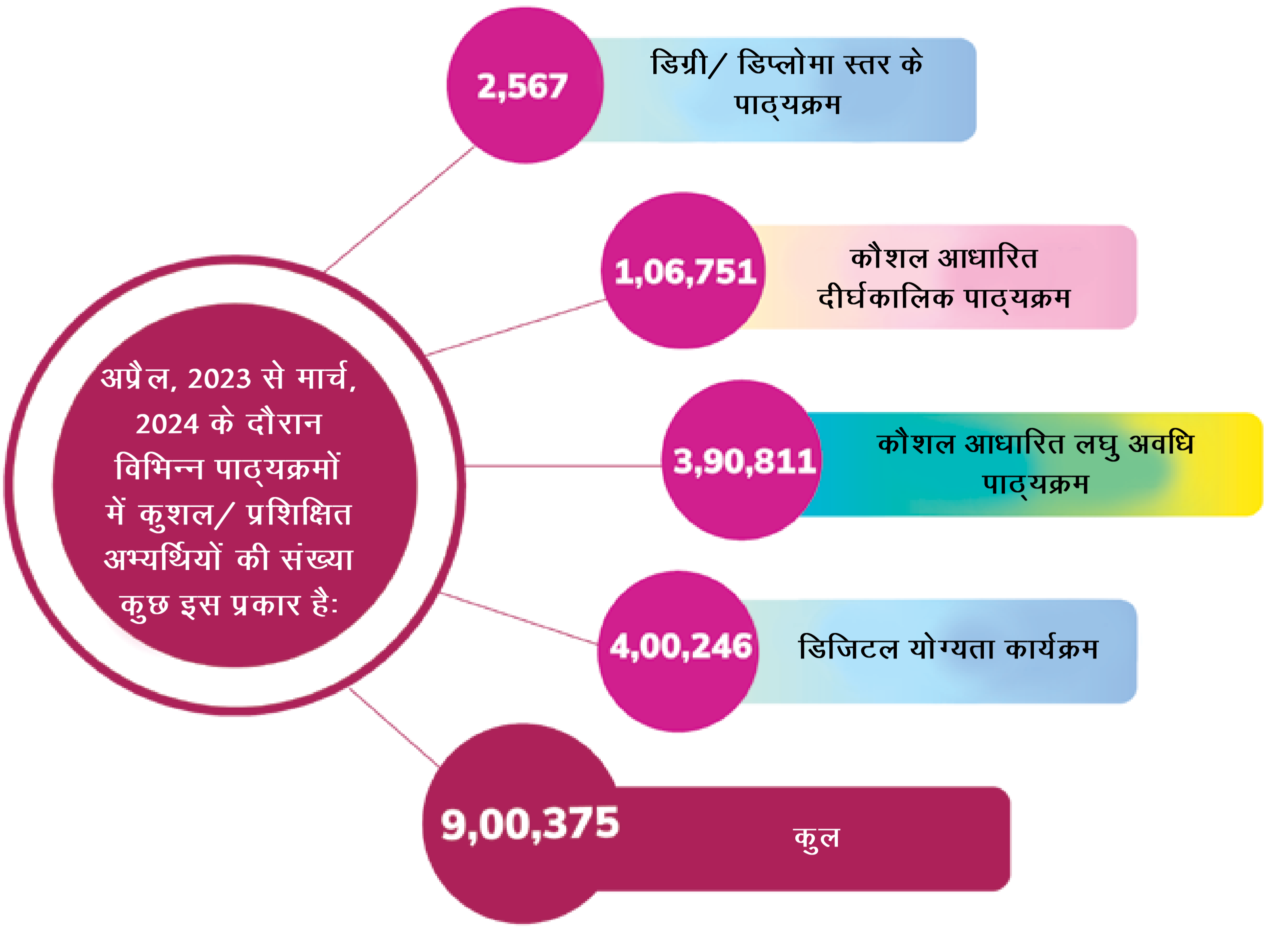

भौतिक उपलब्धि – 5 वर्ष

डिग्री/डिप्लोमा स्तर के पाठ्यक्रम

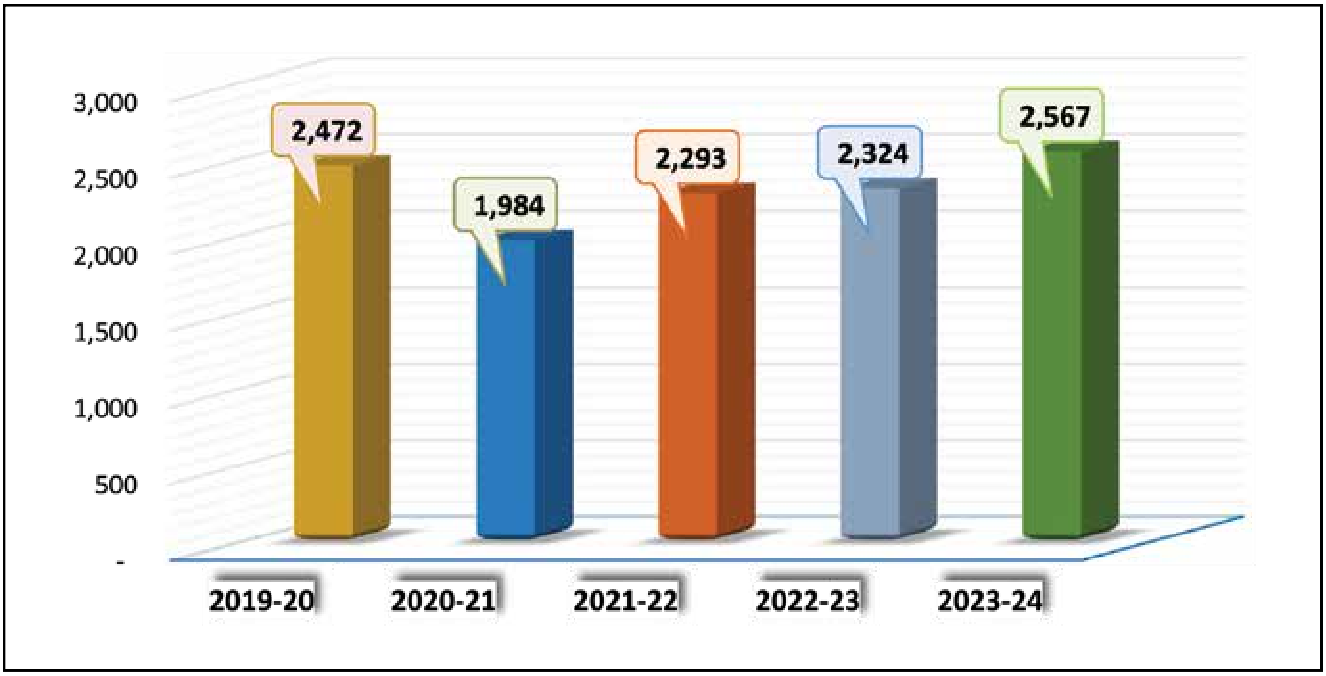

कौशल पाठ्यक्रम (दीर्घकालिक)

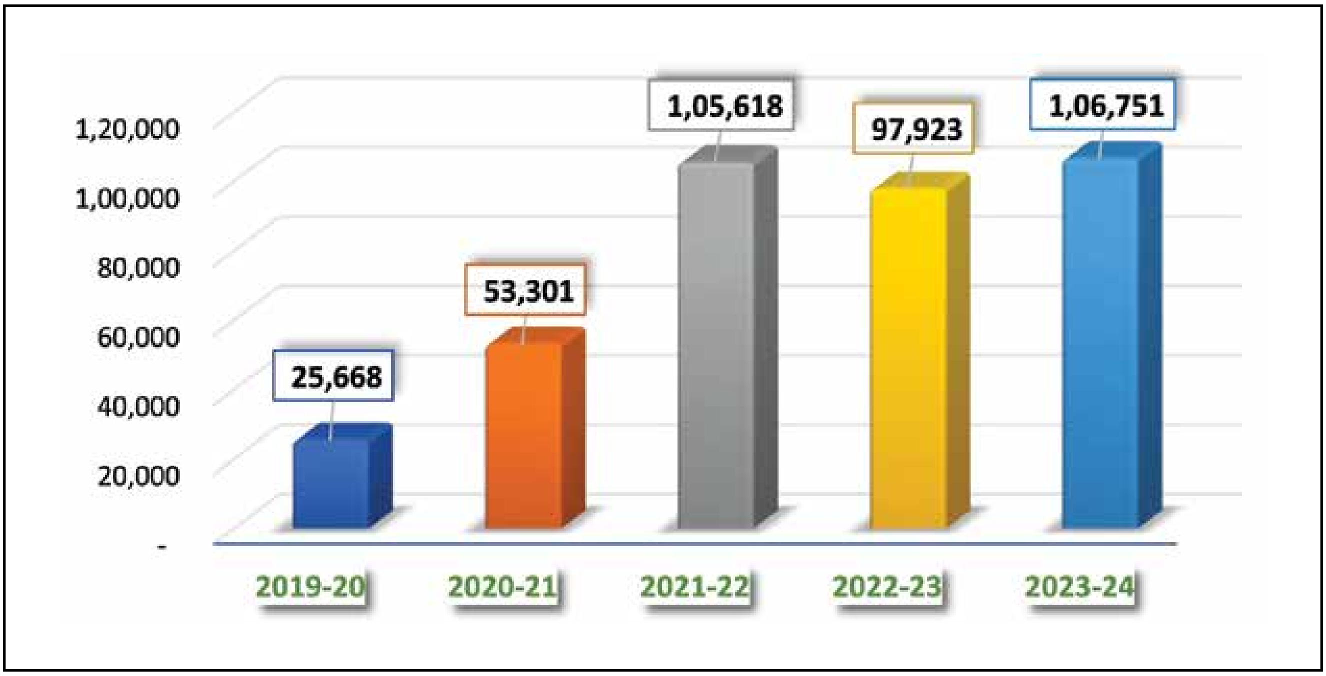

कौशल पाठयक्रम (अल्पावधि)

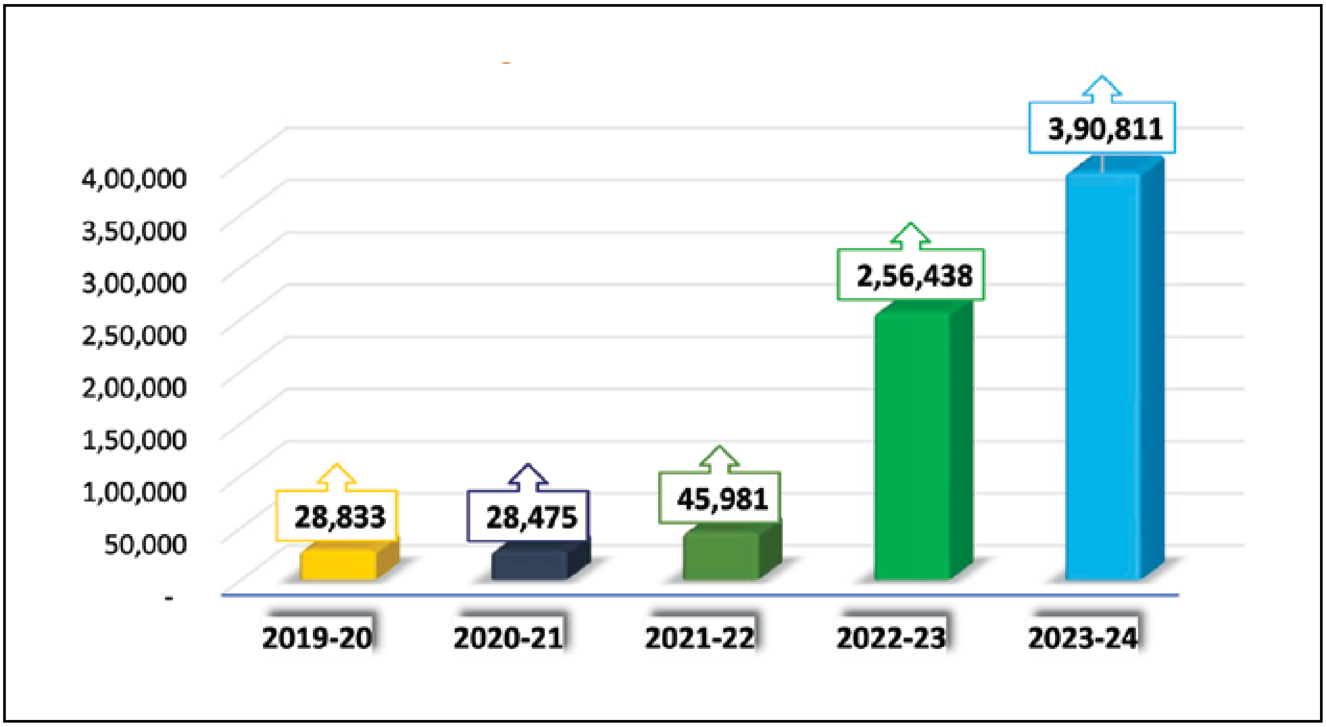

डिजिटल क्षमता कार्यक्रम

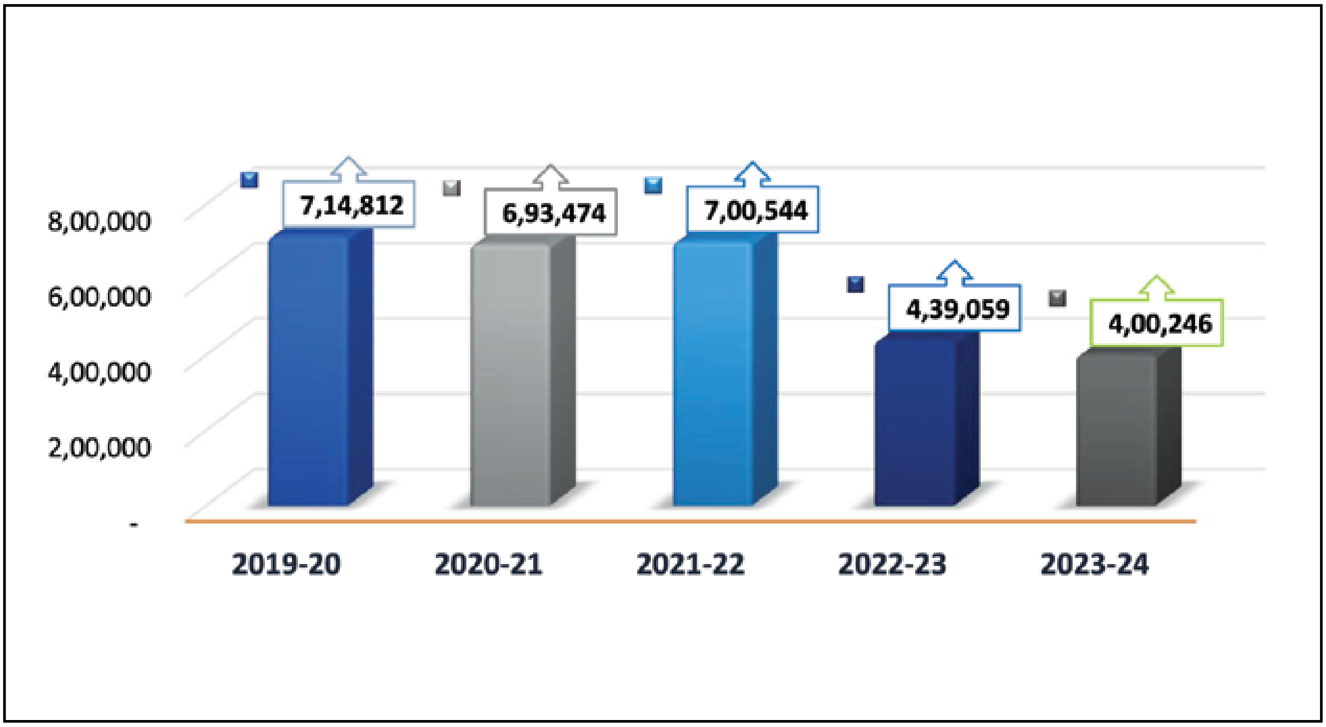

पिछले 5 वर्षों के समग्र प्रशिक्षण आँकड़े

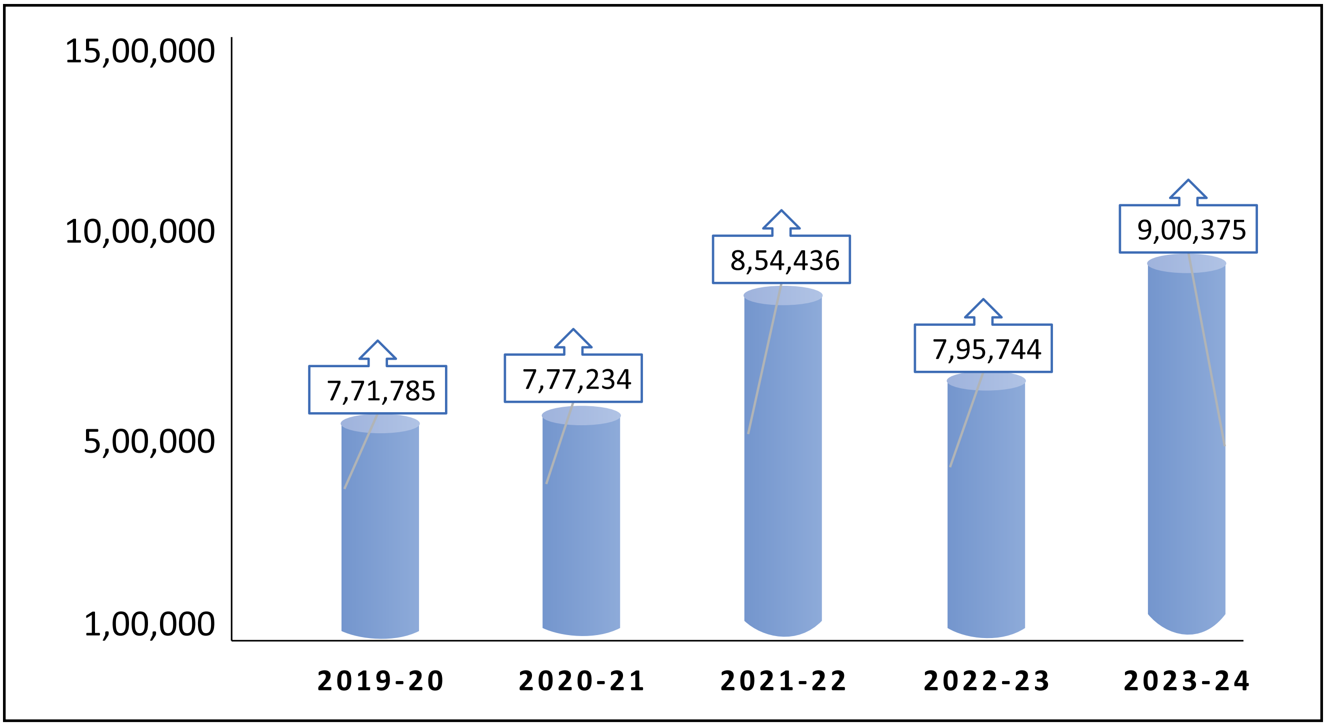

पिछले 5 वर्षों के समग्र प्रमाणन आँकड़े

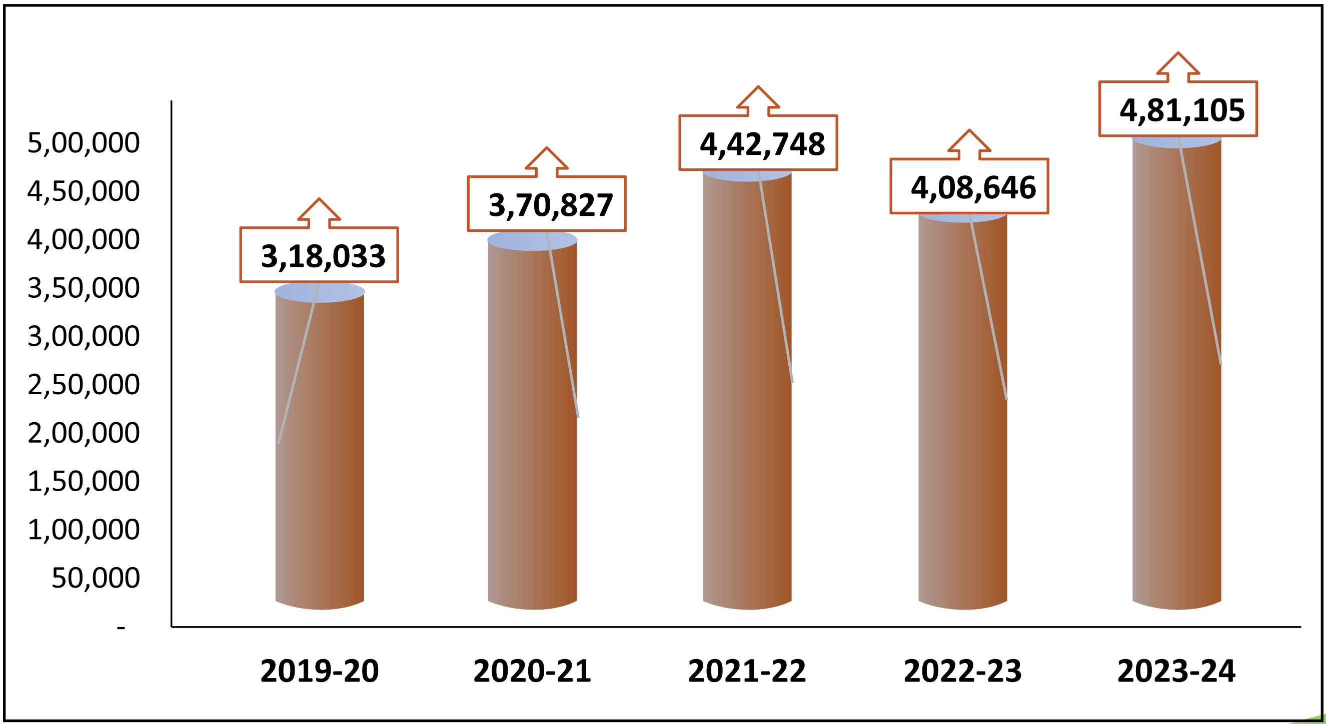

आय बनाम व्यय

(एनपीआर परियोजना को छोड़कर) (रु करोड़ में)

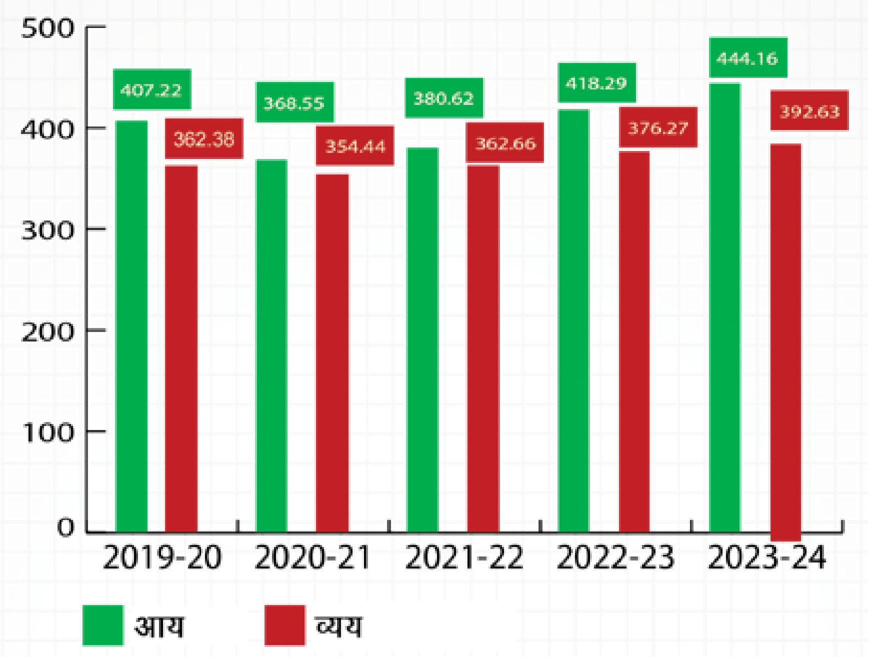

अधिशेष

(एनपीआर परियोजना को छोड़कर) (रु करोड़ में)

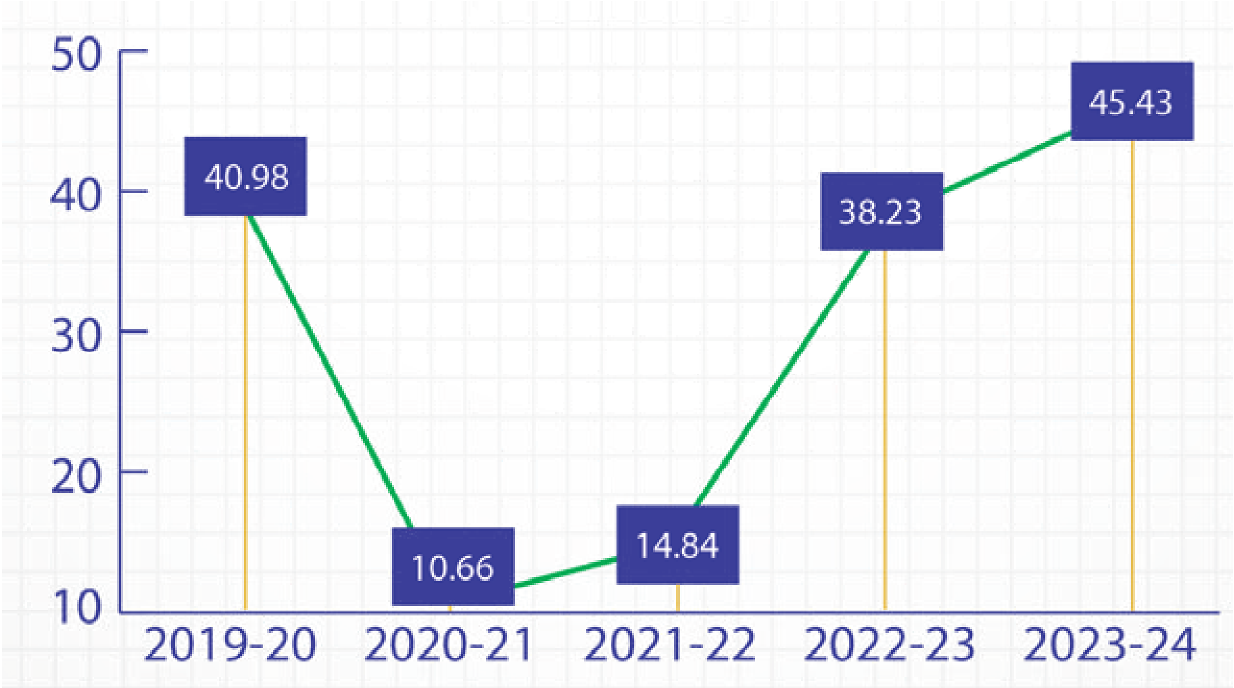

वर्ष 2023–24 के लिए गतिविधि अनुसार राजस्व सूजन

(एनपीआर परियोजना को छोड़कर) *(रु करोड़ में)*

प्रकाशन की बिक्री से आय	0.04
टाउनशिप से प्राप्तियां	0.44
अनुदान/सब्सिडी	4.12
अर्जित ब्याज	38.06
विविध आय	36.94
शुल्क/सदस्यता	101.91
परियोजनाओं से आय	119.63
बिक्री/सेवा से आय	143.02
कुल	**444.16**

व्यय का विवरण 2023–24

(एनपीआर परियोजना को छोड़कर) *(रु करोड़ में)*

मूल्यह्रास	19.71
अन्य प्रशासनिक व्यय	50.24
परियोजनाओं पर व्यय	120.48
स्थापना व्यय	73.97
सेवाओं पर व्यय	128.23
कुल	**392.63**

प्रकाशित शोध-पत्र

- नाइलिट अगरतला के अथर्व मुकुल मुजुमदार, निर्मल्या कर, प्रियंका बिस्वास और अनुराग माथुर, ''मेडिकल क्षेत्र में होमोमॉर्फिक एन्क्रिप्शन का गुणात्मक विश्लेषण।'' सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स और बुद्धिमान संचार प्रणाली, 2024 पर आईईई अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन। आईसीआईटीईआईसीएस 2024।
- नाइलिट अगरतला के कुमार अमिताभ एवं अनुराग माथुर। ''भारत के उत्तर–पूर्वी क्षेत्र में शासकीय अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं पर अस्पताल उपकरणों की मरम्मत एवं रखरखाव का प्रभाव'', संचार, इलेक्ट्रॉनिकी और डिजिटल प्रौद्योगिकी–एनआईसीई–डीटी 2024 पर नाइलिट अंतराष्ट्रीय सम्मेलन ।
- नाइलिट अगरतला के नीलाद्रि दास, स्वनिर्भर मजूमदार, "क्लाउड वातावरण में बायोमेट्रिक लक्षणों की जीवंतता संबंधी खोज तथा कार्यान्वयन की आवश्यकता", संचार, इलेक्ट्रॉनिकी और डिजिटल प्रौद्योगिकी– एनआईसीई–डीटी 2023 पर नाइलिट अंतराष्ट्रीय सम्मेलन।
- नाइलिट केंद्र, अगरतला के पौलोमी देब, निर्मल्या कर, नीलाद्रि दास, विकी दत्ता, "मशीन लर्निंग का उपयोग करके विंडोज़ वातावरण में मैलवेयर की खोज", संचार, इलेक्ट्रॉनिकी और डिजिटल प्रौद्योगिकी–एनआईसीई–डीटी 2023 पर नाइलिट अंतराष्ट्रीय सम्मेलन।
- नाइलिट केंद्र, अगरतला के बिस्वजीत देबनाथ, निर्मल्या कर, प्रियंका विश्वास, नीलाद्री दास, "फ़िशिंग, स्मिशिंग एवं विशिंग पर एक व्यापक मूल्यांकन", आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में डेटा विज्ञान और अन्वेषण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, कोड एआई 2024, एमएएचई, बेंगलुरू।
- नाइलिट केंद्र, अगरतला के बिनॉय दास, जयंत पाल, "सहायक प्रौद्योगिकी का उपयोग करके विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों हेतु एसटीईएम को अधिक सुलभ बनाने की चुनौतियों एवं संभावनाओं की खोज", स्प्रिंगर, एनआईसीईडीटी–2024, खंड–2।
- नाइलिट केंद्र, अगरतला के बिनॉय दास, मोहम्मद रेयाद हुसैन, सुभ्रजीत रॉय, राकेश कुमार गोदी, बिभाष सेन, जयंत पाल, "विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों के लिए सांकेतिक भाषा आधारित वर्चुअल सहायकः एक एचसीआई परिप्रेक्ष्य", कोड–एआई 2024, एमएएचई, बेंगलुरू।
- नाइलिट केंद्र, अगरतला के सुभ्रजीत रॉय, बिनॉय दास, "ध्वनि रहित वर्चुअल असिस्टेंट के लिए लॉन्ग शॉर्ट–टर्म मेमोरी नेटवर्क का उपयोग करके मशीन के मोशन अनुकूलन को समझना" इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डिजिटल टेक्नोलॉजीज [आईजेडीटी], एनआईसीईडीटी2023
- नाइलिट अगरतला के सुरजीत पॉल, बिनॉय दास, देबराज राणा, "क्षतिग्रस्त मोबाइल डिवाइस पर डेटा निष्कर्षणः एक फोरेंसिक केस स्टडी", आईजेडीटी, एनआईसीईडीटी–2024
- नाइलिट अगरतला की श्रीजा उपाध्याय, रेयाद हुसैन "सुरक्षित महिलाएंः महिलाओं की सुरक्षा के लिए एक एंड्रॉइड ऐप" ijisrt23aug1221https://ijisrt.com/safe-women-an-android-app-for-womens-safety.
- नाइलिट अगरतला के अंबालिका डे, सुमित भौमिक, "उन्नत खतरा पहचानः अतिक्रमण का पता लगाने हेतु मशीन लर्निंग का उपयोग" आईजेआरएएसईटी 64096, 2024
- नाइलिट अगरतला के रक्तिम आचार्जी, कौशिक दत्ता, कुमार अमिताभ, "दृष्टिबाधित लोगों के लिए उत्तम शिक्षा की पहुंच, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ क्रिएटिव रिसर्च थॉट्स, आईजेसीआरटी 2301209, 2023
- नाइलिट अगरतला के तुषार देबनाथ एवं कुमार अमिताभ, "प्रिंसिपल कंपोनेंट एनालिसिस द्वारा भ्रूण ईसीजी निष्कर्षण", द साइंस एंड इंजीनियरिंग – साइंस एंड इंजीनियरिंग जर्नल, 0103–944ग, 2022
- नाइलिट अगरतला के तुषार देबनाथ, सुरजीत पॉल, कुमार अमिताभ, "ध्वनि का उपयोग करके इमेज रेस्टोरेशन गुणवत्ता माप", एसएसआरजी इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, आईजेईसीई– वी10आई2पी101, 2023

- नाइलिट अगरतला के पॉलोमी देब, निर्मल्या कर, खोंडेकर लुत्फुल हसन, भास्कर बिस्वास, "उन्नत कॉपी–मूव जालसाजी की खोजबीन : इमेज फोरेंसिक हेतु एसआईएफटी एल्मोरिदम सहित संयोजन में एकेएज़ेडई का उपयोग", माइक्रोसिस्टम टेक्नोलॉजीज, 2024 – स्प्रिंगर।
- आरटीएल सत्यापन हेतु समानांतर बीमफॉर्मर मॉडल का डिजाइन एवं विकास। नाइलिट कालीकट के किदव, जेयू, श्रीजीश, एसजी, शक्तिवेल. आर। (2024) नाइलिट संचार, इलेक्ट्रॉनिकी एवं डिजिटल प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन पर कार्यवाही। एनआईसीईडीटी 2024। नेटवर्क और सिस्टम में व्याख्यान नोट्स, खंड 1023। स्प्रिंगर, स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-3604-1_3.
- नाइलिट कालीकट के श्रीजीश एस.जी., शक्तिवेल आर., और किदव, जे.यू.। (2024)। विभिन्न अल्ट्रासाउंड बीमफॉर्मर डिजाइन एवं आर्किटेक्चरः एक अपडेट। इंजीनियरिंग रिसर्च के सिद्धांत एवं अनुप्रयोग खंड 7, 64–83। https://doi.org/10-9734/bpi/taer/v7/2916G.
- डिजिटल रिसीव बीमफॉर्मर एएसआईसी आधारित अल्ट्रासाउंड इमेजिंग सिस्टम प्रोटोटाइप का डिज़ाइन नाइलिट कालीकट के जयराज यू. किदव, एम. राजेश, एसजी श्रीजीश, पवन कुमार, नवीन कुमार, और पी. विनिशा, जर्नल ऑफ सर्किट्स, सिस्टम्स एंड कंप्यूटर्स।
- नाइलिट कालीकट, (2024) के उमेश एस, विमला मैथ्यू, प्रवीण कुमार, पूर्णिमा थंगम आई, अमल कृष्ण यू, नंदकुमार आर। इंटरनेशनल जर्नल फॉर रिसर्च इन एप्लाइड साइंस एंड इंजीनियरिंग, पेपर टाइटलः एन्हांस्ड सुपर रेजोल्यूशन जेनरेटिव एडवर्सरीयल नेटवर्क का उपयोग करके चावल के पत्तों की बीमारी संबंधी भविष्यवाणी मॉडल का प्रदर्शनात्मक सुधार।
- नाइलिट कालीकट, (2024) के रोशन आरपी, स्वेता के, वी मैथ्यू, इंटरनेशनल जर्नल फॉर रिसर्च इन एप्लाइड साइंस एंड इंजीनियरिंग, पेपर टाइटलः जेनरेटिव एआई का उपयोग करके हस्तलिखित पाठ पहचान का अवलोकनः अत्याधुनिक दृष्टिकोण, प्रमुख चुनौतियाँ और भविष्य की संभावनाएं।
- नाइलिट कालीकट के नायर, एसएस एवं संथा, टी., ''नेस्टेड वर्चुअलाइजेशन का उपयोग करके कर्नेल–आधारित वर्चुअल मशीन की उपलब्धता'', मापनः सेंसर, एल्सेवियर (एससीओपीयूएस), अप्रैल 2023।
- नाइलिट कालीकट के राजेश.एम, पी. रंगबाबू, जयराज यू. किदव, अर्धा.सी. सनी, निव्या.एन., ''आईओटी अनुप्रयोगों को लक्षित करने वाले एम्बेडेड मल्टी–कोर आर्किटेक्चर हेतु हाइपरवाइजर'', इंटरनेशनल जर्नल ऑफ डिजिटल टेक्नोलॉजीज, नाइलिट, वॉल्यूम 2 संख्या 1 (2023)।
- नाइलिट कालीकट के राजेश एम, धिनेश कुमार एस एवं मनोज एन, "औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए स्मार्ट पोजिशनर प्रोटोटाइप का अध्ययन और कार्यान्वयन", नाइलिट का संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और डिजिटल प्रौद्योगिकियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एनआईसीडीटी–2024), गुवाहाटी (2024)।
- नाइलिट कालीकट के डॉ. जयराज किदव, श्री राम पवन एवं राजेश एम, "इंटेलएँ आईपीपी का उपयोग करके एक पीसी–आधारित अल्ट्रासाउंड कलर डॉपलर प्रदर्शन सुधार", नाइलिट का संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और डिजिटल प्रौद्योगिकियों पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एनआईसीडीटी–2024), गुवाहाटी (2024)।
- वीएलएसआई डिजाइन और परीक्षण पर 28वीं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (वीडीएटी 2024) संख्या सैद्धांतिक परिवर्तन आईपी कोर का डिजाइन, सत्यापन एवं लक्षण वर्णन 979–8–3503–8010–1/24/+31.00 ऊ2024 आईईईई, नाइलिट कालीकट के कोराबॉयिना अनुषा, आर नंदकुमार।
- वर्ष 2023 में, नाइलिट आइजोल के सी ज़ोरेमसांगा ने स्प्रिंगर में "भारत में वर्षा की भविष्यवाणी के लिए दीर्घ–अल्पकालिक स्मृति का तुलनात्मक अध्ययन" शीर्षक संबंधी शोध–पत्र प्रकाशित किया।
- वर्ष 2024 में, नाइलिट आइजोल के सी ज़ोरेमसांगा ने आईईईई में ''वर्षा की भविष्यवाणी हेतु पार्टिकल स्वार्म ऑप्टिमाइज्ड डीप लर्निंग मॉडलः आइजोल, मिजोरम में एक केस स्टडी'' शीर्षक संबंधी शोध–पत्र प्रकाशित किया।
- वर्ष 2024 में, नाइलिट आइजोल के डॉ. वनलालहरुइया ने स्प्रिंगर में "बुनाई पैटर्न के स्वचालित निर्माण हेतु प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग" शीर्षक संबंधी शोध–पत्र प्रकाशित किया।

- वर्ष 2023 में, नाइलिट आइजोल के डॉ. टी. गुणेंद्र सिंह ने स्प्रिंगर में "पैप स्मीयर इमेज में ओवरलैपिंग क्लंप्स से सटीक सरवाइकल ट्यूमर सेल विभाजन एवं वर्गीकरण" शीर्षक संबंधी शोध–पत्र प्रकाशित किया।
- वर्ष 2024 में, नाइलिट आइजोल के डॉ. टी. गुणेन्द्र सिंह ने स्प्रिंगर में "डीप लर्निंग तकनीकों का उपयोग करके गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर का कुशल विभाजन" शीर्षक संबंधी शोध–पत्र प्रकाशित किया।
- वर्ष 2024 में, नाइलिट आइजोल के डॉ. वनलालहरूइया, डॉ. टी. गुनेंद्र सिंह, वनलालहमंगइहा खियांगते ने स्प्रिंगर में "प्रॉम्प्ट इंजीनियरिंग के माध्यम से परीक्षा में बैठने की व्यवस्था को सुव्यवस्थित करना: एक अभिनव दृष्टिकोण" शीर्षक संबंधी शोध–पत्र प्रकाशित किया।
- नाइलिट गोरखपुर के देवी, टी किरुबा; पोलेपका, संजीव; रस्तोगी, रवि; वाटेगांवकर, सोमनाथ रघुनाथ; अच्युतन, अरविंदन ने ''आर्डुइनो का उपयोग करके अल्ट्रासोनिक ध्वनि खोज एवं रेंजिंग विधि पर उन्नत विश्लेषण'' शीर्षक संबंधी शोध–पत्र प्रकाशित किया। वर्ष 2023 में आईईईई में स्मार्ट सिस्टम एवं इन्वेंटिव टेक्नोलॉजी (आईसीएसएसआईटी) पर 5वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
- नाइलिट गोरखपुर के पद्मजा, वोलेटी; तमिज़सेलवी, ए; कथिर, आई; मोहन, अरविंद; पाल, सुभरुन; रस्तोगी, रवि ने ''पीएसओ–एलएसएसवीएम दृष्टिकोण आधारित व्यक्तिक घरेलू स्तर पर भविष्यवाणी एवं बिजली का पूर्वानुमान'' शीर्षक संबंधी शोध–पत्र प्रकाशित किया है। वर्ष 2023 में आईईईई में इलेक्ट्रॉनिक्स, संचार और एयरोस्पेस प्रौद्योगिकी (आईसीईसीए) पर 7वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
- नाइलिट गोरखपुर के यूसुफ, जोसना; अय्यप्पन, एम; कार्तिकेयन, सी; कथिरावन, माथुर नादराजन; रस्तोगी, रवि; गीता, ए; ने ''जीआरयूएसवीएम दृष्टिकोण के आधार पर हड्डी के फ्रेक्चर का उन्नत कंप्यूटर–सहायक खोज एवं वर्गीकरण'' शीर्षक संबंधी शोध–पत्र प्रकाशित किया है। वर्ष 2023 में आईईईई में इलेक्ट्रॉनिक्स, संचार और एयरोस्पेस प्रौद्योगिकी (आईसीईसीए) पर 7वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
- नाइलिट गोरखपुर के कौर, अमनप्रीत; कल्पनादेवी, डी; गायत्री, जीएस; शांतनु, कुमार; रस्तोगी, रवि; वानखेड़े, चेतन ए; ने ''केएनएन एवं सपोर्ट वेक्टर मशीन के माध्यम से लीफ इमेज का उपयोग करके सेब के पौधे में रोग का पता लगाना'' शीर्षक शोध–पत्र प्रकाशित किया है। वर्ष 2023 में, आईईईई में स्वचालन, कंप्यूटिंग एवं नवीकरणीय प्रणालियों पर दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीएसीआरएस)
- नाइलिट गोरखपुर के अविनाश, भाग्यलक्ष्मी; आलम, मोहम्मद शब्बीर; घमंडे, मानसी व्यंकटेश; गुप्ता, कीरत कुमार; रस्तोगी, रवि; ने ''सुधारित–सीएनएन–एसवीएम दृष्टिकोण का उपयोग करके मधुमेह पैर के अल्सर की इमेज में संक्रमण का स्वचालित पता लगाना'' शीर्षक शोध–पत्र प्रकाशित किया। वर्ष 2023 में, आईईईई में इलेक्ट्रॉनिक्स, संचार एवं एयरोस्पेस प्रौद्योगिकी पर 7वां अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीईसीए)।
- नाइलिट गोरखपुर के पुंडीर, आदित्य कुमार सिंह; नायक, उल्लाल अक्षता; गायत्री, डी; जमालपुर, भावना; रस्तोगी, रवि; ''आरएमएसई और एक्सट्रीम लर्निंग मशीन पर आधारित प्रारंभिक सर्वाइकल कैंसर डायग्नोस्टिक्स डिटेक्शन'' शीर्षक शोध–पत्र प्रकाशित किया है। वर्ष 2023 में, आईईईई में सेल्फ सस्टेनेबल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिस्टम (आईसीएसएसएएस) पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन।
- नाइलिट चेन्नई (2024) के चेरुकाट, एस., बाजपेयी, आई.के., प्रिया थरशिनी, एस., खादर, एन.जी., लालमोहन, के.एस.। गैर–अतिक्रमण आधारित दूरस्थ मधुमक्खी पालन निगरानी प्रणाली। शिवकुमार, पी., महंत, एस., सिंह, वाई.जे.(संपादक) नाइलिट के संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और डिजिटल प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संबंधी कार्य। एन.आई.सी.ई.डी.टी. 2024। नेटवर्क और सिस्टम में व्याख्यान नोट्स, खंड 1023। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-3604-1_11
- नाइलिट चेन्नई (2024) के थॉमस, जे., बाजपेयी, आई.के., चेरुकाट, एस., लालमोहन, के.एस.। फार्मास्युटिकल उद्योग हेतु आईओटी–आधारित परिवहन निगरानी प्रणाली। शिवकुमार, पी., महंत, एस., सिंह, वाई.जे. (संपादक) नाइलिट के संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और डिजिटल प्रौद्योगिकी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन संबंधी कार्य। एन आईसीईडीटी 2024। नेटवर्क और सिस्टम में व्याख्यान नोट्स, खंड 1023। स्प्रिंगर, सिंगापुर। https://doi.org/10.1007/978-981-97-3604-1_10

नाइलिट केन्द्रों का विस्तार

सुदूर क्षेत्रों के छात्रों के लाभ हेतु आवासीय सुविधाओं के साथ एक उत्कृष्ट मूलभूत ढांचा प्रदान करने की दृष्टि से, एमईआईटीवाई देश के विभिन्न भागों में नाइलिट केंद्रों के स्थायी परिसरों की स्थापना हेतु आर्थिक सहयोग करता है। किराया–मुक्त निर्मित स्थान/ भूमि के रूप में सहायता प्राप्त करने हेतु संबंधित राज्य सरकारों के साथ भी प्रयास किए जा रहे हैं। स्थायी परिसरों की स्थापना के अतिरिक्त, राज्य में संबंधित नाइलिट केंद्रों की निगरानी में दूरदराज के क्षेत्रों में विस्तार केंद्र स्थापित करने तथा मौजूदा केंद्रों के बुनियादी ढांचे को उन्नत बनाने के भी प्रयास किए जा रहे हैं।

वर्ष 2023–24 के दौरान उद्घाटन किए जाने वाले नाइलिट केंद्र/ प्रयोगशालाएं/ अवसंरचनाएं:

(i) नाइलिट गंगटोक का उद्घाटन:

नाइलिट गंगटोक के बेंगथांग, पचायखानी में स्थायी परिसर का उद्घाटन दिनांक: 8 अप्रैल, 2023 को श्री अलकेश कुमार शर्मा, आईएएस, सचिव, एमईआईटीवाई द्वारा श्री तेनजिंग नोरबू लामथा, माननीय सलाहकार, डीआईटी, सिक्किम सरकार; श्री नवराज गुरुंग, माननीय अध्यक्ष, डीआईटी, सिक्किम सरकार, श्री योगेंद्र शर्मा, सचिव, डीआईटी, सिक्किम सरकार तथा नाइलिट के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया।

(ii) नाइलिट बक्सर का उद्घाटन:

बक्सर, बिहार में नाइलिट विस्तार केंद्र की स्थापना एमईआईटीवाई द्वारा वित्तपोषित परियोजना के अंतर्गत, बक्सर, बिहार में एक पूर्ण विकसित स्थायी परिसर स्थापित किया गया है। बक्सर केंद्र का उद्घाटन दिनांक: 30 जनवरी, 2024 को माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय श्री अश्विनी कुमार चौबे द्वारा वर्चुअली किया गया।

(iii) नाइलिट बीकानेर का उद्घाटनः

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित परियोजना– ''बीकानेर में नाइलिट केंद्र की स्थापना'' के अंतर्गत, राजस्थान के बीकानेर में एक नया नाइलिट केंद्र स्थापित किया गया। इस केंद्र का उद्घाटन बीकानेर के माननीय सांसद और विधि एवं न्याय राज्य मंत्री श्री अर्जुन राम मेघवाल ने दिनांकः 23 फरवरी, 2024 को किया।

(iv) नाइलिट हैदराबाद का उद्घाटन

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) ने ''तेलंगाना के हैदराबाद में नाइलिट केंद्र की स्थापना'' शीर्षक परियोजना के लिए प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की, जिसका कुल बजट परिव्यय रु. 474.26 लाख है। तेलंगाना सरकार ने नाइलिट केंद्र की स्थापना हेतु हैदराबाद के बेगमपेट में अशोक रघुपति चैंबर्स में लगभग 11,000 वर्ग फीट निर्मित स्थान आवंटित किया है। हैदराबाद में नाइलिट केंद्र का उद्घाटन दिनांकः 13 मार्च, 2024 को माननीय केंद्रीय पर्यटन, संस्कृति और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास (डोनर) मंत्री श्री जी. किशन रेड्डी द्वारा किया गया।

(v) नाइलिट श्रीनगर में एआई प्रयोगशाला तथा छात्रावास का उद्घाटन

नाइलिट श्रीनगर के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रयोगशाला तथा बालकों के हॉस्टल का श्री अलकेश कुमार शर्मा, तत्कालीन सचिव, एमईआईटीवाई द्वारा अन्य विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति में दिनांकः 1 अप्रैल, 2023 उद्घाटन किया गया, जिनमें प्रोफेसर नजीर अहमद गनई, शेर–ए–कश्मीर कृषि विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कश्मीर (एसकेयूएएसटी–कश्मीर) के कुलपति; श्री अभिषेक शर्मा, जम्मू और कश्मीर ई–गवर्नेंस एजेंसी (जेकेईजीए), जम्मू और कश्मीर सरकार के सीईओ; डॉ. अयाज हसन मून, डीन स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, आईयूएसटी; प्रोफेसर टीएच मसूदी, रजिस्ट्रार, एसकेएयूएसटी–कश्मीर एवं नाइलिट के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

(vi) नई आईओटी प्रयोगशाला तथा 3डी प्रिंटिंग प्रयोगशाला का उद्‌घाटन

नाइलिट कोहिमा में दिनांकः 28 जुलाई, 2023 को, श्री सेथरोंगक्यू, सलाहकार, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग, नागालैंड सरकार ने नई आईओटी प्रयोगशाला तथा 3डी प्रिंटिंग प्रयोगशाला का उद्‌घाटन किया। यह प्रयोगशाला अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित है तथा आशा है कि यह छात्रों को उभरती तकनीकों और नवाचारों से अवगत कराएगी, जिससे वे वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा हेतु तैयार होंगे।

कॉर्पोरेट प्रशिक्षण

नाइलिट विभिन्न राज्य सरकारों तथा केंद्रीय मंत्रालयों के सरकारी अधिकारियों के क्षमता–निर्माण और कौशल उन्नयन हेतु अधिमानित एजेंसियों में से एक है। **वर्ष 2023–24 में नाइलिट द्वारा किए गए कुछ कॉर्पोरेट प्रशिक्षणों का संक्षिप्त विवरण कुछ इस प्रकार हैः**

(i) असम पुलिस/ सीआईडी असम हेतु प्रशिक्षण

नाइलिट गुवाहाटी ने साइबर फोरेंसिक असम पुलिस/ सीआईडी असम के अधिकारियों के लिए नेटवर्क फोरेंसिक, मोबाइल फोरेंसिक, डिस्क फोरेंसिक, सोशल मीडिया और क्लाउड फोरेंसिक आदि पर एक सप्ताह का उन्नत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें एसीपी, इंस्पेक्टर, एसआई रैंक के अधिकारियों ने भाग लिया। कुल मिलाकर, केंद्र ने वर्ष 2023–24 में असम के 700 से अधिक सीआईडी/ पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षण प्रदान किया।

(ii) उत्तराखंड राज्य सरकार के अधिकारियों हेतु प्रशिक्षण

वर्ष 2023–24 में, नाइलिट हरिद्वार ने उत्तराखंड राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के लगभग 282 अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम साइबर सुरक्षा और विंडोज़ उत्पादकता उपकरण विषय पर आयोजित किए गए।

(iii) एईसी, पचमढ़ी में रक्षा कार्मिकों को प्रशिक्षण

नाइलिट कोलकाता द्वारा रक्षा कार्मिकों हेतु एईसी प्रशिक्षण महाविद्यालय एवं केंद्र, पचमढ़ी, मध्य प्रदेश में साइबर सुरक्षा एवं सोशल मीडिया विश्लेषक (480 घंटे) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस पाठ्यक्रम में कुल 39 रक्षा कार्मिकों को प्रशिक्षित किया गया जिसमें, उन्नत नेटवर्किंग, साइबर सुरक्षा एवं फोरेंसिक, सोशल मीडिया विश्लेषण, पायथन, लिनक्स एवं सर्वर एडमिनिस्ट्रेशन का उपयोग करके एमएल, तथा बिग डेटा एवं क्लाउड कंप्यूटिंग जैसे विघटनकारी प्रौद्योगिकी जैसे विषयों को सम्मिलित किया गया।

(iv) लद्दाख के सरकारी कर्मचारियों हेतु क्षमता—निर्माण

वर्ष 2023—24 में, नाइलिट लेह ने लद्दाख के सरकारी अधिकारियों हेतु विभिन्न क्षमता—निर्माण कार्यक्रम आयोजित किए। केंद्र ने लद्दाख के सरकारी कर्मचारियों की 30 नई भर्तियों के लिए 7—दिवसीय क्षमता—निर्माण प्रशिक्षण आयोजित किया। इसके अतिरिक्त, केंद्र ने जिला—लेह के प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के लिए भी समान प्रशिक्षण आयोजित किया, जिसमें 250 प्रधानाध्यापकों को प्रशिक्षित किया गया। इसके अतिरिक्त, लेह जिले के समाज कल्याण और जनजातीय कर्मचारियों की 25 भर्तियों हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

(v) आईटी विभाग, जम्मू और कश्मीर के लिए प्रशिक्षण

नाइलिट जम्मू और कश्मीर ने जम्मू—कश्मीर, यूटी के सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के अधिकारियों हेतु साइबर सुरक्षा पर 3 सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जम्मू—कश्मीर सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) विभाग तथा नाइलिट जम्मू और कश्मीर के सहयोग से विभाग द्वारा स्थापित उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के तहत आयोजित किया गया था। वर्ष 2023—24 में कुल 111 अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

(vi) जम्मू—कश्मीर के सीआईडी अधिकारियों तथा राज्य कर विभाग हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम

नाइलिट जम्मू और कश्मीर ने सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी), यूटी जम्मू और कश्मीर द्वारा प्रायोजित आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) के 44 अधिकारियों हेतु एमएस—ऑफिस में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। साथ ही, केंद्र ने राज्य कर विभाग (एसटीडी), जम्मू और कश्मीर के 20 अधिकारियों के लिए एमएस—एक्सेल की उन्नत सुविधाओं का उपयोग करके डेटा विश्लेषण' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।

(vii) बिहार पुलिस अकादमी का क्षमता–निर्माण

सोशल मीडिया सुरक्षा पर प्रशिक्षण

नाइलिट पटना टीम ने कंप्यूटर डेटाबेस प्रबंधन जैसे विभिन्न विषयों पर कुछ व्यापक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए। बिजनेस इंटेलिजेंस तथा एडवांस साइबर सुरक्षा, सोशल मीडिया सुरक्षा आदि। बिहार पुलिस अकादमी, राजगीर में पुलिस उपनिरीक्षकों (प्रोबेशनरी) के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षण तैयार किया गया। प्रशिक्षण विभिन्न बैचों में आयोजित किए गए थे क्योंकि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पुलिस कर्मियों ने भाग लिया था। व्यावहारिक निर्देश और इंटरैक्टिव सत्रों के माध्यम से, प्रतिभागियों को आधुनिक कानून प्रवर्तन की उभरती मांगों को सहजता से पूर्ण करने हेतु आवश्यक कौशल सहित प्रशिक्षित किया गया।

प्रशिक्षण कम्प्यूटर डाटाबेस प्रबंधन

(viii) झारखंड राज्य सरकार हेतु डिजिटल योग्यता कार्यक्रम।

वर्ष 2023–24 के दौरान, नाइलिट रांची ने झारखंड सरकार के गृह, जेल तथा आपदा प्रबंधन विभाग के 90 सहायक लोक अभियोजकों के लिए पाँच दिवसीय बेसिक कंप्यूटर कोर्स (बीसीसी) प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। साथ ही, वर्ष 2023–24 में केंद्र ने झारखंड सरकार के गृह, जेल और आपदा प्रबंधन विभाग के 18 जेल अधीक्षकों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया था।

(ix) हिमाचल प्रदेश विद्युत बोर्ड के अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

वर्ष 2023–24 के दौरान, नाइलिट शिमला ने हिमाचल प्रदेश विद्युत बोर्ड के 60 प्रतिभागियों के लिए कार्यालय स्वचालन, सामाजिक नेटवर्किंग और साइबर सुरक्षा मूलभूत विषय पर 03 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया।

(x) मिजोरम सरकार के कर्मचारियों का कौशल विकास

नाइलिट आइजोल ने नाइलिट विस्तार केंद्र, लुंगलेई में ''सरकारी कर्मचारियों के लिए एमएस–एक्सेल एवं साइबर सुरक्षा मूलभूत सूचना पर एक दिवसीय प्रशिक्षण'' आयोजित किया। डीसी ऑफिस, एसपी ऑफिस और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), लुंगलेई के कुल 50 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया।

(xi) एसटीपीआई के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए कॉर्पोरेट प्रशिक्षण

नाइलिट चंडीगढ़ ने जुलाई, 2023 में एसटीपीआई (सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया) के 21 वरिष्ठ अधिकारियों के लिए छह दिवसीय कॉर्पोरेट प्रशिक्षण आयोजित किया जिसमें, एआई, डेटा साइंस, मशीन लर्निंग और ब्लॉकचेन जैसी उभरती प्रौद्योगिकियां और केस स्टडीज जैसे विषय सम्मिलित थे।

वित्त पोषित परियोजनाओं के अंतर्गत क्षमता–निर्माण के कुछ मुख्य बिन्दु

(i) ईएसडीएम क्षेत्र में कौशल विकास

नाइलिट, ईएसडीएम में कौशल विकास के लिए योजना को लागू करने वाली प्रमुख कार्यान्वयन एजेंसियों में से एक है तथा जिसे, एमईआईटीवाई द्वारा वित्त पोषित किया जाता है एवं कार्यक्रम प्रबंधन इकाई की स्थापना नाइलिट द्वारा की जाती है। दिनांकः 31 मार्च, 2024 तक, नाइलिट ने 54,681 अभ्यर्थियों को नामांकित किया है, जिनमें से 54,626 को प्रशिक्षित किया गया है तथा 30,097 को प्रमाणित किया गया है तथा 4,160 अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रदान की गई है।

(ii) डीजीई, एमओएलएंडई द्वारा वित्त पोषित एससी/एसटी जॉब सिकर्स हेतु कौशल कार्यक्रम

नाइलिट, रोजगार महानिदेशालय (डीजीई), श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित एससी/एसटी जॉब सिकर्स को कंप्यूटर प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित कर रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत एससी/एसटी जॉब सिकर्स हेतु 5 पाठ्यक्रमों में एक वर्षीय प्रशिक्षण आयोजित किया जाता है, अर्थात् (i) ओ लेवल (आईटी) (ii) सीएचएमटी–ओ लेवल (iii) ऑफिस ऑटोमेशन अकाउंटिंग पब्लिशिंग असिस्टेंट (iv) बिजनेस अकाउंटिंग एसोसिएट और (v) साइबर सिक्योर वेब डेवलपमेंट, जो

नाइलिट दिल्ली केन्द्र द्वारा एससी/एसटी अभ्यर्थियों हेतु पुस्तक वितरण

एससी/एसटी, डीजीई के लिए राष्ट्रीय करियर सेवा केंद्रों में पंजीकृत हैं। वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान, 21 नाइलिट केंद्रों की निगरानी में देश भर में 25 स्थानों पर प्रशिक्षण आयोजित किया जाता है। वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान, सभी 5 पाठ्यक्रमों में लक्षित 2925 में से कुल 2909 एससी/ एसटी अभ्यर्थी नामांकित हुए।

(iii) एमईआईटीवाई द्वारा वित्त पोषित एससी/एसटी अभ्यर्थियों को निशुल्क प्रशिक्षण

अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों को निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु एमईआईटीवाई द्वारा वित्तपोषित कार्यक्रम 2007 से नाइलिट केंद्रों में क्रियान्वित किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत, अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति समुदाय के अभ्यर्थियों को नाइलिट के विभिन्न डिग्री/ डिप्लोमा और एनएसक्यूएफ से सम्बद्ध अनौपचारिक पाठ्यक्रमों में निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है, यह एमईआईटीवाई की इन–काइंड डीबीटी योजना है। वित्त वर्ष 2023–24 में, कुल 4,704 अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों तथा 16,001 अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों को नाइलिट केन्द्रों द्वारा विभिन्न पाठ्यक्रमों में निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

(iv) नगर सहकारी बैंकों हेतु साइबर सुरक्षा पर क्षमता–निर्माणः

भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा प्रायोजित 'जागरूकता वृद्धि और नगर सहकारी बैंक (एवीटीयू) मिशन के लिए प्रशिक्षण' के अंतर्गत, नाइलिट केंद्र तीन अलग–अलग लक्षित समूहों अर्थात बोर्ड एवं वरिष्ठ प्रबंधन, तकनीकी अधिकारियों और कर्मचारियों (गैर–तकनीकी) के लिए नगर सहकारी बैंक (यूसीबी) अधिकारियों को साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण [7 से 16 घंटे] प्रदान कर रहे हैं। सीएबी–आरबीआई ने विभिन्न शहरी सहकारी बैंकों की कुल 338 इकाइयों के साथ दस (10) नाइलिट केंद्रों को चिह्नित किया है। दिनांकः 31 मार्च, 2024 तक, कुल 1505 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया है और कार्यक्रम के तहत 1499 अधिकारियों को प्रमाणित किया गया है।

(v) पूर्वोत्तर राज्यों में समाज के विभिन्न वर्गों के लिए आईईसीटी में क्षमता निर्माण।

एमईआईटीवाई द्वारा वित्त पोषित परियोजना जिसका शीर्षक है ''पूर्वोत्तर राज्यों में समाज के विभिन्न वर्गों के लिए डिजिटल कौशल सेट और वर्तमान उद्योग की मांग वाली प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षण सहित आईईसीटी में क्षमता निर्माण'', के तहत नाइलिट को पूर्वोत्तर राज्यों में कुल 1.665 लाख नागरिकों को प्रशिक्षित करना है।

मेघालय के सोहिओंग पूर्वी खासी हिल्स के नोंगुर गांव में किसानों के लिए
'प्रभावी खेती और विपणन के लिए आईसीटी प्रौद्योगिकियों के उपयोग'' पर जागरूकता कार्यक्रम

इस कार्यक्रम से पूर्वोत्तर समाज के विभिन्न वर्गों के लोगों को लाभ मिला है, जिनमें किसान से लेकर शिक्षक, स्कूल छोड़ने वाले बच्चे, स्नातक, बुजुर्ग, महिलाएं शामिल हैं, क्योंकि उन्हें उनकी आवश्यकता के अनुसार डिजिटल कौशल सेट/वर्तमान उद्योग की मांग वाली तकनीक पर प्रशिक्षण दिया गया है। लक्षित दर्शकों को 4 श्रेणी समूहों में विभाजित किया गया है। इसके अतिरिक्त, परियोजना का एक उद्देश्य पूर्वोत्तर क्षेत्र में स्थानीय स्टार्टअप और उद्यमिता विकास के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाना और उसे बढ़ावा देना है, जिसके परिणामस्वरूप कई स्टार्टअप को सहायता प्राप्त हुई है।

यह परियोजना पूर्वोत्तर राज्यों में सफल रही है; संक्षिप्त परिणाम निम्नानुसार है:

दिनांक 31.03.24 तक प्राप्त

	श्रेणी 1	श्रेणी 2	श्रेणी 3	श्रेणी 4	स्टार्ट–अप
लक्ष्य	1,20,860	30,800	6,240	8,600	25
हासिल किया	1,15,914	28,869	4,869	7,337	25
	किसानों, महिलाओं, बुजुर्गों और स्कूली छात्रों के लिए 1–3 दिन का जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा स्कूल छोड़ने वाले छात्रों के लिए 36 घंटे/6 दिन का प्रशिक्षण कार्यक्रम।	आईईसीटी के लिए डिजिटल कौशल में क्षमता निर्माण।	तकनीकी स्नातकों/स्नातकोत्तरों के लिए वर्तमान उद्योग मांग प्रौद्योगिकियों में क्षमता निर्माण।	स्कूल शिक्षकों के लिए 50 घंटे का प्रशिक्षण कार्यक्रम।	स्थानीय बेरोजगार युवाओं के लिए स्टार्टअप कौशल।

कुल मिलाकर, लक्षित 1,66,500 अभ्यर्थियों में से, कुल 1,56,989 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है तथा साथ ही, लक्ष्य में परिकल्पित 25 स्टार्टअप स्थापित/ समर्थित किए गए हैं।

परियोजना के अंतर्गत स्थापित/ समर्थित स्टार्टअप्स की सूची:

क्र.सं.	स्टार्टअप का नाम	संक्षिप्त विवरण	क्षेत्र
1	मेमाईटैलेंट	5डी साइकोमेट्रिक टेस्ट का उपयोग करके छात्रों के लिए सर्वोत्तम कैरियर विकल्पों का विश्लेषण करने हेतु एआई आधारित प्लेटफॉर्म।	एडटेक
2	नागा टून्स क्रिएटिव सॉल्यूशंस	नागालैंड में एक रचनात्मक एजेंसी जो एनिमेशन, ब्रांडिंग, ग्राफिक डिजाइन और ध्वनि एवं संगीत उत्पादन सहित सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करती है, लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं है। यह नागा परंपराओं की समृद्ध और जीवंत संस्कृतियों को सम्मिलित करती है।	एनिमेशन
3	टेकीसाइनिक्स	स्टार्टअप सॉफ्टवेयर कंपनी नागालैंड राज्य में असीमित रचनात्मकता के साथ नवाचार के नियमों को पुनः लिख रही है।	आईटी
4	विविध	टिनिटस, हकलाना जैसे सुनने या बोलने संबंधी विकारों से पीड़ित लोगों को थेरेपी सत्र प्रदान करने के लिए एआई प्लेटफॉर्म।	स्वास्थ्य तकनीक

क्र.सं.	स्टार्टअप का नाम	संक्षिप्त विवरण	क्षेत्र
5	वी टेक्स	वी टेक्स एक नागालैंड आधारित आईटी उद्यम है जिसका लक्ष्य गुणवत्तापूर्ण आईटी सेवाएं प्रदान करना है तथा युवा विशेषज्ञों हेतु आईटी क्षेत्र में शिक्षण और आगे बढ़ने के लिए एक मंच तैयार करना है।	मानव संसाधन, बिक्री
6	कॉम्सर्टेक सॉल्यूशंस	स्थानीय समुदाय की विशिष्ट आवश्यकताओं हेतु तकनीकी सेवा एवं सॉफ्टवेयर विकास, उनकी विशिष्ट चुनौतियों का समाधान, तथा उनके दैनिक कार्यों में दक्षता एवं उपयोगिता को बढ़ाना।	आईटी
7	टेक मार्गन सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड	टेक मार्गन एक सॉफ्टवेयर एवं ऐप डेवलपमेंट टीम है, जिसका ब्रांड नाम फ्रेंडलीमनी–रिलेशनशिप ऐप है। यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है, जो सुरक्षा, सामर्थ्य और उपयोगकर्ता अनुभव के प्रति प्रतिबद्धता के साथ वास्तविक कनेक्शन, सार्थक संबंधों को सुविधाजनक बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।	आईटी
8	यूनीमस्टूडियो	यूनीमस्टूडियो प्रतिभाशाली फ्रीलांसरों के लिए एक केंद्र है जो रचनात्मक कौशल की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करता है। हम एनीमेशन और मोशन ग्राफ़िक सेवाएँ, वीडियो विशेषज्ञता, ब्रांडिंग मेस्ट्री, कलात्मकता तथा मार्केटिंग, वेब डेवलपमेंट और ऐप प्रदान करते हैं।	डिजिटल विपणन
9	क्वींस कैंडल्स स्टूडियो	क्वीन्स कैंडल्स स्टूडियो सुगंधित मोमबत्ती उत्पादन की कला में अग्रणी है। यह प्रत्येक मोमबत्ती को सटीकता एवं देखभाल के साथ तैयार करने के लिए अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग कर रहा है। इसकी पहुंच का पूरे भारत में प्रसार हुआ है तथा इसने पहले ही ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों ही माध्यम से 300 से अधिक उत्साही व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया है। मोमबत्तियाँ सोया मोम का उपयोग करके तैयार की जाती हैं, जो एक नवीकरणीय और बायोडिग्रेडेबल संसाधन है जिसे हानिकारक सॉल्वैंट्स या रसायनों की आवश्यकता के बिना उत्पादित किया जाता है और कभी–कभी नारियल मोम और मधुमक्खी के मोम का भी उपयोग किया जाता है।	उत्पादन
10	ज़ोडमो	ज़ोडमो उत्तर–पूर्व भारत के निवासियों के ऑनलाइन लेन–देन करने तथा स्थानीय सेवाओं की खोज करने के प्रणाली को परिवर्तन हेतु तैयार है। क्षेत्र की अनूठी गतिशीलता की गहन समझ के आधार पर, ज़ोडमो को विशेष रूप से उत्तर–पूर्व भारत के लोगों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। सेवाओं की श्रेणी में सामान खरीदना और बेचना, स्थानीय सेवाओं को पोस्ट करना और खोजना, घर किराया ढूँढना तथा पोस्ट करना, साथ ही खोई हुई वस्तुओं को वापस लेने में सहायता करना शामिल है। छात्रों, पेशेवरों और स्थानीय व्यवसायों की सेवा करते हुए, ज़ोडमो क्षेत्र में सभी ऑनलाइन लेन–देन के लिए वन–स्टॉप गंतव्य के रूप में कार्य करता है।	आईटी

क्र.सं.	स्टार्टअप का नाम	संक्षिप्त विवरण	क्षेत्र
11	एमआर पिक्सेलक्राफ्ट स्टूडियो	फोटोग्राफी, फोटो प्रिंट, सर्टिफिकेट प्रिंटिंग और डिजाइन, 3डी प्रिंट और डिजाइन, फोटो फ्रेम बनाना।	फोटोग्राफी एवं डिजाइन
12	बुआनल स्टूडियो	सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट फर्म	आईटी
13	लॉह्लेंग पिक्चर्स	लॉहलेंग पिक्चर्स एक वीडियोग्राफी एवं एनिमेटेड वीडियो निर्माण फर्म है।	फोटोग्राफी और एनीमेशन
14	सेकीबुछुआक	मल्टीमीडिया, विज्ञापन, फिल्म एवं एनीमेशन	डिजिटल विपणन
15	टेककैफे	सॉफ्टवेयर डिजाइन और विकास	आईटी
16	सिंथा पामेल प्राइवेट लिमिटेड	बाज़ार तथा घर में समाधान अनुप्रयोग	
17	3डी स्मृतियाँ	वस्तुओं का 3डी दृश्य बनाना	डिजिटल विपणन
18	एजीएआई (एग्रो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस)	एआई संचालित स्वायत्त फार्म ट्रांसपोर्टर (एएफटी), एक स्वचालित ट्रॉली है जिसे कृषि कार्यों में दक्षता बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।	आईटी
19	ओइनम इलेक्ट्रॉनिक	एलईडी बल्ब निर्माण एवं मरम्मत	हार्डवेयर
20	एक्सट्रीव इनोवेशन	एक्सोस्केलेटन डिजाइन एवं विनिर्माण	औद्योगिक डिजाइन
21	मि. बायोलॉजिस्ट	नॉर्थईस्ट का प्रथम स्वतंत्र जैव प्रौद्योगिकी एवं जैव सूचना विज्ञान स्टार्टअप, जो दवा खोज, जैव सूचना विज्ञान में अनुसंधान–आधारित सेवाएं प्रदान कर रहा है, इसके अतिरिक्त दो उत्पादों पर भी काम कर रहा हैः एक प्रीबायोटिक टी टैबलेट और दूसरा– गट हेल्थ ऐप है।	जैव सूचना विज्ञान एवं स्वास्थ्य सूचना विज्ञान
22	एजीटी बायोसाइंसेज (ओपीसी) प्राइवेट लिमिटेड	वर्ष 2021 में, स्थापित एक स्टार्टअप कंपनी जिसका लक्ष्य वैश्विक मानक कंपनी बनना है। यह कंपनी शिक्षा जगत और उद्योग जगत को बड़े डेटा विश्लेषणात्मक समाधान प्रदान करती है।	जैव सूचना विज्ञान एवं स्वास्थ्य सूचना विज्ञान
23	डिजीवर्क सॉल्यूशंस	डिजीवर्क सॉल्यूशंस उत्तर पूर्व में डिजिटल मार्केटिंग परिदृश्य में सबसे आगे है, जो व्यवसायों के विकास और सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, चाहे उनका आकार कुछ भी हो। अनुभवी और उत्साही विशेषज्ञों से बनी एक समर्पित टीम, ग्राहकों को उनके ऑनलाइन उद्देश्यों को प्राप्ति में सहायता करने हेतु पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है।	डिजिटल विपणन

क्र.सं.	स्टार्टअप का नाम	संक्षिप्त विवरण	क्षेत्र
24	ईकोक टेक्नोक्रेट प्राइवेट लिमिटेड	आईटी सेल्स और सर्विसेज के क्षेत्र में काम करने वाली एकोक टेक्नोक्रेट प्राइवेट लिमिटेड, व्यवसायों के लिए अभिनव समाधान प्रदान करने के लिए समर्पित है। मानव संसाधन प्रबंधन प्रणाली (एचआरएमएस) में विशेषज्ञता रखने वाली, एचआरएमएस समाधान मानव संसाधन प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करता है, कर्मचारी प्रबंधन को अनुकूलित करता है और एक सहयोगी कार्यस्थल को बढ़ावा देता है। इसके अतिरिक्त, यह हमारे संचालित उत्पाद पहलों के भाग के रूप में निगरानी हेतु एक उन्नत फेस रिकग्निशन सिस्टम को सक्रिय रूप से विकसित कर रहा है। इस परियोजना का उद्देश्य सुरक्षा मानकों को पुनः परिभाषित करना है, निगरानी और पहुँच नियंत्रण को बढ़ाने के लिए अत्याधुनिक चेहरे की पहचान हेतु तकनीक का लाभ उठाना है।	आईटी बिक्री, सेवाएं, कस्टम विकास
25	एडुपुर फाउंडेशन	पूर्वोत्तर की सबसे विश्वसनीय रोजगार सेवा कंपनी। एडुपुर सभी के लिए समान रोजगार के अवसर हेतु एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने, जॉब सिकर्स एवं नियोक्ताओं के बीच सूचना और प्रसंस्करण अंतर को पाटने, प्रौद्योगिकी के माध्यम से विश्वसनीय और पारदर्शी रूप से रोजगार की सूचना प्रदान करने, स्थानीय युवाओं और व्यावसायिक संगठनों को सशक्त बनाने, स्टार्टअप हेतु नई संभावनाओं तथा अवसरों का सृजन करने तथा प्रत्येक क्षेत्र में उद्यमियों के लिए स्केलेबल विकास के लिए एक मिशन चला रही है।	रोजगार, मानव संसाधन सलाहकार एवं प्रशिक्षण

(vi) पीएम श्री योजना के तहत क्षमता निर्माण

पीएम श्री स्कूल योजना भारत सरकार द्वारा शुरू की गई एक केन्द्र प्रायोजित योजना है के तहत, नाइलिट पटना ने विभिन्न प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों में 1191 छात्रों हेतु कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित किया:

- **इंटरनेट ऑफ थिंग्स में सर्टिफिकेट कोर्स: 60 घंटे,**
- **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में सर्टिफिकेट कोर्स: 60 घंटे**
- **कंप्यूटर फंडामेंटल में सर्टिफिकेट कोर्स: 60 घंटे**
- **आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मूल तत्व: 30 घंटे**
- **कंप्यूटर फंडामेंटल्स और इंटरनेट ऑफ थिंग्स पर सर्टिफिकेट कोर्स: 60 घंटे**
- **रोबोटिक्स में सर्टिफिकेट कोर्स: 60 घंटे**

(vii) ड्रोन प्रौद्योगिकी पर क्षमता–निर्माण

नाइलिट मानव रहित विमान प्रणाली (यूएएस) के क्षेत्र में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए ''मानव रहित विमान प्रणाली (ड्रोन एवं संबंधित प्रौद्योगिकी) में मानव संसाधन विकास के लिए क्षमता निर्माण'' शीर्षक एमईआईटीवाई वित्त पोषित परियोजना को संचालित कर रहा है। परियोजना के अंतर्गत, सभी 5 कार्यान्वयन नाइलिट केन्द्रों में ड्रोन लैब स्थापित किए गए हैं, यथा, नाइलिट कालीकट, इम्फाल, औरंगाबाद, भुवनेश्वर और जम्मू और कश्मीर। कार्यान्वयन केंद्रों में 1358 प्रतिभागियों के साथ कुल 36 बूटकैंप।

(viii) साइबर शिक्षा कार्यक्रम

नाइलिट तथा माइक्रोसॉफ्ट के बीच समझौता– ज्ञापन के तत्वावधान में, वंचित स्थिति में रहने वाले युवाओं की आजीविका के अवसरों को बढ़ाने के लिए, माइक्रोसॉफ्ट और डेटा सुरक्षा परिषद (डीएससीआई) के सहयोग से निम्नलिखित दो साइबर सुरक्षा कौशल कार्यक्रम शुरू किए गए: –

- **रेडी4साइबरशिक्षा (साइबर शिक्षा फंडामेंटल) कार्यक्रम 50 घंटे का ऑनलाइन स्व–शिक्षण कार्यक्रम है, जिसमें 1000 अभ्यर्थियों के लक्ष्य में से 1022 अभ्यर्थियों को प्रमाणित किया गया है।**
- **साइबरशिक्षा कार्यक्रम 450–480 घंटों का हाइब्रिड गहन कौशल कार्यक्रम है, जिसमें लक्षित 150 महिला अभ्यर्थियों में से 59 महिला अभ्यर्थियों को प्रमाणित किया गया है।**

(ix) दिव्यांगजनों के लिए कौशल एवं उद्यमशीलता विकास कार्यक्रम।

नाइलिट भारतीय रेलवे वित्त निगम (आईआरएफसी) की सीएसआर की पहल के अंतर्गत 150 दिव्यांग व्यक्तियों (दिव्यांगजन) हेतु कौशल और उद्यमशीलता विकास कार्यक्रम शीर्षक परियोजना को कार्यान्वित कर रहा है, जिसे भारतीय रेलवे वित्त निगम (आईआरएफसी) द्वारा वित्त पोषित किया गया है। इसका उद्देश्य श्रीनगर, पटना और चंडीगढ़ में नाइलिट केंद्रों के माध्यम से 150 दिव्यांगजनों को घरेलू डेटा एंट्री ऑपरेटर ट्रेड में प्रशिक्षित करना है। परियोजना का कुल बजट रु.37.62 लाख है।

रोजगार मेलों के माध्यम से प्लेसमेंट पहल

सम्पूर्ण भारत में नाइलिट रोजगार मेला

नाइलिट अपने छात्रों को अपने करियर की शुरुआत करने के लिए एक मंच प्रदान करने के उद्देश्य से, देश के 17 विभिन्न स्थानों पर रोजगार मेलों की एक श्रृंखला आयोजित की। इस अभियान में 371 नियोक्ताओं ने 11,646 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया और उनमें से 4,960 अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया। इन आयोजनों में पेटीएम, टेस्ला, टेक महिंद्रा, बजाज, जियो और वेबएक्स जैसे नियोक्ता और कई स्टार्टअप सम्मिलित हुए जो अपनी सफलता के पीछे प्रेरक शक्ति बनने हेतु युवा एवं ऊर्जावान व्यक्तियों की खोज कर रहे थे। जॉब फेयर न केवल शॉर्टलिस्ट किए गए अभ्यर्थियों की संख्या के संबंध में सफल रहा, बल्कि जिस तरह से इसने नाइलिट के छात्रों का रोजगार प्राप्त करने के हेतु उनके आत्मविश्वास को बढ़ाया, वह भी सफल रहा। वे अपने करियर में एक अच्छी शुरुआत कर सकते हैं।

क. सं.	आयोजन करने वाले नाइलिट केंद्र	रोजगार मेलें की तिथि	नियोक्ताओं की संख्या	भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की संख्या	शॉर्टलिस्टेड अभ्यर्थियों की संख्या
1	नाइलिट दिल्ली	24–25 अगस्त, 2023	35	793	528
2	नाइलिट अगरतला	22 नवंबर, 2023	13	697	177
3	नाइलिट आईजोल	22 नवंबर, 2023	12	412	259
4	नाइलिट औरंगाबाद	26 नवंबर, 2023	42	1268	663
5	नाइलिट कालीकट	26 नवंबर, 2023	44	1906	703
6	नाइलिट गंगटोक	29 नवंबर, 2023	10	147	106

क. सं.	आयोजन करने वाले नाइलिट केंद्र	रोजगार मेलें की तिथि	नियोक्ताओं की संख्या	भाग लेने वाले अभ्यर्थियों की संख्या	शॉर्टलिस्टेड अभ्यर्थियों की संख्या
7	नाइलिट गोरखपुर	29 नवंबर, 2023	27	2339	1059
8	नाइलिट गुवाहाटी	30 नवंबर, 2023	21	370	124
9	नाइलिट इम्फाल	30 नवंबर, 2023	17	410	110
10	नाइलिट ईटानगर	30 नवंबर, 2023	15	193	49
11	नाइलिट कोहिमा	03 दिसंबर, 2023	27	253	154
12	नाइलिट कोलकाता	07 दिसंबर, 2023	14	348	115
13	नाइलिट कुरुक्षेत्र	07 दिसंबर, 2023	16	853	200
14	नाइलिट पटना	10 दिसंबर, 2023	21	509	184
15	नाइलिट रांची	13 दिसंबर, 2023	10	268	160
16	नाइलिट रोपड़/शिमला/हरिद्वार	15–16 दिसंबर, 2023	30	500	207
17	नाइलिट श्रीनगर	22 दिसंबर, 2023	17	380	162
	कुल		**371**	**11,646**	**4,960**

महत्वपूर्ण बैठकें

(i) 23वीं और 24वीं प्रबंधन बोर्ड की बैठक

वित्तीय और प्रबंधन मामलों पर चर्चा करने हेतु दिनांकः 22 अगस्त, 2023 को नाइलिट की 23वीं प्रबंधन बोर्ड (एमबी) की बैठक श्री अलकेश कुमार शर्मा, तत्कालीन सचिव, एमईआईटीवाई की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी। इसके अतिरिक्त, 24वीं प्रबंधन बोर्ड की बैठक दिनांकः 25 अक्टूबर, 2023 को एमईआईटीवाई के सचिव श्री एस कृष्णन की अध्यक्षता में आयोजित की गई थी। बैठक में नाइलिट गतिविधियों से संबंधित विभिन्न मदों पर चर्चा की गई।

(ii) अखिल भारतीय नाइलिट निदेशकों की बैठक

नाइलिट ने दिनांकः 20 एवं 21 मई, 2023 को नाइलिट केंद्र, रोपड़ के परिसर में महानिदेशक, नाइलिट की अध्यक्षता में ''इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और उभरती प्रौद्योगिकियों में कौशल'' विषय पर अपने 25वें निदेशक सम्मेलन का आयोजन किया। निदेशक सम्मेलन के दौरान 'नाइलिट–2022 की वर्ष पुस्तिका' भी प्रस्तुत की गई। इसके अतिरिक्त, 26वीं अखिल भारतीय निदेशक सम्मेलन नाइलिट गोरखपुर में आयोजित किया गया जिसका श्री एस. कृष्णन, सचिव, एमईआईटीवाई द्वारा उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर, सचिव, एमईआईटीवाई ने नाइलिट गोरखपुर में एक अत्याधुनिक रोबोटिक्स प्रोसेस ऑटोमेशन लैब का भी उद्घाटन किया।

(iii) संचार एवं आईटी संबंधी स्थायी समिति का अध्ययन दौरा।

माननीय लोक सभा और राज्य सभा सांसदों वाली संचार और सूचना प्रौद्योगिकी (2022–23) संबंधी स्थायी समिति की बैठक दिनांकः 25 मई, 2023 को कोलकाता में माननीय सांसद श्री प्रतापराव जाधव की अध्यक्षता में बुलाई गई थी जिसमें, एमईआईटीवाई एवं नाइलिट सहित इसके संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की गई थी। समिति को नाइलिट की गतिविधियों के संबंध में सूचना भी दी गई।

(iv) संसदीय राजभाषा समिति की द्वितीय उप–समिति द्वारा निरीक्षण बैठक

प्रो. रीता बहुगुणा जोशी, माननीय सांसद (लोकसभा) की अध्यक्षता में संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप–समिति ने दिनांकः 27 दिसंबर, 2023 को नाइलिट, कोलकाता के साथ निरीक्षण बैठक की। इस बैठक के दौरान समिति ने राजभाषा हिंदी में किए जा रहे सरकारी कामकाज का निरीक्षण किया। इस अवसर पर इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, नाइलिट मुख्यालय और नाइलिट कोलकाता के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सहयोग और समझौता-ज्ञापन के माध्यम से सहक्रिया

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

यूनेस्को के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर

दिनांकः 19 अगस्त, 2023 को नाइलिट एवं यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन) के बीच 2 वर्ष की अवधि हेतु समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता–ज्ञापन का उद्देश्य यूनेस्को की सिफारिश के अनुरूप कृत्रिम बुद्धिमत्ता से संबंधित नीति, विनियामक और नैतिक विचारों पर क्षमता निर्माण और अग्रिम प्रशिक्षण का समर्थन करना है, साथ ही कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर प्रभावी शासन मॉडल एवं संस्थागत डिजाइनों की संयुक्त रूप से खोज एवं परस्पर समर्थन करना है जिसमें, पारदर्शिता, जवाबदेही, समावेशिता और निष्पक्षता को प्राथमिकता दी जाए, साथ ही डेटा गोपनीयता एवं सुरक्षा को सुनिश्चित किया जाए ताकि, जोखिम को कम करते हुए कृत्रिम बुद्धिमत्ता प्रौद्योगिकियों के अधिक लाभ प्राप्त किए जा सके। इस समझौता–ज्ञापन पर माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी मंत्री, भारत सरकार की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।

आईटीआई, मिस्र के साथ समझौता–ज्ञापन

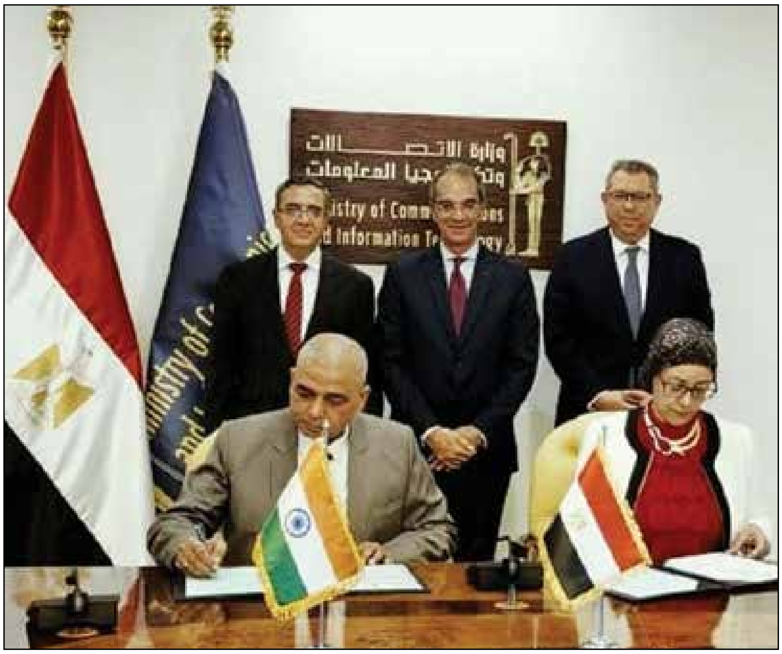

दिनांकः 12 मार्च, 2024 को मिस्र के काहिरा में नाइलिट एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आईटीआई) के बीच समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर मिस्र के एमसीआईटी के महामहिम डॉ. अमर तलत एवं मिस्र में भारत के राजदूत श्री अजीत गुप्ते उपस्थित थे। इस समझौता–ज्ञापन पर नाइलिट के महानिदेशक डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी एवं आईटीआई की अध्यक्ष डॉ. हेबा सालेन ने हस्ताक्षर किए। इस समझौता–ज्ञापन का उद्देश्य कार्यबल कौशल में सुधार, रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने, कौशल संबंधी अंतर को कम करने तथा अंतर्राष्ट्रीय निगमों को बढ़ावा देने हेतु आपसी सहयोग को बढ़ावा देना है।

उद्योगों के साथ समझौता ज्ञापन

इंटेल इंडिया के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर

डिजिटल अर्थव्यवस्था में रोजगार हेतु आवश्यक एआई कौशल सहित भविष्य के कार्यबल को सशक्त बनाने के लिए दिनांकः 26 सितंबर, 2023 को नाइलिट एवं इंटेल टेक्नोलॉजी इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के बीच दो वर्षीय अवधि हेतु समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता–ज्ञापन का उद्देश्य 'एआई डेवलपमेंट एसोसिएट' कोर्स विकसित करना है, जिससे डिजिटल अर्थव्यवस्था में रोजगार के लिए आवश्यक एआई कौशल के साथ भविष्य के कार्यबल को सशक्त बनाने की क्षमता तथा एआई की अच्छी समझ सृजित होगी।

जीआईईईई के साथ समझौता– ज्ञापन

नाइलिट एवं ग्लोबल आईईईई इंस्टीट्यूट फॉर इंजीनियर्स (जीआईईई) ने दिनांकः 20 अप्रैल, 2023 को समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। दोनों पक्षों के सहयोग में पारस्परिक रुचि है एवं प्रौद्योगिकी तथा नवाचार में सुधार के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आपसी हित क्षेत्रों में सहयोग से लाभ होगा। जीआईईईई ऐसे सहयोगी कार्यक्रमों में शामिल है जो इंजीनियरिंग–प्रौद्योगिकी शिक्षा प्रदान करते हैं और सम्पूर्ण भारत में इंजीनियरिंग–प्रौद्योगिकी पेशे को आगे बढ़ाते हैं। जीआईईईई भारत में आईईईई गतिविधियों को नियंत्रित करने वाले स्थानीय कानूनों के अनुपालन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जीआईईईई एवं नाइलिट तकनीकी समुदाय को लाभ पहुँचाने एवं कौशल विकास कार्यक्रमों का समर्थन करने के लिए संयुक्त रूप से मिश्रित शिक्षण पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित करेंगे। जीआईईईई एवं नाइलिट दोनों संगठनों के लिए अवसरों की पहचान करेंगे, एक–दूसरे के पाठ्यक्रमों की समीक्षा करेंगे और उनका आदान–प्रदान करेंगे, प्रशिक्षण कार्यक्रमों की संरचना करेंगे और सभी शिक्षार्थियों को संयुक्त प्रमाणपत्रों के साथ प्रशिक्षण एवं कौशल विकास कार्यक्रमों को संयुक्त रूप से बढ़ावा देंगे।

एसओसीटीमअप सेमीकंडक्टर्स के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर

नाइलिट एवं एसओसीटीमअप सेमीकंडक्टर्स प्राइवेट लिमिटेड के बीच दिनांकः 05 जून, 2023 को समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता–ज्ञापन का मुख्य आकर्षण नाइलिट एवं एसओसीटीमअप के बीच सहक्रिया स्थापित करना है, जिसमें नाइलिट में प्रशिक्षित किए जा रहे युवाओं को एसओसीटीमअप उद्योग में सहयोग और विशेषज्ञता के माध्यम से अनुभव प्राप्त हो सकता है, तथा ओपन सोर्स टूल्स के आधार पर चिप डिजाइनिंग के लिए एड–टेक प्लेटफॉर्म विकसित करने के लिए संयुक्त रूप से संभावनाओं का पता लगाया जा सकता है।

शैक्षणिक संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन

आईईटीई के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर

नाइलिट एवं आईईटीई (इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियर्स संस्थान) ने दिनांकः 22 सितंबर, 2023 को नाइलिट मुख्यालय, नई दिल्ली में समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता–ज्ञापन के अंतर्गत आईईटीई को नाइलिट से विभिन्न आईटी एवं ईएसडीएम पाठ्यक्रमों के लिए अपने प्रशिक्षण केंद्रों को प्रत्यायन/ सुविधा का दर्जा मिलेगा, जबकि आईईटीई नाइलिट के अभ्यर्थियों के लिए प्रति वर्ष चार बार उद्योग बैठक सह प्लेसमेंट मेला आयोजित करेगा, जो आईईसीटी क्षेत्र में आईईटीई प्रायोजित पाठ्यक्रमों का प्रशिक्षण भी संचालन कर सकते हैं।

भारतीय शिक्षा बोर्ड के साथ समझौता– ज्ञापन

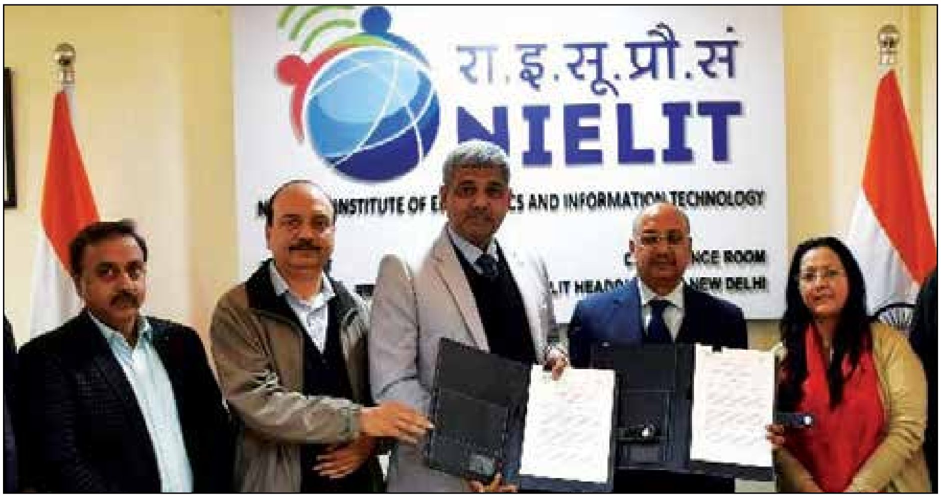

व्यावसायिक पाठ्यक्रम विकास, शिक्षकों और छात्रों के प्रशिक्षण एवं क्षमता–निर्माण तथा औद्योगिक प्रशिक्षण/इंटर्नशिप/प्रशिक्षुता प्रदान तथा छात्रों को संयुक्त प्रमाणन जारी करने के उद्देश्य से दिनांक : 15 दिसंबर, 2023 को भारतीय शिक्षा बोर्ड एवं नाइलिट के मध्य नाइलिट मुख्यालय, द्वारका, नई दिल्ली में समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

एकेटीयू के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर

दिनांकः 15 सितंबर, 2023 को नाइलिट एवं एपीजे अब्दुल कलाम विश्वविद्यालय ने 3 वर्ष की अवधि हेतु समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता–ज्ञापन की परिधि में संबंधित डोमेन और विशेषज्ञता के नए क्षेत्रों में सहयोगात्मक अनुसंधान/ परामर्श जिसमें ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप, प्लेसमेंट, फील्ड विजिट, अकादमिक प्रोजेक्ट एवं नाइलिट कालीकट द्वारा विकसित स्मार्ट लैब सुविधा का विस्तार एकेटीयू एवं इसके संबद्ध कॉलेजों में करना, शामिल है।

एनएसडीसी के साथ समझौता– ज्ञापन पर हस्ताक्षर

संबंधित क्षेत्रों में सूचना और ज्ञान के पारस्परिक आदान–प्रदान के माध्यम से भारत में कुशल जनशक्ति की बढ़ती आवश्यकता को पूरा करने हेतु दिनांकः 13 सितंबर, 2023 को एनएसडीसी (राष्ट्रीय कौशल विकास निगम) के बीच 1 वर्ष की अवधि हेतु समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

लार्सन टुब्रो स्किल ट्रेनर्स अकादमी के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर

नाइलिट एवं लार्सन टुब्रो स्किल ट्रेनर्स एकेडमी (एल एंड टी) ने दिनांकः 25 अप्रैल, 2023 को समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता– ज्ञापन का उद्देश्य नाइलिट प्रशिक्षण एवं अकादमिक प्रोग्रामर में उद्योग विशेषज्ञों के ज्ञान को साझा करना; प्रशिक्षकों हेतु औद्योगिक प्रशिक्षण; मीडिया, वैज्ञानिक और अन्य सुविधाओं को साझा करना तथा विशिष्ट उद्योग आवश्यकताओं के लिए संयुक्त शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए सहयोग करना है।

एआईसीटीई के साथ समझौता–ज्ञापन

दिनांकः 30 जुलाई, 2023 को एआईसीटीई, नई दिल्ली में नाइलिट एवं एआईसीटीई (अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद) के बीच 3 वर्ष की अवधि के लिए समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। एआईसीटीई अपने संबद्ध कॉलेजों/संस्थानों में इंटर्नशिप, प्रमाणन, कार्यशालाओं और प्रशिक्षण कार्यक्रम के अवसरों के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करने हेतु क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर वेबिनार आयोजित करके सोशल मीडिया अभियान चलाकर छात्रों/शिक्षार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिए नाइलिट को सहायता प्रदान करेगा। नाइलिट कार्य पूरा करने के लिए एक समयसीमा निर्धारित करेगा तथा उपर्युक्त गतिविधियों की स्थिति के बारे में एआईसीटीई को निर्धारित प्रारूप में एक त्रैमासिक रिपोर्ट साझा करेगा।

अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई के साथ समझौता

दिनांकः 25 अगस्त, 2023 को अन्ना विश्वविद्यालय को क्लाउड सेवाएं प्रदान करने हेतु नाइलिट चेन्नई और अन्ना विश्वविद्यालय के बीच समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर अन्ना विश्वविद्यालय, चेन्नई के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) आर. वेलराज, नाइलिट चेन्नई के निदेशक श्री लालमोहन के.एस. और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

हस्ताक्षरित अन्य समझौता–ज्ञापन

डीटीयू के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर

दिनांकः 30 अगस्त, 2023 को नाइलिट और डीटीयू (दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय) के बीच 3 वर्ष की अवधि के लिए समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता–ज्ञापन पर प्रबंधन, प्रौद्योगिकी, वित्त, डिजिटल कौशल, उभरती हुई प्रौद्योगिकियों आदि जैसे; सामान्य हित क्षेत्रों में भागीदारी मोड जैसेकि ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप प्लेसमेंट, फील्ड विजिट, कार्यशालाओं, सम्मेलनों आदि के माध्यम से कुशल जनशक्ति विकसित करने के उद्देश्य से हस्ताक्षर किए गए थे।

नाइलिट और इंडिग्रिड टेक्नोलॉजी के बीच समझौता–ज्ञापन

दिनांकः 17 नवंबर, 2023 को नाइलिट मुख्यालय में नाइलिट और इंडिग्रिड टेक्नोलॉजी के बीच समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर जैसे; इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रिक सिस्टम डिजाइन एवं विनिर्माण (ईएसडीएम), उभरती प्रौद्योगिकियों आदि साझा हित क्षेत्रों में प्रशिक्षण कार्यक्रमों, ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप, प्लेसमेंट, कार्यशालाओं, सम्मेलनों एवं फील्ड विजिट जैसे भागीदारी मोड के माध्यम से कुशल जनशक्ति विकसित करने के उद्देश्य से किए गए थे।

नाइलिट एवं डीडीयू गोरखपुर के बीच समझौता–ज्ञापन

दिनांकः 16 अक्टूबर, 2023 को गोरखपुर में नाइलिट एवं दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, गोरखपुर के बीच समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता–ज्ञापन के अनुसार, नाइलिट एवं डीडीयू पारस्परिक रूप से संकाय प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं कॉर्पोरेट प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करेंगे; जबकि नाइलिट अपनी स्मार्ट लैब सुविधा डीडीयू एवं इसके संबद्ध कॉलेजों को प्रदान करेगा, डीडीयू ऑनलाइन/ ऑफ़लाइन माध्यम से परीक्षा आयोजित करने हेतु नाइलिट को अपनी लैब सुविधा तथा बुनियादी ढाँचा उपलब्ध कराएगा।

सर्ट–इन के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर

साइबर सुरक्षा, साइबर फोरेंसिक, सूचना सुरक्षा आदि के क्षेत्रों में कुशल जनशक्ति विकसित करने के उद्देश्य से, नाइलिट एवं सर्ट–इन टेक्नोलॉजी के मध्य दिनांकः 4 सितंबर, 2023 को 3 वर्ष की प्रारंभिक अवधि हेतु समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता–ज्ञापन का उद्देश्य प्रशिक्षण एवं विकास हेतु साइबर सुरक्षा एवं साइबर फोरेंसिक पाठ्यक्रम शुरू करना, पाठ्यक्रम सामग्री की उच्च गुणवत्ता वाली डिलीवरी सुनिश्चित करने के प्रयोजन से शिक्षकों हेतु कार्यशालाओं, सेमिनारों एवं प्रशिक्षण सत्रों का संयुक्त रूप से आयोजन एवं संचालन, साथ ही, साइबर सुरक्षा और संबंधित क्षेत्रों में प्रशिक्षण और प्रमाणन कार्यक्रम तैयार एवं वितरित करना है।

एनएसयूटी के साथ समझौता–ज्ञापन

दिनांकः 30 अगस्त, 2023 को एनएसयूटी (नेताजी सुभाष प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय), द्वारका में नाइलिट एवं एनएसयूटी के मध्य तीन वर्ष की अवधि के लिए समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता–ज्ञापन का उद्देश्य समर इंटर्नशिप, प्लेसमेंट, फील्ड विजिट, वर्कशॉप, कॉन्फ्रेंस आदि जैसे; भागीदारी मोड में जैसे; प्रबंधन, प्रौद्योगिकी, वित्त, डिजिटल कौशल, उभरती हुई प्रौद्योगिकी आदि सामान्य हित के क्षेत्रों में कुशल जनशक्ति विकसित करना है।

नाइलिट हरिद्वार एवं हरिद्वार विश्वविद्यालय के बीच समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर

नाइलिट हरिद्वार ने हरिद्वार विश्वविद्यालय के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जिसका उद्देश्य, उच्च स्तरीय कौशल विकास पर बल देना है, तथा सहयोगात्मक प्रयासों के माध्यम से छात्रों की रोजगार क्षमता को बढ़ाने पर विशेष ध्यान देना है। नाइलिट हरिद्वार एवं हरिद्वार विश्वविद्यालय का उद्देश्य उन्नत कौशल विकास पहलों को आगे लाना है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि, छात्र पेशेवर परिदृश्य में सफल होने के लिए आवश्यक कौशल प्राप्त किए हों।

हल्दिया प्रौद्योगिकी संस्थान के साथ समझौता–ज्ञापन

नाइलिट केंद्र, कोलकाता ने दिनांकः 13 अक्टूबर, 2023 को नाइलिट कोलकाता में हल्दिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, पश्चिम बंगाल के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जिसका उद्देश्य, नाइलिट कोलकाता में आयोजित डब्ल्यूबीएल इंटर्नशिप हेतु अपने योग्य छात्रों को प्रोत्साहित तथा संगठित करने हेतु जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना है।

आईआईआईटीएम, ग्वालियर के साथ समझौता–ज्ञापन

आईईसीटी क्षेत्र में प्रासंगिक डोमेन एवं विशेषज्ञता संबंधी क्षेत्रों में सहयोगात्मक अनुसंधान/ परामर्श हेतु नाइलिट एवं भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी और प्रबंधन संस्थान (आईआईआईटीएम), ग्वालियर के मध्य समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

मदन मोहन मालवीय विश्वविद्यालय, गोरखपुर के साथ समझौता– ज्ञापन

नाइलिट एवं मदन मोहन मालवीय विश्वविद्यालय, गोरखपुर के मध्य समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए जिसका उद्देश्य जैसे; ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप, प्लेसमेंट, फील्ड विजिट आदि भागीदारी मोड में उभरती प्रौद्योगिकियों आदि रुचिकर क्षेत्रों में कुशल जनशक्ति विकसित करना है। नाइलिट अपने वर्चुअल अकादमी प्लेटफॉर्म एवं आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर के साथ–साथ रिमोट हार्डवेयर स्मार्ट लैब/ वर्चुअल लैब सुविधा को न्यूनतम शुल्क के आधार पर एमएमएमयूटी को उपलब्ध कराएगा।

शेर–ए–कश्मीर विश्वविद्यालय, जम्मू–कश्मीर के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर

नाइलिट, जम्मू और कश्मीर ने दिनांकः 1 अप्रैल, 2023 को नाइलिट श्रीनगर में शेर–ए–कश्मीर कृषि विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (एसकेयूएएसटी), कश्मीर के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता–ज्ञापन का उद्देश्य एसकेयूएएसटी, कश्मीर एवं नाइलिट, जम्मू और कश्मीर के मध्य सहयोगात्मक साझेदारी स्थापित करना था जिसका उद्देश्य कृषि एवं सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग, ज्ञान तथा संसाधनों के पारस्परिक आदान–प्रदान को बढ़ावा देना था।

छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय (सीएसवीटीयू) के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर

नाइलिट एवं छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय (सीएसवीटीयू) ने दिनांकः 17 जून, 2023 को समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसके अंतर्गत सीएसवीटीयू नाइलिट को विश्वविद्यालय में उपलब्ध प्रयोगशाला, पुस्तकालय एवं अन्य सुविधाओं का उपयोग करने की अनुमति देगा तथा नाइलिट अपने परिसर में आईईसीटी एवं संबद्ध क्षेत्रों से संबंधित डिग्री/ डिप्लोमा और कौशल पाठ्यक्रम (पूर्णकालिक/ अंशकालिक आदि) संचालित करेगा।

असम के चार संस्थानों के साथ शैक्षणिक सहयोग के लिए समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर

दिनांकः 16 मई, 2023 को नाइलिट गुवाहाटी ने चार संस्थानों के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए जिनमें, बी. बरूआ कॉलेज, असम इंजीनियरिंग संस्थान (एईआई), असम प्रबंधन संस्थान (एआईएम), एवं होजई, असम में नजीर अजमल मेमोरियल कॉलेज ऑफ एजुकेशन (एनएएमसीई) सम्मिलित हैं। इन समझौता–ज्ञापनों का उद्देश्य अकादमिक सहयोग को बढ़ाना तथा जैसे; साइबर सुरक्षा, आईओटी, ब्लॉकचेन, बायोइनफॉरमैटिक्स, क्लाउड कंप्यूटिंग आदि उभरते क्षेत्रों में संयुक्त गतिविधियाँ संचालित करना है।

कॉटन यूनिवर्सिटी, असम के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर

दिनांकः 7 जून, 2023 को, नाइलिट गुवाहाटी एवं कॉटन यूनिवर्सिटी, असम ने एनईपी2020 के अनुरूप छात्रों को आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स के विभिन्न उभरते क्षेत्रों में ऐड–ऑन पाठ्यक्रम, कौशल कार्यक्रम और इंटर्नशिप की पेशकश करने की दिशा में अकादमिक सहयोग हेतु समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसमें एआई, ब्लॉकचेन, बिग डेटा एनालिटिक्स, क्लाउड कंप्यूटिंग, एआर/ वीआर, साइबर सुरक्षा, आईओटी, एमएल सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकी उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स, जैव सूचना विज्ञान और ट्रांसलेशनल जैवसूचना विज्ञान जैसी तकनीकों पर ध्यान केंद्रित करना शामिल है।

पांडिचेरी विश्वविद्यालय के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर

नाइलिट चेन्नई ने दिनांकः 17 मई, 2023 को पांडिचेरी विश्वविद्यालय में पांडिचेरी विश्वविद्यालय– कराईकल परिसर के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस समझौता–ज्ञापन का उद्देश्य परस्परिक हित क्षेत्रों में शैक्षणिक एवं अनुसंधान संबंधी गतिविधियों पर सहयोग स्थापित करना है।

आईईटीई, नोएडा के साथ समझौता–ज्ञापन

दिनांकः 5 अगस्त, 2023 को नाइलिट एवं इंस्टीट्यूशन ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेलीकम्युनिकेशन इंजीनियर्स (आईईटीई) नोएडा के मध्य तीन वर्ष की अवधि के लिए समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के परिणामस्वरूप इसमें डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना, कुशल तकनीकी जनशक्ति तैयार करना एवं दोनों प्रतिष्ठित संस्थानों के संकायों और सदस्यों के मध्य ज्ञान साझा करने की दिशा में सहयोग के विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों की पहचान करना, शामिल है।

क्रिएटरओएस सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस के साथ समझौता–ज्ञापन

दिनांकः 4 सितंबर, 2023 को नाइलिट और क्रिएटर ओएस सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड के मध्य एक वर्ष की अवधि हेतु समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, जिसका उद्देश्य भविष्य में पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोगात्मक प्रयासों के लिए दोनों पक्षों के मध्य स   ावनापूर्ण आधार स्थापित करना है। नाइलिट एवं क्रिएटर ओएस दोनों ने साझेदारी की सामूहिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए सहकारी एवं समन्वित रूप से एक साथ कार्य करने पर सहमति व्यक्त की।

एनआईटी, दिल्ली के साथ समझौता–ज्ञापन

दिनांकः 20 जुलाई, 2023 को एनआईटी दिल्ली के परिसर में तीन वर्ष की अवधि के लिए नाइलिट एवं एनआईटी दिल्ली द्वारा समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौता–ज्ञापन का उद्देश्य पारस्परिक रूप से नियोजित एवं सम्मत क्षेत्रों में व्याख्यान, कार्यशालाओं, संगोष्ठियों, सम्मेलनों और अन्य समान कार्यक्रमों के माध्यम से जैसे; ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप, प्लेसमेंट, फील्ड विजिट आदि जैसे सहभागी मोड में आईईसीटी, उभरती प्रौद्योगिकियों आदि रुचिकर क्षेत्रों में कुशल जनशक्ति विकसित करना है।

एचसीएल एडटेक के साथ समझौता–ज्ञापन

नाइलिट ने विभिन्न शैक्षिक कार्यक्रमों, प्रशिक्षण मॉड्यूल योग्यता मूल्यांकन आदि के विकास एवं कार्यान्वयन हेतु दिनांकः 25 अगस्त, 2023 को नाइलिट चेन्नई में एचसीएल के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

एसआरएम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान के साथ समझौता–ज्ञापन

नाइलिट चेन्नई ने दिनांकः 21 सितंबर, 2023 को एसआरएम आईएसटी में एसआरएम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, कट्टनकुलथुर, तमिलनाडु के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौता ज्ञापन का उद्देश्य परस्पर हित क्षेत्रों में शैक्षणिक एवं अनुसंधान संबंधी गतिविधियों पर सहयोग स्थापित करना है। इस समझौता–ज्ञापन में परस्पर हित क्षेत्रों को रेखांकित किया गया है और दोनों संस्थानों द्वारा संयुक्त रूप से किए जाने वाले पहलों को निर्धारित किया गया है।

डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (बीएआरटीआई) के साथ समझौता–ज्ञापन

नाइलिट, औरंगाबाद एवं डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर रिसर्च एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (बीएआरटीआई) ने महाराष्ट्र में अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों हेतु कौशल विकास पहल पर सहयोग करने हेतु समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। यह साझेदारी राज्य में हाशिए पर स्थित समुदायों को सशक्त बनाने तथा डिजिटल विभाजन को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

पुरस्कार और प्रशंसा

(i) नाइलिट डीएससीआई उत्कृष्टता पुरस्कार के फाइनलिस्ट में शामिल

नाइलिट को डीएससीआई उत्कृष्टता पुरस्कार–2022 में "साइबर अपराध, साइबर कानून और डिजिटल फोरेंसिक में क्षमता निर्माण में उत्कृष्टता" के लिए प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ, जिसमें नाइलिट को साइबर अपराध, साइबर कानून व डिजिटल में क्षमता–निर्माण में सर्वश्रेष्ठ एकेडेमिया के रूप में मान्यता दी गई। वर्ष 2023 में, नाइलिट को इसी श्रेणी में फाइनलिस्ट के रूप में मान्यता दी गई है।

(ii) नाइलिट जम्मू और कश्मीर को जिला प्रशासन से प्रदत्त प्रशंसा पुरस्कार

वर्ष 2023–24 के लिए, नाइलिट जम्मू और कश्मीर (श्रीनगर) "रोजगार क्षमता में वृद्धि करने हेतु आईईसीटी में आकांक्षी जिलों के युवाओं का कौशल विकास" नामक परियोजना को क्रियान्वित कर रहा है। इस अवधि के लिए निर्धारित 667 के लक्ष्य के साथ, केंद्र ने अप्रैल, 2024 तक लक्ष्य प्राप्त करने हेतु असाधारण प्रतिबद्धता और दक्षता का प्रदर्शन किया है तथा जिला प्रशासन बारामुल्ला से प्रशंसा पुरस्कार भी प्राप्त किया है।

(iii) ई–उत्तर पूर्व 2023 शिखर सम्मेलन में नाइलिट को पुरस्कार प्राप्त हुआ

नाइलिट की एनई टीम को गुवाहाटी में 8वें ई–उत्तर पूर्व 2023 शिखर सम्मेलन में "शिक्षण और शिक्षा" अनुभाग में एनईसीबी 2.0 परियोजना के लिए विशेष उल्लेख पुरस्कार प्राप्त हुआ, जिसका उद्देश्य विभिन्न लक्षित समूहों जैसे; किसानों, महिलाओं, बुजुर्गों, स्कूल छोड़ने वाले बच्चों, स्नातकों (तकनीकी एवं सामान्य) आदि को क्षमता–निर्माण प्रशिक्षण प्रदान करना है। भारत सरकार के एमईआईटीवाई द्वारा प्रायोजित इस प्रमुख कार्यक्रम के अंतर्गत 8 पूर्वोत्तर राज्यों में लाखों नागरिकों (सं.1,58,819) को आईईसीटी के विभिन्न क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया गया है।

(iv) विकसित भारत संकल्प 2024 में नाइलिट हरिद्वार को प्राप्त पुरस्कार

नाइलिट हरिद्वार ने सक्रिय रूप से भाग लिया तथा विकसित भारत संकल्प–2024 प्रदर्शनी में "सर्वश्रेष्ठ स्टाल पुरस्कार" प्राप्त किया, जहाँ केंद्र ने न केवल नवीन प्रदर्शन प्रस्तुत किए, अपितु, उपस्थित छात्रों को आवश्यक करियर परामर्श भी प्रदान किया। छात्रों को विभिन्न भविष्य कौशल प्रौद्योगिकियों के संबंध में सूचना देने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिससे उन्हें आत्मविश्वास के साथ उभरते तकनीकी परिदृश्य को नेविगेट करने में सक्षम बनाया जा सके। यह कार्य उज्जवल, तकनीक–संचालित भविष्य को बढ़ावा देने हेतु नाइलिट के समर्पण को रेखांकित करता है।

(v) नाइलिट इम्फाल को जिला प्रशासन से प्राप्त प्रशंसा

नाइलिट इम्फाल ने दिनांकः 28 फरवरी, 2023 को पंचायत भवन, डीसी कॉम्प्लेक्स में जिला कौशल समिति इम्फाल ईस्ट द्वारा आयोजित "जिला कौशल सह रोजगार मेला इम्फाल ईस्ट" में भाग लिया। इंफाल क्षेत्र में संस्थान द्वारा प्रदान की गई प्रशिक्षण सेवाओं के लिए केंद्र को प्रशंसा चिह्न प्राप्त हुआ।

(ii) संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और डिजिटल प्रौद्योगिकियों पर नाइलिट का दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एनआईसीई–डीटी 2024)

नाइलिट ने दिनांकः 16–17 फरवरी, 2024 को गुवाहाटी, असम में अपना दूसरा अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन अर्थात एनआईसीई–डीटी 2024 सफलतापूर्वक आयोजित किया है, जिसमें सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी तथा संबद्ध क्षेत्रों में हाल के शोध और विकास को शामिल किया गया है, साथ ही, असम सरकार, अंतर्राष्ट्रीय निकायों और उद्योग भागीदारों के बीच संभावित सहयोग पर एक पैनल चर्चा भी की गई है। उल्लेखनीय रूप से, सम्मेलन में 200 से अधिक पूर्ण–लंबाई वाले लेख प्राप्त हुए हैं, जिनमें से लगभग 80 शोधपत्र प्रतिष्ठित स्प्रिंगर बुक सीरीज़ "लेक्चर नोट्स इन नेटवर्क्स एंड सिस्टम्स" में प्रकाशन के लिए निर्धारित हैं। तकनीकी सत्रों में प्रतिष्ठित स्प्रिंगर बुक सीरीज़ "लेक्चर नोट्स इन नेटवर्क्स एंड सिस्टम्स" द्वारा प्रकाशित किए जाने वाले 80 शोधपत्रों की मौखिक प्रस्तुति देखी गई और साथ ही, कुछ शोधपत्र "इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ डिजिटल टेक्नोलॉजीज़ (आईजेडीटी)" में प्रकाशन के लिए पोस्टर के रूप में प्रस्तुत किए गए।

अन्य मुख्य बातें–तृतीय पक्षीय परीक्षाएं

(i) नागरिक उड्डयन विभाग महानिदेशालय के लिए ऑनलाइन परीक्षा

जनवरी, 2018 में नाइलिट एवं डीजीसीए ने एएमई और एफसी की विभिन्न श्रेणियों के लिए ऑनलाइन परीक्षा आयोजित करने हेतु समझौता किया। जुलाई 2022 में, नाइलिट एवं डीजीसीए के मध्य समझौते को अगले एक वर्ष का विस्तार मिला। समझौते के अंतर्गत नाइलिट फ्लाइट क्रू एवं एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियरों हेतु डीजीसीए परीक्षा पोर्टल देखता है तथा इन अभ्यर्थियों हेतु लाइसेंसिंग परीक्षा भी आयोजित करता है। इसके अतिरिक्त, नाइलिट डीजीसीए के साथ पृथक समझौते के अंतर्गत डीजीसीए के लिए ऑनलाइन ऑन डिमांड परीक्षा भी आयोजित करता है। वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान, नाइलिट ने 46,450 फ्लाइट क्रू अधिकारियों एवं 32,262 एयरक्राफ्ट मेंटेनेंस इंजीनियरों की परीक्षा आयोजित की है।

(ii) पीएमजीदिशा योजना के लिए ऑनलाइन परीक्षा

नाइलिट पीएमजीदिशा योजना हेतु परीक्षा सह प्रमाणन एजेंसी में से एक है। नाइलिट पीएमजीदिशा योजना की परीक्षाओं के लिए अनुमोदन, निरीक्षण सेवाएँ प्रदान करता है। नाइलिट सफल अभ्यर्थियों के परिणामों को संसाधित करता है एवं उनके लिए प्रमाणपत्र भी जारी करता है। वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान, नाइलिट ने योजना के तहत 8,60,536 अभ्यर्थियों की परीक्षा आयोजित की है।

नई पहल

डीम्ड विश्वविद्यालय की दिशा में नाइलिट के प्रयास

नाइलिट ने दिनांकः 5 नवंबर, 2022 को डी–नोवो श्रेणी के अंतर्गत डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी का दर्जा पाने हेतु विश्वविद्यालय अनुदान आयोग में आवेदन किया है, जिसमें रोपड़ परिसर मुख्य परिसर होगा एवं कालीकट, औरंगाबाद, गोरखपुर, श्रीनगर, अगरतला, इम्फाल, आइजोल, पटना, कोहिमा, केकड़ी (स्था. अजमेर) और ईटानगर के परिसर प्रस्तावित नाइलिट डीम्ड यूनिवर्सिटी के ऑफ–कैंपस होंगे। अब, शिक्षा मंत्रालय (एमओई), भारत सरकार ने यूजीसी के परामर्श पर दिनांकः 24 नवंबर, 2023 को नाइलिट रोपड़ (पंजाब) के साथ–साथ इसकी ऊपर बताई गई 11 घटक इकाइयों को एक आशय–पत्र जारी किया है। इसके बाद, नाइलिट ने दिनांकः 29 फरवरी, 2024 के पत्र के माध्यम से एमओई को आशय–पत्र की शर्तों पर अपने इनपुट भी प्रस्तुत किए हैं। यूजीसी से अंतिम अधिसूचना प्रतीक्षित है।

1 नाइलिट अजमेर परिसर में बी.टेक. पाठ्यक्रम का शुभारंभ

नाइलिट अजमेर ने सत्र–2023 से बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर, राजस्थान से संबद्धता के साथ कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग (इंटरनेट ऑफ थिंग्स और साइबर सुरक्षा सहित ब्लॉक चेन प्रौद्योगिकी) में बी.टेक शुरू किया है।

2 नाइलिट विस्तार केंद्रों द्वारा बीसीए पाठ्यक्रम की शुरुआत

नाइलिट गुवाहाटी के विस्तार केंद्र, अर्थात नाइलिट तेजपुर, नाइलिट जोरहाट, नाइलिट कोकराझार, नाइलिट डिब्रूगढ़ में असम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, असम सरकार से संबद्धता में बीसीए पाठ्यक्रम शुरू किया।

3 स्मार्ट सोलर ग्रीन हाउस का विकास

नाइलिट केंद्र, लेह ने लद्दाख के स्थानीय किसानों हेतु तकनीकी शिक्षा निदेशालय, लद्दाख के सहयोग से स्मार्ट सोलर ग्रीन हाउस विकसित किया है, जो लद्दाख में फसल उगाने में कठिनाइयों का सामना करते हैं।

साइबर सुरक्षा में उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) का शुभारंभ

नाइलिट ने आईटी विभाग, जम्मू और कश्मीर के सहयोग से नाइलिट जम्मू और कश्मीर में साइबर सुरक्षा में उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) की स्थापना की है। डॉ. अरुण कुमार मेहता, मुख्य सचिव, केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर ने उत्कृष्टता केंद्र का शुभारंभ किया। जम्मू और कश्मीर सीओई की परिकल्पना जम्मू और कश्मीर सरकार के अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए आधिकारिक वेब पोर्टल और वेबसाइटों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नवीनतम ट्रेंड्स एवं तकनीकों के संबंध में जानने हेतु केंद्र के रूप में की गई है।

नाइलिट द्वारा प्रथम फ्यूचर स्किल्स समिट– 2024 का आयोजन

नाइलिट ने इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अंतर्गत दिनांकः 15 फरवरी, 2024 को गुवाहाटी में प्रथम भविष्य कौशल शिखर सम्मेलन का आयोजन किया। इस शिखर सम्मेलन का माननीय केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी, कौशल विकास और उद्यमिता तथा जल शक्ति राज्य मंत्री श्री राजीव चंद्रशेखर द्वारा उद्घाटन किया गया। इस शिखर सम्मेलन में भारत एवं विश्व के लिए फ्यूचर रेडी टैलेंट को प्रेरित करने संबंधी रणनीतियों पर विचार–विमर्श करने हेतु प्रतिष्ठित गणमान्य व्यक्तियों, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, शिक्षाविदों, नीति निर्माताओं तथा प्रौद्योगिकी उत्साहशील व्यक्ति एक मंच पर उपस्थित हुए।

इस शिखर सम्मेलन का एक महत्वपूर्ण उद्देश्य देशभर में उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के साथ संबंध स्थापित करना था, ताकि, यह सुनिश्चित किया जा सके कि नाइलिट का पाठ्यक्रम उद्योग की माँगों एवं मानकों के अनुरूप हो। शिखर सम्मेलन में एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई जिसमें 30 से अधिक नवीन भविष्य कौशल प्रौद्योगिकियों एवं समाधानों का प्रदर्शन किया गया। इसके अतिरिक्त, सेमीकॉन इंडिया, इंडियाएआई, साइबर सुरक्षा और उभरती हुई प्रौद्योगिकियाँ एवं वैश्विक कार्यबल हेतु 'डिजिटल इंडिया की प्रतिभा जैसे; प्रमुख विषयों पर चार आकर्षक पैनल चर्चाएँ आयोजित की गई।

शिखर सम्मेलन ने नाइलिट एवं अग्रणी उद्योग प्रतिनिधियों एवं शिक्षाविदों जैसे; इंटेल, एचसीएल, माइक्रोसॉफ्ट, किंड्रिल, आईआईएम रायपुर, आईआईआईटीएम ग्वालियर तथा विप्रो आदि के मध्य विभिन्न रणनीतिक सहयोग प्रदान किया। इन सहयोगों का उद्देश्य शिक्षा एवं उद्योग के मध्य अंतर को कम करना है तथा यह सुनिश्चित करना है कि शैक्षिक कार्यक्रम उद्योग के मानकों एवं मांगों के अनुरूप तैयार किए गए हैं।

नाइलिट ने इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण उद्योग में महिला कार्यबल को सम्मानित किया

भारत में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण उद्योग में महिला कार्यबल के योगदान को सम्मान तथा मान्यता देने हेतु दिनांकः 27 जनवरी, 2024 को डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में एमईआईटीवाई के मार्गदर्शन में नाइलिट द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें पांच प्रमुख कंपनियों—सैमसंग, विस्ट्रॉन, डिक्सन, पेगाट्रॉन और वीवीडीएन की 250 से अधिक महिला श्रमिकों ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एमईआईटीवाई के सचिव, श्री एस कृष्णन उपस्थित थे तथा कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अन्य अधिकारियों में डॉ. एम. एम. त्रिपाठी, महानिदेशक, नाइलिट, डॉ. अभिलाषा गौर, सीईओ, ईएसएससीआई, श्रीमती गिरिजा वेदी, एसपीवी, वीवीडीएन और श्री सुभांशु तिवारी, ईडी, नाइलिट भी सम्मिलित हुए। नाइलिट ने प्रतिभागियों के कौशल एवं ज्ञान को बढ़ाने की दिशा में महिला श्रमिकों हेतु वीवीडीएन, ईएसएससीआई तथा माइक्रोसॉफ्ट इंडिया के विशेषज्ञों के साथ एक विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का भी आयोजन किया।

15 से अधिक भाषाओं में साइबर सुरक्षा और डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम पर नाइलिट ऐप का शुभारंभ

नाइलिट ने साइबर सिक्योर अवेयर सोसाइटी (आईसीएसएएस) के लिए पहल नामक एक इंटरैक्टिव बहुभाषी साइबर सुरक्षा शैक्षिक मोबाइल ऐप विकसित किया है। इसके अतिरिक्त, नाइलिट के अत्यंत लोकप्रिय सीसीसी (कम्प्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम) पाठ्यक्रम को 15+ भाषाओं (राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय) में विकसित किया गया है। इन दोनों विकासों को दिनांकः 17 अगस्त, 2023 को बैंगलुरू में आयोजित कार्यक्रम में तत्कालीन सचिव, एमईआईटीवाई द्वारा लॉन्च किया गया है। इस कार्यक्रम में नाइलिट के महानिदेशक, गणमान्य व्यक्ति और जी–20 देशों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए।

इसके पश्चात, सीसीसी पाठ्यक्रम अंग्रेजी, हिंदी, फ्रेंच, स्पेनिश, जर्मन, मंदारिन, रूसी, अरबी, भाषा इंडोनेशियाई, बंगाली, गुजराती, कन्नड़, मलयालम, मराठी, तमिल एवं तेलुगु सहित कई भाषाओं में दुनिया भर के व्यक्तियों के लिए सुलभ है।

आईसीएसएएस ऐप नागरिकों को ऑनलाइन से स्वयं को सुरक्षित रखने तथा साइबर खतरों से बचने के लिए व्यापक ज्ञान प्रदान करता है।

आईसीएसएएस ऐप में वीडियो, क्या करें और क्या न करें, गेम, आकलन, दिन की टिप, पोस्टर, एआई–आधारित फेस डिटेक्शन अटेंडेंस मार्किंग सिस्टम, साइबर क्राइम रिपोर्टिंग, एफआईआर दर्ज करने हेतु निकटतम पुलिस स्टेशनों की जियोलोकेशन और संबंधित एजेंसियों को साइबर घटनाओं की रिपोर्टिंग और अन्य सम्मिलित है। यह ऐप वर्तमान में हिंदी, अंग्रेजी, 16 क्षेत्रीय भाषाओं और 7 अंतरराष्ट्रीय भाषाओं स्पेनिश, फ्रेंच, जर्मन, रूसी, मंदारिन–चीनी, बाशा–इंडोनेशियाई और अरबी में उपलब्ध है।

नाइलिट में भारत एआई लैब का शुभारंभ

नाइलिट ने इंटेल के साथ साझेदारी की है तथा इंटेल ने नाइलिट पूर्वी दिल्ली केंद्र में पहली इंडिया एआई प्रयोगशाला (एमईआईटीवाई द्वारा समर्थित) स्थापित की है। इंडिया एआई प्रयोगशाला का उद्देश्य भविष्य के कार्यबल को एआई कौशल के साथ सशक्त बनाना तथा उन्हें एआई हेतु तैयार करना है। नाइलिट ने एनएसक्यूएफ संरेखित "एआई डेवलपमेंट एसोसिएट" पाठ्यक्रम शुरू किया है, जिसका उद्देश्य डिजिटल अर्थव्यवस्था में रोजगार के लिए एआई कौशल के साथ छात्रों के एक बड़े वर्ग को सशक्त बनाना है।

जीपीएआई शिखर सम्मेलन में इंडिया एआई डेटा लैब गाइडबुक का विमोचन

वर्ष 2023, जीपीएआई शिखर सम्मेलन दिनांकः 12 से 14 दिसंबर, 2023 तक नई दिल्ली, भारत में आयोजित किया गया जिसमें, एआई से संबंधित प्राथमिकताओं पर अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने हेतु विज्ञान, उद्योग, नागरिक समाज, सरकारों, अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और शिक्षा जगत से जुड़े लोग विचार और विशेषज्ञता के साथ एक मंच पर उपस्थित हुए।

माननीय इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी, कौशल विकास एवं उद्यमिता तथा जल शक्ति राज्य मंत्री माननीय श्री राजीव चंद्रशेखर ने दिनांकः 14 दिसंबर, 2023 को नाइलिट मंडप में जीपीएआई शिखर सम्मेलन के दौरान इंडिया एआई डेटा लैब गाइडबुक का अनावरण किया। नाइलिट के महानिदेशक डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी ने उन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में नाइलिट की पहलों के संबंध में जानकारी दी। इसके अतिरिक्त, एमईआईटीवाई के सचिव श्री एस. कृष्णन और जापान के आंतरिक मामलों एवं संचार मंत्रालय के नीति समन्वय के उप मंत्री श्री हिरोशी योशिदा ने शिखर सम्मेलन में नाइलिट मंडप का दौरा किया। शिखर सम्मेलन ने 29वें जीपीएआई सदस्यों के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण को चिह्नित किया, ताकि वे आने वाले वर्षों में महत्वाकांक्षी पाठ्यक्रम की रूपरेखा तैयार कर सकें।

कुछ उल्लेखनीय परियोजनाएँ

नाइलिट केन्द्रों की स्थापना के लिए गतिमान परियोजनाएं:

क्र. सं.	भौगोलिक वितरण	परियोजना	कुल व्यय (रु.)
1	असम, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड और सिक्किम	**शीर्षक: सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) क्षेत्र में प्रशिक्षण/ शिक्षा क्षमता बढ़ाकर पूर्वोत्तर क्षेत्र का विकास।** **उद्देश्य:** पूर्वोत्तर क्षेत्र में 18 स्थानों पर नाइलिट के स्थायी परिसर एवं इसके विस्तार केन्द्रों की स्थापना। **स्थिति:** सभी 18 नाइलिट केन्द्रों की स्थापना पूर्ण हो चुकी है।	रु. 296.95 करोड़ (रु. 227.33 करोड़ की आई.आर. सहित)
2	बक्सर (बिहार)	**शीर्षक: बक्सर (बिहार) में नाइलिट केंद्र की स्थापना।** **उद्देश्य:** बक्सर में नाइलिट विस्तार केंद्र के स्थायी परिसर की स्थापना तथा आईईसीटी के क्षेत्र में कौशल विकास गतिविधियां संचालित करना। **स्थिति:** बक्सर में एक पूर्ण विकसित नाइलिट केन्द्र (नाइलिट पटना का विस्तार केन्द्र) स्थापित किया गया है।	रु. 9.30 करोड़
3	मुजफ्फरपुर (बिहार)	**शीर्षक: मुजफ्फरपुर (बिहार) में नाइलिट केंद्र की स्थापना।** **उद्देश्य:** मुजफ्फरपुर में नाइलिट विस्तार केंद्र के स्थायी परिसर की स्थापना तथा आईईसीटी के क्षेत्र में कौशल विकास गतिविधियां संचालित करना। **स्थिति:** मुजफ्फरपुर में एक पूर्ण विकसित नाइलिट केन्द्र (नाइलिट पटना का विस्तार केन्द्र) स्थापित किया गया है।	रु. 9.30 करोड़
4	शिलांग, मेघालय	**शीर्षक: नाइलिट शिलांग के स्थायी परिसर की स्थापना।** **उद्देश्य:** आईईसीटी के क्षेत्र में कौशल गतिविधियों के संचालन हेतु नाइलिट शिलांग परिसर हेतु 1637 वर्ग मीटर के शैक्षणिक एवं प्रशासनिक ब्लॉक क्षेत्र का निर्माण। **स्थिति:** केंद्र का परिचालन अभी प्रक्रियाधीन है।	रु. 8.00 करोड़

क्र. सं.	भौगोलिक वितरण	परियोजना	कुल व्यय (रु.)
5	बीकानेर, राजस्थान	**शीर्षकः बीकानेर में नाइलिट केंद्र की स्थापना।** **उद्देश्यः** बीकानेर में डूंगर कॉलेज, बीकानेर के परिसर में नाइलिट केंद्र स्थापित करना। **स्थितिः** नाइलिट केन्द्र बीकानेर को बीकानेर शहर में दो स्थानों पर संचालित किया गया है।	रु. 7.05 करोड़
6	ओडिशा	**शीर्षकः बालासोर, ओडिशा में नाइलिट केंद्र की स्थापनाः** परियोजना की अवधि 3 वर्ष है तथा इसका उद्देश्य ओडिशा के बालासोर में 2450 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित करना है। **स्थितिः** केंद्र को क्रियाशील बनाने की प्रक्रिया चल रही है।	रु. 195.20 लाख
7	तेलंगाना	**शीर्षकः नाइलिट केंद्र हैदराबाद, तेलंगाना की स्थापनाः–** तेलंगाना सरकार ने नाइलिट केंद्र की स्थापना हेतु हैदराबाद के बेगमपेट स्थित अशोक रघुपति चैम्बर्स में लगभग 11,000 वर्ग फुट निर्मित स्थान की पेशकश की है। **स्थितिः** केंद्र को क्रियाशील बनाने की प्रक्रिया चल रही है।	रु. 474.26 लाख
8	आंध्र प्रदेश	**शीर्षकः तिरुपति, आंध्र प्रदेश में नाइलिट केंद्र की स्थापनाः–** नाइलिट केंद्र की स्थापना के लिए रूसा इनोवेशन एंड इनक्यूबेशन सेंटर बिल्डिंग, एसवी विश्वविद्यालय परिसर, तिरुपति में नाइलिट को लगभग 8,000 वर्ग फुट निर्मित स्थान आवंटित किया गया है। **स्थितिः** केंद्र को क्रियाशील बनाने की प्रक्रिया चल रही है।	रु. 850.98 लाख
9	कर्नाटक	**शीर्षकः चित्रदुर्ग, कर्नाटक में नाइलिट केंद्र की स्थापनाः–** कर्नाटक सरकार ने नाइलिट केंद्र की स्थापना हेतु जीटीटीसी चित्रदुर्ग केंद्र, कर्नाटक में लगभग 3000 वर्ग फीट निर्मित स्थान उपलब्ध कराया है। परियोजना का कुल बजट परिव्यय है कि केंद्र का शीघ्र ही परिचालन हो जाएगा। **स्थितिः** केंद्र को क्रियाशील बनाने की प्रक्रिया चल रही है।	रु. 609.82 लाख

एमईआईटीवाई द्वारा वित्त पोषित गतिमान क्षमता–निर्माण और अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं की स्थिति:

क्र. सं.	भौगोलिक वितरण	परियोजना	कुल व्यय (रु.)
1	लद्दाख	**शीर्षक: हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र के लिए आईटी सक्षम इनक्यूबेशन सेंटर** परियोजना की अवधि 3 वर्ष है (जिसे एक वर्ष के लिए आगे बढ़ाकर 21 मार्च, 2024 तक किया गया है) तथा इसका उद्देश्य आईसीटी के माध्यम से प्रौद्योगिकीय हस्तक्षेप के अतिरिक्त मूल्य सहित करघे और शिल्प के विकास का आधुनिकीकरण करना, डिजाइन बनाने, उत्पादन की ओर अग्रसर प्रोटोटाइप विकसित करने की सुविधा देने हेतु 2 अत्याध ुनिक इनक्यूबेशन केंद्र सह डिजाइन लैब्स/मॉडर्लिंग लैब्स की स्थापना करना, हथकरघा और हस्तशिल्प कारीगरों के साथ–साथ उद्यमियों के लिए नाइलिट में अत्याधुनिक आईटी लैब सह प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना करना और आधुनिक प्रौद्योगिकियों और आईटी उपकरण ों और डिजिटल साक्षरता, डिजिटल मार्केटिंग और सॉफ्ट कौशल, उद्यमिता कौशल आदि का उपयोग करके 2100 कारीगरों को प्रशिक्षण देना है। **उपलब्धि:** 2148 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया।	रु. 452.10 लाख
2	नागालैंड	**शीर्षक: पूर्वोत्तर राज्यों के कारीगरों की आजीविका बढ़ाने के लिए हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र का डिजिटल हस्तक्षेप** परियोजना 3 वर्ष की अवधि के लिए दी गई है (जिसे एक वर्ष अर्थात 28 मार्च, 2025 तक आगे बढ़ाया गया है)। परियोजना का उद्देश्य पूर्वोत्तर राज्यों के हथकरघा और हस्तशिल्प कारीगरों के लिए नागालैंड में डिजिटल सक्षम सामान्य सुविधा केंद्र स्थापित करना और पारंपरिक कारीगरों और ग्रामीण उद्यमियों को प्रतिस्पर्धी बनाना, क्लस्टर उत्पादों की विपण ान क्षमता को बढ़ाना, ई–कॉमर्स को एक प्रमुख विपणन चैनल के रूप में उपयोग करना, हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों की तैयारी और प्रक्रियात्मक कार्यप्रणाली पर ई–सामग्री और वृत्तचित्र फिल्म का विकास करना, प्रशिक्षण के माध्यम से संबद्ध क्लस्टरों के पारंपरिक कारीगरों को बेहतर कौशल और क्षमताओं से युक्त करना है। **उपलब्धि:** 4,112 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया।	रु. 619.12 लाख
3	बिहार, उत्तराखंड, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश	**शीर्षक: अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय के इंजीनियरिंग उत्तीर्ण छात्रों का स्वरोजगार क्षमता निर्माण।** परियोजना की अवधि 3 वर्ष है (जिसे एक वर्ष अर्थात 29 मार्च, 2025 तक आगे बढ़ाया गया है) और इसका कार्यान्वयन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय के इंजीनियरिंग उत्तीर्ण छात्रों की क्षमता निर्माण के उद्देश्य से किया गया है। **उपलब्धि:** 265 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया।	रु. 443.73 लाख
4	त्रिपुरा	**शीर्षक: रोजगार के अवसर और कौशल बढ़ाने के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों में क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण।** यह परियोजना 3 वर्षों की अवधि (जिसे 25 सितंबर, 2024 तक आगे बढ़ाया गया है) के लिए कार्यान्वित की जा रही है, जिसका उद्देश्य मुद्रित सर्किट बोर्ड डिजाइनिंग, विश्लेषण और विनिर्माण तकनीक, क्लाउड कंप्यूटिंग और वर्चुअलाइजेशन, मल्टीमीडिया विकास, एंड्रॉइड ऐप्स विकास में कौशल विकास प्रशिक्षण प्रदान करके त्रिपुरा के युवाओं के बीच उद्यमशीलता तथा सतत विकास को संभव बनाना है। **उपलब्धि:** 1229 अभ्यर्थियों को पंजीकृत/प्रशिक्षित किया गया।	रु. 248.05 लाख

क्र. सं.	भौगोलिक वितरण	परियोजना	कुल व्यय (रु.)
5	केरल और कर्नाटक	**शीर्षक: केरल और कर्नाटक में एससी/एसटी को सशक्त बनाने के लिए कौशल प्रशिक्षण।** इस परियोजना को 2 वर्षों की अवधि (जिसे 31 अक्टूबर, 2023 तक आगे बढ़ाया गया है) के लिए क्रियान्वित किया जा रहा है। इस परियोजना का उद्देश्य केरल और कर्नाटक के चयनित जिलों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति वर्ग के 1500 अभ्यर्थियों को रोजगारोन्मुखी कौशल पाठ्यक्रमों में निःशुल्क प्रशिक्षण प्रदान करना है, ताकि सरकारी और निजी क्षेत्रों में उद्यमिता क्षमता के साथ–साथ रोजगार क्षमता में वृद्धि हो सके। **उपलब्धिः** 1361 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया।	रु.192.48 लाख
6	असम, बिहार, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू–कश्मीर, झारखंड, केरल, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, मणिपुर, नागालैंड, ओडिशा, पंजाब, सिक्किम, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड।	**शीर्षक: आईईसीटी के क्षेत्र में आकांक्षी जिलों में युवाओं के कौशल विकास से रोजगार क्षमता में वृद्धि होगी** इस परियोजना की अवधि 3 वर्ष है (इसे आगे एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया है, अर्थात दिनांकः 25 फरवरी, 2025 तक) तथा इसे 81 आकांक्षी जिलों से संबंधित 18,209 एससी/ एसटी/ ईडब्ल्यूएस (महिला) युवाओं को आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में 4 पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से कार्यान्वित किया जा रहा है। (i) प्रमाणित डाटा एंट्री एवं कार्यालय सहायक (अपस्किलिंग) (210 घंटे); (ii) प्रमाणित कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखा और प्रकाशन सहायक (360 घंटे); (iii) स्थापना और मरम्मत सहायक (उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स) (330 घंटे); (iv) उत्पाद असेंबली सहायक (सोलर एलईडी) (330 घंटे)। **उपलब्धिः** 14,722 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया।	रु. 2981.23 लाख
7	नागालैंड	**शीर्षक:** पूर्वोत्तर राज्यों में साइबर फोरेंसिक प्रशिक्षण सह जांच प्रयोगशालाओं का विकास और क्लाउड आधारित केंद्रीकृत साइबर फोरेंसिक प्रयोगशाला अवसंरचना। परियोजना की अवधि 5 वर्ष है और इसका उद्देश्य 8 पूर्वोत्तर राज्यों में साइबर फोरेंसिक प्रशिक्षण सह जांच प्रयोगशालाएं स्थापित करना, पुलिस अधिकारियों, अभियोजकों, न्यायाधीशों आदि जैसे आपराधिक न्याय प्रणाली के विभिन्न हितधारकों की क्षमता निर्माण, ई–लर्निंग पद्धतियों के साथ संसाधन पोर्टल का निर्माण, डिजिटल अपराध रिकॉर्ड के लिए एक केंद्रीकृत डेटाबेस सुविधा का निर्माण करना है। **उपलब्धिः** 1. साइबर फोरेंसिक सह प्रशिक्षण प्रयोगशाला की स्थापना, ई–लर्निंग पद्धतियों के साथ संसाधन पोर्टल का निर्माण, डेटाबेस सुविधा का निर्माण, तथा पाठ्यक्रम का डिजाइन और विकास एवं विभिन्न हितधारकों तक इसकी डिलीवरी। 2. आपराधिक न्याय प्रणाली के विभिन्न हितधारकों जैसे पुलिस अधिकारी, अभियोजक, न्यायाधीश, सभी एलईए के जांच अधिकारियों की क्षमता निर्माण (i) जागरूकता स्तर प्रशिक्षण – 1210 प्रशिक्षित (ii) प्रारम्भिक स्तर का प्रशिक्षण – 588 प्रशिक्षित (iii) उन्नत स्तर का प्रशिक्षण – 173 प्रशिक्षित (iv) न्यायपालिका स्तर का प्रशिक्षण – 18 प्रशिक्षित	रु. 1692.20 लाख

क्र. सं.	भौगोलिक वितरण	परियोजना	कुल व्यय (रु.)
8	मणिपुर	**शीर्षकः सौर प्रकाश व्यवस्था, घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स/ इलेक्ट्रिकल और आईओटी उपकरणों की असेंबली और मरम्मत एवं रखरखाव में मणिपुर के बेरोजगार एसटी युवाओं के लिए क्षमता निर्माण, नाइलिट (सेनापति),इम्फाल** परियोजना की अवधि 18 माह (31 दिसंबर, 2023 तक आगे बढ़ाई गई) है और इसका क्रियान्वयन मणिपुर के 5 जिलों में कुल 250 युवाओं को क्षमता निर्माण प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से किया जा रहा है जिसमें, सौर प्रकाश व्यवस्था, घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स/ इलेक्ट्रिकल और आईओटी उपकरणों (सौर प्रकाश व्यवस्था, एलईडी लाइट्स, सजावटी लाइट्स, और आईओटी का उपयोग करके स्विचिंग सिस्टम आदि) की असेंबली और मरम्मत और रखरखाव सम्मिलित है। **उपलब्धिः** 288 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया।	रु. 50.43 लाख
9	अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा	**शीर्षकः पूर्वोत्तर राज्यों में समाज के विभिन्न वर्गों के लिए डिजिटल कौशल सेट और वर्तमान उद्योग की मांग वाली प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षण सहित आईईसीटी में क्षमता निर्माण (एनईसीबी 2.0)** परियोजना की अवधि 2 वर्ष (31 अक्टूबर, 2024 तक आगे बढ़ाई गई) है और इसे इस उद्देश्य से कार्यान्वित किया जा रहा है जिसमें समाज के विभिन्न वर्गों के 1.665 लाख नागरिकों के लक्ष्य के लिए आवश्यक आईटी शिक्षा और कौशल के साथ एक स्मार्ट पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण करके पूर्वोत्तर नागरिकों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति का समग्र उत्थान करना शामिल है। **उपलब्धिः** 1,56,989 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया।	रु. 9232.76 लाख
10	सिक्किम	**शीर्षकः नए युग की डिजिटल प्रौद्योगिकियों में क्षमता निर्माण के माध्यम से यात्रा और पर्यटन (टीएंडटी) उद्योग में आईसीटी हस्तक्षेप।** परियोजना की अवधि 3 वर्ष है तथा इसका क्रियान्वयन इस उद्देश्य से किया जा रहा है कि लक्षित समूह को ई–कॉमर्स और संबंधित अवधारणाओं सहित डिजिटल कौशल से सशक्त बनाया जाए, ताकि उन्हें यात्रा, पर्यटन और पर्यटन हेतु प्रौद्योगिकी के लाभों का लाभ लेने में सहायता मिल सके। **उपलब्धिः** 1. बुनियादी ढांचे का निर्माण, पर्यटकों के लिए वीआर सामग्री का विकास, मोबाइल एप्लिकेशन का विकास, ई–सामग्री का विकास, एलएमएस 2. हितधारकों/युवाओं का प्रशिक्षण–160	रु. 144.25 लाख

क्र. सं.	भौगोलिक वितरण	परियोजना	कुल व्यय (रु.)
11	नागालैंड	**शीर्षकः पूर्वोत्तर राज्यों में साइबर सुरक्षा जागरूक समाज हेतु पहल।** परियोजना की अवधि 3 वर्ष है और इसका कार्यान्वयन साइबर सुरक्षा संसाधनों और उपकरणों के उपयोग को बढ़ावा देने तथा समाज के विभिन्न वर्गों को लक्षित करते हुए साइबर स्पेस में जोखिम के संबंध में जागरूकता का प्रसार करने के उद्देश्य से किया जा रहा है। **उपलब्धिः** 1. ऑडियो–विजुअल/ मल्टीमीडिया पाठ्यक्रम, वेब आधारित जागरूकता सामग्री का निर्माण, एमआईएस और हेल्पलाइन के साथ संसाधन पोर्टल का निर्माण और होस्टिंग, चयनित स्कूलों/कॉलेजों में साइबर सुरक्षा जागरूकता सप्ताह/कार्यशाला का आयोजन। 2. जागरूकता प्रशिक्षण गतिमान हैं।	रु. 725.19 लाख
12	अखिल भारतीय	**शीर्षकः एमईआईटीवाई संस्थानों के माध्यम से एससी/एसटी/महिला/ ईडब्ल्यूएस स्नातक इंजीनियरों को सुदृढ़ और सशक्त बनाने के लिए कार्य आधारित शिक्षण (डब्ल्यूबीएल) कार्यक्रम।** परियोजना की अवधि 5 वर्ष है और इसका मुख्य उद्देश्य जिसमें एससी/ एसटी/ ईडब्ल्यूएस/ महिला अभ्यर्थियों को पेशेवर कार्य वातावरण में तकनीकी ज्ञान विस्तार, वास्तविक समय कार्य कौशल प्राप्त करने का अवसर प्रदान करना है। **उपलब्धिः** 751 प्रशिक्षुओं को नियुक्त किया गया है।	रु. 5140.18 लाख
13	मणिपुर	**शीर्षकः जागरूकता, प्रेरणा और विशेषज्ञ प्रशिक्षण के माध्यम से मणिपुर में बेरोजगार स्नातक/डिप्लोमा आईटी डिप्लोमा धारकों के लिए आईटी उद्योग के लिए तैयार सॉफ्टवेयर पेशेवरों का निर्माण।** परियोजना की अवधि 18 माह है (जिसे 31 मार्च, 2024 तक बढ़ाया गया है) और इसका उद्देश्य मणिपुर में बेरोजगार 100 आईटी स्नातक/ डिप्लोमा धारकों को मणिपुर में आईटी उद्योगों हेतु सॉफ्टवेयर पेशेवर तैयार करने के लिए 6 माह का प्रशिक्षण प्रदान करना है, जो मणिपुर में आईटी उद्योगों की आवश्यकता के अनुसार जागरूकता, प्रेरणा और विशेषज्ञ प्रशिक्षण के माध्यम से 8 जॉब रोल्स में होगा। इस प्रस्ताव के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर कुल 7 जागरूकता एवं प्रेरणा कार्यक्रम और विशेषज्ञों के प्रशिक्षण के 10 बैच आयोजित किए जाएंगे। **उपलब्धिः** 725 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है।	रु. 88.60 लाख

क्र. सं.	भौगोलिक वितरण	परियोजना	कुल व्यय (रु.)
14	मणिपुर	**शीर्षकः ईईजी आधारित वास्तविक समय एनेस्थीसिया की गहनता (डीओए) निगरानी प्रणाली का डिजाइन और विकास।** परियोजना की अवधि 3 वर्ष है तथा इसका उद्देश्य सार्वजनिक रूप से उपलब्ध ईईजी डेटा को पूर्व–संसाधित करना और विभिन्न वर्णक्रमीय और लौकिक विशेषताओं के व्यवहार का अध्ययन करना, ईईजी डेटा का एक नैदानिक डेटाबेस संकलित करना, स्थानीय ईईजी डेटाबेस का उपयोग करके एक मशीन लर्निंग मॉडल और इसके हार्डवेयर आर्किटेक्चर को विकसित करना, एक फील्ड प्रोग्रामेबल गेट एरे (एफपीजीए) पर प्रस्तावित आर्किटेक्चर को लागू करना एवं इसके डिजाइन मापदंडों का विश्लेषण करना और डीओए का अनुमान लगाने के लिए सिमुलेशन परिणामों के अनुमानित सत्यापन के लिए सिमुलेशन परिणामों का प्रायोगिक सत्यापन करना तथा उपयोगकर्ता मैनुअल के साथ स्वदेशी ईईजी आधारित वास्तविक समय डीओए निगरानी प्रणाली को अंतिम रूप देना है। **उपलब्धिः** 1. ईईजी डेटा के प्री–प्रोसेसिंग और फीचर निष्कर्षण के लिए विधियों का विकास, डीओए अनुमान के लिए प्रारंभिक मशीन लर्निंग मॉडल का विकास, विशेषज्ञ एनोटेशन के साथ नैदानिक ईईजी डेटाबेस का संकलन। 2. क्लिनिकल ईईजी डेटा का उपयोग करके मशीन लर्निंग मॉडल को अंतिम रूप देना, मॉडल के हार्डवेयर आर्किटेक्चर का विकास और सत्यापन, एफपीजीए पर प्रस्तावित हार्डवेयर आर्किटेक्चर का प्रोटोटाइप बनाना आदि कार्य प्रगति पर हैं।	रु. 455.23 लाख
15	अगरतला	**शीर्षकः त्रिपुरा के रोजगार योग्य युवाओं के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों पर क्षमता–निर्माण और प्रशिक्षण।** परियोजना की अवधि 3 वर्ष है और इसका क्रियान्वयन किया जा रहा जिसका उद्देश्य त्रिपुरा के युवाओं के बीच उद्यमशीलता और सतत विकास को सक्षम बनाना है, इसके लिए उन्हें इंटरनेट ऑफ थिंग्स, सौर ऊर्जा स्थापना संचालन और रखरखाव, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की स्थापना और मरम्मत, साइबर फोरेंसिक, सीसीटीवी स्थापना सेवा और रखरखाव, पायथन का उपयोग करके मशीन लर्निंग, मैटलैब का उपयोग करके डीएसपी जैसी अत्याधुनिक तकनीकों में प्रशिक्षण प्रदान करना है। **उपलब्धिः** 681 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है।	रु. 441.44 लाख

क्र. सं.	भौगोलिक वितरण	परियोजना	कुल व्यय (रु.)
16	लद्दाख	**शीर्षक: सौर एलईडी आधारित उत्पादों का डिजाइन और असेंबली लैब की स्थापना।** परियोजना की अवधि 3 वर्ष है और इसका क्रियान्वयन सौर एलईडी आधारित उत्पादों जैसे; सौर लालटेन, सौर स्ट्रीट लाइट (स्वचालित/मैनुअल), सौर सेल फोन चार्जर, सौर लैपटॉप चार्जर, सौर पावर बैंक और सौर बैटरी चार्जर की एक पूर्ण डिजाइन और संयोजन प्रयोगशाला स्थापित करने के उद्देश्य से लद्दाख क्षेत्र के एसटी युवाओं को सौर–आधारित उत्पादों के डिजाइन और निर्माण में प्रशिक्षित किया जाएगा और 350 अभ्यर्थियों को सॉफ्ट स्किल्स, उद्यमिता और सूक्ष्म वित्त पर व्याख्यान के साथ–साथ सौर–एलईडी प्रकाश उत्पाद (डिजाइन और विनिर्माण), एनएल/एम/एल4/सी022 नाइलिट/आरई/2/89 एनएसक्यूएफ संरेखित पाठ्यक्रमों के लेवल4 में प्रशिक्षित किया जाएगा। **उपलब्धि:** 52 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया।	रु. 211.20 लाख
17	महाराष्ट्र, ओडिशा, केरल, मणिपुर और जम्मू–कश्मीर	**शीर्षक: मानव रहित विमान प्रणाली (ड्रोन और संबंधित प्रौद्योगिकी) में मानव संसाधन विकास के लिए क्षमता निर्माण।** परियोजना की अवधि 5 वर्ष है और इसका कार्यान्वयन मानवरहित विमान प्रणाली (यूएएस) के क्षेत्र में शिक्षा और प्रशिक्षण में क्षमता निर्माण के माध्यम से मानव संसाधन विकास में सहयोगात्मक गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया जा रहा है। **उपलब्धि:** 36 बूटकैंपों में 1227 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है तथा सभी 5 पीआईएस में ड्रोन इलेक्ट्रॉनिक प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं।	कुल बजट परिव्यय रु.89.97 करोड़ है, जिसमें से रु. 11.24 करोड़ नाइलिट केंद्रों के लिए बजट परिव्यय है।
18	महाराष्ट्र	**शीर्षक: आईओटी सक्षम हेल्थकेयर अनुप्रयोगों के लिए अल्ट्रा लो पावर शक्ति आरआईएससी वी आधारित लाइटवेट एज एआई प्रोसेसर।** परियोजना की अवधि 5 वर्ष है और इसका क्रियान्वयन किया जा रहा है जिसका उद्देश्य: आईओटी हेतु स्वदेशी एज एआई कोप्रोसेसर का डिजाइन और विकास स्वास्थ्य सेवा अनुप्रयोगों, कम बिजली की खपत और उच्च दक्षता पर जोर देते हुए, विभिन्न स्वास्थ्य सेवा आईओटी उपकरणों में निर्बाध एकीकरण में सक्षम ऊर्जा–कुशल कोप्रोसेसर का डिज़ाइन और दूरस्थ स्वास्थ्य सेवा निगरानी में बैटरी जीवन का विस्तार करने के लिए अल्ट्रा–लो पावर के लिए अनुकूलन, कड़े बिजली दक्षता आवश्यकताओं को पूरा करना, कोप्रोसेसर की स्थानीय डेटा प्रोसेसिंग क्षमताओं का लाभ उठाने वाले स्वास्थ्य सेवा अनुप्रयोगों के कार्यात्मक प्रोटोटाइप का विकास और वास्तविक समय में स्वास्थ्य सेवा अनुप्रयोगों के लिए कोप्रोसेसर प्रभावशीलता का प्रदर्शन, स्वास्थ्य सेवा में अद्वितीय डेटा प्रोसेसिंग जरूरतों और सुरक्षा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार करना है। **उपलब्धि:** कैडेंस सिनॉप्सिस सीमेंस और एंसिस जैसे ईडीए उपकरण स्थापित किए, वीएलएसआई और एसओसी डिजाइन के लिए 2 इंटर्नशिप कार्यक्रम आयोजित किए, जिसमें 15 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया, आईओटी सक्षम स्वास्थ्य सेवा अनुप्रयोग के लिए आवश्यक सेंसर हेतु उच्च स्तरीय दस्तावेज तैयार किए और एज एआई प्रोसेसर के डिजाइन और विकास के लिए उच्च स्तरीय डिजाइन दस्तावेज तैयार किए।	कुल बजट परिव्यय रु.288 लाख है, जिसमें से रु. 96 लाख नाइलिट औरंगाबाद के लिए बजट परिव्यय है।

क्र. सं.	भौगोलिक वितरण	परियोजना	कुल व्यय (रु.)
19	अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम नागालैंड, सिक्किम और त्रिपुरा	**शीर्षकः आईटी और साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण के माध्यम से पूर्वोत्तर राज्यों के पुलिस कर्मियों और सरकारी अधिकारियों को सशक्त बनाना।** परियोजना की अवधि 3 वर्ष है और इस उद्देश्य के साथ इसका क्रियान्वयन किया जा रहा है कि– पूर्वोत्तर राज्यों में पुलिस कर्मियों और सरकारी अधिकारियों के लिए आईटी और साइबर सुरक्षा पर एक व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित करना, आईटी और साइबर सुरक्षा के विभिन्न पहलुओं में प्रतिभागियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना, प्रशिक्षण उद्देश्यों के लिए पूर्वोत्तर राज्यों के विभिन्न पुलिस मुख्यालयों और चयनित जिलों में नवीनतम हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर से सुसज्जित आईटी सह सुरक्षा प्रयोगशालाएं स्थापित करना, साइबर सुरक्षा के लिए एक आभासी प्रशिक्षण मंच और सिमुलेशन डिजाइन और विकसित करना ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रतिभागियों को नवीनतम प्रौद्योगिकियों और तकनीक का क्रियात्मक एक्सपोजर प्राप्त हो और प्रशिक्षण निगरानी प्रणाली डिजाइन और कार्यान्वित करना जो कि लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (एलएमएस) के साथ सहजता से एकीकृत हो ताकि कार्यक्रम की अवधि के दौरान प्रगति की कुशल ट्रैकिंग और मूल्यांकन की गारंटी हो सके। **उपलब्धिः** आईटी सह सुरक्षा प्रयोगशालाओं की स्थापना हेतु पूंजीगत उपकरणों की खरीद प्रक्रियाधीन है।	रु. 2245.47 लाख
20	आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, नागालैंड, मेघालय, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल	**शीर्षकः आईईसीटी में क्षमता–निर्माण और कौशल विकास के माध्यम से एससी/एसटी और ईडब्ल्यूएस (महिला) युवाओं की रोजगार क्षमता वृद्धि और आजीविका प्रशिक्षण कार्यक्रम [ईईएलटीपी]।** परियोजना का उद्देश्य सूचना प्रौद्योगिकी और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति तथा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (महिला) युवाओं की क्षमता निर्माण/कौशल विकास करना है, ताकि चयनित भविष्योन्मुखी और कौशल उन्नयन पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्रदान करके राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की अधिक जनसंख्या वाले जिलों में उनकी रोजगार क्षमता और आजीविका में वृद्धि की जा सके। परियोजना का कुल लक्ष्य 52300 एससी/एसटी और ईडब्ल्यूएस लाभार्थियों को प्रशिक्षित करना है, जो 3 वर्षों की अवधि में 26 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 100 जिलों में बांटा है। कुल लाभार्थियों में से 40% एससी, 40% एसटी और 20% ईडब्ल्यूएस होंगे। **उपलब्धिः** 3581011 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया जा चुका है तथा 1011 प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।	रु. 9092.83 लाख

अगरतला

केंद्र का इतिहास

केंद्र की प्रारंभिक प्रशिक्षण सुविधा का उद्घाटन दिनांकः 10 फरवरी, 2009 को किया गया। केंद्र का परिसर 15 एकड़ भूमि पर निर्मित है तथा दिनांक 01 जनवरी, 2016 से चालू है। परिसर में शैक्षणिक ब्लॉक (जी+3), प्रशासनिक ब्लॉक (जी+2), कार्यशाला, छात्र छात्रावास, स्टाफ क्वार्टर, वाहन पार्किंग और परिसर के अंदर 96 किलोवाट ऑनग्रिड रूफ टॉप सौर ऊर्जा स्थापित है।

कार्यबल

नियमित वैज्ञानिक एवं तकनीकी 09

गैर– वैज्ञानिक एवं तकनीकी 05

संविदात्मक : 46

परियोजना आधारित : शून्य

कारोबार : 858.36 (रु. लाख में)

केंद्र प्रमुख

श्री अनुराग माथुर
प्रभारी निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट अगरतला, आर.के. नगर,
खयेरपुर, अगरतला, पश्चिम त्रिपुरा
पीएस – बोधजंगनगर, त्रिपुरा, पिन– 799008

सम्पर्क करने का विवरण

फोनः 0381-2391010/8794822459
ईमेलः dir-agartala@nielit.gov.in
वेबसाइटः https://nielit.gov.in/agartala/ index.php

विस्तार केंद्र

शून्य

राज्य क्षेत्राधिकार

त्रिपुरा

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

- वेब/ऐप विकास
- सूचना/साइबर सुरक्षा
- साइबर फोरेंसिक
- क्लाउड कंप्यूटिंग
- कृत्रिम बुद्धिमता
- नेटवर्क प्रशासन एवं सुरक्षा
- पीसीबी डिजाइन, विश्लेषण एवं विनिर्माण

प्रदत्त पाठ्यक्रमः

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- एम.एससी. (आईटी)
- बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए)
- कंप्यूटर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा
- इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियरिंग में डिप्लोमा
- नाइलिट 'ओ' स्तर
- नाइलिट 'ए' स्तर
- सीएचएम–टी 'ओ' स्तर

ख) लघु अवधि पाठ्यक्रमः

- कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी)
- प्रमाणित कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखा एवं प्रकाशन सहायक
- आईटीईएस बीपीओ, सॉफ्ट स्किल्स और संचारी अंग्रेजी में सर्टिफिकेट कोर्स
- पर्सनल कंप्यूटर की असेंबली और रखरखाव
- डाटा एंट्री और ऑफिस असिस्टेंट (अपस्किलिंग)
- प्रिंटेड सर्किट बोर्ड डिजाइन, विश्लेषण और विनिर्माण तकनीक पर सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम
- प्रमाणित क्लाउड कंप्यूटिंग और वर्चुअलाइजेशन विशेषज्ञ
- प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवलपर
- प्रमाणित एंड्रॉयड ऐप्स डेवलपर
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स
- सौर ऊर्जा स्थापना, संचालन और रखरखाव
- उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की स्थापना और मरम्मत
- सीसीटीवी कैमरा उपकरण स्थापना, सेवा और रखरखाव
- साइबर फोरेंसिक
- पायथन का उपयोग करके मशीन लर्निंग
- मैटलैब का उपयोग करके डीएसपी

वर्ष 2023–24 की अवधि के दौरान मुख्य विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित ''त्रिपुरा के रोजगार योग्य युवाओं के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों पर क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण'' के अंतर्गत इंटरनेट ऑफ थिंग्स; सौर ऊर्जा स्थापना, संचालन और रखरखाव; उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की स्थापना एवं मरम्मत; सीसीटीवी कैमरा उपकरण का इंस्टालेशन, सेवा एवं रखरखाव; साइबर फोरेंसिक; पायथन का उपयोग करके मशीन लर्निंग; मैटलैब का उपयोग करके डीएसपी जैसी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों में लगभग 500 छात्रों को प्रशिक्षित किया गया।
- इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित "रोजगार के अवसरों और कौशल को बढ़ाने के लिए उभरती हुई प्रौद्योगिकियों में क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण" के अंतर्गत प्रमाणित एंड्रॉइड ऐप डेवलपर; प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवलपर; प्रमाणित क्लाउड कंप्यूटिंग और वर्चुअलाइजेशन विशेषज्ञ; मुद्रित सर्किट बोर्ड डिजाइन, विश्लेषण और विनिर्माण तकनीकों पर सर्टिफिकेट कोर्स अर्थात उभरती प्रौद्योगिकियों में 300 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- आकांक्षी जिलों में लगभग 50 एससी/एसटी/ईडब्ल्यूएस (महिला) युवाओं हेतु कौशल विकास प्रशिक्षण आकांक्षी जिला परियोजना ''रोजगार क्षमता में वृद्धि हेतु आईईसीटी के क्षेत्र में आकांक्षी जिलों में युवाओं का कौशल विकास'' के अंतर्गत आयोजित किया गया था।
- विभिन्न इंजीनियरिंग कॉलेजों के लगभग 300 छात्रों को विभिन्न औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में प्रशिक्षित किया गया, जैसे: एआई, क्लाउड कंप्यूटिंग, वेब डिजाइनिंग, एंड्रॉइड ऐप डेवलपमेंट, पायथन का उपयोग करके मशीन लर्निंग, आईओटी, सोलर, ऑटोकैड, मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों की मरम्मत व रखरखाव आदि।
- फ्यूचर स्किल्स प्राइम परियोजना के अंतर्गत लगभग 900 छात्रों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं डिजिटल मार्केटिंग के ब्रिज कोर्स में प्रशिक्षित किया गया।
- इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित द्वारा वित्त पोषित परियोजना ''पूर्वोत्तर राज्यों में समाज के विभिन्न वर्गों के लिए डिजिटल कौशल और वर्तमान उद्योग की मांग वाली प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षण सहित आईईसीटी में क्षमता निर्माण'' के अंतर्गत त्रिपुरा के विभिन्न सामाजिक वर्गों से लगभग 7000 जनसाधारण जैसे; किसान, महिलाएं, स्कूल और कॉलेज के छात्र, तकनीकी/गैर–तकनीकी स्नातक और स्नातक, स्कूल के शिक्षकों को डिजिटल कौशल और वर्तमान उद्योग की मांग वाली प्रौद्योगिकियों पर प्रशिक्षित किया गया।
- भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग द्वारा प्रायोजित, राज्य लोक प्रशासन एवं ग्रामीण विकास संस्थान (एसआईपीएआरडी), अगरतला में त्रिपुरा सरकार के कर्मचारियों के लिए "साइबर अपराध और सूचना सुरक्षा" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- त्रिपुरा सरकार के जनगणना संचालन निदेशालय में "साइबर सुरक्षा और साइबर स्वच्छता" पर त्रिपुरा सरकार के कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
- नाइलिट अगरतला ने नाइलिट छात्रों हेतु नवंबर, 2023 के दौरान एक मेगा जॉब फेयर का आयोजन किया। इसमें कुल 697 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया, 240 अभ्यर्थी साक्षात्कार में सम्मिलित हुए तथा 177 अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया गया। 40 अभ्यर्थियों को अंतिम रूप से ऑफर लेटर जारी किए गए। इसमें टीसीएस पासपोर्ट सेवा केंद्र, पोलो टावर ग्रुप, बजाज आलियांज, आईएलएस हॉस्पिटल्स – जीपीटी ग्रुप, एसआईबीआईएन ग्रुप, लर्ननेक्स और कई अन्य संगठनों ने भाग लिया।
- वर्ष 2023–24 के दौरान नाइलिट अगरतला के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अधिकारियों ने 7 (सात) शोध पत्र प्रकाशित किए।
- त्रिपुरा सरकार के पुलिस अधिकारियों के लिए "जांच में मोबाइल फोन का उपयोग" पर प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिखर सम्मेलन–2023 पर वैश्विक भागीदारी के दौरान ''आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित परियोजना "सांकेतिक भाषा का उपयोग करने वाले ध्वनिहीन लोगों के लिए वर्चुअल सहायक" को प्रस्तुत किया गया।

महत्वपूर्ण बिंदु

- श्री राजीव चंद्रशेखर, माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, कौशल विकास और उद्यमिता और इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी ने 19 अक्टूबर को रवींद्र सतबर्षिकी भवन, अगरतला में कुमारी प्रतिमा भौमिक, माननीय राज्य मंत्री, सामाजिक न्याय और अधिकारिता और श्रीमती संताना चकमा, माननीय उद्योग और वाणिज्य मंत्री, त्रिपुरा सरकार की उपस्थिति में डेलाइट एवं नाइलिट अगरतला के सहयोग से एक कौशल विकास पहल "हार्टलैंड त्रिपुरा" परियोजना का उद्घाटन किया। नाइलिट के महानिदेशक डॉ. एम. एम. त्रिपाठी ने दिनांकः 22 नवंबर, 2023 को परियोजना के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया।
- भावी कौशल प्रौद्योगिकियों में ज्ञान और कौशल गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु एमबीबी कॉलेज; टेक्नो कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग; इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज इन एजुकेशन और आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, त्रिपुरा के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

श्री राजीव चंद्रशेखर, माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, कौशल विकास और उद्यमिता और इलेक्ट्रॉनिकी और आईटी ने दिनांकः 19 अक्टूबर, 2023 को "हार्टलैंड त्रिपुरा" परियोजना का उद्घाटन किया।

एनईसीबी के अंतर्गत प्रभावी खेती एवं विपणन हेतु आईसीटी प्रौद्योगिकियों के उपयोग में किसानों के लिए जागरूकता कार्यक्रम

महानिदेशक, नाइलिट, डॉ. एम.एम. त्रिपाठी ने दिनांकः 22 नवंबर, 2023 को ''हार्टलैंड त्रिपुरा'' परियोजना के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम का वर्चुअल उद्घाटन किया

आइजोल

केंद्र का इतिहास

वर्ष 2001 में, नाइलिट आइजोल की स्थापना की गई थी। केंद्र का उद्देश्य मिजोरम के युवाओं की आईईसीटी के क्षेत्र में शिक्षा एवं प्रशिक्षण तक सहज पहुँच सुनिश्चित कराना है। केंद्र पर्याप्त बुनियादी ढाँचे से सुसज्जित है जिसमें, छात्रों की आवश्यकताओं को पूर्ण करने हेतु इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग लैब, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल वर्कशॉप, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स की मरम्मत और रखरखाव (आरएमसीई) लैब, हार्डवेयर और नेटवर्किंग लैब, डिजिटल और माइक्रोप्रोसेसर लैब आदि जैसी; विशेष प्रयोगशालाएँ शामिल हैं। वर्ष 2013 में पुकपुई, लुंगलेई में नाइलिट लुंगलेई के रूप में एक विस्तार केंद्र भी स्थापित किया गया था।

कार्यबल

नियमित	वैज्ञानिक एवं तकनीकी 13
	गैर– वैज्ञानिक एवं तकनीकी 05
संविदात्मक	: 20
परियोजना आधारित	: 01

कारोबार : 934.56 (रु. लाख में)

केंद्र प्रमुख

श्री टी. गुणेन्द्र सिंह
प्रभारी निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट आइजोल, औद्योगिक एस्टेट जुआंगतुई,
आइजोल, मिजोरम– 796017

सम्पर्क करने का विवरण

फोनः 0389-2350581
ईमेलः dir-aizawl@nielit.gov.in
वेबसाइटः https://nielit.gov.in/aizawl/ index.php

विस्तार केंद्र

नाइलिट विस्तार केंद्र, पुकपुई, लुंगलेई

विस्तार केंद्र का पता

आईआईडीसी कॉम्प्लेक्स, पुकपुई
लुंगलेई, मिजोरम, 796691
वेबसाइटः https://nielit.gov.in/lunglei

विस्तार केंद्र का संपर्क विवरण

ईमेलः machhungi@nielit.gov.in
फोन: 91-8014532938

राज्य क्षेत्राधिकार

मिजोरम

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

- साइबर सुरक्षा और फोरेंसिक, यंत्र अधिगम, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स

प्रदत्त पाठ्यक्रमः

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- मास्टर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (एमसीए)
- इलेक्ट्रॉनिक्स में मास्टर ऑफ साइंस (एम.एससी. इलेक्ट्रॉनिक्स)
- बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए)
- इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (डीईटीई)
- कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में डिप्लोमा (डीसीएसई)

ख) लघु अवधि पाठ्यक्रम

- कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी)
- ओ स्तर (आईटी)
- ए स्तर (आईटी)
- सीएचएमटी 'ओ' स्तर
- प्रमाणित कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखा और प्रकाशन सहायक
- प्रमाणित डाटा एंट्री और कार्यालय सहायक (अपस्किलिंग)
- प्रमाणित कार्यालय स्वचालन एवं आईटी सहायक

वर्ष 2023–24 की अवधि के दौरान मुख्य विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- केंद्र ने वर्ष के दौरान विभिन्न दीर्घकालिक औपचारिक पाठ्यक्रमों जैसे बीसीए, एमसीए, कंप्यूटर विज्ञान इंजीनियरिंग में डिप्लोमा, इलेक्ट्रॉनिक्स और दूरसंचार इंजीनियरिंग में डिप्लोमा और एमएससी (इलेक्ट्रॉनिक्स) में 656 छात्रों को प्रशिक्षित किया है।
- ओ/ए लेवल जैसे अनौपचारिक पाठ्यक्रमों के अंतर्गत कुल 194 छात्रों को प्रशिक्षित किया गया।
- केंद्र ने सीसीसी, सीसीओए आदि जैसे कई लघु अवधि पाठ्यक्रम भी संचालित किए, जिनमें 5326 छात्रों को प्रशिक्षित किया गया।
- 2023–24 के दौरान पूर्वोत्तर क्षमता निर्माण परियोजना (एनईसीबी 2.0) के अंतर्गत, महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की गई, जिसमें कुल 3138 प्रतिभागियों को जागरूकता कार्यक्रमों, विद्युतीकरण और सौर ऊर्जा प्रौद्योगिकियों के बेसिक्स, साइबर सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धि मत्ता, मल्टीमीडिया विकास आदि जैसे; अल्पकालिक पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया गया।
- नाइलिट आइजोल ने संबन्धित क्षेत्र में इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित निम्नलिखित परियोजनाएं क्रियान्वित की हैं:–
  - कंप्यूटर फोरेंसिक प्रयोगशाला एवं प्रशिक्षण की स्थापना साइबर सुरक्षा जीआईए कार्यक्रम के अंतर्गत पूर्वोत्तर क्षेत्र में सुविधा।
  - पूर्वोत्तर राज्यों मिजोरम, नागालैंड और त्रिपुरा में उपयुक्त प्रशिक्षण एवं अभियान तंत्र के माध्यम से स्कूलों और कॉलेजों तथा सरकारी कर्मचारियों के मध्य व्यापक रूप से साइबर सुरक्षा जागरूकता उत्पन्न करना, जिसे नाइलिट द्वारा कार्यान्वित किया जाएगा।
  - पूर्वोत्तर राज्यों को डिजिटल साक्ष्यों के दूरस्थ फोरेंसिक लाइव अधिग्रहण और विश्लेषण, वर्चुअल प्रशिक्षण सेवाओं सहित फोरेंसिक सेवाएं प्रदान करने हेतु अत्याधुनिक डिजिटल फोरेंसिक डेटा सेंटर की स्थापना।
  - पूर्वोत्तर राज्यों में साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक समाज हेतु पहल

महत्वपूर्ण बिंदु

नाइलिट आइजोल ने रोजगार महानिदेशालय (डीजीई), सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) और मिजो जिरलाई पावल (एमजेडपी) के सहयोग से नाइलिट जॉब फेयर–2023, युवा रोजगार मंच का सफलतापूर्वक आयोजन किया था, जिसका उद्देश्य राज्य के जॉब सिकर्स युवाओं को अपना करियर शुरू करने में सहायता प्रदान करना था।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2023 का आयोजन

नाइलिट जॉब फेयर–2023

दिनांकः 4 जुलाई, 2023 को नाइलिट एक्सटेंशन सेंटर लुंगलेई में सरकारी कर्मचारियों हेतु एमएस–एक्सेल एवं साइबर सुरक्षा के बेसिक्स पर एक दिवसीय प्रशिक्षण।

नाइलिट आइजोल फ्रेशर्स सामाजिक एवं सम्मान समारोह, 2023

अजमेर

केंद्र का इतिहास

वर्ष 2010 में, नाइलिट अजमेर की स्थापना इलेक्ट्रॉनिक्स, सूचना प्रौद्योगिकी और संबंधित क्षेत्र में कुशल जनशक्ति प्रदान करने के उद्देश्य से की गई थी। स्थायी परिसर, जिला–अजमेर के ग्राम खोड़ा (केकरी) में अजमेर कोटा रोड पर स्थित हरे–भरे परिसर को मार्च, 2015 में शुरु किया गया था। राजस्थान के दो जिलों बीकानेर एवं पाली में नाइलिट अजमेर के 02 विस्तार केंद्र हैं। यह केंद्र अजमेर शहर से लगभग 84 किमी, कोटा शहर से 125 किमी और जयपुर शहर से 146 किमी दूर, कोटा रोड, तहसील–केकरी (राजस्थान) के गाँव–कोहड़ा में स्थित है। परिसर 5100 वर्ग मीटर के निर्मित क्षेत्र के साथ 42.54 एकड़ से अधिक क्षेत्र में फैला हुआ है। नाइलिट अजमेर इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग तथा सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विभिन्न दीर्घकालिक एवं अल्पकालिक कौशल विकास पाठ्यक्रम संचालित करके राष्ट्र निर्माण में योगदान दे है, ताकि इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा संबंधित विषयों में कुशल जनशक्ति का सृजन किया जा सके तथा उद्योग के लिए तैयार पेशेवर उपलब्ध कराए जा सकें।

कार्यबल

नियमित	वैज्ञानिक एवं तकनीकी 08
	गैर– वैज्ञानिक एवं तकनीकी 03
संविदात्मक	: 03
परियोजना आधारित	: शून्य
कारोबार	: 498.25 (रु. लाख में)

केंद्र प्रमुख

श्री दीपक वासन
कार्यकारी निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट अजमेर, केकड़ी, अजमेर कोटा रोड, 305408 (राजस्थान)

सम्पर्क करने का विवरण

फोनः 0389-2350581
ईमेलः dir-ajmer@nielit.gov.in
वेबसाइटः https://nielit.gov.in/ajmer/index.php

विस्तार केंद्र

नाइलिट केंद्र पाली और बीकानेर

विस्तार केंद्र का पता

क) नाइलिट बीकानेर, राजकीय डूंगर महाविद्यालय, सागर रोड, बीकानेर, राजस्थान –334001
ख) नाइलिट बीकानेर, एमजीएस विश्वविद्यालय, जैसलमेर रोड, बीकानेर, राजस्थान– 334004

विस्तार केंद्र का संपर्क विवरण

dir-ajmer@nielit.gov.in

राज्य क्षेत्राधिकार

राजस्थान

उत्कृष्टता का क्षेत्राः

- सौर ऊर्जा
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी)
- साइबर सुरक्षा
- ब्लॉक चेन प्रौद्योगिकी

प्रदत्त पाठ्यक्रमः

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में बी.टेक (इंटरनेट ऑफ थिंग्स और साइबर सुरक्षा ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी सहित)
- "ओ" स्तर (आईटी)
- "ए" स्तर (आईटी)
- सीएचएमटी – "ओ" स्तर

ख) लघु अवधि पाठ्यक्रम

- कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी)
- बेसिक कंप्यूटर कोर्स (बीसीसी)
- प्रमाणित डाटा एंट्री और कार्यालय सहायक (अपस्किलिंग)
- प्रमाणित कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखा और प्रकाशन सहायक।

वर्ष 2023–24 की अवधि के दौरान मुख्य विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- केंद्र ईएसडीएम (इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम डिजाइन और विनिर्माण) योजना का कार्यान्वयन कर रहा है, जिसमें लक्ष्य के रूप में निर्धारित 460 में से कुल 250 अभ्यर्थी पंजीकृत हुए।
- केंद्र सरकार "आईईसीटी के क्षेत्र में आकांक्षी जिलों में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के युवाओं का कौशल विकास जिससे रोजगार क्षमता में वृद्धि होगी" नामक परियोजना का क्रियान्वयन कर रहा है, जिसके अंतर्गत लक्ष्य के रूप में निर्धारित 200 अभ्यर्थियों में से कुल 60 अभ्यर्थी पंजीकृत हुए हैं।
- केंद्र सरकार रोजगार महानिदेशालय, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित एक परियोजना का क्रियान्वयन कर रहा है, जिसमें लक्ष्य के रूप में निर्धारित 70 अभ्यर्थियों में से 70 अभ्यर्थी पंजीकृत हुए हैं।
- कुल मिलाकर, केंद्र ने वर्ष 2023–2024 में 7172 से अधिक अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया है।
- बीकानेर में दो विस्तारित नाइलिट केंद्रों की स्थापना का कार्य पूरा हो चुका है, एक डूंगर कॉलेज में तथा दूसरा एमजीएसयू विश्वविद्यालय परिसर में। दोनों केंद्र परिचालन में हैं।
- पाली में नाइलिट केन्द्र की स्थापना की प्रक्रिया गतिमान है।

महत्वपूर्ण बिंदु

नाइलिट अजमेर ने सत्र 2023 से बीकानेर तकनीकी विश्वविद्यालय, बीकानेर, राजस्थान से संबद्धता के साथ कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग (ब्लॉक चेन प्रौद्योगिकी सहित इंटरनेट ऑफ थिंग्स एवं साइबर सुरक्षा) में बी.टेक शुरू किया है।

बी.टेक के लिए अभिविन्यास कार्यक्रम कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग (इंटरनेट ऑफ थिंग्स एवं साइबर सुरक्षा ब्लॉक चेन टेक्नोलॉजी सहित।)

उप क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी, एनसीएससी जयपुर ने नाइलिट अजमेर का दौरा किया तथा बी.टेक छात्रों को संबोधित करते हुए।

औरंगाबाद

केंद्र का इतिहास

इस केंद्र की स्थापना डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय परिसर में इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग, भारत सरकार (अब इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय) द्वारा महाराष्ट्र सरकार के मराठवाड़ा औद्योगिक निगम के साथ संयुक्त रूप से दिनांकः 19 सितंबर, 1986 को इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी एवं ज्ञान आधारित उद्यम को बढ़ावा देने हेतु की गई थी, जिसका उद्देश्य आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स में नेतृत्व विकसित करने हेतु शिक्षण, अधिगाम एवं अनुसंधान में उत्कृष्टता के साथ–साथ एक अभिनव, उद्यमशीलता की भावना उत्पन्न करना था। केंद्र इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन और रखरखाव (डीईपीएम, बी. टेक. (इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम इंजीनियरिंग) और एम. टेक (इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन और प्रौद्योगिकी) पाठ्यक्रमों में अद्वितीय डिप्लोमा के माध्यम से इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पाद विकास के सभी पहलुओं में महाराष्ट्र के युवाओं का क्षमता–निर्माण कर रहा है तथा साथ ही, उभरती एवं विघटनकारी प्रौद्योगिकियों में एनएसक्यूएफ संरेखित पाठ्यक्रमों के माध्यम से विश्व स्तरीय शैक्षिक एवं कौशल विकास के अवसर प्रदान कर रहा है।

कार्यबल

नियमित	वैज्ञानिक एवं तकनीकी 19
	गैर– वैज्ञानिक एवं तकनीकी 07
संविदात्मक	: 17
परियोजना आधारित	: 09
कारोबार	: 981.63 (रु. लाख में)

केंद्र प्रमुख

डॉ. जयराज यू किदव
कार्यकारी निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट औरंगाबाद
डॉ. बी ए एम विश्वविद्यालय परिसर,
औरंगाबाद– 431004 (महाराष्ट्र)

सम्पर्क करने का विवरण

फोनः 0230-2982021, 2982022
फैक्सः 0230-2982050
ईमेलः dir-aurangabad@nielit.gov.in
वेबसाइटः https://nielit.gov.in/aurangabad/index.php

विस्तार केंद्र

शून्य

राज्य क्षेत्रधिकार

महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश,
छत्तीसगढ़ और गोवा

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद डिजाइन, वीएलएसआई एवं एम्बेडेड सिस्टम।

प्रदत्त पाठ्यक्रमः

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन और प्रौद्योगिकी में मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी
- इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग में बी.टेक.
- डीईपीएम (इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन रखरखाव में डिप्लोमा)
- डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय का अनुसंधान केंद्र

ख) लघु अवधि पाठ्यक्रम

- आरपीए (रोबोटिक्स प्रोसेस ऑटोमेशन) पर प्रशिक्षण के प्रशिक्षक
- सरकारी अधिकारियों को आरपीए (रोबोटिक्स प्रोसेस ऑटोमेशन) पर प्रशिक्षण
- 3डी प्रिंटिंग और एडिटिव मैन्यूफैक्चरिंग पर सरकारी कार्मिकों का प्रशिक्षण
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स पर सरकारी कार्मिकों का प्रशिक्षण
- सोशल मोबाइल एवं क्लाउड एनालिटिक्स पर सरकारी कार्मिकों का प्रशिक्षण
- उपरोक्त प्रौद्योगिकियों पर ब्रिज पाठ्यक्रम
- प्रमाणित वेब डेवलपर
- प्रमाणित सिस्टम और नेटवर्किंग विशेषज्ञ
- एआई विकास सहयोगी
- प्रमाणित वीएलएसआई डिज़ाइन इंजीनियर

वर्ष 2023–24 की अवधि के दौरान मुख्य विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित परियोजना के अंतर्गत दिनांकः 29.03.2023 से 02.04.2023 तक मानव रहित विमान प्रणाली (यूएएस) में 5 दिवसीय बूटकैंप प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल, डॉ. बीएएमयू, नाइलिट औरंगाबाद एवं मैनयुनाइटेड– एक सामाजिक भर्ती उद्यमी द्वारा संयुक्त रूप से दिनांकः 07 जुलाई, 2023 को सेंट्रल ऑडिटोरियम, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाड़ा परिसर, औरंगाबाद में एक मेगा जॉब फेयर का आयोजन किया गया। पुणे, मुंबई तथा औरंगाबाद की लगभग 30 प्रतिष्ठित कंपनियों ने जॉब फेयर में भाग लिया। जॉब फेयर हेतु 1730 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया। 910 ने साक्षात्कार में उपस्थित हुए तथा 465 को रोजगार प्राप्त हुआ।
- पीसीबी डिजाइन, निर्माण एवं परीक्षण पर प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांकः 11.09.2023 से 15.09.2023 तक आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में देशभर के प्रतिष्ठित अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाओं के 17 डीआरडीओ अधिकारियों ने भाग लिया।
- दिनांकः 26 एवं 27 सितंबर, 2023 तथा 10 एवं 11 अक्टूबर, 2023 को विभिन्न सरकारी विभागों के 38 सरकारी कार्मिकों के लिए साइबर सुरक्षा प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
- दिनांकः 30.10.2023 से 10.11.2023 तक हाट्रोन, हरियाणा के अधिकारियों के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करके डिजिटल मार्केटिंग के मूल सिद्धांतों पर दो सप्ताह का ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 38 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया।

महत्वपूर्ण बिंदु

- **नाइलिट औरंगाबाद का भारत के अन्य 100 प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के चिप्स टू स्टार्टअप कार्यक्रम के भाग के रूप में चयन हुआ है।**

  आर एंड डी परियोजना प्रस्ताव "आईओटी सक्षम स्वास्थ्य सेवा अनुप्रयोगों के लिए अल्ट्रा लो–पावर एज एआई प्रोसेसर" के अंतर्गत नाइलिट औरंगाबाद को अन्य विशिष्ट संस्थानों जैसे; आईआईटी एवं एनआईटी के साथ इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के चिप्स टू स्टार्टअप (सी2एस) कार्यक्रम के अंतर्गत भाग लेने वाले संस्थान के रूप में शामिल किया गया है। राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स नीति (एन ई पी) के अनुरूप इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय का चिप्स टू स्टार्टअप कार्यक्रम चिप एवं सिस्टम डिज़ाइन आर एंड डी परियोजनाओं तथा सेमीकंडक्टर डोमेन में विशेष प्रशिक्षण के माध्यम से सेमीकंडक्टर चिप डिज़ाइन में स्टार्टअप उद्योगों को विकसित करने पर केंद्रित है।
- कौशल रोजगार, उद्यमिता और नवाचार विभाग, महाराष्ट्र सरकार, राष्ट्रीय कैरियर सेवा केंद्र के सहयोग से दिनांकः 26.11.2023 को जॉब फेयर का आयोजन किया गया। जॉब फेयर हेतु कुल 1268 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया; 42 कंपनियों ने भाग लिया तथा 277 अभ्यर्थियों का अंतिम रूप से चयन किया गया।
- एवेंच सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड बेंगलुरु द्वारा दिनांकः 02.12.2023 को नाइलिट औरंगाबाद में कैंपस ड्राइव आयोजित की गई। एवेंच सिस्टम्स द्वारा आयोजित लिखित परीक्षा में कुल 15 छात्रों ने भाग लिया; 09 छात्रों ने लिखित परीक्षा उत्तीर्ण की तथा साक्षात्कार के लिए पात्र थे। तकनीकी साक्षात्कार के बाद 04 छात्रों को नौकरी की पेशकश की गई।

- हरियाणा सरकार के अधिकारियों के लिए दिनांक 04.12.2023 से 15.12.2023 तक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग करके डिजिटल मार्केटिंग के मूल सिद्धांतों पर दो सप्ताह का ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें 34 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया।
- महाराष्ट्र राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड के सहयोग से दिनांकः 30.10.2023 से 03.11.2023 तक 5 दिवसीय संकाय विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के 10वें बैच का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न पॉलिटेक्निकों के 30 संकाय सदस्यों को आईओटी के क्षेत्र में जानकारी दी गई तथा कौशल प्रदान किया गया।
- पुनर्वास महानिदेशालय के सहयोग से सेवानिवृत्त सेना, नौसेना और वायु सेना अधिकारियों के लिए कौशल कार्यक्रम आयोजित किए गए। अगस्त 2023 माह में 23 अभ्यर्थियों ने नाइलिट ओ स्तर पाठ्यक्रम पूर्ण कर लिया है। पाठ्यक्रम की अवधि छह माह है। दिसंबर, 2023 माह में 40 अभ्यर्थियों ने प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवलपर पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण पूर्ण कर लिया है। पाठ्यक्रम की अवधि तीन माह है।
- नाइलिट औरंगाबाद ने अनुसंधान एवं विकास, इंटर्नशिप तथा एफडीपी से संबंधित संयुक्त सहयोग गतिविधियों हेतु डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डॉ. बीएटीयू), लोनेरे के साथ एक समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।
- नाइलिट औरंगाबाद एवं डॉ. बाबासाहेब अम्बेडकर शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (बीएआरटीआई) ने महाराष्ट्र में अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों हेतु कौशल विकास पहल पर सहयोग करने हेतु समझौता–ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।

भुवनेश्वर

केंद्र का इतिहास

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा नाइलिट भुवनेश्वर की स्थापना की स्वीकृति दी गई थी जिसे नाइलिट के आंतरिक स्रोतों से स्थापित किया जाना है। ओडिशा सरकार ने तृतीय मंजिल, उत्तरी दिशा की ओर, ओसीएसी टॉवर, आचार्य विहार, भुवनेश्वर में किराया मुक्त आधार पर 5207 वर्ग फुट का कारपेट क्षेत्र आवंटित किया है। यह केंद्र में स्थित है और शहर के अन्य भागों के साथ–साथ पड़ोसी नगरों से भी बहुत अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है। हाल ही में, नाइलिट केंद्र, भुवनेश्वर का उद्‌घाटन दिनांक 20 सितंबर, 2022 को किया गया तथा यह ओसीएसी टॉवर, भुवनेश्वर में ओडिशा सरकार द्वारा आवंटित निःशुल्क निर्मित स्थान अपर परिचालन में है। केंद्र उभरती प्रौद्योगिकियों में विभिन्न अनौपचारिक एवं विशिष्ट पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है।

कार्यबल

नियमित	वैज्ञानिक एवं तकनीकी 02
	गैर– वैज्ञानिक एवं तकनीकी 02
संविदात्मक	: 08
परियोजना आधारित	: 02
कारोबार	: 247.52 (रु. लाख में)

केंद्र प्रमुख

श्री जयंत चक्रवर्ती
प्रभारी निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट भुवनेश्वर, तीसरी मंजिल,
ओ सी ए सी टॉवर, आचार्य विहार, भुवनेश्वर,
ओडिशा – 751013

सम्पर्क करने का विवरण

ईमेलः bbsr@nielit.gov.in
वेबसाइटः https://nielit.gov.in/bhubaneswar/index.php

विस्तार केंद्र

शून्य

राज्य क्षेत्राधिकार

ओडिशा और छत्तीसगढ़

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

ड्रोन टेक्नोलॉजीज

प्रदत्त पाठ्यक्रमः

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- 'ओ' स्तर आईटी
- सीएचएमटी 'ओ' स्तर

ख) लघु अवधि पाठ्यक्रम

- पायथन का उपयोग करके डेटा विज्ञान
- कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम
- ड्रोन प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोग
- पायथन का उपयोग करके मशीन लर्निंग में फाउंडेशन कोर्स
- सूचना सुरक्षा में फाउंडेशन कोर्स
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई ओ टी) में फाउंडेशन कोर्स
- प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवलपर
- डेटा एंट्री और ऑफिस ऑटोमेशन में सर्टिफिकेट कोर्स
- पर्सनल कंप्यूटर की असेंबली और रखरखाव
- सौर–एलईडी प्रकाश उत्पाद
- कंप्यूटर एप्लीकेशन, अकाउंटिंग और पब्लिशिंग में सर्टिफिकेट कोर्स

वर्ष 2023–24 की अवधि के दौरान मुख्य विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- **केंद्र इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित परियोजना ''मानव रहित विमान प्रणाली (ड्रोन और संबंधित प्रौद्योगिकी) में मानव संसाधन विकास के लिए क्षमता निर्माण'' का संचालन कर रहा है। इस संबंध में,** तृतीय बूट–कैंप दिनांक 12 दिसंबर, 2023 से 16 दिसंबर, 2023 तक आयोजित किया गया, जहाँ प्रतिभागियों को ड्रोन पर व्यावहारिक अनुभव प्राप्त हुए। इसका उद्घाटन डीआईसी, नाइलिट, बीबीएसआर एवं श्री राधा मोहन जेना, उप निदेशक एडब्ल्यूओ, डीजीसीए द्वारा किया गया।

- नाइलिट भुवनेश्वर ने दिनांक 03.03.2024 को जवाहर नवोदय विद्यालय, अंगुल, ओडिशा के 40 छात्रों के लिए पीएम श्री योजना के अंतर्गत ड्रोन प्रौद्योगिकी में कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित किया है।

- नवंबर 2023 में, नाइलिट भुवनेश्वर द्वारा एक जॉब फेयर का आयोजन किया गया। इस फेयर में 6 रिक्रूटर्स ने भाग लिया। 200 इच्छुक अभ्यर्थियों में से 50 से अधिक अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया गया।

- नाइलिट भुवनेश्वर ओडिशा के बालासोर में अपना विस्तार केंद्र स्थापित करने की प्रक्रिया में है ताकि, विभिन्न लाभार्थियों तक अपनी पहुंच बढ़ाई जा सके। इस दिशा में, केंद्र ने बालासोर के बीएसएनएल कार्यालय परिसर में विस्तार केंद्र की स्थापना के लिए बीएसएनएल बालासोर के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

- केंद्र सरकार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के जॉब सिकर्स के लाभ हेतु डीजीई द्वारा वित्तपोषित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। **प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवलपर पाठ्यक्रम के अभ्यर्थियों के लिए सीएसएमटेक में उद्योग अनुभव भ्रमण का आयोजन दिनांक 09.02.24 को किया गया।**

कालीकट

केंद्र का इतिहास

वर्ष 1989 में, केंद्र इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (पूर्व में डीओई) एवं केरल सरकार के सहयोग से स्थापित किया गया था। वर्तमान मूलभूत ढाँचा 25 एकड़ के परिसर में विकसित किया गया है तथा इसमें हरे–भरे सुंदर वातावरण में छात्रों के लिए अत्याधुनिक सुविधाएँ, स्मार्ट क्लास रूम, आईईईई ऑनलाइन एक्सेस, 1 जीबीपीएस एनकेएन कनेक्टिविटी, मिनी डेटा सेंटर तथा 24×7 वाईफ़ाई सुविधा उपलब्ध है। प्रयोगशालाएँ एम्बेडेड सिस्टम, आईओटी, वीएलएसआई, सूचना प्रौद्योगिकी, उत्पाद डिज़ाइन, 3डी प्रिंटिंग, प्रक्रिया नियंत्रण एवं इंस्ट्रूमेंटेशन के क्षेत्र में नवीनतम प्रणालियों और विकास उपकरणों से पूर्ण रूप से सुसज्जित हैं। नाइलिट कालीकट के छात्रावास (महिला और पुरुष) में लगभग 250 छात्र रह सकते हैं। वित्त पोषित अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के अतिरिक्त, केंद्र ने टीआईएससीओ, बीपीएल, बीपीएल– टेलीकॉम, केईएल, केरल फीड्स, केसीएमएमएफ, एमटीएबी, कदम्पुझा मंदिर, केरल पर्यटन विभाग, केरल विधान सभा, एनपीओएल आदि जैसे; प्रतिष्ठित संगठनों हेतु कई सॉफ्टवेयर विकास एवं इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन परियोजनाओं को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया है। केंद्र आईएसओ 9001:2015 प्रमाणित है। एमटेक कार्यक्रम एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित हैं तथा एपीजेएके टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी केरल से सम्बद्ध है।

कार्यबल

नियमित	वैज्ञानिक एवं तकनीकी 22
	गैर– वैज्ञानिक एवं तकनीकी 08
संविदात्मक	: 06
परियोजना आधारित	: 02

कारोबार : 1,138.79 (रु. लाख में)

केंद्र प्रमुख

डॉ. प्रताप कुमार एस
निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट कालीकट, पीबी #5, एनआईटी कैंपस पोस्ट, कोझिकोड, केरल– 673 601

सम्पर्क करने का विवरण

फोन: 0495- 2287123
मोबाईल: 91 9446026809
ईमेल: dir-calicut@nielit.gov.in
वेबसाइट: https://nielit.gov.in/calicut/index.php

विस्तार केंद्र

शून्य

राज्य क्षेत्राधिकार

केरल, कर्नाटक, लक्षद्वीप

उत्कृष्टता का क्षेत्राः

- वीएलएसआई/एएसआईसी डिजाइन एवं सत्यापन
- एम्बेडेड सिस्टम और आईओटी अनुप्रयोग
- 3डी प्रिंटिंग और एडिटिव मैन्यूफैक्चरिंग
- बिग डेटा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता
- सूचना सुरक्षा और क्लाउड कंप्यूटिंग
- इंस्ट्रूमेंटेशन और प्रक्रिया नियंत्रण

प्रदत्त पाठ्यक्रमः

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (एम.टेक)

- एम्बेडेड सिस्टमस
- इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन प्रौद्योगिकी
- वीएलएसआई और एम्बेडेड सिस्टम (डीआईएटी–डीआरडीओ, पुणे के साथ संयुक्त रूप से)
- नाइलिट सीएचएमटी–ओ तथा आईटी–ओ स्तर

ख) लघु अवधि पाठ्यक्रम

- पीजी कार्यक्रम
  - o एम्बेडेड सिस्टम डिज़ाइन
  - o वीएलएसआई और एम्बेडेड हार्डवेयर
  - o औद्योगिक स्वचालन प्रणाली डिजाइन
  - o डेटा एनालिटिक्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस
  - o औद्योगिक स्वचालन में कार्यकारी पीजी कार्यक्रम
- कॉर्पोरेट प्रशिक्षण.
- संकाय विकास कार्यक्रम
- अनुकूलित इंटर्नशिप और छात्र परियोजनाएं
- आईईईई के साथ संयुक्त रूप से कार्यशालाएं एवं सेमिनार

वर्ष 2023–24 की अवधि के दौरान मुख्य विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- कुल 23,556 अभ्यर्थियों को विभिन्न औपचारिक एवं अनौपचारिक पाठ्यक्रमों, प्रमाणन योजनाओं एवं कार्यशालाओं के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- 34 अभ्यर्थियों को तीन विशिष्ट एमटेक कार्यक्रमों में प्रवेश दिया गया।
- कुल 12,376 अभ्यर्थियों को पीजी, एडवांस डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिसमें एनएसक्यूएफ से संबद्ध पाठ्यक्रम और ऑनलाइन कार्यक्रम शामिल हैं।
- एनपीटीईएल लैब कार्यशालाओं के माध्यम से 109 अभ्यर्थियों को एफपीजीए आर्किटेक्चर, वीएलएसआई फंडामेंटल्स, एम्बेडेड सी और एआरएम कॉर्टेक्स माइक्रो कंट्रोलर, एआरएम एसओसी डिजाइन, एम्बेडेड लिनक्स, एम्बेडेड आरटीओएस और आईओटी डोमेन पर प्रशिक्षित किया गया।
- डीजीई फंडिंग के माध्यम से कुल 948 अभ्यर्थियों को नाइलिट आईटी (ओ लेवल और सीएचएम ओ लेवल) कार्यक्रमों में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- 512 अभ्यर्थियों को इंटर्नशिप, कस्टम प्रशिक्षण, कार्यशालाओं के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया।
- क्षेत्र में बीसीसी, सीसीसी, कौशल प्रमाणन के माध्यम से 422 अभ्यर्थियों को आईटी साक्षरता पर प्रशिक्षित/प्रमाणित किया गया।
- प्रतिष्ठित अनुक्रमित पत्रिकाओं, आईईईई ट्रांजेक्शन्स एवं सम्मेलनों में 3 शोध–पत्र प्रकाशित किए गए तथा 1 कर्मचारी को पेटेंट प्रदान किया गया।
- नाइलिट कालीकट ने शैक्षणिक और अनुसंधान सहयोग हेतु सीडैक त्रिवेंद्रम तथा एनआईटी कालीकट के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- मॉडल कैरियर सेंटर कालीकट, श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार ने गैर सरकारी संगठनों एवं पेशेवर निकायों तथा जेसीआई कालीकट चैप्टर के तकनीकी सहयोग के साथ केरल में विभिन्न स्थानों पर 6 रोजगार मेले आयोजित किए तथा 36,000 से अधिक अभ्यर्थियों को सुविधा प्रदान की एवं 6,000 से अधिक अभ्यर्थियों को सूचीबद्ध किया।
- 14,142 अभ्यर्थियों को 7 स्मार्ट लैब पाठ्यक्रमों के माध्यम से सुविधा प्रदान की गई।
- चित्रदुर्ग में नाइलिट विस्तार केंद्र की स्थापना हेतु डीपीआर एमईआईटीवाई कार्य समूह के समक्ष प्रस्तुत की गई।
- 3डी प्रिंटिंग में 22 स्पोक संस्थानों के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।
- 3डी प्रिंटिंग में कारीगरों के प्रशिक्षण हेतु जिला पंचायत कन्नूर के साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।
- एनआईटी कालीकट के साथ साथी परियोजना के अंतर्गत 2 संयुक्त प्रस्ताव प्रस्तुत किए गए।
- निम्नलिखित परियोजनाएं एवं गतिविधियां संचालित की जाती हैं:
  - 200 सीटों वाली रिमोट हार्डवेयर और उन्नत प्रशिक्षण सुविधा के साथ स्मार्ट लैब परियोजना।
  - ड्रोन प्रोजेक्ट: पीजी कार्यक्रम, कार्यशालाएं और बूट–कैंप प्रदान करता है: एमईआईटीवाई
  - अल्ट्रासाउंड स्कैन जांच: सी–मेट, एमसीसी के साथ संयुक्त रूप से चिकित्सा इमेजिंग के लिए अल्ट्रासोनिक ट्रांसड्यूसर जांच डिजाइन एवं विकास: एमईआईटीवाई
  - सीएआरएस परियोजना: एम्बेडेड मल्टी–कोर प्रोसेसर के लिए एक कुशल प्लेटफ़ॉर्म स्वतंत्र मेमोरी सेंट्रिक शेड्यूलर का अध्ययन और विकास: डीआरडीओ
  - एफएस प्राइम प्रोजेक्ट: 3डी प्रिंटिंग, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आईओटी डोमेन में प्रशिक्षण: एमईआईटीवाई
  - कार्य आधारित शिक्षण कार्यक्रम : एमईआईटीवाई
  - केरल और कर्नाटक में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के सशक्तिकरण के लिए कौशल प्रशिक्षण
  - आईईसीटी के क्षेत्र में आकांक्षी जिलों में युवाओं के कौशल विकास से रोजगार क्षमता में वृद्धि होगी।
  - आईईसीटी में क्षमता निर्माण और कौशल विकास के माध्यम से एससी/एसटी और ईडब्ल्यूएस (महिला) युवाओं की रोजगार क्षमता वृद्धि और आजीविका प्रशिक्षण कार्यक्रम (ईईएलटीपी): एमईआईटीवाई
  - सी2एस खरीद: ईडीए उपकरण एवं बोर्ड की खरीद
  - एमईआईटीवाई संगठनों के लिए भर्ती
  - 3डी प्रिंटिंग में कारीगरों का प्रशिक्षण

कालीकट

महत्वपूर्ण बिंदु

- इजिप्ट क्लाउड कंप्यूटिंग सेंटर (ईसी3) के प्रबंधक डॉ. मोहम्मद अदली ने दिनांक: 19 अप्रैल, 23 को नाइलिट कालीकट का दौरा किया तथा आपसी सहयोग एवं कौशल पर चर्चा की।
- नाइलिट कालीकट ने इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित 'मानव रहित विमान प्रणाली (ड्रोन और संबंधित प्रौद्योगिकी) में मानव संसाधन विकास के लिए क्षमता निर्माण' के अंतर्गत ड्रोन/यूएएस प्रौद्योगिकियों पर 3 समानांतर बूट–कैंप आयोजित किए और लगभग 100 अभ्यर्थी लाभान्वित हुए।
- दिनांक: 3 दिसंबर, 23 को नाइलिट कालीकट में एक मेगा जॉब फेयर आयोजित किया गया, जिसमें कुल 256 पदों के लिए 1900 से अधिक प्रतिभागियों ने आवेदन किया और 55 भर्तीकर्ताओं द्वारा 700 से अधिक अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया गया।

डॉ. मोहम्मद मिस्र के क्लाउड कंप्यूटिंग सेंटर (ईसी3) के प्रबंधक एडली प्रोसेस कंट्रोल इंस्ट्रूमेंटेशन लैब का दौरा करते हुए

डॉ. प्रताप कुमार एस, निदेशक, नाइलिट कालीकट और निदेशक श्री कलाई सेल्वन समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर करते हुए

डिजिटल इंडिया आरआईएससी–वी संगोष्ठी में नाइलिट कालीकट का स्टॉल

साइबर स्वच्छता और सुरक्षा पर जागरूकता प्रशिक्षण

चेन्नई

केंद्र का इतिहास

''चेन्नई में डीओईएसीसी केंद्र (नाइलिट केंद्र) की स्थापना'' परियोजना के अंतर्गत नाइलिट चेन्नई की स्थापना दिनांकः 6 जनवरी, 2009 को इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार के प्रशासनिक अनुमोदन से हुई। इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद डिजाइन एवं उत्पादन प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में दूसरी इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की परियोजना क्षमता निर्माण ने वीएलएसआई डिजाइन, एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन, ऑटोमोटिव इलेक्ट्रॉनिक्स पर विशेष बल देते हुए अत्याधुनिक सुविधाओं की स्थापना में सहायता की तथा इसके पश्चात, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सूचना सुरक्षा, क्लाउड कंप्यूटिंग, डिजिटल और मोबाइल फोरेंसिक के साथ संवर्धित किया। संस्थान का पाठ्यक्रम अकादमिक और उद्योग प्रासंगिक योग्यता विकास कार्यक्रमों का एक पूर्ण मिश्रण है जो आत्मनिर्भर भारत की दिशा में योगदान के अंतर्गत अभ्यर्थियों को वास्तविक रूप से अपने स्वयं के कैरियर हेतु प्रासंगिक कौशल एवं ज्ञान विकसित करने में सहायक है। पिछले कुछ वर्षों में, केंद्र ने 35,000 से अधिक अभ्यर्थियों को कौशल प्रशिक्षण प्रदान किया है। वर्तमान में, नाइलिट चेन्नई, भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) की कार्य आधारित शिक्षा (डब्ल्यूबीएल), आकांक्षी जिलों में युवाओं के कौशल विकास, आईईसीटी में क्षमता निर्माण एवं कौशल विकास के माध्यम से एससी/एसटी और ईडब्ल्यूएस (महिला) युवाओं हेतु रोजगार क्षमता संवर्धन तथा आजीविका प्रशिक्षण कार्यक्रम (ईईएलटीपी), जनता के लिए आईटी एवं भविष्य के कौशल प्राइम क्षमता निर्माण परियोजनाओं (3डी पीएएम, आरपीए और आईओटी – प्रौद्योगिकी स्ट्रीम) को कार्यान्वित कर रहा है।

कार्यबल

नियमित	वैज्ञानिक एवं तकनीकी 07
	गैर– वैज्ञानिक एवं तकनीकी 01
संविदात्मक	: 17
परियोजना आधारित	: शून्य

कारोबार : 462.90 (रु. लाख में)

केंद्र प्रमुख

श्री लालमोहन के.एस.
निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट चेन्नई, 25, आईएसटीई प्रोफेशनल सेंटर, गांधी मंडपम रोड, अन्ना सेंटेनरी लाइब्रेरी के सामने, कोट्टूरपुरम, चेन्नई – 600 025

सम्पर्क करने का विवरण

फोनः 044 24421445/46, +91 9447240738
ईमेलः dir-chennai@nielit.gov.in
वेबसाइटः www.nielit.gov.in/chennai/index.php

विस्तार केंद्र

शून्य

राज्य क्षेत्राधिकार

तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पुदुचेरी, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

- डेटा विज्ञान
- सूचना सुरक्षा और प्रबंधन
- क्लाउड कम्प्यूटिंग
- एम्बेडेड प्रणाली
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओ टी)
- वीएलएसआई
- 3डी प्रिंटिंग
- रोबोटिक प्रक्रिया स्वचालन (आरपीए)

प्रदत्त पाठ्यक्रमः

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- प्रमाणित एम्बेडेड सॉफ्टवेयर इंजीनियर
- एम्बेडेड एसओसी डिजाइन में पीजी प्रोग्राम
- सूचना प्रणाली सुरक्षा में पीजी कार्यक्रम
- प्रमाणित क्लाउड कंप्यूटिंग इंजीनियर
- डेटा इंजीनियरिंग में पीजी प्रोग्राम
- आईटी ओ लेवल, सीएचएमटी–ओ लेवल
- कार्यालय स्वचालन लेखा प्रकाशन सहायक
- कंप्यूटर एप्लीकेशन एवं बिजनेस अकाउंटिंग एसोसिएट
- साइबर सुरक्षित वेब डेवलपमेंट एसोसिएट

ख) लघु अवधि पाठ्यक्रम

- एम्बेडेड सी एवं एआरएम कॉर्टेक्स माइक्रोकंट्रोलर
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स
- सिस्टम एडमिनिस्ट्रेशन/ लिनक्स में उन्नत कार्यक्रम
- एम्बेडेड लिनक्स एवं डिवाइस ड्राइवर्स में सर्टिफिकेट कोर्स
- आई ओ टी डेटा विश्लेषण में सर्टिफिकेट कोर्स
- रिएक्ट–जेएस में सर्टिफिकेट कोर्स
- रोबोटिक प्रक्रिया स्वचालन
- एचएलएस प्रोग्रामिंग का उपयोग करके त्वरण डिजाइन में सर्टिफिकेट कोर्स
- वीएलएसआई डिजाइन में फाउंडेशन कोर्स
- वेरिलॉग एचडीएल का उपयोग करके एफपीजीए प्रोटोटाइपिंग में सर्टिफिकेट कोर्स
- डीएस और एमएल में इंटर्नशिप/ सर्टिफिकेट कोर्स
- प्रमाणित पूर्ण स्टैक वेब डेवलपर
- एम्बेडेड लिनक्स / एम्बेडेड आरटीओएस
- पायथन का उपयोग करके डेटा विज्ञान एवं मशीन लर्निंग
- आर का उपयोग करके डेटा एनालिटिक्स एवं मशीन लर्निंग
- पायथन के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग
- मायएसक्यूएल का उपयोग करके संरचित क्वेरी भाषा
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग
- वायरशार्क का उपयोग करके प्रोटोकॉल विश्लेषण में सर्टिफिकेट कोर्स
- सिस्टम एडमिनिस्ट्रेशन में उन्नत कार्यक्रम
- आईएसआई 100 – एडब्ल्यूएस में सर्टिफिकेट कोर्स
- रेडी4 साइबर सुरक्षा
- एआई अनुप्रयोगों हेतु उन्नत मशीन लर्निंग
- ए आई अनुप्रयोगों हेतु उन्नत मशीन लर्निंग
- पायथन के साथ डीप लर्निंग में सर्टिफिकेट कोर्स
- लिनक्स फंडामेंटल्स/ हैडोप में सर्टिफिकेट कोर्स
- विंडोज सर्वर एडमिनिस्ट्रेशन में सर्टिफिकेट कोर्स (सीसी12)
- साइबर सुरक्षा एवं इथिकल हैकिंग

वर्ष 2023–24 की अवधि के दौरान मुख्य विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- आंध्र प्रदेश एवं तेलंगाना में अनुसूचित जाति/ अनुसूचित जनजाति समुदाय के इंजीनियरिंग उत्तीर्ण छात्रों के रोजगार/ स्वरोजगार क्षमता निर्माण परियोजना के अंतर्गत 260 अभ्यर्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया गया है एवं 60 अभ्यर्थियों का नया लक्ष्य सौंपा गया है।
- आकांक्षी जिलों रामनाथपुरम एवं विरुधुनगर में कार्यान्वयन हेतु इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा "तमिलनाडु में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (महिलाओं) को सशक्त बनाने के लिए कौशल प्रशिक्षण" के अंतर्गत 614 अभ्यर्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया गया।
- एससी/ एसटी/ महिलाओं/ईडब्ल्यूएस को सबल एवं सशक्त बनाने हेतु 6 माह के कार्य आधारित शिक्षण (डब्ल्यूबीएल) कार्यक्रम हेतु 23 स्नातक इंजीनियरों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया गया।
- एनएसक्यूएफ से संबद्ध पीजी कार्यक्रमों में 350 से अधिक अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया तथा वर्चुअल लैब सुविधा के साथ ऑनलाइन– मिश्रित मोड के माध्यम से कुल 6000 से अधिक अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया।

महत्वपूर्ण बिंदु

नाइलिट चेन्नई को अनुसंधान एवं विकास परियोजना प्रदान की गई है: कम लागत आधारित अल्ट्रासाउंड स्कैनर हेतु स्वदेशी अत्याधुनिक एफपीजीए आधारित अल्ट्रासाउंड बीम फॉर्मर मॉड्यूल: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा वित्त पोषित प्रूफ–ऑफ–कॉन्सेप्ट स्कैनर विकास।

- वित्त वर्ष 2023–24 हेतु वर्चुअल लैब समर्थित ऑनलाइन–मिश्रित मोड के माध्यम से एनएसक्यूएफ संरेखित पीजी कार्यक्रमों में 350 से अधिक अभ्यर्थियों एवं कुल मिलाकर 6000 से अधिक को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया गया।
- आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदाय के इंजीनियरिंग उत्तीर्ण छात्रों के रोजगार/ स्वरोजगार क्षमता निर्माण परियोजना के अंतर्गत 260 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है एवं 60 अभ्यर्थियों का नया लक्ष्य सौंपा गया है।
- आकांक्षी जिलों रामनाथपुरम एवं विरुधुनगर में कार्यान्वयन हेतु इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा "तमिलनाडु में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (महिलाओं) को सशक्त बनाने हेतू कौशल प्रशिक्षण" के अंतर्गत 614 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया।
- एससी/एसटी/महिलाओं/ईडब्ल्यूएस को मजबूत और सशक्त बनाने के लिए 6 महीने के कार्य आधारित शिक्षण (डब्ल्यूबीएल) कार्यक्रम के लिए 23 स्नातक इंजीनियरों को प्रशिक्षित किया गया।
- उनके पाठ्यक्रमों के संचालन के लिए एलएमएस होस्टिंग सेवा प्रदान करने हेतु अन्ना विश्वविद्यालय के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
- शैक्षणिक और अनुसंधान में सहयोग हेतु शैक्षणिक संस्थानों एसआरएम आईएसटी – कट्टनकुलथुर, वीआईटी– चेन्नई एवं एसआरएमआईएसटी – रामपुरम के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

केंद्र का इतिहास

नाइलिट केंद्र, दमन की स्थापना दिनांक 19 फरवरी, 2021 को इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित परियोजना ''दमन में नाइलिट केंद्र की स्थापना'' के अंतर्गत अनुमोदन के जरिए की गई थी। केंद्र आईईसीटी के क्षेत्र में विभिन्न लघु एवं दीर्घकालिक पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है जो राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एनएसक्यूएफ) के अंतर्गत आते हैं। प्रशिक्षण के अतिरिक्त, डीएलसी, डीजीसीए आदि जैसे; विभिन्न कार्यक्रमों हेतु गुजरात राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश दमन और दीव में विभिन्न ऑनलाइन परीक्षाओं का संचालन केंद्र की गतिविधियों का एक प्रमुख भाग है।

कार्यबल

नियमित वैज्ञानिक एवं तकनीकी : 02

गैर– वैज्ञानिक एवं तकनीकी : शून्य

संविदात्मक : 03

परियोजना आधारित : शून्य

कारोबार : 172.75 (रु. लाख में)

केंद्र प्रमुख

श्री मनब कलिता
निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट दमन, द्वितीय तल,
शासकीय पॉलिटेक्निक दमन,
वेरकुंड, दमन –396210

सम्पर्क करने का विवरण

फोनः 0260-2992326
ईमेलः dir-daman@nielit.gov.in
वेबसाइटः www.nielit.gov.in/daman/index.php

राज्य क्षेत्राधिकार

दादरा नगर हवेली और दमन व दीव, गुजरात

उत्कृष्टता का क्षेत्राः

- कृत्रिम बुद्धिमता
- मशीन लर्निंग
- डेटा विज्ञान

प्रदत्त पाठ्यक्रमः

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- ओ लेवल (आईटी)
- ए लेवल (आईटी)
- प्रमाणित वेब डेवलपर
- प्रमाणित डेटा विश्लेषक
- आईटीईएस बीपीओ, सॉफ्ट स्किल्स और कम्युनिकेटिव इंग्लिश में सर्टिफिकेट कोर्स
- प्रमाणित कार्यालय स्वचालन और आईटी सहायक
- डेटा विश्लेषण सहायक
- जूनियर डेटा विश्लेषक
- पर्सनल कंप्यूटर की असेंबली और रखरखाव
- कंप्यूटर हार्डवेयर रखरखाव–तकनीशियन (सीएचएम–टी ओ –स्तर)
- प्रमाणित पीसी हार्डवेयर और नेटवर्किंग सहायक
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई ओ टी) सहायक

ख) लघु अवधि पाठ्यक्रम

- सीसीसी
- सीसीसी+
- प्रमाणित वेब डेवलपर
- प्रमाणित डेटा विश्लेषक
- आईटीईएस बीपीओ, सॉफ्ट स्किल्स और कम्युनिकेटिव इंग्लिश में सर्टिफिकेट कोर्स
- पायथन का उपयोग करके मशीन लर्निंग में फाउंडेशन कोर्स
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एप्लीकेशन में फाउंडेशन कोर्स
- प्रमाणित डेटा प्रविष्टि एवं कार्यालय सहायक
- एम्बेडेड एप्लीकेशन डेवलपमेंट में फाउंडेशन कोर्स
- वीएलएसआई डिजाइन में फाउंडेशन कोर्स
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) में फाउंडेशन कोर्स

वर्ष 2023–24 की अवधि के दौरान मुख्य विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- नाइलिट दमन ने दादरा नगर हवेली, दमन और दीव संघ राज्य क्षेत्र के सरकारी शिक्षकों को आईईसीटी के उपयोग में प्रशिक्षित किया है।
- जागरूकता वृद्धि और शहरी सहकारी बैंकों (एवीटीयू) के लिए प्रशिक्षण के अंतर्गत बैंक कर्मचारियों के लिए साइबर सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- पीएमकेवीवाई 4.0 के कौशल हब पहल के अंतर्गत कुल 96 प्रतिभागियों को नामांकित एवं प्रशिक्षित किया गया।
- केंद्र ने राष्ट्रीय वर्चुअल अकादमी के माध्यम से पायथन हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया है।
- डीजीई, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अंतर्गत प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया गया, गुजरात राज्य में प्रशिक्षण भागीदारों के सहयोग से पांच एनएसक्यूएफ पाठ्यक्रमों में 165 अभ्यर्थियों हेतु परियोजना को वित्त पोषित किया गया।
- पाइथन का उपयोग करते हुए एआई/एमएल एवं डेटा एनालि. टिक्स में 5वें सेमेस्टर और तृतीय सेमेस्टर के बीटेक छात्रों के लिए इंटर्नशिप आयोजित की गई।
- केंद्र में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के बीटेक अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए कार्य आधारित शिक्षण (डब्ल्यूबीएल) कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है।

महानिदेशक, नाइलिट के साथ नाइलिट दमन की शैक्षणिक टीम

दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव के सरकारी शिक्षकों के लिए नाइलिट दमन द्वारा प्रशिक्षण आयोजित किया गया

कौशल आधारित लघु अवधि पाठ्यक्रमों पर प्रशिक्षण

दिल्ली

केंद्र का इतिहास

नाइलिट दिल्ली केन्द्र की स्थापना वर्ष 2000 में नाइलिट, चंडीगढ़ केन्द्र (तत्कालीन आरसीसी) के एक शाखा कार्यालय के रूप में की गई थी। दिनांकः 1 नवम्बर, 2012 से यह केन्द्र एक स्वतंत्र नाइलिट केन्द्र के रूप में कार्य कर रहा है। केंद्र ने आईईसीटी क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साथ–साथ तृतीय पक्ष द्वारा विभागीय/भर्ती परीक्षाएं आयोजित करने की अपनी क्षमता सिद्ध की है। केंद्र भारत सरकार की डिजिटल इंडिया पहल को कार्यान्वित कर रहा है तथा गुणवत्तापूर्ण आईटी/आईटीईएस प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं, समाज के कमजोर वर्ग एवं सरकारी अधिकारियों को सशक्त बना रहा है। वर्तमान में, नाइलिट दिल्ली केंद्र दिल्ली में 3 स्थानों पर स्थित है, दक्षिण पश्चिम दिल्ली कार्यालय (जनकपुरी) मुख्य केंद्र के रूप में परिचालन में है तथा इसके 02 विस्तार केंद्र इंद्रलोक और पूर्वी दिल्ली (कड़कड़डूमा) में स्थित हैं।

कार्यबल

नियमित	वैज्ञानिक एवं तकनीकी 20 गैर– वैज्ञानिक एवं तकनीकी 10
संविदात्मक	: 28
परियोजना आधारित	: 05
कारोबार	: 3,372.29 (रु. लाख में)

केंद्र प्रमुख

श्री सुमांशु तिवारी
कार्यकारी निदेशक

पूर्ण पता

दक्षिण पश्चिम दिल्ली, जनकपुरी, आईईटीई, संस्थागत क्षेत्र,
16/1–2, पंखा रोड, सागरपुर पुलिस स्टेशन के पास,
डी ब्लॉक, जनकपुरी नई दिल्ली 110058

सम्पर्क करने का विवरण

फोनः 011-49878223
ईमेलः dir-delhi@nielit.gov.in
वेबसाइटः https://nielit.gov.in/delhi/index.php

विस्तार केंद्र

दिल्ली में दो स्थान (कड़कड़डूमा एवं इंद्रलोक)
नाइलिट दिल्ली केन्द्र, उत्तरी परिसर
नाइलिट दिल्ली केन्द्र, पूर्वी परिसर

विस्तार केन्द्र का पता

- दूसरी मंजिल, पार्श्वनाथ मेट्रो मॉल,
  इंदरलोक मेट्रो स्टेशन, इंदरलोक,
  दिल्ली– 11005
  फोनः 8447795337, 011-23644149, 23644849
  ईमेलः delhi.training@nielit.gov.in
- 30एक्स, एफसी–18, इंस्टीट्यूशनल एरिया,
  केन्द्रीय विद्यालय के पास,
  कड़कड़डूमा, दिल्ली–92
  फोनः 011-20824140, 8317093877
  ईमेलः eastdelhi@nielit.gov.in

राज्य क्षेत्राधिकार

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता, मशीन लर्निंग, सामाजिक और मोबाइल इंजीनियरिंग

प्रदत्त पाठ्यक्रमः

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- 'ओ' लेवल (आईटी);
- 'ए' लेवल (आईटी)
- सीएचएमटी 'ओ' लेवल
- साइबर सिक्योर वेब डेवलपमेंट
- ऑफिस ऑटोमेशन, अकाउंटिंग और पब्लिशिंग असिस्टेंट
- एआई डेवलपमेंट एसोसिएट
- कंप्यूटर एप्लीकेशन बिजनेस अकाउंटिंग एसोसिएट

ख) अल्पकालिक पाठ्यक्रम

- डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम जैसे, एसीसी, बीसीसी, सीसीसी, सीसीसी+, ईसीसी
- ऑफिस ऑटोमेशन, टैली प्राइम, डीटीपी में पाठ्यक्रम
- डिप्लोमा और इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष के छात्रों के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम
- एफएसके प्राइम के तहत एआई, क्लाउड कंप्यूटिंग, सोशल और मोबाइल आईटी में विभिन्न अल्पकालिक/सर्टिफिकेट पाठ्यक्रम
- प्रोग्रामिंग में पाठ्यक्रम (सी, सी++, कोर जावा, पायथन, पीएचपी,
- पायथन का उपयोग करके फुल स्टैक डेवलपमेंट, वेब डेवलपमेंट
- साइबर सुरक्षा, डिजिटल मार्केटिंग, बिग डेटा, ब्लॉक चेन
- मशीन लर्निंग और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन, वीएलएसआई
- प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवलपर, एडोब फोटोशॉप, फ्लैश, कोरलड्रा आदि। इंटरनेट ऑफ थिंग्स/रास्पबेरी पाई/आर्डुइनो/पायथन/वीएलएसआई, आदि पर ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन प्रशिक्षण
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स/रास्पबेरी पाई/आर्डुइनो/पायथन/वीएलएसआई, आदि पर ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन प्रशिक्षण

वर्ष 2023–24 की अवधि के दौरान मुख्य विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- अभी तक आईईसीटी क्षेत्र में दीर्घावधि, अल्पावधि पाठ्यक्रम, ब्रिज कोर्स, कॉर्पोरेट प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं कार्यशाला तथा सेमिनार आदि के माध्यम से कुल 14297 प्रशिक्षित अभ्यर्थी नाइलिट दिल्ली के तीन केंद्रों में नामांकित हैं।
- केंद्र डीजीई, श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित एससी/एसटी जॉब सीकर्स परियोजना के अंतर्गत नाइलिट आईटी ओ लेवल, सीएचएम–ओ लेवल तथा ऑफिस ऑटोमेशन अकाउंटिंग एवं पब्लिशिंग में प्रशिक्षण आयोजित कर रहा है। चालू वर्ष यानी 2023–24 में इस परियोजना के अंतर्गत इन पाठ्यक्रमों में कुल 165 अभ्यर्थियों का नामांकन हुआ है।
- शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) के अधिकारियों के लिए साइबर सुरक्षा जागरूकता प्रशिक्षण आयोजित करने के लिए केंद्र ने कृषि बैंकिंग महाविद्यालय–भारतीय रिजर्व बैंक, पुणे के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके अंतर्गत, कुल 79 प्रतिभागियों ने साइबर स्वच्छता एवं घटना प्रतिक्रिया, भारत में साइबर जोखिम एवं इसके उभरती प्रवर्तियां, बैंकों में आईटी सुरक्षा में सर्वोत्तम अभ्यास एवं यूसीबी हेतु साइबर सुरक्षा ढांचे के बारे में सीखा है।
- बीएसएफ कैंप छावला में बीएसएफ और अन्य अर्धसैनिक बलों के 48 दिव्यांग अधिकारियों/कर्मचारियों के लिए 1600 बजे सीओपीए पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण आयोजित किया गया और अन्य 48 अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।
- फ्यूचर स्किल्स प्राइम क्लाउड कंप्यूटिंग प्रोजेक्ट के अंतर्गत दिनांक 29 सितंबर, 2023 को "डेवॉप्स– सीआई एंड सीडी पाइपलाइन" पर एक वेबिनार का आयोजन किया गया। यह वेबिनार डेवॉप्स, ऑटोमेशन एंड सीआई, सीडी अवधारणाओं के बारे में ज्ञान प्राप्त करने के लिए उत्तम मंच के रूप में कार्य करता है। कुल 105 प्रतिभागियों ने वेबिनार में भाग लिया और डेवॉप्स ऑटोमेशन के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त की।
- केंद्र ने राज्यसभा सचिवालय के 20 अधिकारियों के लिए इनडिजाइन पाठ्यक्रम का उपयोग करके डेस्कटॉप पब्लिशिंग में प्रशिक्षण आयोजित किया। साथ ही, भारत की संसद के राज्यसभा सचिवालय के 80 अधिकारियों के लिए एमएस–ऑफिस एप्लीकेशन पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
- केंद्र ने 4 जुलाई 2023 को दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (डीसीआरयूएसटी), मुरथल, सोनीपत के साथ डीसीआरयूएसटी के बी.टेक/एम.टेक छात्रों के लिए उन्नत और आगामी प्रौद्योगिकियों में औद्योगिक/ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के लिए एक समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) के अधिकारियों के लिए तैयार 5 दिवसीय एमएस–ऑफिस एप्लीकेशन प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया गया। यह प्रशिक्षण दिनांक 18 दिसंबर से 22 दिसंबर 2023 तक नाइलिट इंद्रलोक में आयोजित किया गया था।
- दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) के अधिकारियों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में 15 दिवसीय कॉर्पोरेट प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा हुआ। इस व्यापक प्रशिक्षण में डीएमआरसी के कुल 13 अधिकारियों ने भाग लिया।
- केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सी ए पी एफ) के दिव्यांग योद्धाओं के कौशल विकास के लिए ''कंप्यूटर और प्रोग्रामिंग सहायक (सी ओ पी ए)'' एन एस क्यू एफ लेवल–4 पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण में कुल 48 अभ्यर्थी भाग ले रहे हैं।
- इंटेल इंडिया के सहयोग से पूर्वी दिल्ली कार्यालय (कड़कड़डूमा) द्वारा "एआई– क्षमता कार्यशाला" के लिए 05 दिनों की अवधि का एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 19 छात्रों ने भाग लिया। इसके अलावा, वर्ष के दौरान 25 नाइलिट अधिकारियों के लिए "एआइ डेवलपमेंट एसोसिएट" पाठ्यक्रम पर एफडीपी का आयोजन किया गया। "एआई– फॉर फ्यूचर वर्कफोर्स प्रोग्राम" में एक और प्रशिक्षण आयोजित किया गया, जिसमें 32 छात्रों ने पाठ्यक्रम में भाग लिया।
- नाइलिट दिल्ली केंद्र भारतीय सेना, नौसेना और वायु सेना के अधिकारियों के लिए पुनर्वास महानिदेशालय (डीजीआर) द्वारा प्रायोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। कुल 40 अधिकारियों को प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवलपर पाठ्यक्रम में प्रशिक्षित किया गया, 38 अधिकारियों को साइबर सुरक्षा सहायक पाठ्यक्रम में प्रशिक्षित किया गया, लगभग 90 अधिकारियों को ओ लेवल आईटी पाठ्यक्रम में प्रशिक्षित किया गया और लगभग 130 अधिकारियों को सीएचएमटी–ओ लेवल पाठ्यक्रम में प्रशिक्षित किया गया।

केंद्र का इतिहास

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की प्रशासनिक स्वीकृति एवं जीआईए सहायता सहित, नाइलिट गंगटोक केंद्र की स्थापना 2010 में इंदिरा बाईपास रोड, सिची, गंगटोक में लगभग 10,000 वर्ग फीट के किराए के परिसर में की गई थी। इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के जी आई ए सहायता से अब पाकयोंग में नाइलिट गंगटोक के स्थायी परिसर का निर्माण हो रहा है। सिक्किम सरकार द्वारा भूमि उपलब्ध कराई गई है। अपनी स्थापना के बाद से, नाइलिट गंगटोक भारत सरकार की डिजिटल इंडिया पहलों को कार्यान्वित कर रहा है तथा गुणवत्तापूर्ण आईटी/आईटीईएस शिक्षा एवं प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं, समाज के कमजोर वर्गों तथा राज्य सरकार के कर्मचारियों को सशक्त बना रहा है। केंद्र ने इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा प्रायोजित क्षमता निर्माण परियोजनाओं को भी सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया है।

कार्यबल

नियमित	वैज्ञानिक एवं तकनीकी 01
	गैर– वैज्ञानिक एवं तकनीकी 02
संविदात्मक	: 07
परियोजना आधारित	: शून्य

कारोबार : 530.64 (रु. लाख में)

केंद्र प्रमुख

श्री अंगोम बुबू सिंह
प्रभारी निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट गंगटोक, बेंगथांग पचेखानी, पाकयोंग रोराथांग रोड, एनएच–7171ए, किट गोलाई के पास, पाकयोंग–737106

सम्पर्क करने का विवरण

फोन: 9615348511
ईमेल: dir-gangtok@nielit.gov.in
वेबसाइट: https://nielit.gov.in/gangtok/index.php

विस्तार केंद्र

शून्य

राज्य क्षेत्राधिकार

सिक्किम

उत्कृष्टता का क्षेत्र:

- संवर्धित वास्तविकता और आभासी वास्तविकता (एआर/वीआर)
- ई–कचरा का निराकरण, पृथक्करण और प्रबंधन
- साइबर सुरक्षा और साइबर फोरेंसिक
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स

प्रदत्त पाठ्यक्रम:

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- 'ओ' स्तर (आईटी)
- 'ए' स्तर (आईटी)
- सीएचएमटी 'ओ' स्तर
- मल्टीमीडिया और एनीमेशन प्रौद्योगिकी में ओ लेवल कोर्स– मैट 'ओ' स्तर

ख) लघु अवधि पाठ्यक्रम

- डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम अर्थात एसीसी, बीसीसी, सीसीसी, सीसीसी+, ईसीसी
- ऑफिस ऑटोमेशन, टैली, डीटीपी में पाठ्यक्रम
- हार्डवेयर/नेटवर्किंग/पीसी असेंबली/रखरखाव में पाठ्यक्रम
- प्रोग्रामिंग [सी, सी++, कोर जावा]/वेब/मोबाइल एप्लीकेशन डेवलपमेंट आदि में पाठ्यक्रम।
- ई–कचरे का निराकरण और पृथक्करण
- एआर/वीआर में पाठ्यक्रम
- साइबर सुरक्षा और साइबर फोरेंसिक
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स/रास्पबेरी पाई/आर्डुइनो/पायथन आदि पर ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन प्रशिक्षण

वर्ष 2023–24 की अवधि के दौरान मुख्य विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- वर्चुअल रियलिटी के लिए फ्यूचरस्किल्स प्राइम के अंतर्गत सह–अग्रणी के रूप में, नाइलिट गंगटोक ने मिश्रित शिक्षण पद्धति में "यूनिटी का उपयोग करते हुए एआर/वीआर विकास में पाठ्यक्रम" शीर्षक से एआर/वीआर में एक नया ब्रिज कोर्स शुरू किया है और इस कोर्स के लिए 250 से अधिक अभ्यर्थियों को पंजीकृत किया गया है।
- नाइलिट गंगटोक ने ''नए युग की डिजिटल प्रौद्योगिकियों में क्षमता निर्माण के माध्यम से यात्रा और पर्यटन उद्योग में आईसीटी हस्तक्षेप'' शीर्षक वाली इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की परियोजना के अंतर्गत प्रशिक्षण गतिविधियाँ शुरू की हैं, जिसमें सिक्किम के पर्यटन स्थलों के लिए इमर्सिव वीआर पोर्टल के साथ–साथ ई–ऑडियो गाइड का विकास भी शामिल है। राज्य के अन्य जिलों तक पहुँचने के लिए, अगस्त 2023 के दौरान पश्चिम सिक्किम में यात्रा और पर्यटन के 33 हितधारकों के लिए ''यात्रा और प्रशिक्षण पर आईसीटी अनुप्रयोग'' पर प्रशिक्षण का एक बैच आयोजित किया गया था।
- परियोजना "पूर्वोत्तर राज्यों में समाज के विभिन्न वर्गों के लिए डिजिटल कौशल सेट और वर्तमान उद्योग की मांग वाली प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षण सहित आईईसीटी में क्षमता निर्माण (एनईसीबी 2.0)" के तहत, नाइलिट गंगटोक ने विभिन्न जागरूकता और कौशल कार्यक्रमों के तहत 2023–24 में 4700 से अधिक अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण देकर समाज के विभिन्न वर्गों को कवर किया है। "कंप्यूटर एप्लीकेशन, अकाउंटिंग और पब्लिशिंग" पाठ्यक्रम पर प्रशिक्षित परियोजना के सफल अभ्यर्थियों ने सिक्किम सरकार के शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री आर. तेलंग की उपस्थिति में सिक्किम के माननीय राज्यपाल श्री लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से अपने प्रमाणपत्र प्राप्त किए।
- नाइलिट गंगटोक ने विभिन्न कॉलेजों और पॉलिटेक्निक के छात्रों के लिए इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई ओ टी) एवं संवर्धित तथा आभासी वास्तविकता (ए आर/वी आर) के क्षेत्रों में ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण आयोजित किया। सिक्किम के सरकारी पॉलिटेक्निक के छात्रों हेतु इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई ओ टी) पर प्रशिक्षण का एक बैच दिसंबर 2023 में आयोजित किया गया था, जिसमें 59 छात्रों ने भाग लिया तथा सफलतापूर्वक पूरा किया गया।
- नाइलिट गंगटोक ने एनबीबीजीसी और मॉडल करियर काउंसलिंग सेंटर (एमसीसीसी), राज्य क्षमता निर्माण संस्थान (एसआईसीबी), कौशल विकास विभाग, सिक्किम सरकार के सहयोग से दिनांक 7 दिसंबर, 2023 को रोजगार मेला आयोजित किया। 10 भर्तीकर्ताओं द्वारा 147 अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया गया।
- नाइलिट गंगटोक ने फरवरी, 2023 के दौरान पाकयोंग स्थित अपने स्थायी परिसर में ''रोबोटिक्स'' पर 36 घंटे का इंटर्नशिप कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय (जेएनवी), रोथक, पश्चिम सिक्किम के 35 छात्रों ने भाग लिया।

महत्वपूर्ण बिंदु

बेंगथांग, पचायखानी में नाइलिट गंगटोक के स्थायी परिसर का उद्घाटन दिनांक 8 अप्रैल, 2023 को श्री अलकेश कुमार शर्मा, आईएएस, सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा श्री तेनजिंग नोरबू लामथा, माननीय सलाहकार, डीआईटी, सिक्किम सरकार, श्री नवराज गुरुंग, माननीय अध्यक्ष, डीआईटी, सिक्किम सरकार, श्री योगेंद्र शर्मा, सचिव, डीआईटी, सिक्किम सरकार और डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी, महानिदेशक, नाइलिट की उपस्थिति में किया गया।

उसी दिन, "संवर्धित एवं आभासी वास्तविकता (एआर/वीआर) के अनुप्रयोग" पर एक कार्यशाला भी आयोजित की गई, जिसमें पाकयोंग ब्लॉक प्रशासनिक केंद्र (बीएसी) और परखा बीएसी के शिक्षकों के साथ–साथ रोराथांग सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल के छात्रों ने भी भाग लिया।

नाइलिट गंगटोक के स्थायी परिसर का उद्घाटन

स्थायी परिसर के उद्घाटन के दौरान नाइलिट गंगटोक की अत्याधुनिक ई–कचरा निराकरण एवं पृथक्करण प्रयोगशाला का प्रदर्शन

गोरखपुर

केंद्र का इतिहास

नाइलिट गोरखपुर की स्थापना जून, 1989 में इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अधीन एक स्वायत्त वैज्ञानिक सोसायटी के रूप में की गई थी। यह डिप्लोमा/स्नातक/मास्टर स्तर के छात्रों के प्रशिक्षण एवं शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करता है तथा उत्तर प्रदेश में लघु उद्योगों और संबद्ध क्षेत्रों के लिए कॉर्पोरेट प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करता है। यह विभिन्न सेवाओं के माध्यम से संभावित उद्यमियों को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करता है। यह केंद्र ''इलेक्ट्रॉनिक्स डिज़ाइन और प्रौद्योगिकी'' में एम.टेक. और ''वीएलएसआई डिज़ाइन'' में एम.टेक. के संचालन के लिए डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय से संबद्ध है। एक विस्तार केंद्र के रूप में नाइलिट लखनऊ की दिनांकः 23 अक्टूबर, 1996 को स्थापना हुई थी। 12000 वर्ग फीट के क्षेत्र में फैले, लखनऊ स्थित यह केंद्र क्षेत्र की क्षमता निर्माण आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु नवीनतम बुनियादी ढांचे से सुसज्जित है। लखनऊ स्थित केंद्र नवीनतम मशीनों से सुसज्जित तथा आईटी में अनुभवी टीम भी है। इसके अतिरिक्त, उच्च स्तरीय प्रौद्योगिकियों में स्थानीय युवाओं के क्षमता निर्माण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वर्ष 2023 में नोएडा में भी एक केंद्र की शुरुआत की गई है।

कार्यबल

गोरखपुर

नियमित	वैज्ञानिक एवं तकनीकी17
	गैर– वैज्ञानिक एवं तकनीकी 08
संविदात्मक	: 16
परियोजना आधारित	: 01

लखनऊ

नियमित	वैज्ञानिक एवं तकनीकी 10
	गैर– वैज्ञानिक एवं तकनीकी 05
संविदात्मक	: 10
परियोजना आधारित	: 01

नोएडा

नियमित	वैज्ञानिक एवं तकनीकी 02
	गैर– वैज्ञानिक एवं तकनीकी शून्य
संविदात्मक	: शून्य
परियोजना आधारित	: 02

कारोबार : 4,231.87 (रु. लाख में)

केंद्र प्रमुख

डॉ. डी के मिश्रा
निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट गोरखपुर, देवरिया रोड, गोरखपुर–273010

सम्पर्क करने का विवरण

फोनः 7706009301
ईमेलः dkmishra@nielit.gov.in
वेबसाइटः https://nielit.gov.in/gorakhpur/index.php

विस्तार केन्द्र

(i) नाइलिट लखनऊ (शाखा कार्यालय)
सुमित कॉम्प्लेक्स, ए–1/9। विभूति खंड,
गोमती नगर, लखनऊ–226 010

(ii) नाइलिट नोएडा, पीएस–1डी, आईईटीई कैंपस,
अरुण विहार, सेक्टर 29, नोएडा, उत्तर प्रदेश

सम्पर्क करने का विवरण

फोन/मोबाईलः 7706009301
ईमेलः dkmishra@nielit.gov.in

राज्य क्षेत्राधिकार

उत्तर प्रदेश

उत्कृष्टता का क्षेत्राः

- कृत्रिम बुद्धिमता
- बिग डेटा एनालिटिक्स
- ब्लॉकचेन
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई ओ टी)
- रोबोटिक्स प्रक्रिया स्वचालन
- इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद डिजाइन
- पीसीबी और विनिर्माण
- वीएलएसआई/एम्बेडेड सिस्टम डिजाइन
- सूचना सुरक्षा
- हार्डवेयर और नेटवर्किंग

प्रदत्त पाठ्यक्रमः

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- एम.टेक. (इलेक्ट्रॉनिक्स डिजाइन और प्रौद्योगिकी),
- एम.टेक. (वीएलएसआई डिजाइन),
- 'ओ' स्तर (आईटी)
- 'ए' स्तर (आईटी)
- सीएचएमटी 'ओ' स्तर

ख) लघु अवधि पाठ्यक्रम

- अपाचे का उपयोग कर वेब अनुप्रयोग,
- वेब डिजाइनिंग,
- पीएचपी और मायएसक्यूएल,
- जावा/एडवांस जावा/पायथन/वेरिलॉग/आर प्रोग्रामिंग,
- सौर ऊर्जा स्थापना, संचालन और रखरखाव,
- नोएसक्यूएल डेटाबेस – मोंगोडीबी,
- डिजिटल विपणन,
- हडुप का उपयोग करके बिग डेटा,
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई ओ टी),
- कृत्रिम बुद्धिमता,
- नेटवर्क प्रशासन,
- पायथन प्रोग्रामिंग का उपयोग करके मशीन लर्निंग,
- एंड्रॉइड प्रोग्रामिंग का उपयोग करके मोबाइल एप्लिकेशन विकास,
- नैतिक हैकिंग और सूचना सुरक्षा,
- पायथन प्रोग्रामिंग और डेटा साइंस,
- एमआईआरएन का उपयोग करके पूर्ण स्टैक विकास,
- अमेज़न एडब्ल्यूएस का उपयोग करके क्लाउड कंप्यूटिंग,
- रोबोटिक्स प्रक्रिया स्वचालन,
- बिजली आपूर्ति, इन्वर्टर और यूपीएस,
- एम्बेडेड सिस्टम डिज़ाइन,
- पीसीबी डिजाइन, विश्लेषण और विनिर्माण,
- मैटलैब प्रोग्रामिंग,
- ऑटोकैड,
- कैडेंस टूल का उपयोग करके वीएलएसआई डिजाइन, आदि।
- कृत्रिम बुद्धिमता ,
- यंत्र अधिगम,
- ब्लॉकचेन, बिग डेटा एनालिटिक्स,
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स, नेटवर्किंग,
- ऑटोकैड,
- वेब डिजाइनिंग,
- मोबाइल एप्लीकेशन
- एंड्रॉयड का उपयोग कर विकास,
- टैली, सीसीसी आदि।

वर्ष 2023–24 की अवधि के दौरान मुख्य विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- **नाइलिट गोरखपुरः** गोरखपुर एवं लखनऊ में आयोजित विभिन्न ऑफलाइन/ऑनलाइन कौशल आधारित कार्यक्रमों में दीर्घावधि पाठ्यक्रमों में कुल 647 अभ्यर्थियों और अल्पावधि पाठ्यक्रमों में 5585 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया गया है।
- वित्त वर्ष 2023–24 में डीएलसी पाठ्यक्रमों में 275833 अभ्यर्थियों हेतु ऑनलाइन परीक्षा आयोजित की गई।
- **नाइलिट लखनऊ** भविष्य के कौशल क्षेत्र अर्थात आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, मोबाइल एप्लिकेशन विकास और साइबर सुरक्षा एवं फोरेंसिक में प्रशिक्षण प्रदान करता है।
- भारतीय सेना, भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना में सेवानिवृत्त/सेवानिवृत्त जूनियर कमीशंड अधिकारियों (जेसीओ)/अन्य रैंकों (ओआर) और उनके समकक्ष के लिए पुनर्वास पाठ्यक्रमों का क्रियान्वयन, जिसे रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के पुनर्वास महानिदेशालय (डीजीआर) द्वारा प्रायोजित किया गया है।
- श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, रोजगार महानिदेशालय (डीजीई), भारत सरकार द्वारा प्रायोजित, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के जॉब सिकर्स को एक वर्षीय नाइलिट 'ओ' स्तर और सीएचएम 'ओ' स्तर कंप्यूटर प्रशिक्षण प्रदान करने की योजना का कार्यान्वयन।
- इस केंद्र ने इस वर्ष (अप्रैल, 2023–दिसंबर, 23) के दौरान कुल 153983 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित/प्रमाणित किया है।
- नाइलिट लखनऊ सुविधा प्रबंधन परियोजना के अंतर्गत ई–गवर्नेंस सेवाओं को सहायता प्रदान करने के लिए विभिन्न सरकारी विभागों को आईटी क्षेत्रों में लगभग 350 कुशल जनशक्ति प्रदान कर रहा है।
- यह केंद्र पीएमकेवीवाई 4.0 के अंतर्गत विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित कर रहा है।
- यह केंद्र प्रधान मंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान (पीएमजीदिशा) परियोजना के तहत अभ्यर्थियों की प्रॉक्टरिंग कर रहा है।
- यह केंद्र एआईसीटीई कार्य आधारित शिक्षण (डब्ल्यूबीएल) परियोजना को क्रियान्वित कर रहा है।
- नाइलिट लखनऊ में केन्द्रीय सेक्टर की 'सांख्यिकी सुदृढ़ीकरण के लिए सहायता योजना' के अंतर्गत अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय, नियोजन विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार के 638 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया है।
- नाइलिट लखनऊ ने पुलिस विभाग के 5587 कर्मचारियों को ''साइबर अपराध एवं डिजीटल फोरेंसिक्स'' पर प्रशिक्षित किया है।

वर्ष 2023 में नाइलिट गोरखपुर ने नाइलिट केंद्र निदेशकों की बैठक का आयोजन किया, जिसका उद्घाटन इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव द्वारा किया गया।

नाइलिट गोरखपुर द्वारा आयोजित ''मेगा जॉब फेयर''–2023

केंद्रीय क्षेत्र की 'सांख्यिकी सुदृढ़ीकरण योजना के लिए समर्थन' के अंतर्गत आर्थिक एवं सांख्यिकी निदेशालय, उत्तर प्रदेश सरकार के सहायक सांख्यिकी अधिकारियों एवं अपर सांख्यिकी अधिकारियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम।

दिनांक 18–नवंबर–2023 को केंद्रीय क्षेत्र 'सांख्यिकी सुदृढ़ीकरण योजना के लिए समर्थन' के तहत आर्थिक और सांख्यिकी निदेशालय, योजना विभाग, उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारियों के लिए नाइलिट लखनऊ ने एक दिवसीय कार्यशाला बिग डेटा और डेटा एनालिटिक्स'' का आयोजन किया।

केंद्र का इतिहास

वर्ष 1998 में, नाइलिट गुवाहाटी की स्थापना सीईडीटीआई, तेजपुर के रूप में की गई थी। वर्ष 2002 में, केंद्र को डीओईएससीसी सोसाइटी में विलय कर दिया गया तथा इसका नाम परिवर्तन कर डीओईएससीसी केंद्र गुवाहाटी/तेजपुर रखा गया तथा गुवाहाटी में एक केंद्र की शुरुआत हुई। अक्टूबर, 2011 में, डीओईएससीसी संस्था का नाम परिवर्तित कर 'राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान' (नाइलिट) रख दिया गया तथा इस प्रकार, केंद्र का नाम परिवर्तन कर 'नाइलिट गुवाहाटी' कर दिया गया। योग्य एवं प्रशिक्षित कार्यबल तथा आधुनिक शैली के आधारभूत संरचना सहित, नाइलिट गुवाहाटी असम राज्य में इस अधिदेश को सार्वधिक प्रभावी ढंग से क्रियान्वित करने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित "आईईसीटी क्षेत्र में प्रशिक्षण/शिक्षा क्षमता को बढ़ाकर पूर्वोत्तर क्षेत्र का विकास" परियोजना के अंतर्गत 5 विस्तार केन्द्रों की शुरुआत की गई है। विस्तार केन्द्रो के अलावा, एक प्रशिक्षण सुविधा, माजुली अध्यन केन्द्र की स्थापना 2018 में दुनिया के सबसे बड़े नदी द्वीप, असम के माजुली में की गई थी।

कार्यबल

नियमित	वैज्ञानिक एवं तकनीकी 20
	गैर– वैज्ञानिक एवं तकनीकी 06
संविदात्मक	: 74
परियोजना आधारित	: 40
कारोबार	: 1,572.64 (रु. लाख में)

केंद्र प्रमुख

डॉ. युमनाम जयंता सिंह
कार्यकारी निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट गुवाहाटी, एआईआरटी व एससी बिल्डिंग, एनएच–37, जवाहर नगर, खानापारा, गुवाहाटी– 781022, असम।

सम्पर्क करने का विवरण

फोन: 0361-2914133
ईमेल: dir-guwahati@nielit.gov.in
वेबसाइट: https://nielit.gov.in/guwahati/index.php/ index.php

विस्तार केंद्र

5

अध्ययन केंद्र

1

विस्तार केंद्र का पता और संपर्क विवरण

क) नाइलिट तेजपुर विस्तार केंद्र
भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई) के पास,
गांव: पुनियोनी, सोलमारा, तेजपुर, असम– 784501
फोन: 03712-230310
वेबसाइट: https://nielit.gov.in/tezpur/index.php

ख) नाइलिट गुवाहाटी का रा.इ.सू.प्रौ.सं. जोरहाट विस्तार केंद्र
एमईएस गेट, चालिहा गांव, रोवरिया, पीओ – बरभेटा, जोरहाट, असम–785005
फोन: 0376-2954444
वेबसाइट: https://nielit.gov.in/jorhat/index.php

ग) नाइलिट सिलचर विस्तार केंद्र
तारापुर शिब्बारी रोड, भाग–7, डाकघर:– तारापुर,
लैंडमार्क:– नेताजी मेमोरियल इंस्टिट्यूट स्कूल के सामने,
सिलचर – 788003, कछार, असम
फोन: 03842-268087
वेबसाइट: https://nielit.gov.in/silchar/index.php

घ) नाइलिट कोकराझार विस्तार केंद्र
पुराना टिटागुरी, थुरिबारी, ब्रह्मा मंदिर के पास, कोकराझार, बीटीआर,
असम–783370।
फोन: 03661-291120
वेबसाइट: https://nielit.gov.in/kokrajhar/index.php

ङ) नाइलिट डिब्रूगढ़ विस्तार केंद्र
मोदेरखाट, मेलेन्गियाल गांव, सेसा पार्क के पास, लाहोवाल, डिब्रूगढ़–786010
फोन: 0373-2381546
वेबसाइट: https://nielit.gov.in/dibrugarh/index.php

च) नाइलिट गुवाहाटी का माजुली अध्ययन केंद्र
गरमुर पेट्रोल पंप के पास, गरमुर, एनएलके रोड, माजुली–785104
फोन: 03775-274484
वेबसाइट: https://nielit.gov.in/majuli/index.php

राज्य क्षेत्राधिकार

असम

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

- क्लाउड कम्प्यूटिंग,
- जीवन विज्ञान में आईसीटी
- ब्लॉकचेन
- बच्चों के लिए स्टेम आधारित पाठ्यक्रम। बच्चों के लिए एआई/रोबोटिक्स।
- स्टार्टअप्स/आजीविका संवर्धन।
- एआई/एमएल

प्रदत्त पाठ्यक्रमः

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- बीसीए
- एमएससी (कंप्यूटर विज्ञान)
- आईटी 'ओ' स्तर
- आईटी 'ए' स्तर
- आईटी 'बी' स्तर
- सीएचएमटी 'ओ' स्तर
- कंप्यूटर एप्लीकेशन बिजनेस अकाउंटिंग एसोसिएट

ख) लघु अवधि पाठ्यक्रम

- उभरती प्रौद्योगिकियों में पाठ्यक्रम – एआईएमएल, डेटा साइंस, आरपीए, मोबाइल एप्लिकेशन डेवलपमेंट, क्लाउड कंप्यूटिंग, आईओटी, बिग डेटा आदि।
- वेब विकास– वेब डिजाइनिंग, वेब अनुप्रयोग विकास, डेस्कटॉप प्रकाशन
- नेटवर्किंग और साइबर सुरक्षा एवं साइबर फोरेंसिक
- कंप्यूटर अनुप्रयोग में पाठ्यक्रम–
- कंप्यूटर प्रोग्रामिंग में पाठ्यक्रम– सी/सी++, मैटलैब, पीएचपी एडवांस जावा/पायथन/ वेरिलॉग/आर प्रोग्रामिंग आदि।
- सौर प्रौद्योगिकियों में पाठ्यक्रम– सौर ऊर्जा, सौर एलईडी (डिजाइन और विनिर्माण)
- जैव सूचना विज्ञान में पाठ्यक्रम
- सॉफ्टवेयर परीक्षण एवं क्यूए में पाठ्यक्रम
- डेटाबेस प्रौद्योगिकियों में पाठ्यक्रम
- अन्य लघु अवधि पाठ्यक्रम – बच्चों के लिए विशेष रोबोटिक्स, सॉफ्ट स्किल्स, इंटर्नशिप कार्यक्रम, ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण, डिजिटल साक्षरता/दक्षता पाठ्यक्रम।

वर्ष 2023–24 की अवधि के दौरान मुख्य विशेषताएं एवं उपलब्धियां

गुवाहाटी

- नाइलिट गुवाहाटी एवं असम में इसके विस्तार/अध्ययन केंद्रों ने दिनांक 9 अक्टूबर, '23 से 13 अक्टूबर, '23 तक एनईसीबी 2.0 के अंतर्गत एसएसए, असम सरकार द्वारा नामित 258 सरकारी स्कूल शिक्षकों को प्रशिक्षित किया।
- पूर्वोत्तर टीम को गुवाहाटी में आयोजित 8वें ई–उत्तर पूर्व 2023 शिखर सम्मेलन में "शिक्षण और शिक्षा" अनुभाग में विशेष उल्लेख पुरस्कार प्राप्त हुआ। इस पुरस्कार का उद्देश्य किसानों, महिलाओं, बुजुर्गों, स्कूल छोड़ने वाले छात्रों, स्नातकों (तकनीकी और सामान्य) आदि जैसे; विभिन्न लक्षित समूहों को क्षमता–निर्माण प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एनईसीबी–2.0 परियोजना को बढ़ावा देना है।
- नाइलिट गुवाहाटी एवं इसके विस्तार केंद्रों ने विभिन्न ग्रामीण स्कूलों में स्कूली बच्चों के लिए रोबोटिक्स की मूल बातें, रोबोटों की असेंबलिंग और नेविगेशन पर प्रशिक्षण आयोजित किया।
- आईसीटी द्वारा नाइलिट गुवाहाटी की लाइफ साइंसेज प्रयोगशाला में 'ट्रांसक्रिप्टोमिक डेटा एनालिसिस' पर 5 दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई जिसका उद्घाटन श्री भुवनेश कुमार, आईएएस, अपर सचिव, इलेक्ट्रॉनिकी औए सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने किया। कार्यशाला में भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं एनआईटी के संकाय सदस्यों तथा शोध विद्वानों ने भाग लिया और यह कार्यशाला व्यावहारिक शिक्षा पर केंद्रित थी।
- नाइलिट गुवाहाटी ने 41 तकनीकी स्नातकों के लिए **गौ लैंगवेज** पर उद्योग–तैयार प्रशिक्षण शुरू किया।
- नाइलिट गुवाहाटी और कॉटन यूनिवर्सिटी, असम ने शैक्षणिक सहयोग के लिए समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें एनईपी2020 के अनुरूप छात्रों को आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स के विभिन्न उभरते क्षेत्रों में अतिरिक्त पाठ्यक्रम, कौशल कार्यक्रम और इंटर्नशिप की पेशकश की जाएगी। केंद्र ने असम में चार अन्य संस्थानों जैसे बी. बरूआ कॉलेज, असम इंजीनियरिंग इंस्टीट्यूट (एईआई), असम इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (एआई एम) और नजीर अजमल मेमोरियल कॉलेज ऑफ एजुकेशन (एन ए एम सी ई) के साथ भी समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

- नाइलिट गुवाहाटी ने असम पुलिस और सशस्त्र सीमा बल के लिए विभिन्न साइबर फोरेंसिक कार्यक्रम आयोजित किए। नाइलिट गुवाहाटी ने नव नियुक्त असम पुलिस आयुक्तालय, गुवाहाटी के लिए एमएस ऑफिस और बेसिक्स साइबर सुरक्षा पर कस्टमाइज्ड हैंड्स–ऑन कॉर्पोरेट प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया।

- असम के दो प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग कॉलेजों के अंतिम वर्ष के एमसीए छात्रों के लिए सॉफ्टवेयर परीक्षण में 200 घंटे का ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- जुलाई–अगस्त के दौरान "रिएक्टजेएस और नोडजेएस के साथ फुलस्टैक डेवलपमेंट" पर एक माह का इंटर्नशिप कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें लगभग 50 इंजीनियरिंग छात्र सम्मिलित हुए। केंद्र में एआई, एमएल, क्लाउड कंप्यूटिंग आदि जैसी तकनीकों पर बी.टेक छात्रों हेतु अन्य इंटर्नशिप कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं।
- केंद्र ने 14 से 29 सितंबर, 2023 तक निबंध प्रतियोगिता, भाषण/कविता प्रतियोगिता आदि आयोजित करके हिंदी पखवाड़ा का आयोजन किया।

महत्वपूर्ण बिंदु

- **एनआईसीईडीटी–2024, नाइलिट द्वारा 16–17 फरवरी 24 को गुवाहाटी में आयोजित किया जाने वाला द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन है:**– संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और डिजिटल प्रौद्योगिकियों पर नाइलिट का द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (एन आई सी ई डी टी–2024), 16–17 फरवरी, 2024 को गुवाहाटी, असम, भारत में आयोजित किया गया, जिसमें सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी और संबंधित क्षेत्रों में हुई प्रगति पर चर्चा करने के लिए वैश्विक शोधकर्ता, शिक्षाविद, उद्योग पेशेवर एवं छात्र एक साथ आए।

- **नाइलिट द्वारा आयोजित प्रथम फ्यूचर स्किल्स समिट 2024:**– भारत में प्रथम फ्यूचर स्किल्स समिट–2024 इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट) के साथ गुवाहाटी में आयोजित किया गया था, जिसका उद्घाटन भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के राज्य मंत्री श्री राजीव चंद्रशेखर ने दिनांक 15 फरवरी, 2024 को असम सरकार के शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू की उपस्थिति में किया था। शिखर सम्मेलन भविष्य के लिए तैयार प्रतिभाओं को विकसित करने तथा उभरती प्रौद्योगिकियों के आलोक में भारत को वैश्विक प्रतिभा केंद्र में बदलने के लिए एक रोडमैप बनाने पर केंद्रित था ।

- **नाइलिट रोजगार मेला:**– नाइलिट गुवाहाटी एवं इसके 7 ईसी/अध्ययन केंद्रों ने नाइलिट रोजगार मेला 2023 **"युवा रोजगार मंच (सशक्त युवा, सशक्त राष्ट्र)"** का 29 एवं 30 नवंबर, 2023 को आयोजित किया। विभिन्न जॉब रोल्स हेतु 22 नियोक्ताओं के साथ साक्षात्कार में 400 से अधिक अभ्यर्थियों ने भाग लिया।

हरिद्वार

केंद्र का इतिहास

वर्ष 2017 में, नाइलिट हरिद्वार केंद्र की स्थापना उत्तरा खंड सरकार द्वारा हरिद्वार के राजकीय पॉलिटेक्निक भवन में उपलब्ध कराए गए अस्थायी निर्मित स्थान में की गई थी। यह केंद्र हरिद्वार के सिडकुल क्षेत्र में उद्योगों के केंद्र के बीच स्थित है। केंद्र ने नवंबर, 2017 में नाइलिट गोरखपुर केंद्र के मार्गदर्शन में गतिविधियाँ शुरू कीं और तत्पश्चात दिसंबर, 2019 से स्वतंत्र रूप से कार्य करना प्रारम्भ किया। केंद्र 'ओ' एवं 'ए' स्तर जैसे; दीर्घकालिक अनौपचारिक पाठ्यक्रम तथा ऑफ़लाइन/ऑनलाइन/मिश्रित मोड में डिजिटल साक्षरता प्रमाणन पाठ्यक्रम सहित विभिन्न अल्पकालिक पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। केंद्र जनसाधारण चाहे वे वरिष्ठ नागरिक हों, गृहिणियाँ हों, छात्र हों या सरकारी कर्मचारी हों, के लाभ हेतु विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों के अतिरिक्त आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, डेटा साइंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई ओ टी), डिजिटल मार्केटिंग, साइबर सुरक्षा और ब्लॉकचेन आदि जैसी, उभरती प्रौद्योगिकियों पर प्रशिक्षण/इंटर्नशिप कार्यक्रम भी आयोजित कर रहा है।

कार्यबल

नियमित	वैज्ञानिक एवं तकनीकी 04
	गैर– वैज्ञानिक एवं तकनीकी 02
संविदात्मक	: 17
परियोजना आधारित	: 24

कारोबार : 329.01 (रु. लाख में)

केंद्र प्रमुख

श्री अनुराग कुमार
कार्यकारी निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट हरिद्वार, राजकीय पॉलिटेक्निक भवन,
प्लॉट नंबर 6सी, सेक्टर–11, सिडकुल, हरिद्वार
उत्तराखंड – 249403

सम्पर्क करने का विवरण

फोनः 01334-235617, 235054
ईमेलः dir-haridwar@nielit.gov.in
वेबसाइटः https://nielit.gov.in/haridwar/index.php

विस्तार केंद्र

देहरादून अध्ययन केंद्र

विस्तार केंद्र का पता और संपर्क विवरण

इंजीनियर्स भवन, आईएसबीटी फ्लाईओवर के पास, देहरादून, उत्तराखंड
फोनः 0135-2973882

राज्य क्षेत्राधिकार

उत्तराखंड

उत्कृष्टता का क्षेत्रा:

- मशिन लर्निंग
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई ओ टी)
- डिजिटल मार्केटिंग
- साइबर सुरक्षा
- वेब अनुप्रयोग विकास

प्रदत्त पाठ्यक्रम:

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- 'ओ' स्तर – (आईटी)
- 'ए' स्तर – (आईटी)
- डेटा इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर कार्यक्रम
- एम्बेडेड सॉफ्टवेयर इंजीनियर
- प्रमाणित क्लाउड कंप्यूटिंग इंजीनियर।

ख) लघु अवधि पाठ्यक्रम

- मशिन लर्निंग
- साइबर सुरक्षा और नैतिक हैकिंग
- क्लाउड कम्प्यूटिंग
- वेब अनुप्रयोग विकास
- वेरिलॉग का उपयोग करके वीएलएसआई डिज़ाइन
- ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी
- एंड्रॉइड एप्लिकेशन डेवलपमेंट
- कंप्यूटर एडेड डिजाइनिंग
- एम्बेडेड सिस्टम एवं आईओटी
- पीएलसी/एससीएडीए का उपयोग करके औद्योगिक स्वचालन

वर्ष 2023–24 की अवधि के दौरान मुख्य विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- नाइलिट हरिद्वार जून 2020 से ''वरिष्ठ नागरिकों/गृहिणियों'' के लिए ''डिजिटल भुगतान और ई–गवर्नेंस सेवाओं के लिए मोबाइल एप्लिकेशन के उपयोग'' पर ''एक सप्ताह का ऑनलाइन जागरूकता कार्यक्रम'' आयोजित कर रहा है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य वरिष्ठ नागरिकों/गृहिणियों को भारत सरकार द्वारा जनता के लिए शुरू की गई विभिन्न ई–गवर्नेंस सेवाओं के बारे में जागरूक करना है, जिसका उद्देश्य डिजिटल माध्यमों का उपयोग करने के उनके भय को समाप्त करना है।
- वर्ष 2023–24 में, लगभग 3149 अभ्यर्थियों को विभिन्न उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे; क्लाउड कंप्यूटिंग, मशीन लर्निंग, ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी, डिजिटल मार्केटिंग एवं आई ओ टी आदि पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

- उत्तराखंड के विभिन्न सहकारी बैंक कर्मचारियों को मिश्रित मोड में मार्च 2024 तक वर्ष 2023–24 में लगभग 766 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) द्वारा प्रायोजित शहरी सहकारी बैंकों के लिए जागरूकता वृद्धि एवं प्रशिक्षण (एवीटीयू) मिशन।
- उत्तराखंड राज्य के विभिन्न जिलों के पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय के 768 से अधिक छात्रें को फ्यूचरस्किल्स टेक्नोलॉजीज पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- नाइलिट हरिद्वार ने वर्ष 2023–24 में विभिन्न विभागों के लगभग 192 उत्तराखंड राज्य सरकार के अधिकारियों को साइबर सुरक्षा एवं विंडोज उत्पादकता उपकरण पर प्रशिक्षण प्रदान किया।
- नाइलिट हरिद्वार ने "साइबर सुरक्षा और साइबर कानून" पर एक वेबिनार आयोजित किया, जिसमें लगभग 75 अभ्यर्थियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।
- विभिन्न स्कूल/कॉलेजों/विश्वविद्यालयों और सरकारी विभागों के लिए साइबर सुरक्षा, पीएलसी स्काडा, आईओटी, विंडोज उत्पादकता उपकरण आदि पर लगभग 2300 प्रतिभागियों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए।

महत्वपूर्ण बिंदु

- केंद्र को हरिद्वार जिले में 300 स्कूली छात्रों को प्रशिक्षण देने के लिए जिला सेवायोजन कार्यालय द्वारा परियोजना प्रदान की गई है।
- नाइलिट हरिद्वार ने सक्रिय रूप से भाग लिया और विकसित भारत संकल्प 2024 प्रदर्शनी में "सर्वश्रेष्ठ स्टाल पुरस्कार" प्राप्त किया, जहां केंद्र ने न केवल अभिनव प्रदर्शन किया, बल्कि उपस्थित छात्रों को आवश्यक करियर परामर्श भी प्रदान किया।

केंद्र का इतिहास

वर्ष 1988 में, नाइलिट केंद्र, इम्फाल पूर्व में डीओईएसीसी एवं सीईडीटीआई को अकम्पट, इम्फाल पूर्व, मणिपुर में स्थापित किया गया था तथा यह जुलाई 1989 से, मणिपुर सरकार द्वारा 99 वर्षों के पट्टे पर आवंटित 20 एकड़ भूमि पर संचालित किया जा रहा है। संस्थान का मुख्य उद्देश्य सूचना प्रौद्योगिकी, कंप्यूटर विज्ञान और इलेक्ट्रॉनिक्स और संबंधित विषयों के क्षेत्र में कुशल जनशक्ति तैयार करना है ताकि, उद्योग के लिए तैयार पेशेवर उपलब्ध हो सकें। साथ ही, ई–लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए आधारभूत संरचना प्रदान की जा सके। संस्थान रोजगार के अवसरों में सुधार लाने और गुणवत्ता वाली आईटी जनशक्ति की उपलब्धता को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान कर रहा है, जिससे क्षेत्र में आईटी उद्योग का विकास होगा। ''आईईसीटी क्षेत्र में प्रशिक्षण/शिक्षा क्षमता को बढ़ाकर ''पूर्वोत्तर क्षेत्र का विकास'' परियोजना के अंतर्गत वर्ष 2013 में चुराचांदपुर और सेनापति में दो विस्तार केंद्र स्थापित किए गए हैं।

कार्यबल

इंफाल

नियमित	वैज्ञानिक एवं तकनीकी 19
	गैर– वैज्ञानिक एवं तकनीकी 12
संविदात्मक	: 08
परियोजना आधारित	: 20

चुराचांदपुर

नियमित	वैज्ञानिक एवं तकनीकी 01
	गैर– वैज्ञानिक एवं तकनीकी 0
संविदात्मक	: 08
परियोजना आधारित	: 0

सेनापति

नियमित	वैज्ञानिक एवं तकनीकी 0
	गैर– वैज्ञानिक एवं तकनीकी 0
संविदात्मक	: 04
परियोजना आधारित	: 0

कारोबार : 1,758.37 (रु. लाख में)

केंद्र प्रमुख

श्री एन देवचंद्र सिंह
निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट इम्फाल, अकम्पट पीओबॉक्स। 104,
इम्फाल – 795001, मणिपुर।

सम्पर्क करने का विवरण

फोनः 7005683020
ईमेलः dir-imphal@nielit.gov.in
वेबसाइटः https://nielit.gov.in/imphal/index.php

विस्तार केंद्र

1. नाइलिट चुराचांदपुर विस्तार केंद्र
2. नाइलिट सेनापति विस्तार केंद्र

विस्तार केंद्र का पता

(i) **नाइलिट चुराचांदपुर**
एमसी मैरीकॉम रिंग रोड
चुराचांदपुर फायर स्टेशन के सामने, तुइबोंग
चुराचांदपुर – 795128

(ii) **नाइलिट सेनापति**
पुराने जिला अस्पताल के पास, सेनापति मणिपुर – 795106

राज्य क्षेत्राधिकार

मणिपुर

उत्कृष्टता का क्षेत्राः

- साइबर सुरक्षा और डिजिटल फोरेंसिक
- बिग डेटा एनालिटिक्स
- मशीन लर्निंग और एआई
- इलेक्ट्रॉनिक घरेलू उपकरणों की स्थापना, अनुरक्षण एवं रखरखाव
- चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स
- मल्टीमीडिया और एनिमेशन
- सौर एलईडी उत्पाद डिजाइन और विनिर्माण
- ड्रोन टेक्नोलॉजीज

प्रदत्त पाठ्यक्रमः

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- औपचारिक पाठ्यक्रम – बीसीए, एमसीए, एमएससी आईटी, कंप्यूटर विज्ञान और इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम (इम्फाल), पीजीडीसीए (इम्फाल, चुराचांदपुर और सेनापति)।
- अनौपचारिक पाठ्यक्रम– नाइलिट 'ओ' (आईटी, एमएटी और सीएचएम) स्तर के पाठ्यक्रम।

ख) लघु अवधि पाठ्यक्रम

- नाइलिट डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम
- आईटी, इलेक्ट्रॉनिक्स, लेखांकन और सौर/नवीकरणीय ऊर्जा में 100 घंटे से 400 घंटे तक के विभिन्न लघु अवधि/प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम।
- प्रायोजन प्रशिक्षण कार्यक्रम
- अंतिम वर्ष के डिप्लोमा और इंजीनियरिंग छात्रों के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप कॉलेज शिक्षकों के लिए आईसीटी में संकाय विकास कार्यक्रम।

वर्ष 2023–24 की अवधि के दौरान मुख्य विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- नाइलिट इम्फाल ने ''मानव रहित विमान प्रणालियों (ड्रोन और संबंधित प्रौद्योगिकी) में मानव संसाधन विकास के लिए क्षमता निर्माण'' परियोजना के अंतर्गत 3 बूटकैंप आयोजित किए हैं। अब तक आयोजित बूटकैंप में कुल 97 लाभार्थियों ने भाग लिया।
- कानून प्रवर्तन एजेंटों (एलईए) के लिए साइबर फोरेंसिक परियोजना के अंतर्गत, नाइलिट इम्फाल को मणिपुर पुलिस विभाग द्वारा पंजीकृत 56 साइबर फोरेंसिक मामले प्राप्त हुए हैं। इनमें से 29 मामलों को सफलतापूर्वक सुलझा लिया गया है। एलईए के लिए प्रशिक्षण लक्ष्य 660 था, और 643 अभ्यर्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

महत्वपूर्ण बिंदु

''मानव रहित विमान प्रणालियों (ड्रोन और संबंधित प्रौद्योगिकी) में मानव संसाधन विकास के लिए क्षमता निर्माण'' परियोजना के तहत 3(तीन) बूटकैंप का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

- फ्यूचरस्किल्स प्राइम कार्यक्रम के अंतर्गत "बिग डेटा एनालिटिक्स" पर 7 दिवसीय सरकारी अधिकारियों का प्रशिक्षण दिनांक 30 जनवरी से 7 फरवरी, 2023 तक नाइलिट इम्फाल द्वारा आयोजित किया जाएगा।
- नाइलिट इम्फाल ने दिनांक 15 अक्टूबर, 2023 से ''पायथन प्रोग्रामिंग'' पर 10 दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया, जिसे विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षा निदेशालय, मणिपुर सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया और नाइलिट, इम्फाल और गणित विभाग, वैखोम मणि गर्ल्स कॉलेज, थौबल द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।
- नाइलिट, इम्फाल ने आईईसीटी प्रौद्योगिकियों पर स्कूल शिक्षकों के क्षमता निर्माण पर एनईसीबी 2.0 के अंतर्गत विभिन्न शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए।

कंप्यूटर लैब

नाइलिट, इम्फाल का नया ब्लॉक

नाइलिट, इम्फाल का पुराना ब्लॉक

ईटानगर

केंद्र का इतिहास

वर्ष 2011 में, नाइलिट केंद्र, ईटानगर की स्थापना हुई थी। नाइलिट केंद्र, ईटानगर इलेक्ट्रॉनिक्स, कंप्यूटर विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी तथा संबंधित विषयों के क्षेत्र में कुशल जनशक्ति तैयार करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। संस्थान रोजगार के अवसरों को बेहतर बनाने और डिजिटल साक्षरता को सुविधाजनक बनाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करता है। केंद्र के दो विस्तार केंद्र हैं; नाइलिट पासीघाट विस्तार केंद्र जो दिनांकः 10 दिसंबर, 2015 से परिचालन में है तथा नाइलिट तेजू विस्तार केंद्र जिसका उद्घाटन दिनांक 3 फरवरी, 2018 को हुआ था।

कार्यबल

नियमित	वैज्ञानिक एवं तकनीकी 05
	गैर– वैज्ञानिक एवं तकनीकी 02
संविदात्मक	: 23
परियोजना आधारित	: 04
कारोबार	: 358.03 (रु. लाख में)

केंद्र प्रमुख

श्री रिंटू दास
प्रभारी निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट ईटानगर,
ई–सेक्टर, शिव मंदिर के पास,
नाहरलागुन–791110,
अरुणाचल प्रदेश

सम्पर्क करने का विवरण

फोन : 91-9233495582
ईमेलः dir-itanagar@nielit.gov.in
वेबसाइटः https://nielit.gov.in/itanagar/ index.php

विस्तार केंद्र

02 विस्तार केंद्र

विस्तार केन्द्रों का पता एवं सम्पर्क विवरण

(क) पासीघाट विस्तार केंद्र
पीडब्ल्यूडी हाईवे कार्यालय के पास, गुमिन नगर
पासीघाट – 791102, अरुणाचल प्रदेश
फोनः 7005151159
वेबसाइटः https://nielit.gov.in/pasighat/index.php

(ख) तेजू विस्तार केंद्र
डीआईसी कार्यालय के पीछे, तेजू
लोहित – 792001, अरुणाचल प्रदेश
फोनः 8837380037
वेबसाइटः https://nielit.gov.in/tezu/index.php

राज्य क्षेत्राधिकार

अरुणाचल प्रदेश

उत्कृष्टता का क्षेत्राः

- साइबर फोरेंसिक
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई ओ टी)
- आईटी प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रदत्त पाठ्यक्रमः

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- 'ओ' स्तर (आईटी)
- 'ए' स्तर (आईटी)
- सीएचएमटी 'ओ' स्तर
- कार्यालय स्वचालन, लेखा और प्रकाशन सहायक (690 घंटे)

ख) लघु अवधि पाठ्यक्रम

- कंप्यूटर अनुप्रयोग, लेखांकन एवं प्रकाशन में उन्नत डिप्लोमा
- प्रमाणित कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखा एवं प्रकाशन सहायक
- प्रमाणित डेटा प्रविष्टि एवं कार्यालय सहायक
- आईटीईएस बीपीओ, सॉफ्ट स्किल्स और कम्युनिकेटिव इंग्लिश में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- एसोसिएट डाटा एंट्री ऑपरेटर
- मीडिया सामग्री डेवलपर
- सहायक तकनीशियन कंप्यूटर हार्डवेयर
- साइबर सुरक्षा
- आईओटी
- पायथन का उपयोग करके मशीन लर्निंग
- कंप्यूटर अनुप्रयोग, लेखांकन और प्रकाशन
- मल्टीमीडिया विकास
- कंप्यूटर अनुप्रयोग और नेटवर्किंग
- प्रोग्रामिंग टेक्नोलॉजीज
- वेब या मोबाइल प्रौद्योगिकियाँ
- डेटाबेस टेक्नोलॉजीज
- कंप्यूटर अवधारणा पर पाठ्यक्रम

वर्ष 2023–24 की अवधि के दौरान मुख्य विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- नाइलिट केंद्र, ईटानगर (इसके विस्तार केंद्र सहित) ने वित्त वर्ष 2023–2024 के दौरान अरुणाचल प्रदेश राज्य में कुल 5002 छात्रों/लाभार्थियों को प्रशिक्षित किया है। लाभार्थियों में एन एस क्यू एफ– संरेखित और गैर–एन एस क्यू एफ दोनों पाठ्यक्रमों में किसान, महिलाएँ, बुजुर्ग व्यक्ति, स्कूल और कॉलेज के छात्र, तकनीकी स्नातक और स्कूल शिक्षक सम्मिलित हैं।
- नाइलिट ईटानगर, भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा प्रायोजित परियोजना "पूर्वोत्तर राज्यों में समाज के विभिन्न वर्गों के लिए डिजिटल कौशल सेट एवं वर्तमान उद्योग की मांग वाली प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षण सहित आईईसीटी में क्षमता निर्माण" (एनईसीबी 2.0) को सफलतापूर्वक कार्यान्वित कर रहा है।

महत्वपूर्ण बिंदु

नाइलिट इटानगर केन्द्र ने डेरा नटुंग सरकारी कॉलेज, ईटानगर; राष्ट्रीय कैरियर सेवा केन्द्र, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति; एडुपुर, रोजगार सेवा प्राइवेट लिमिटेड तथा मेसर्स प्लेसमेंट कम सिक्योरिटी एजेंसी, इटानगर के सहयोग से सफलतापूर्वक रोजगार मेले का आयोजन किया, जिसमें 15 कम्पनियों ने भाग लिया तथा 193 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कोहिमा

केंद्र का इतिहास

वर्ष 2004 में, नाइलिट कोहिमा की स्थापना हुई थी। यह संस्थान नागालैंड की राजधानी कोहिमा के उपनगर में स्थित है, जो असाधारण एवं उल्लेखनीय आधारभूत संरचना के साथ एक अनुकूल शिक्षण वातावरण प्रदान करता है एवं सुंदर वातावरण से आच्छादित है। केंद्र आईईसीटी के क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने पर बल देते हुए प्रगतिशील शिक्षा प्रदान करता है। नाइलिट कोहिमा को नागालैंड सरकार द्वारा आईटी क्षेत्र में उत्कृष्टता केंद्र एवं संस्थान भागीदार के रूप में मान्यता प्रदान की है। इसके अतिरिक्त, केंद्र ने चुचुयिमलांग एवं दीमापुर में विस्तार केंद्रों की शुरुआत तथा स्थापना करके अपने क्षितिज को व्यापक बनाया है।

कार्यबल

नियमित	वैज्ञानिक एवं तकनीकी 12
	गैर– वैज्ञानिक एवं तकनीकी 08
संविदात्मक	: 56
परियोजना आधारित	: 14

कारोबार : 1,667 (रु. लाख में)

केंद्र प्रमुख

श्री एल. लानुवाबांग
प्रभारी निदेशक

पूर्ण पता

मेरियेमा, न्यू हाई कोर्ट रोड, कोहिमा,
नागालैंड–797001

सम्पर्क करने का विवरण

फोन: 09436215243
ईमेल: dir-kohima@nielit.gov.in,
वेबसाइट: https://nielit.gov.in/imphal/index.php

विस्तार केन्द्र

दीमापुर विस्तार केंद्र, चुचुयिमलांग विस्तार केंद्र

संपर्क विवरण का पता:

(क) **दीमापुर विस्तार केंद्र:**
हाफ नागार्जन, दीमापुर, नागालैंड 797112
संपर्क संख्या: 8837414821

(ख) **चुचुयिमलांग विस्तार केंद्र:**
मोकोकचुंग– अमगुरी रोड,
नागालैंड 798614
संपर्क संख्या: 7005069009

राज्य क्षेत्राधिकार

नागालैंड

उत्कृष्टता का क्षेत्रा:

- साइबर फोरेंसिक
- साइबर सुरक्षा
- आईओटी
- चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स

प्रदत्त पाठ्यक्रम:

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन (बीसीए)
- 'ओ' स्तर (आईटी)
- सीएचएमटी– 'ओ' स्तर

ख) लघु अवधि पाठ्यक्रम

- कंप्यूटर अवधारणाओं में प्रमाणपत्र (सीसीसी)
- साइबर सुरक्षा में सर्टिफिकेट कोर्स
- कंप्यूटर एप्लीकेशन एसोसिएट (सीएए)
- मल्टीमीडिया डेवलपर
- पायथन का उपयोग करके मशीन लर्निंग में फाउंडेशन कोर्स
- कृत्रिम बुद्धिमता
- कंप्यूटर हार्डवेयर एवं नेटवर्किंग के मूलतत्व
- कंप्यूटर एवं कार्यालय स्वचालन के मूलतत्व
- ग्राफिक डिजाइनिंग के मूलतत्व
- वेब प्रौद्योगिकी एवं प्रोग्रामिंग अवधारणाओं के मूलतत्व
- कंप्यूटर अनुप्रयोग और नेटवर्किंग (सी ए एन)
- कंप्यूटर अनुप्रयोग, लेखांकन और प्रकाशन (सीएएपी)

वर्ष 2023–24 की अवधि के दौरान मुख्य विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- कुल 10008 अभ्यर्थियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूर्ण किया, जिसमें लघु अवधि एवं दीर्घकालिक दोनों पाठ्यक्रम सम्मिलित थे।
- नाइलिट कोहिमा ने जी–20 सम्मेलन के दौरान आईसीएसएएस नामक इंटरैक्टिव बहुभाषी साइबर सुरक्षा शैक्षिक मोबाइल ऐप लॉन्च करके एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की।
- नाइलिट कोहिमा ने अपनी तकनीकी क्षमताओं को बढ़ाते हुए नवीन आई ओ टी प्रयोगशाला एवं 3डी ऋप्रऋटग प्रयोगशाला का उद्घाटन किया।
- नाइलिट कोहिमा ने जॉब फेयर इवेंट, 2023 का सफलतापूर्वक आयोजन किया, जिससे नाइलिट छात्रों को मूल्यवान नेटवर्किंग अवसर प्रदान किए गए।
- नाइलिट ने शैक्षणिक मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए राज्य एवं राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर परीक्षाओं की श्रृंखला का सफलतापूर्वक संचालन किया।
- नाइलिट कोहिमा ने प्राथमिक, मध्य एवं उच्च विद्यालयों के शिक्षकों के लिए आईईसीटी प्रौद्योगिकी में विकास करने के उद्देश्य से एक व्यापक शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किया।
- नाइलिट कोहिमा ने एक सप्ताह का साइबर सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित किया, जिसका उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना एवं डिजिटल सुरक्षा में सर्वोत्तम अभ्यासों को बढ़ावा देना था।
- नाइलिट कोहिमा ने विभिन्न जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए एवं 9188 से अधिक अभ्यर्थियों को विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों में प्रशिक्षित किया गया है जैसेकि ''किसानों के लिए प्रभावी खेती और विपणन के लिए आईसीटी प्रौद्योगिकियों का उपयोग'', ''महिलाओं के लिए डिजिटल भुगतान, ई–गवर्नेंस सेवाओं, आईटी अनुप्रयोगों और साइबर सुरक्षा के लिए मोबाइल एप्लिकेशन के उपयोग पर जागरूकता'', ''बुजुर्ग जनों के लिए डिजिटल भुगतान और ई–गवर्नेंस सेवाओं के लिए मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग'', ''स्कूलों और कॉलेज के छात्रों के लिए साइबर सुरक्षा और उभरती प्रौद्योगिकियों पर जागरूकता''।

- नाइलिट कोहिमा ने पूर्वोत्तर राज्यों में क्षमता निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम पर जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की।
- नाइलिट कोहिमा ने दिनांक 17 से 21 जुलाई, 2023 तक दीमापुर में नाइलिट विस्तार केंद्र में पूर्वोत्तर राज्यों के हथकरघा एवं हस्तशिल्प क्षेत्र के कारीगरों की आजीविका बढ़ाने के उद्देश्य से पांच दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 100 उत्साही कारीगरों एवं उद्यमियों ने भाग लिया जो अपनी पारंपरिक विशेषज्ञता को आधुनिक डिजिटल तकनीकों के साथ संयोजन के इच्छुक थे।
- केआईआईटी, एनआईटी त्रिची एवं टेट्सो कॉलेज, दीमापुर के कुल 30 छात्रों ने "साइबर सुरक्षा" में इंटर्नशिप पूर्ण की है। इस कार्यक्रम में साइबर सुरक्षा और इसकी अवधारणाओं और नेटवर्क, एप्लिकेशन, वेब और सिस्टम सुरक्षा पर गहनता से चर्चा की गई।
- नाइलिट कोहिमा ने कृषि इंजीनियरिंग एवं पोस्ट हार्वेस्ट टेक्नोलॉजी कॉलेज, सिक्किम के लिए ऑनलाइन मोड के माध्यम से फुल स्टैक मोबाइल ऐप डेवलपमेंट पर प्रशिक्षण दिया। इस कोर्स के माध्यम से कुल 105 बी.टेक, एम.टेक और पीएचडी छात्रों को प्रशिक्षित किया गया।
- नागालैंड सरकार के आईटीआई छात्रों के लिए साइबर सुरक्षा पर एक सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कुल 65 छात्रों को प्रशिक्षित किया गया।
- नाइलिट कोहिमा ने द्वितीय एनएपी बटालियन, अलीचेन के पुलिस अधिकारियों के लिए ''साइबर स्पेस में अपराध से निपटने'' पर एक सेमिनार कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें कुल 21 पुलिस अधिकारियों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- नाइलिट कोहिमा ने दिनांक 24 से 28 जुलाई, 2023 तक नागालैंड पुलिस के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ "घटना प्रतिक्रिया और डिजिटल फोरेंसिक" पर पांच (5) दिवसीय उन्नत प्रशिक्षण आयोजित किया। समापन सत्र को माननीय सलाहकार, श्री सेथरोंगक्यू, आई. टी एवं सी, अर्थशास्त्र व सांख्यिकी, मूल्यांकन नागालैंड सरकार द्वारा सम्मानित किया गया।

महत्वपूर्ण बिंदु

(क) टेक्नोवेट स्टार्टअप चैलेंज:

नाइलिट कोहिमा ने दिनांकः 4 नवंबर, 2023 को नाइलिट कोहिमा ऑडिटोरियम में स्टार्टअप नागालैंड, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के सहयोग से ''टेक्नोवेट 3.0% विचार करें, कल्पना करें तथा साकार करें'' विषय के अंतर्गत एक पिचिंग प्रतियोगिता आयोजित की। प्रतियोगिता में राज्य भर से 23 स्टार्टअप सम्मिलित हुए, जिनमें से दस को अपने विचार प्रस्तुत करने के लिए चुना गया।

(ख) नगालैंड कर्मचारी चयन बोर्ड (एनएसएसबी) के साथ समझौता ज्ञापन

नाइलिट कोहिमा ने दिनांक 6 नवंबर, 2023 को वन टाइम रजिस्ट्रेशन (ओ टी आर) पोर्टल एवं परीक्षा पंजीकरण पोर्टल विकसित करने तथा अनुरक्षण हेतु नागालैंड कर्मचारी चयन बोर्ड (एन एस एस बी), नागालैंड सरकार के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। नाइलिट के प्रभारी निदेशक श्री एल. लानुवाबांग एवं एन एस एस बी के सचिव बी. हेनोक बुचेम के बीच समझौता–ज्ञापन का आदान–प्रदान किया गया।

(ग) किकोनिक टेक के साथ समझौता ज्ञापन

नाइलिट कोहिमा ने प्रशिक्षुओं को नाइलिट आईटी पाठ्यक्रम प्रदान करने तथा चयनित प्रशिक्षुओं को रोजगार में सहयोग करने हेतु उद्योग भागीदार के रूप में किकोनिक टेक स्कूल/कॉलेज/संस्थान के साथ समझौता– ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

(घ) जाप्फू क्रिश्चियन कॉलेज के साथ समझौता–ज्ञापन

नाइलिट कोहिमा ने विभिन्न आईटी पाठ्यक्रम प्रदान करने हेतु "प्रशिक्षण भागीदार" के रूप में जाप्फू क्रिश्चियन कॉलेज, कोहिमा के साथ समझौता– ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। समझौता–ज्ञापन में प्रशिक्षण भागीदार को विस्तृत पाठ्यक्रम एवं पाठ्यक्रम संबंधी कार्य योजना प्रदान करने का उल्लेख किया गया है तथा समय–समय पर निरीक्षण के माध्यम से प्रशिक्षण भागीदार द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की गुणवत्ता जांच सुनिश्चित की जाएगी।

कोलकाता

केंद्र का इतिहास

वर्ष 1976 में क्षेत्रीय कंप्यूटर केंद्र (आर सी सी), कोलकाता के रूप में स्थापित, नाइलिट कोलकाता पूर्वी क्षेत्र के सबसे पुराने आईटी प्रतिष्ठानों में से एक है जो, लगभग 40 वर्षों से आई टी शिक्षा एवं प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है तथा पूर्वी भारत में आई टी/आई टी ई एस में आई टी प्रशिक्षण एवं परामर्श सेवाएँ प्रदान करने में अग्रणी है। यह जादवपुर विश्वविद्यालय परिसर के आंतरिक हरे–भरे वातावरण में स्थित है तथा नगर के हर क्षेत्र से बस एवं ट्रेन सेवाओं से अच्छी तरह जुड़ा हुआ है। केंद्र में 11 व्याख्यान कक्ष, 8 प्रयोगशालाएँ हैं जिनमें एक स्मार्ट वर्चुअल क्लासरूम, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, मॉडल करियर सेंटर, केंद्रीकृत यूपीएस और 24×7 100 एमबीपीएस एनकेएन कनेक्टिविटी से जुड़ा सम्मेलन कक्ष सम्मिलित हैं। केंद्र की नई बी+जी+3 मंजिला भवन साल्ट लेक में निर्मित है, जो लगभग 20,000 वर्ग फीट परिचालन क्षेत्र तथा आधुनिक कम्प्यूटेशनल सुविधाओं से सुसज्जित है।

कार्यबल

नियमित	वैज्ञानिक एवं तकनीकी 15
	गैर– वैज्ञानिक एवं तकनीकी 06
संविदात्मक	: 20
परियोजना आधारित	: 06

कारोबार : 741.76 (रु. लाख में)

केंद्र प्रमुख

श्री वी. कृष्णमूर्ति
कार्यकारी निदेशक

पूर्ण पता

इकाई 1: जादवपुर विश्वविद्यालय परिसर,
कोलकाता – 700032
यूनिट 2: ब्लॉक– बीएफ 267, सेक्टर–1, साल्ट लेक,
कोलकाता– 700064

सम्पर्क करने का विवरण

इकाई 1: फोन: 033-24146081/6054
यूनिट 2: फोन: 033-4602/0938
ईमेल: dir-kolkata@nielit.gov.in
वेबसाइट: https://nielit.gov.in/kolkata/ index.php

विस्तार केंद्र

शून्य

राज्य क्षेत्राधिकार

पश्चिम बंगाल

उत्कृष्टता का क्षेत्र:

- सॉफ्टवेयर विकास और सॉफ्टवेयर परीक्षण
- ब्लॉकचेन, बिग डेटा एनालिटिक्स एवं वर्चुअल/ऑगमेंटेड रियलिटी
- एंड्रॉइड, डेटा एनालिटिक्स, डेटा वेयरहाउसिंग और डेटा माइनिंग, क्लाउड कंप्यूटिंग, डेटा साइंस और ब्लॉकचेन।
- ऑफिस ऑटोमेशन, प्रोग्रामिंग भाषाएं, डेटाबेस, मल्टीमीडिया एनीमेशन प्रौद्योगिकी
- ई–गवर्नेंस और ईआरपी, ई–वेस्ट मैनेजमेंट, ऑटोकैड पर कॉर्पोरेट प्रशिक्षण

प्रदत्त पाठ्यक्रम:

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम (समस्त एनएसक्यूएफ अनुरूप):

- आईटी–ओ स्तर
- आईटी–ए स्तर
- आईटी–बी स्तर
- सीएचएमटी–ओ स्तर

ख) लघु अवधि पाठ्यक्रम

- पायथन और आर का उपयोग करके डेटा विज्ञान
- पायथन के साथ लिनक्स का परिचय
- ओरेकल और पी एल/एसक्यूएल, डी बी ए
- वेब डिजाइनिंग और उपकरण
- टैली का उपयोग करके वित्तीय लेखांकन
- कार्यालय स्वचालन उपकरण
- लैपटॉप, डेस्कटॉप और प्रिंटर मरम्मत
- पीसी असेंबली और रखरखाव
- इंटरैक्टिव मल्टीमीडिया डेवलपर में डिप्लोमा
- कंप्यूटर एप्लीकेशन और एन/डब्ल्यू एडमिनिस्ट्रेशन में डिप्लोमा
- प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवलपर
- ऑटोकैड
- इमेज संपादन एवं 2डी एनिमेशन
- नेटवर्क प्रशासन
- लिनक्स का उपयोग करके सिस्टम प्रशासन
- एंड्रॉइड एप्लिकेशन डेवलपर
- बेसिक कंप्यूटर कोर्स (बीसीसी)
- कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी)

वर्ष 2023–24 की अवधि के दौरान मुख्य विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- केंद्र को कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित कृषि जनगणना वर्ष 2021–22 परियोजना सौंपी गई है। दिनांक 17.02.2022 को मंत्रालय एवं नाइलिट कोलकाता के बीच हस्ताक्षरित समझौता–ज्ञापन के अनुसार 3.5 वर्षों की अवधि में रु. 13.52 करोड़ की वित्तीय सहायता दी जाएगी। इस समझौता–ज्ञापन के अंतर्गत निर्धारित कार्य को यथासमय पूर्ण कर लिया गया है। हमारे द्वारा विकसित सॉफ्टवेयर का उपयोग करके क्षेत्र स्तर से डेटा एकत्र करने के लिए एक लाख से अधिक गणनाकार हैं तथा ऑनलाइन सांख्यिकीय रिपोर्ट तैयार की जा रही हैं एवं सॉफ्टवेयर के माध्यम से परियोजना की प्रगति की निरंतर निगरानी भी की जा रही है।
- नाइलिट कोलकाता, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित फ्यूचर स्किल्स प्राइम कार्यक्रम के अंतर्गत ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी के लिए अग्रणी केंद्र तथा बिग डेटा एनालिटिक्स और ए आर/ वी आर के लिए सह–प्रमुख केंद्र है। परियोजना के अंतर्गत, 666 अभ्यर्थियों (टीओटी –55, जीओटी–422, ब्रिज कोर्स–189) को ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षित किया गया, 31 अभ्यर्थियों को बिग डेटा एनालिटिक्स में ब्रिज कोर्स के लिए प्रशिक्षण दिया गया तथा 22 अभ्यर्थियों को ए आर/वी आर में ब्रिज कोर्स के लिए प्रशिक्षण दिया गया।
- केंद्र ने अप्रैल से दिसंबर, 2023 तक एनआईसी भर्ती, डीजीसीए और डीएलसी आदि परीक्षाओं सहित 8,905 अभ्यर्थियों के लिए परीक्षाओं का आयोजन किया।
- केंद्र ने एईसी प्रशिक्षण कॉलेज और केंद्र, पचमढ़ी, मध्य प्रदेश में 39 रक्षा कर्मियों को साइबर सुरक्षा और सोशल मीडिया विश्लेषक (एनएसक्यूएफ लेवल–5, 480 घंटे) पर कॉर्पोरेट प्रशिक्षण दिया।
- केंद्र ने पूरे भारत में सीवीसी अधिकारियों के लिए साइबर सुरक्षा एवं साइबर स्वच्छता पर प्रशिक्षकों का दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम (16 घंटे) आयोजित किया।
- केंद्र फोरेंसिक विज्ञान के क्षेत्र में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय के अंतर्गत एक नया संस्थान/कॉलेज शुरू करने के लिए संबद्धता प्राप्त करने की प्रक्रिया में है।
- नाइलिट कोलकाता द्वारा 39 रक्षा कर्मियों के लिए 19 जून से 12 अगस्त 2023 तक एईसी प्रशिक्षण कॉलेज और केंद्र, पचमढ़ी, मध्य प्रदेश में साइबर सुरक्षा एवं सोशल मीडिया विश्लेषक पर एनएसक्यूएफ लेवल 5 कोर्स (480 घंटे) पर कॉर्पोरेट प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था।
- भारतीय सांख्यिकी संस्थान (आईएसआई), कोलकता के नवनियुक्त कर्मचारियों के लिए 29 जनवरी 2024 से 3 फरवरी 2024 के दौरान नाइलिट कोलकाता द्वारा उन्नत नेटवर्क प्रशासन (48 घंटे) पर 6 दिवसीय कॉर्पोरेट प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
- केन्द्र ने 19 फरवरी 2024 से 15 मार्च 2024 तक पश्चिम बंगाल राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड (डब्ल्यूबीएसईडीसीएल) के अधिकारियों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग पर कॉर्पोरेट प्रशिक्षण (20 दिन) दिया।

महत्वपूर्ण बिंदु

- युवा रोज़गार मंच (रोजगार मेला 2023) नवंबर/दिसंबर 2023 में पश्चिम बंगाल राज्य में नाइलिट कोलकाता द्वारा आयोजित किया गया था। इसके अतिरिक्त, दिनांक 07.12.2023 को नाइलिट कोलकाता साल्ट लेक कैंपस में जॉब फेयर का उद्घाटन श्री वी. कृष्णमूर्ति, कार्यकारी निदेशक, नाइलिट कोलकाता एवं श्री संतोष कुमार, उप–क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी, डीजीई कोलकाता और नाइलिट कोलकाता के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में किया गया। मेले में अग्रणी कंपनियों ने भाग लिया और इसमें 348 अभ्यर्थियों ने भाग लिया जिनमें से, लगभग 102 अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया गया।

- ऑन–कैंपस जॉब ड्राइव दिनांक 17.05.2023 को जेयू कैंपस में राष्ट्रीय करियर सेवा योजना के अंतर्गत रोजगार महानिदेशालय के दिशानिर्देशों के अनुसार स्थापित नाइलिट कोलकाता मॉडल करियर केंद्र द्वारा आयोजित किया गया था, जिसमें सिगिलो टेक नामक एक सॉफ्टवेयर कंपनी ने 105 जॉब सिकर्स के लिए स्क्रीन टेस्ट लिया और उनमें से 32 को शॉर्टलिस्ट किया।

- दिनांक 26 एवं 27 सितंबर, 2023 को पूरे भारत के नामित सीवीसी अधिकारियों के लिए साइबर सुरक्षा और साइबर स्वच्छता पर 2 दिवसीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम नाइलिट कोलकाता द्वारा अपने साल्ट लेक परिसर में आयोजित किया गया था।

केंद्र का इतिहास

नाइलिट कुरुक्षेत्र की स्थापना दिसंबर 2016 में हरियाणा के कुरुक्षेत्र के उमरी स्थित सरकारी पॉलिटेक्निक परिसर में हरियाणा सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए लगभग 10,000 वर्ग फीट के निर्मित स्थान पर की गई थी। अब, केंद्र ने विभिन्न एनएसक्यूएफ पाठ्यक्रम, क्षमता–निर्माण परियोजनाएं, परीक्षा परियोजनाएं, विभिन्न सरकारी योजनाओं के कार्यान्वयन, इंजीनियरिंग स्नातकों के लिए अल्पकालिक प्रशिक्षण के अतिरिक्त डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम एवं डीओईएसीसी योजना पाठ्यक्रमों को सम्मिलित करके अपने व्यावसायिक संचालन का विस्तार किया है, जो केंद्र की स्थापना के समय शुरू किए गए थे। केंद्र ने विश्वविद्यालयों और तकनीकी कॉलेजों सहित उत्कृष्टता के विभिन्न तकनीकी संस्थानों के साथ सहयोग की शुरुआत की है।

कार्यबल

नियमित	वैज्ञानिक एवं तकनीकी 04
	गैर– वैज्ञानिक एवं तकनीकी 01
संविदात्मक	: 02
परियोजना आधारित	: शून्य
कारोबार	: 262.34 (रु. लाख में)

केंद्र प्रमुख

श्री शमीम खान
प्रभारी निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट कुरुक्षेत्र
राजकीय पॉलिटेक्निक परिसर,
उमरी, कुरूक्षेत्र, हरियाणा – 136131

सम्पर्क करने का विवरण

फोनः 91 99586 89994
ईमेलः dir-kurukshetra@nielit.gov.in
वेबसाइटः https://nielit.gov.in/kurukshetra/index.php/index.php

विस्तार केंद्र

शून्य

राज्य क्षेत्राधिकार

हरियाणा

उत्कृष्टता का क्षेत्राः

- कृत्रिम बुद्धिमता/मशीन लर्निंग
- डेटा विज्ञान
- डेटा विश्लेषण
- ओपनएआई और चैटजीपीटी
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई ओ टी)
- साइबर सुरक्षा
- कंप्यूटर नेटवर्क
- वेब और ऐप विकास

प्रदत्त पाठ्यक्रमः

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- 'ओ' स्तर (आईटी)
- 'ए' स्तर (आईटी)
- सीएचएमटी– 'ओ' स्तर

ख) लघु अवधि पाठ्यक्रम

- प्रमाणित क्लाउड कंप्यूटिंग और वर्चुअलाइजेशन विशेषज्ञ
- प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवलपर
- प्रमाणित एंड्रॉयड ऐप्स डेवलपर
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स
- पायथन का उपयोग करके मशीन लर्निंग
- मैटलैब का उपयोग करके डीएसपी
- मीडिया सामग्री डेवलपर
- सॉफ्टवेयर डेवलपर
- सौर एलईडी डिजाइन और विनिर्माण
- उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की स्थापना एवं अनुरक्षण
- प्रमाणित कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखा और प्रकाशन सहायक
- डाटा एंट्री और ऑफिस असिस्टेंट (अपस्किलिंग)
- डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रम

वर्ष 2023–24 की अवधि के दौरान मुख्य विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- नाइलिट कुरुक्षेत्र, डीजीई द्वारा वित्तपोषित एससी/एसटी जॉब सिकर्स हेतु कौशल विकास कार्यक्रम कार्यान्वित कर रहा है। डीजीई प्रायोजित योजना के अंतर्गत आईटी–ओ स्तर पर 50 अभ्यर्थियों एवं सीएचएमटी – ओ स्तर पर 25 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण हिसार और टोहाना (फतेहाबाद) में दिया जा रहा है।
- आकांक्षी जिला परियोजना के अंतर्गत 270 नामांकनों के लक्ष्य में से लगभग 95% अभ्यर्थियों को प्रमाणित किया जा चुका है। डाटा एंट्री ऑपरेटर, अकाउंटिंग और पब्लिशिंग, उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों की मरम्मत एवं सोलर–एलईडी में 270 अभ्यर्थियों का अतिरिक्त लक्ष्य निर्धारित किया गया है।
- ईईएलटीपी कार्यक्रम के अंतर्गत हिसार एवं सिरसा जिलों में प्रशिक्षण साझेदार तथा अभ्यर्थी का चयन किया जा चुका है। प्रत्येक जिले में 150 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।
- वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान कार्य आधारित शिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 24 अभ्यर्थी कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।
- 09 जवाहर नवोदय विद्यालयों (जेएनवी)– पानीपत, अंबाला, पंचकुला, झज्जर, रेवाडी, गुरूग्राम, जिंद, सिरसा और यमुनानगर के 720 छात्रों को नवीनतम प्रौद्योगिकी क्षेत्रों पर इंटर्नशिप सह प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- **केंद्र ने राज्य पुलिस अधिकारियों, ग्राम पंचायतों, स्कूली बच्चों आदि हेतु डिजिटल जागरूकता एवं साइबर सुरक्षा पर विभिन्न जागरूकता अभियान चलाए।**

ग्राम पंचायत, बैरसाल, करनाल में प्रशिक्षण

महत्वपूर्ण बिंदु

- नाइलिट कुरुक्षेत्र ने विभिन्न विशेषज्ञता वाले 800 से अधिक पंजीकृत अभ्यर्थियों के लिए मेगा जॉब फेयर का आयोजन किया। कार्यक्रम/इवेंट में 16 से अधिक नियोक्ताओं ने भाग लिया। लगभग 200 अभ्यर्थियों का रोजगार हेतु चयन किया गया।

- नए पाठ्यक्रमों जैसे; सॉफ्टवेयर डेवलपर, मीडिया कंटेंट डेवलपर और ऑफिस ऑटोमेशन एसोसिएट्स आदि में प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
- केंद्र ने कौशल और इंटर्नशिप के लिए क्षमता बढ़ाने हेतु राजकीय पॉलिटेक्निक, सिरसा के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- नाइलिट कुरुक्षेत्र गुरुग्राम में एक विस्तार केंद्र स्थापित करने की प्रक्रिया में है। इस संबंध में, नाइलिट कुरुक्षेत्र और हारट्रोन गुरुग्राम के बीच **"हारट्रोन मल्टी स्किल सेंटर गुरुग्राम के परिसर में नाइलिट कौशल उत्कृष्टता केंद्र स्थापना"** हेतु समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

पीएम श्री योजना के तहत जेएनवी झज्जर के छात्रों को हारट्रोन गुरुग्राम में प्रशिक्षण सह इंटर्नशिप

केंद्र का इतिहास

नाइलिट लेह प्रमुख आईटी–एचआरडी संगठन है, जिसे भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा नवंबर, 2013 में एलएएचडीसी लेह के सहयोग से स्थापित किया गया था। नाइलिट लेह द्वारा संचालित बहुआयामी गतिविधियों में औपचारिक पाठ्यक्रम (लद्दाख विश्वविद्यालय से संबद्धता में लेह में बीसीए) और अनौपचारिक पाठ्यक्रम (ओ लेवल) तथा आईईसीटी में कौशल विकास पाठ्यक्रम सम्मिलित हैं। केंद्र लद्दाख विश्वविद्यालय, आईटी विभाग तथा लद्दाख के उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के समन्वय में कई प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इसका मुख्य परिसर 20,000 वर्ग फीट के निर्मित क्षेत्र के साथ परिषद सचिवालय लेह में है। इसका विस्तार केंद्र डीआईईटी बिल्डिंग, चुतुख कारगिल में स्थित है, जिसका निर्मित क्षेत्र 15,000 वर्ग फीट है।

कार्यबल

नियमित	वैज्ञानिक एवं तकनीकी 02
	गैर– वैज्ञानिक एवं तकनीकी 0
संविदात्मक	: 10
परियोजना आधारित	: 12
कारोबार	: 274.84 (रु. लाख में)

केंद्र प्रमुख

श्री फुनसोग टोल्डेन
प्रभारी निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट लेह,परिषद सचिवालय, लेह–194101
डाइट बिल्डिंग, ज़ानस्कर रोड, चुटुख कारगिल।

सम्पर्क करने का विवरण

फोनः 01982-255054
फैक्सः 01982-251367
ईमेलः dir-leh@nielit.gov.in
वेबसाइटः https://nielit.gov.in/leh/index.php

विस्तार केंद्र

नाइलिट कारगिल

विस्तार केन्द्रों का पता

नाइलिट उप–केंद्र कारगिल,
डाइट बिल्डिंग, ज़ानस्कर रोड,
चुतुख कारगिल, लद्दाख – 194302

राज्य क्षेत्राधिकार

लद्दाख (लेह और कारगिल)

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

- आईटी–एचआरडी
- परामर्श सेवाएँ
- प्रत्यायन
- स्थानीय युवाओं का कौशल विकास
- सौर प्रौद्योगिकी
- औपचारिक/अनौपचारिक पाठ्यक्रम संचालित करना।

प्रदत्त पाठ्यक्रमः

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- 'ओ' स्तर (आईटी)
- सीएचएमटी 'ओ' स्तर
- बीसीए

ख) लघु अवधि पाठ्यक्रम

- कंप्यूटर एप्लीकेशन, अकाउंटिंग और पब्लिशिंग में एडवांस डिप्लोमा
- प्रमाणित कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखा एवं प्रकाशन सहायक
- कंप्यूटर एप्लीकेशन एसोसिएट
- प्रमाणित मल्टीमीडिया डेवलपर
- डाटा एंट्री और ऑफिस असिस्टेंट (अपस्किलिंग) में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- प्रमाणित वेब डेवलपर
- सौर एलईडी प्रकाश उत्पाद (डिजाइन और विनिर्माण)
- डेटा एंट्री और ऑफिस ऑटोमेशन में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
- कंप्यूटर एप्लीकेशन में बेसिक पाठ्यक्रम
- कंप्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम।

वर्ष 2023–24 की अवधि के दौरान मुख्य विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- विभिन्न लघु एवं दीर्घकालिक प्रशिक्षणों में लद्दाख क्षेत्र में 4644 से अधिक अनुसूचित जनजाति अभ्यर्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया गया।
- मार्च, 2024 की समाप्ति तक नाइलिट सेंटर कारगिल ने 3 वर्षों में 1240 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित करने का अपना लक्ष्य सफलतापूर्वक प्राप्त कर लिया है।
- 15 अभ्यर्थियों के लिए सौर प्रौद्योगिकी में कार्य आधारित शिक्षण इंटर्नशिप कार्यक्रम नाइलिट लेह और कारगिल में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया, जिसमें अभ्यर्थियों द्वारा 2 अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाएं प्रकाशित की गईं।
- केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख सचिवालय के 50 अधिकारियों का प्रशिक्षण लेह में सफलतापूर्वक आयोजित किया गया तथा नाइलिट लेह ने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के सरकारी कर्मचारियों की नई भर्ती के लिए 7 दिवसीय क्षमता निर्माण प्रशिक्षण आयोजित किया।
- नाइलिट लेह ने लेह जिले के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापकों के लिए 7 दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें 250 प्रधानाध्यापकों को प्रशिक्षित किया गया।
- केंद्र ने लेह जिले के समाज कल्याण एवं जनजातीय कर्मचारियों के 25 रंगरूटों के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया।

लेह

महत्वपूर्ण बिंदु

(i) हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र के लिए आईटी सक्षम इन्क्यूबेशन सेंटर।

- लेह और कारगिल में दो अत्याधुनिक इनक्यूबेशन सेंटर–सह–डिजाइन प्रयोगशाला/मॉडलिंग प्रयोगशाला तथा आईटी प्रयोगशाला परिचालन में हैं। लेह प्रयोगशाला का उद्घाटन लद्दाख के माननीय उपराज्यपाल द्वारा किया गया।
- लकड़ी पर नक्काशी के लिए सीएनसी राउटर, 3डी प्रिंटर, डोबी और जैक्वार्ड जैसी हथकरघा मशीनें दोनों प्रयोगशालाओं के लिए पहले ही क्रय कर ली गई हैं और वे कार्यात्मक हैं।
- प्रत्येक बैच के लिए प्रशिक्षकों को देश के विभिन्न भागों के प्रतिष्ठित संस्थानों जैसे निफ्ट, अमेज़न, क्राफ्ट्स विलेज, फोर हॉर्समेन, ईडीआई इंडिया आदि से आमंत्रित किया जाता है।
- केंद्र ने 2100 के लक्ष्य की तुलना में 2148 कारीगरों को प्रशिक्षित किया है।

(ii) एसटीआई हब परियोजना

- जवाहर नवोदय विद्यालय के 160 से अधिक अभ्यर्थियों को आई ओ टी प्रशिक्षण दिया गया, जिसमें छात्रों को आई ओ टी की मूल अवधारणाओं जैसे; सिमुलेशन, आर्डिनो आईडीई, रोबोटिक्स का प्रशिक्षण दिया गया।
- लेह के विभिन्न स्कूलों के 12 छात्रों को आई ओ टी एवं सौर प्रौद्योगिकी में 3 माह का प्रमाणित पाठ्यक्रम पर प्रशिक्षण दिया गया।
- लद्दाख स्काउट्स के लिए सीएनसी मशीन, 3डी प्रिंटर जैसी कंप्यूटर/इलेक्ट्रॉन मशीनरी में नई प्रौद्योगिकियों के संबंध में जागरूकता कार्यक्रम प्रायः सेवानिवृत्त सैन्य जवानों के लिए आयोजित किए जाते हैं, ताकि सेवानिवृत्ति के बाद वे इन प्रौद्योगिकियों को उपयोग कर सकें।
- लेह के विभिन्न स्कूलों के 6 छात्रों के लिए 3डी प्रिंटिंग पाठ्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें छात्रों को 3डी मॉडलिंग, स्लाइसिंग सॉफ्टवेयर और 3डी मॉडल की प्रिंटिंग का प्रशिक्षण दिया गया।
- विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित एसटीआई–हब परियोजना के अंतर्गत दो दिवसीय कृषि–तकनीक जागरूकता कार्यशाला नाइलिट लेह में आयोजित की गई, जिसमें पूरे भारत से 850 कॉलेज के छात्रों, किसानों, नवप्रवर्तकों और उद्यमियों ने भाग लिया।
- दिनांक 15 फरवरी से 4 मार्च तक लद्दाख विज्ञान फाउंडेशन के सहयोग से ''लद्दाख स्टेम शिक्षा कार्यक्रम'' शीर्षक के अंतर्गत एक कार्यशाला ऑफलाइन/ऑनलाइन आयोजित की गई, जिसमें लगभग 340 छात्रों/संकाय/कामकाजी पेशेवरों ने भाग लिया।

(iii) लद्दाख क्षेत्र के अनुसूचित जनजाति युवाओं के लिए सौर एलईडी आधारित उत्पादों की डिजाइन और असेंबली प्रयोगशाला की स्थापना

- अब तक 52 अभ्यर्थियों को दोनों स्थानों अर्थात् लेह एवं कारगिल पर प्रशिक्षित किया जा चुका है।
- 02 शोध पत्र अंतर्राष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हुए हैं।
- सोलर लैब ने सोलर ई–वाहन पर अनुसंधान शुरू कर दिया है।
- स्थानीय आवश्यकता के आधार पर सौर ब्लाइंड्स, ऑल–इन–वन पावर जेनरेटर, सौर लालटेन, सौर टॉर्च, सौर चार्जर जैसे सौर उत्पादों पर अनुसंधान और विकास किया गया।

(iv) शैक्षिक उत्कृष्टता और तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने के लिए लद्दाख विश्वविद्यालय के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए: फोकस के प्रमुख क्षेत्रों में ज्ञान का आदान–प्रदान, संकाय विकास, औद्योगिक/ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण, तकनीकी प्रशिक्षण जैसेकि सौर एलईडी डिजाइन और विनिर्माण के साथ–साथ आई ओ टी पर प्रशिक्षण सम्मिलित हैं, ताकि उभरते क्षेत्रों में व्यावहारिक कौशल के साथ छात्रों को सशक्त बनाया जा सके।

(v) अनुसंधान, शिक्षण एवं शिक्षण सामग्री संबंधी सूचनाओं के आदान–प्रदान के लिए दिनांक 12 दिसंबर, 2023 को पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय लेह लद्दाख के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सूचनाओं का आदान–प्रदान, सम्मेलनों, कार्यशालाओं और अल्पकालिक पाठ्यक्रमों का संयुक्त आयोजन, नाइलिट द्वारा संकाय विकास कार्यक्रम/औद्योगिक/ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम आयोजित करना आदि है। नाइलिट लेह/कारगिल जेएनवी के विद्यार्थियों को सौर एलईडी आधारित उत्पादों एवं आईओटी के डिजाइन व विनिर्माण में प्रशिक्षण प्रदान करता है।

पटना

केंद्र का इतिहास

वर्ष 2008 में, नाइलिट पटना की स्थापना हुई थी तथा यह बिहटा (आईआईटी पटना के समीप) स्थित अपने स्थायी परिसर से परिचालन में है, जिसका उद्देश्य क्षेत्र में नाइलिट गतिविधियों को बढ़ावा देने हेतु सक्रिय भूमिका निभाना है, जिससे विभिन्न स्तरों पर आईईसीटी में ज्ञान एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने हेतु नाइलिट की पहुँच में विस्तार हो सके, जिससे यह औद्योगिक आवश्यकताओं को पूरा करेगा साथ ही, विशेषतः बिहार राज्य के क्षेत्रों का भी समग्र विकास होगा। केंद्र बिहार राज्य सरकार के लिए क्षमता–निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भी संलग्न है। मुजफ्फरपुर एवं बक्सर में पूर्ण विकसित परिसरों तथा स्थापित आधारभूत संरचना सहित, नाइलिट पटना के दो विस्तार केंद्र भी हैं।

कार्यबल

नियमित	वैज्ञानिक एवं तकनीकी 10
	गैर– वैज्ञानिक एवं तकनीकी 05
संविदात्मक	: 08
परियोजना आधारित	: शून्य
कारोबार	: 722.62 (रु. लाख में)

केंद्र प्रमुख

श्री डी.एस. ओबेरॉय
निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट केंद्र, पटना, आईआईटी पटना के समीप,
अमहारा, बिहटा, पटना (बिहार) –801106

सम्पर्क करने का विवरण

फोनः 9431011532
ईमेलः dir-Patna@nielit.gov.in
वेबसाइटः https://www.nielit.gov.in/patna/index.php

विस्तार केंद्र

बक्सर और मुजफ्फरपुर

विस्तार केंद्र का पता

- बक्सरः नाइलिट बक्सर,
  आईटीआई परिसर,
  डीआरसीसी कार्यालय के समीप,
  बिहार–802101, संपर्कः +91–8986020610
- मुजफ्फरपुरः नाइलिट मुजफ्फरपुर,
  लक्ष्मी चौक, पुलिस लाइन रोड,बिहार–842003
  संपर्कः +91–6287642201

राज्य क्षेत्राधिकार

बिहार

उत्कृष्टता का क्षेत्राः

- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई ओ टी)
- साइबर सुरक्षा

प्रदत्त पाठ्यक्रमः

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- 'ओ' स्तर (आईटी)
- 'ए' स्तर (आईटी)
- प्रमाणित क्लाउड कंप्यूटिंग इंजीनियर

ख) लघु अवधि पाठ्यक्रम

- प्रमाणित कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखा और प्रकाशन सहायक
- सहायक तकनीशियन– सौर पैनल स्थापना
- एसोसिएट डाटा एंट्री ऑपरेटर
- मीडिया सामग्री डेवलपर
- सॉफ्टवेयर डेवलपर एसोसिएट
- जूनियर सॉफ्टवेयर डेवलपर
- घरेलू डाटा एंट्री ऑपरेटर
- वेब डेवलपर
- सोलर पैनल स्थापना तकनीशियन
- पायथन प्रोग्रामिंग का उपयोग करके डेटा विज्ञान
- पायथन प्रोग्रामिंग का उपयोग करके मशीन लर्निंग में पीसीबी और सर्किट डिजाइनिंग
- पीएचपी व मायएसक्यूएल का उपयोग करके वेब विकास
- पायथन में प्रोग्रामिंग
- साइबर शिक्षा पाठ्यक्रम
- मशीन लर्निंग में फाउंडेशन कोर्स
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एप्लीकेशन में फाउंडेशन कोर्स
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स में फाउंडेशन कोर्स
- रास्पबेरी पाई का उपयोग करके आई ओ टी
- इलेक्ट्रॉनिक उत्पादन तकनीशियन
- सौर एलईडी प्रकाश उत्पाद (डिजाइन और विनिर्माण)
- कंप्यूटर आधारभूत एवं आई ओटी पर सर्टिफिकेट कोर्स
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स पर सर्टिफिकेट कोर्स
- कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर सर्टिफिकेट कोर्स
- रोबोटिक्स पर सर्टिफिकेट कोर्स
- सीसीसी

वर्ष 2023–24 की अवधि के दौरान मुख्य विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- बिहार में स्टार्टअप और उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र का समर्थन प्रदान करने हेतु नाइलिट पटना ने इनक्यूबेशन सेंटर के गठन हेतु बिहार स्टार्टअप, उद्योग विभाग, बिहार सरकार के साथ समझौता–ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

- श्री मनीष कुमार झा, वैज्ञानिक–डी तथा श्री यशवंत द्वारा बीपीए राजगीर में 66वें बैच डीएसपी हेतु बिजनेस इंटेलिजेंस एवं एडवांस साइबर सुरक्षा पर विशेष प्रशिक्षण एवं मूल्यांकन सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।
- नाइलिट पटना ने बिहार के विभिन्न जवाहर नवोदय विद्यालयों के 640 विद्यार्थियों के लिए पीएम श्री योजना के अंतर्गत इंटरनेट ऑफ थिंग्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में सर्टिफिकेट कोर्स में कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित किया।

- वर्ष 2023–24 की अवधि के दौरान विस्तार केंद्र मुजफ्फरपुर ने अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक दोनों पाठ्यक्रमों में अपनी प्रशिक्षण गतिविधियाँ शुरू कीं है तथा वित्तीय वर्ष के दौरान कुल 1050 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया है।

- 2023–24 की अवधि के दौरान विस्तार केंद्र, बक्सर ने अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक दोनों पाठ्यक्रमों में अपनी प्रशिक्षण गतिविधियाँ शुरू की हैं। वित्तीय वर्ष के दौरान कुल लगभग 1550 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षित किया है।

महत्वपूर्ण बिंदु

(क) बक्सर में नाइलिट पटना विस्तार केंद्र का उद्घाटन दिनांक 30 जनवरी, 2024 को श्री अश्विनी कुमार चौबे, माननीय उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय तथा पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के राज्य मंत्री द्वारा तथा नाइलिट के महानिदेशक डॉ. एम.एम. त्रिपाठी की गरिमामयी उपस्थिति में वर्चुअल माध्यम से किया गया।

(ख) राज्य के युवाओं के भविष्य को सशक्त बनाने की दिशा में कार्य करते हुए, केंद्र द्वारा एक रोजगार मेला आयोजित किया गया, जिसमें 509 उत्साही अभ्यर्थियों ने विविध अवसरों के लिए 21 नियोक्ताओं से भेंट की, जिनमें से 124 अभ्यर्थियों का चयन किया गया।

रांची

केंद्र का इतिहास

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा दिनांकः 21 अगस्त, 2014 को किए गए उद्घाटन के पश्चात नाइलिट केंद्र, रांची ने कार्य करना प्रारम्भ किया। झारखंड सरकार (जीओजे) द्वारा कार्यालय हेतु स्थान रियादा भवन, मुख रोड, रांची के द्वितीय तल पर उपलब्ध कराया गया। नाइलिट, रांची इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी (आई ई सी टी) के क्षेत्र में कौशल–उन्नयन एवं क्षमता–निर्माण के उद्देश्य से विभिन्न एनएसक्यूएफ संरेखित प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करता है। प्रारम्भ से, रांची केंद्र सीसीसी/बीसीसी जैसे; डिजिटल साक्षरता के क्षेत्र में पाठ्यक्रमों की पेशकश तथा विभिन्न अल्पकालिक एनएसक्यूएफ संरेखित पाठ्यक्रमों का संचालन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके अतिरिक्त, रांची केंद्र नाइलिट 'ओ' स्तर, 'ए'–स्तर तथा सीएचएम–टी 'ओ' स्तर जैसे दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों की भी पेशकश करता है तथा राज्य में विभिन्न सरकारी प्रायोजित योजनाओं का कार्यान्वयन कर रहा है।

कार्यबल

नियमित	वैज्ञानिक एवं तकनीकी 02
	गैर– वैज्ञानिक एवं तकनीकी 02
संविदात्मक	: 08
परियोजना आधारित	: शून्य

कारोबार : 258.27 (रु. लाख में)

केंद्र प्रमुख

श्री जे. के. साह
प्रभारी निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट रांची, दूसरी मंजिल, रियादा भवन,
मुख्य रोड, रांची, झारखंड–834001

सम्पर्क करने का विवरण

फोनः 0651-2332554
मोबाईलः 7667160032
ईमेलः dir-ranchi@nielit.gov.in, ranchi@nielit.gov.in
वेबसाइटः https://nielit.gov.in/ranchi/index.php

राज्य क्षेत्राधिकार

झारखंड

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

- साइबर सुरक्षा
- ब्लॉकचेन
- उद्योग के लिए पेशेवरों को तैयार करने हेतु आईईसीटी में क्षमता–निर्माण

प्रदत्त पाठ्यक्रमः

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- 'ओ'–स्तर (आईटी)
- सीएचएम–टी ओ–स्तर
- 'ए'– स्तर (आईटी)

ख) लघु अवधि पाठ्यक्रम

- प्रमाणित कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखा एवं प्रकाशन सहायक।
- प्रमाणित डाटा एंट्री एवं कार्यालय सहायक (अपस्किलिंग)
- प्रमाणित कार्यालय स्वचालन एवं आईटी सहायक
- उत्पाद संयोजन सहायक (सौर एलईडी)।
- पीसी की असेंबली और रखरखाव।
- ब्लॉक चेन डेवलपमेंट में फाउंडेशन पाठ्यक्रम
- सूचना सुरक्षा में आधारभूत पाठ्यक्रम
- पायथन का उपयोग करके मशीन लर्निंग में आधारभूत पाठ्यक्रम
- आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एप्लीकेशन में आधारभूत पाठ्यक्रम
- प्रमाणित एंड्रॉइड ऐप डेवलपर (अपस्किलिंग)
- एआई विकास सहयोगी
- प्रमाणित वेब डेवलपर
- नाइलिट 'बीसीसी' पाठ्यक्रम.
- नाइलिट 'सीसीसी' पाठ्यक्रम
- नाइलिट 'एसीसी' पाठ्यक्रम

वर्ष 2023–24 की अवधि के दौरान मुख्य विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- कुल 1931 अभ्यर्थियों को दीर्घकालिक अनौपचारिक एवं अल्पकालिक पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षित किया गया। आईईसीटी के क्षेत्र में आकांक्षी जिलों में युवाओं के कौशल विकास के अंतर्गत एनएसक्यूएफ पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण प्रदान किया गया, जिससे रोजगार क्षमता में वृद्धि हुई।
- नाइलिट रांची ने एनसीएससी पोर्टल पर पंजीकृत एससी/एसटी जॉब सिकर्स हेतु डीजीई प्रायोजित नाइलिट–आईटी 'ओ' स्तर एवं सीएचएम 'ओ' स्तर का आयोजन किया है।

- श्री कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान (एसकेआईपीए), रांची में झारखंड सरकार के विभिन्न विभागीय कर्मचारियों के लिए बेसिक कंप्यूटर कोर्स (बीसीसी) प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
- नाइलिट रांची ने डीएससीआई और माइक्रोसॉफ्ट के सहयोग से 50 घंटे का निःशुल्क ऑनलाइन साइबर शिक्षा फंडामेंटल्स कार्यक्रम आयोजित किया है।

- केंद्र द्वारा झारखंड सरकार के कर्मचारियों हेतु साइबर सुरक्षा पर विभिन्न कार्यशालाएं भी आयोजित की गई ।
- एससी/एसटी/महिला/ईडब्ल्यूएस स्नातक इंजीनियर अभ्यर्थियों को समर्थ एवं सशक्त बनाने हेतु कार्य आधारित शिक्षण (डब्ल्यूबीएल) कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत रांची केंद्र एससी/एसटी/ईडब्ल्यूएस/महिला अभ्यर्थियों को पेशेवर कार्य वातावरण में तकनीकी ज्ञान में वृद्धि करने का अवसर देने हेतु इंटर्नशिप की पेशकश कर रहा है।

केंद्र का इतिहास

वर्ष 1978 में, नाइलिट चंडीगढ़ की स्थापना क्षेत्रीय कंप्यूटर केंद्र (आरसीसी) के रूप में की गई थी, जिसका उद्देश्य कंप्यूटर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में आत्मनिर्भरता प्राप्त करने की दिशा में इलेक्ट्रॉनिक डेटा प्रोसेसिंग के विकास को प्रोत्साहन एवं बढ़ावा देना था। वर्ष 2002 में, केंद्र का डीओईएसीसी संस्था के साथ विलय कर पुनः वर्ष 2011 में, इसका नाम परिवर्तित कर नाइलिट रख दिया गया। अगस्त 2012 में, पंजाब सरकार ने रोपड़ "पंजाब के रोपड़ में नाइलिट चंडीगढ़ के स्थायी परिसर का निर्माण" हेतु रोपड़ (आईआईटी परिसर के समीप) में लगभग 12 एकड़ भूमि आवंटित की थी। नाइलिट ने अक्टूबर, 2017 से रोपड़ परिसर से अपनी प्रशिक्षण गतिविधियाँ प्रारम्भ की थी, हालाँकि, चंडीगढ़ में अभी भी कुछ प्रशिक्षण सुविधाएँ जारी हैं।

नाइलिट केंद्र, रोपड़ यथासमय आकलन की गई आवश्यकताओं के आधार पर ग्राहकों के विभिन्न वर्गों को विशेष सेवाएँ प्रदान करता है। इस केंद्र ने पहले से संचालित परियोजनाओं के अतिरिक्त, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर), राष्ट्रीय उर्दू भाषा संवर्धन परिषद (एनसीपीयूएल) परियोजना तथा श्रम ब्यूरो हेतु सीपीआइ (उपभोक्ता मूल्य सूचकांक) सृजन जैसी कई राष्ट्रव्यापी परियोजनाओं को सफलतापूर्वक शुरू एवं क्रियान्वित किया है। इसी प्रकार से आगे बढ़ते हुए, केंद्र रोपड़ में मुख्य परिसर तथा 11 अन्य नाइलिट केन्द्रों को अपने घटक के रूप में सम्मिलित करते हुए नाइलिट मानित विश्वविद्यालय का दर्जा प्राप्त करने की दिशा में कार्य कर रहा है।

कार्यबल

नियमित	वैज्ञानिक एवं तकनीकी 52
	गैर– वैज्ञानिक एवं तकनीकी 14
संविदात्मक	37

कारोबार : 7,290.12 (रु. लाख में)

केंद्र प्रमुख

डॉ. संजीव कुमार गुप्ता
कार्यकारी निदेशक

पूर्ण पता

रोपड़ः बिड़ला फार्म, बड़ा, फुल, रोपड़–140001

सम्पर्क करने का विवरण

फोनः 01881-257001
ईमेलः dir-ropar@nielit.gov.in
वेबसाइटः https://www.nielit.gov.in/ropar/index.php

राज्य क्षेत्राधिकार

पंजाब, चंडीगढ़

विस्तार केंद्र

नाइलिट विस्तार केंद्र, चंडीगढ़

विस्तार केंद्र का पता

नाइलिट चंडीगढ़,
प्लॉट नंबर एम–925, आईईटीई बिल्डिंग,
सेक्टर 30बी, चंडीगढ़–160030

संपर्क विवरण का पता

फोनः 0172.2650121

राज्य क्षेत्राधिकार

चंडीगढ़ (यूटी)

उत्कृष्टता का क्षेत्राः

- कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मशीन लर्निंग
- बिग डेटा एनालिटिक्स
- साइबर सुरक्षा
- आई ओ टी और ब्लॉकचेन
- राष्ट्रीय महत्व की बड़ी परियोजनाओं का क्रियान्वयन
- बड़े पैमाने पर डाटा प्रसंस्करण/ परामर्श परियोजनाएं आदि।

प्रदत्त पाठ्यक्रमः

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- बीसीए, बीएससी. (कम्प्यूटर विज्ञान में ऑनर्स),
- डेटा साइंस में विशेषज्ञता के साथ कंप्यूटर विज्ञान में पीजीडीसीए और एम.एससी.
- ओ स्तर (आईटी)
- सीएचएमटी ओ स्तर

ख) लघु अवधि पाठ्यक्रम

- पायथन/डेटा साइंस के साथ पायथन
- जावा
- वेब डिजाइनिंग
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई ओ टी)
- साइबर सुरक्षा/ इथिकल हैकिंग
- कृत्रिम बुद्धिमता एवं मशीन लर्निंग
- ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी
- हडोप का उपयोग करके बिग डेटा एनालिटिक्स
- एसक्यूएल सर्वर का उपयोग करके एएसपी–नेट
- रोबोटिक्स प्रक्रिया स्वचालन
- पायथन के साथ रास्पबेरी पाई
- क्लाउड कंप्यूटिंग और वर्चुअलाइजेशन
- मोंगोडीबी
- सिस्को प्रमाणित नेटवर्क प्रमाणपत्र
- डिजिटल साक्षरता पाठ्यक्रमः सीसीसी, सीसीसी प्लस
- अन्य एन एस क्यू एफ संरेखित पाठ्यक्रम

वर्ष 2023–24 की अवधि के दौरान मुख्य विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- केंद्र ने 2023–24 में चंडीगढ़ के सरकारी स्कूलों में ग्यारहवीं कक्षा में प्रवेश हेतु यूटी स्कूल काउंसलिंग परियोजना को सफलतापूर्वक क्रियान्वित किया। चंडीगढ़ के 42 सरकारी स्कूलों में 19000 से अधिक छात्रों को प्रवेश मिला।
- नाइलिट चंडीगढ़, पीएम श्री नवोदय विद्यालय के छात्रों को उभरती प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। पंजाब एवं चंडीगढ़ क्षेत्र के नवोदय विद्यालयों के क्रमशः 80, 40 तथा 80 छात्रों के लिए 'एआई और डेटा साइंस', 'साइबर सुरक्षा' और 'रोबोटिक्स' में प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
- विभिन्न कॉलेजों, इंजीनियरिंग कॉलेजों के छात्रों, पेशेवरों और शिक्षाविदों के लिए "कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं मेटावर्स", "संवर्धित और आभासी वास्तविकता", "सभी के लिए 5 जी", "ओपन एआई और चैटजीपीटी" जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों पर कई वेबिनार/कार्यशालाएं आयोजित की गईं। इसके अतिरिक्त, नाइलिट चंडीगढ़ ने अपने रोपड़ परिसर में पंजाब के सरपंचों के लिए एक कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें आईटीईएस के क्षेत्र में ग्रामीण युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाने पर बल दिया गया।
- नाइलिट चंडीगढ़ ने चंडीगढ़ (यूटी) के सरकारी स्कूलों के 200 से अधिक शिक्षकों के लिए "एआई और डेटा साइंस" और "साइबर सुरक्षा" पर एफडीपी आयोजित किया। पंजाब के विश्वविद्यालयों/कॉलेजों के 46 एसोसिएट/असिस्टेंट प्रोफेसरों के लिए "कंप्यूटर विज़न के लिए मशीन लर्निंग" पर एफडीपी आयोजित की गई।
- कॉर्पोरेट बैच विभिन्न संगठनों के अधिकारियों के लिए आयोजित किए जाते हैं जिसमें, भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी), एसटीपीआई (सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया), डीआरडीओ हैं, के साथ विभिन्न प्रौद्योगिकियों जैसे; एआई, डेटा साइंस, मशीन लर्निंग, ब्लॉकचेन आदि पर चर्चा की गई ।
- देश भर में, नाइलिट चंडीगढ़ 500 से अधिक एनसीपीयूएल (राष्ट्रीय उर्दू भाषा संवर्धन परिषद) केंद्रों पर 'कंप्यूटर अनुप्रयोग, व्यवसाय लेखांकन और बहुभाषी डेस्कटॉप प्रकाशन (सीएबीए–एमडीटीपी)' योजना को क्रियान्वित कर रहा है। विभिन्न सीएबीए–एमडीटीपी केंद्रों में लगभग 30,000 छात्रों को सीएबीए–एमडीटीपी पाठ्यक्रम में प्रशिक्षित किया जा रहा है।
- राज्य सरकार के टोल फ्री कॉल सेंटरों के लिए आईवीआरएस आधारित डिजिटल कॉल सेंटर, एसएमएस और ई–मेल के माध्यम से जनशक्ति और बैक–एंड समर्थन प्रदान करने सहित ई–शिकायत निवारण समाधानों को क्रियान्वित करना। केंद्र पिछले चार दशकों से पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ (यूटी) के बिजली बोर्डों/निगमों को सफलतापूर्वक सेवाएँ प्रदान कर रहा है। इसके अतिरिक्त, पंजाब राज्य के मृत्यु और जन्म रजिस्टरों का डिजिटलीकरण केंद्र द्वारा किया जा रहा है और वर्तमान में इसे दो जिलों अर्थात् पटियाला और एसबीएस नगर के लिए पायलट आधार पर कार्यान्वित किया गया है।
- नाइलिट चंडीगढ़ एवं आईआईटी रोपड़ ने संयुक्त रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग एवं आईओटी में अभ्यर्थियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम, कार्यशालाएं और वेबिनार आयोजित किए।
- नाइलिट चंडीगढ़ ने मई, 2023 में अपने रोपड़ परिसर में 25वीं निदेशक बैठक आयोजित की, जिसका विषय "इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और उभरती प्रौद्योगिकियों में कौशल विकास" था । इस बैठक की अध्यक्षता नाइलिट के महानिदेशक डॉ. एम.एम. त्रिपाठी द्वारा की गई। मुख्य अतिथि, प्रोफेसर राजीव आहूजा, निदेशक, आईआईटी रोपड़ ने रोपड़ में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण इकाई स्थापित करने पर बल दिया।

महत्वपूर्ण बिंदु

- नाइलिट चंडीगढ़ ने अपने रोपड़ परिसर में नाइलिट हरिद्वार एवं नाइलिट शिमला के सहयोग से जॉब फेयर2023 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। विभिन्न आई टी/गैर आईटी क्षेत्रों के तीस (30) नियोक्ताओं ने प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया तथा विभिन्न नौकरियों के लिए अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट किया। चंडीगढ़, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड से 500 छात्र जॉब फेयर के लिए पंजीकृत हुए तथा साक्षात्कार में सम्मिलित हुए। विभिन्न कंपनियों द्वारा 200 से अधिक अभ्यर्थियों को शॉर्टलिस्ट/चयनित/पैनल किया गया।
- केंद्र ने वर्तमान बीसीए और बीएससी पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला से संबद्धता सहित वर्ष 2023–24 से डेटा विज्ञान में विशेषज्ञता के साथ कंप्यूटर विज्ञान में एमएससी पाठ्यक्रम शुरू किया है।

शिलांग

केंद्र का इतिहास

वर्ष 2010 में, नाइलिट शिलांग की स्थापना डीओईएसीसी केंद्र के रूप में की गई थी तथा वर्ष 2011 में, इसका नाइलिट के रूप में पुनःनामांकरण किया गया। नाइलिट शिलांग ने मेघालय राज्य में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रतिष्ठित प्रशिक्षण संस्थान के रूप में अपनी पहचान बनायी है। केंद्र ने अपनी स्थापना के बाद से अब तक 24058 से अधिक छात्रों को प्रशिक्षित किया है। मेघालय की आबादी मुख्य रूप से अनुसूचित जनजाति की है, इसलिए नाइलिट शिलांग अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति की आबादी के लिए भारत सरकार की विभिन्न योजनाओं को कार्यान्वित कर रहा है। क्षमता–निर्माण गतिविधियों में सहयोग हेतु मेघालय के तुरा में एक विस्तार केंद्र भी है। अभी, शिलांग केंद्र को मावडियांग, न्यू शिलांग टाउनशिप में सरकार द्वारा अपने स्थायी परिसर के लिए 10 एकड़ भूमि प्रदान की गई है, जिसका यथासमय परिचालन कर दिया जाएगा।

कार्यबल

नियमित वैज्ञानिक एवं तकनीकी 06

गैर– वैज्ञानिक एवं तकनीकी 02

संविदात्मक : 15

परियोजना आधारित : शून्य

कारोबार : 250.04 (रु. लाख में)

केंद्र प्रमुख

श्री शांतनु बोरगोहेन
वैज्ञानिक–ई एवं डीआईसी

पूर्ण पता

नाइलिट शिलांग, द्वितीय तल, एमएसएचएफसीएस लिमिटेड बिल्डिंग, बेथनी अस्पताल के पीछे, नॉनग्रिम हिल्स, शिलांग, मेघालय–793003

सम्पर्क करने का विवरण

फोन: (0364) 2520166 / 2520177
ईमेल: dir-Shillong@nielit.gov.in
वेबसाइट: https://nielit.gov.in/shillog/ index.php

विस्तार केंद्र

तुरा

विस्तार केंद्र का पता

नाइलिट तुरा डाकोपग्रे (डिक्की बंदी स्टेडियम के पास)
तुरा, पश्चिमी गारो हिल्स जिला
मेघालय – 794101

राज्य क्षेत्राधिकार

मेघालय

उत्कृष्टता का क्षेत्रा:

- चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स
- साइबर फोरेंसिक
- वेब या मोबाइल प्रौद्योगिकी
- आईओटी

प्रदत्त पाठ्यक्रम:

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- 'ओ'–स्तर (आईटी)
- 'ए' स्तर (आईटी)
- सीएचएमटी – ओ स्तर

ख) लघु अवधि पाठ्यक्रम

- कम्प्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम (सीसीसी)।
- ईसीजी और आईसीसीयू उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव।
- कॉर्पोरेट ग्राहकों के लिए अनुकूलित प्रशिक्षण कार्यक्रम।
- सौर ऊर्जा, स्थापना, संचालन और रखरखाव।
- आई ओ टी, मशीन लर्निंग, वेब टेक्नोलॉजी पर इंटर्नशिप कार्यक्रम।
- आईटीईएस बीपीओ, सॉफ्ट स्किल्स और कम्युनिकेटिव इंग्लिश में सर्टिफिकेट कोर्स।
- प्रमाणित कंप्यूटर अनुप्रयोग लेखा और प्रकाशन सहायक।
- कृत्रिम बुद्धिमता एसोसिएट।
- आई ओ टी (इंटरनेट ऑफ थिंग्स)

वर्ष 2023–24 की अवधि के दौरान मुख्य विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- नाइलिट शिलांग में दिनांकः 4 से 15 सितंबर, 2023 तक दो सप्ताह का ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम ''मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरणों की मरम्मत और रखरखाव'' सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। डिप्लोमा इन मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स, तुरा पॉलिटेक्निक के कुल 06 छात्रों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।
- केंद्र ने नाइलिट ईटानगर के संकायों हेतु संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया, जिसके अंतर्गत दिनांक 18.07.2023 से 22.07.2023 तक "सौर ऊर्जा स्थापना संचालन एवं रखरखाव" पर एक सप्ताह का मास्टर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- नाइलिट शिलांग ने दिनांकः 01/08/2023 को कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया। इसमें कुल 60 छात्रों ने भाग लिया।

महत्वपूर्ण बिंदु

नाइलिट शिलांग ने दिनांक 5 दिसंबर, 2023 को शिलांग के रोजगार कार्यालय में संभागीय रोजगार कार्यालय, शिलांग श्रम विभाग, मेघालय सरकार के सहयोग से 'रोजगार मेला 2023' का सफलतापूर्वक आयोजन किया है।

इस रोजगार मेले जॉब फेयर में श्रीमती एंजल खारवानलांग, सहायक निदेशक, रोजगार प्रभागीय रोजगार कार्यालय, शिलांग, श्री एलन जिरवा नोडल अधिकारी, मॉडल कैरियर सेंटर, शिलांग, रोजगार अधिकारी, डीईसीटी मेघालय, श्री शांतनु बोरगोहेन, निदेशक प्रभारी, नाइलिट शिलांग, के अतिरिक्त नाइलिट शिलांग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। इस रोजगार मेले में कुल 180 छात्रों ने भाग लिया। इस रोजगार मेले में कुल 41 छात्रों को शॉर्टलिस्ट किया गया।

शिमला

केंद्र का इतिहास

वर्ष 1995 में, नाइलिट, शिमला की स्थापना सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी (आई ई सी टी) के क्षेत्रों में पेशेवर सेवाएँ प्रदान करने हेतु की गई थी। यह इस क्षेत्र का एक अग्रणी संस्थान है जिसका मुख्य केंद्र शिमला एवं विस्तार केंद्र कसुम्पटी, मंडी में है। केंद्र का सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी (आई ई सी टी) के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता विकसित करने का निरंतर प्रयास रहा है। यह स्पष्ट नीतियों पर आधारित आईटी कॉर्पोरेट है तथा इसके विभिन्न रूप से संचालन का उद्देश्य अपने ग्राहकों को आईटी समाधानों एवं उत्पादों का संपूर्ण पैकेज प्रदान करना है। हम दृढ़ डिजाइन सिद्धांतों, उच्चतम स्तर की गुणवत्ता और नैतिक व्यावसायिक अभ्यासों द्वारा संचालित अत्यधिक कुशल कार्यबल के माध्यम से लागत प्रभावी, यथासमय बाजार में उपलब्ध समाधान सुनिश्चित करते हैं। हम सेवा वितरण में उत्कृष्टता के माध्यम से अपने ग्राहकों को संतुष्ट करने का निरंतर प्रयास करते हैं। केंद्र का उद्देश्य सूचना, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) के समस्त पहलुओं पर ज्ञान का प्रसार करना है, ताकि उपयोगकर्ता को अधिकतम संतुष्टि मिल सके और इसके हेतु उत्तम ट्रैक रिकॉर्ड भी बनाया है। यह केंद्र समय–समय पर आकलन की गई आवश्यकताओं के आधार पर ग्राहकों के विभिन्न वर्गों को विशेष सेवाएँ प्रदान करता है।

कार्यबल

नियमित	वैज्ञानिक एवं तकनीकी 06
	गैर– वैज्ञानिक एवं तकनीकी 02
संविदात्मक	: शून्य
परियोजना आधारित	: 20

कारोबार : 7,787.80 (रु. लाख में)

केंद्र प्रमुख

श्री राजीव अग्रवाल
निदेशक

पूर्ण पता

नाइलिट शिमला, सीडरवुड बिल्डिंग,
लोअर जाखू रोड, शिमला हिमाचल प्रदेश 171001

सम्पर्क करने का विवरण

फोनः 0177-2804216, 9815606510
ईमेलः dir-shimla@nielit.gov.in
वेबसाइटः https://nielit.gov.in/shimla/ index.php

विस्तार केंद्र

मंडी विस्तार केंद्र
हिमाचल प्रदेश
(शिमला में भी एक उपकेंद्र उपलब्ध है)

विस्तार केन्द्र का पता

(क) नाइलिट मंडी, बस स्टैंड के समीप, मांडव बिल्डिंग, पड्डल ग्राउंड, मंडी, हिमाचल प्रदेश 175001
(ख) नाइलिट शिमला उप केंद्र, कसुम्पटी, एसडीए कॉम्प्लेक्स, ब्लॉक नंबर 24, कसुम्पटी, शिमला, हिमाचल प्रदेश–171009, 0177–2629803

संपर्क विवरण

1) श्री.राजीव अग्रवाल, नाइलिट शिमला और उपकेंद्र कसुम्पटी, शिमला
2) श्री संजीव सूरी, प्रभारी अधिकारी, नाइलिट शिमला विस्तार केंद्र, मंडी, 09876601897

राज्य क्षेत्राधिकार

हिमाचल प्रदेश

उत्कृष्टता का क्षेत्रः

- आईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स में शैक्षिक प्रशिक्षण,
- क्षमता निर्माण

प्रदत्त पाठ्यक्रमः

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- ओ–स्तर (आईटी)
- ए– स्तर (आईटी)
- कंप्यूटर एप्लीकेशन एवं डेस्क टॉप पब्लिशिंग में डिप्लोमा (डीसीएडीटीपी),
- कंप्यूटर एप्लीकेशन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीसीए)

ख) लघु अवधि पाठ्यक्रमः

- आई ओ टी, एआई आदि उभरती हुई प्रौद्योगिकियाँ
- पीएचपी, पायथन, डॉटनेट, जावा आदि प्रोग्रामिंग भाषा
- कार्यालय स्वचालन, टैली आदि
- डीएलसी पाठ्यक्रम।

वर्ष 2023–24 की अवधि के दौरान मुख्य विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- केंद्र आउटसोर्स आधार पर राज्य सरकार की ई–गवर्नेंस परियोजनाओं के लिए सुविधा प्रबंधन का संचालन कर रहा है।
- केंद्र सामाजिक न्याय और अधिकारिता विभाग, हिमाचल प्रदेश सरकार के माध्यम से अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/अल्पसंख्यक के उत्थान के लिए प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित कर रहा है।
- नाइलिट शिमला केन्द्र हिमाचल प्रदेश राज्य सरकार के विभागों को सार्वजनिक ई–गवर्नेंस समाधानों के क्रियान्वयन तथा तकनीकी एवं परिचालन जनशक्ति उपलब्ध कराकर उनकी आईटी सेवाओं के संचालन में सुविधा प्रदान कर रहा है।
- केंद्र इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा वित्तपोषित परियोजनाओं जैसे; 'आईईसीटी के क्षेत्र में आकांक्षी जिलों में युवाओं का कौशल विकास, जिससे रोजगार क्षमता में वृद्धि हो'", कार्य आधारित शिक्षण कार्यक्रम आदि को क्रियान्वित कर रहा है।
- नाइलिट शिमला एवं इसका विस्तार केंद्र डीजीई, एमओएलएंडई द्वारा वित्त पोषित एससी/एसटी जॉब सिकर्स हेतु आईटी ओ एवं सीएचएमटी–ओ स्तर पर प्रशिक्षण आयोजित कर रहा है।
- नाइलिट शिमला पीएमकेवीवाई 3.5 के अंतर्गत एनएसक्यूएफ पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण आयोजित कर रहा है।
- शासकीय महाविद्यालय घुमारवीं, जिला–बिलासपुर में "उत्कृष्ट महाविद्यालय योजना" के अंतर्गत प्रशिक्षण आयोजित किया गया।
- नाइलिट शिमला ने सैन्य अधिकारियों हेतु अगस्त, 2023 से फरवरी, 2024 तक नाइलिट–"ओ" स्तर प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया।
- नाइलिट शिमला एवं मंडी ने अक्टूबर–दिसंबर, 2023 के दौरान कार्यालय स्वचालन, सोशल नेटवर्किंग और साइबर सुरक्षा संबंधी आधारभूत अवधारणाओं पर राज्य सरकार के अधिकारियों सहित कुल 90 प्रतिभागियों के लिए 03 दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया।

सेना के अधिकारियों हेतु आईटी 'ओ' स्तर पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण

हिमाचल प्रदेश विद्युत बोर्ड का कॉर्पोरेट प्रशिक्षण

शिमला

महत्वपूर्ण बिंदु

हिमाचल प्रदेश कौशल विकास निगम (एचपीकेवीएन) के सहयोग से नाइलिट शिमला एचपीकेवीएन शिमला द्वारा वित्तपोषित कौशल विकास पाठ्यक्रमों पर प्रशिक्षण प्रदान कर रहा है। कार्यक्रम के अंतर्गत इसके संबद्ध केंद्रों (हिपा–नाइलिट चंबा) और दूरस्थ उपग्रह केंद्रों की सहायता से अल्पकालिक और दीर्घकालिक पाठ्यक्रमों में प्रशिक्षण सफलतापूर्वक प्रारम्भ किया गया।

श्रीनगर

केंद्र का इतिहास

वर्ष 1982 में, केंद्र की स्थापना तत्कालीन इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग (डीओई) (वर्तमान में, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय), जम्मू–कश्मीर राज्य औद्योगिक विकास निगम और कश्मीर विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से की गई थी, जिसका उद्देश्य शैक्षणिक संस्थानों और उद्योगों के बीच के अंतर को कम करना था। वर्ष 2002 में, केन्द्र का डीओईएसीसी संस्था में विलय कर दिया गया तथा पुनः वर्ष 2011 में, इसका नाम परिवर्तित कर नाइलिट कर दिया गया।

केंद्र छात्रों एवं पेशेवरों के कौशल संवर्धन हेतु व्यावहारिक उन्मुख अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अतिरिक्त औपचारिक और अनौपचारिक दोनों प्रकार से पाठ्यक्रम संचालित करता है। इसने इग्नू, ओरेकल, सिस्को जैसे; संगठनों के साथ अकादमिक समन्वय किया है तथा छात्रों की प्लेसमेंट की सुविधा हेतु शीर्ष आईटी/आईटीईएस कंपनियों के साथ संबंध विकसित किए हैं। केंद्र उभरती प्रोद्योगिकियों जैसे एआई एवं एमएल, आई ओ टी, साइबर सुरक्षा आदि में उच्च स्तरीय प्रशिक्षण प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, केंद्र जम्मू और कश्मीर यूटी के विभिन्न सरकारी विभागों को सॉफ्टवेयर विकास समाधान प्रदान करने में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। इसके अतिरिक्त, केंद्र वायरलेस सेंसर नेटवर्क जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों में भी भूमिका निभा रहा है। केंद्र एक अग्रणी परामर्श संगठन के रूप में उभरा है तथा इसे ई–गवर्नेंस परियोजना के कार्यान्वयन में जम्मू और कश्मीर सरकार के आईटी सलाहकार के रूप में नामित किया गया है।

कार्यबल

नियमित	वैज्ञानिक एवं तकनीकी 19
	गैर– वैज्ञानिक एवं तकनीकी 11
संविदात्मक	: 23
परियोजना आधारित	: 21

कारोबार : 1,493.75 (रु. लाख में)

केंद्र प्रमुख

श्री अशाक हुसैन डार
प्रभारी निदेशक

पूर्ण पता

सिडको इलेक्ट्रॉनिक्स कॉम्प्लेक्स, रंगरेथ श्रीनगर–191132

सम्पर्क करने का विवरण

फोनः 0194-2300501, 2300502
ईमेलः dir-srinagar@nielit.gov.in
वेबसाइटः https://nielit.gov.in/srinagar/ index.php

विस्तार केंद्र

नाइलिट जम्मू

विस्तार केंद्र का पता

नाइलिट जम्मू, नया परिसर जम्मू विश्वविद्यालय,
डॉ. बीआर अंबेडकर रोड, जम्मू–180006

संपर्क

फोनः 0194-2300501, 2300502,
0191-2455515, 2433845

राज्य क्षेत्राधिकार

जम्मू और कश्मीर

उत्कृष्टता का क्षेत्राः

- सूचना/साइबर सुरक्षा
- एआई एमएल

प्रदत्त पाठ्यक्रमः

क) दीर्घकालिक पाठ्यक्रम

- एमसीए
- एमएससी आईटी
- बीसीए
- बीएससी–आईटी

ख) लघु अवधि पाठ्यक्रम

- डेटा साइंस और मशीन लर्निंग के साथ पायथन
- ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी
- संवर्धित एवं आभासी वास्तविकता
- डॉट नेट प्रौद्योगिकी
- इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आई ओ टी)
- साइबर सुरक्षा
- पी एच पी एवं मायएस क्यू एल
- ऑटो सीएडी
- बिग डेटा हडोप डेवलपर
- सीसीएनए
- सी और सी++ में प्रोग्रामिंग
- कोर जावा में प्रोग्रामिंग
- क्लाउड कम्प्यूटिंग
- एंड्रॉइड एप्लिकेशन डेवलपमेंट
- इलेक्ट्रिकल ऑटो सीएडी
- जीएसटी के साथ वित्तीय लेखांकन (टैली)
- पीसी असेंबलिंग और परीक्षण
- एंबेडेड सिस्टम
- फ़ायरवॉल प्रशासन
- डेटाबेस प्रशासन
- वेब डिजाइनिंग
- सीसीसी
- मैटलैब प्रोग्रामिंग
- ओरेकल डाटाबेस प्रशासक

वर्ष 2023–24 की अवधि के दौरान मुख्य विशेषताएं एवं उपलब्धियां

- नाइलिट जम्मू–कश्मीर श्रीनगर ने एक बालकों एवं एक बालिकाओं के दो छात्रावास भवन निर्मित किए हैं, प्रत्येक का निर्मित क्षेत्रफल 1222 वर्ग मीटर है तथा प्रत्येक में 50 छात्रावासियों को रहने की क्षमता है।
- दिनांक 26 मई, 2023 को नाइलिट श्रीनगर में फ्यूचर स्किल ओरिएंटेशन एंड मेंटरशिप प्रोग्राम के अंतर्गत "फ्यूचर करियर काउंसलिंग एवं करियर गाइडेंस" पर एक वेबिनार आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य व्यक्तियों को उनके भविष्य के करियर संभावनाओं के संबंध में मूल्यवान अंतर्दृष्टि एवं मार्गदर्शन प्रदान करना तथा उन्हें तेजी से विकसित हो रहे जॉब मार्केट में सफलता प्राप्त करने हेतु आवश्यक कौशल से युक्त करना है।
- नाइलिट ने दिनांक 28 व 29 फरवरी, 2024 को को जम्मू विश्वविद्यालय के इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग में 'इंटरनेट ऑफ थिंग्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की, जिसमें लगभग 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

- भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के अधिकारियों को उन्नत स्तरीय नेटवर्किंग, लिनक्स/यूनिक्स प्रशासन में प्रशिक्षण प्रदान किया गया (एएआई से अनुमोदन प्राप्त हुआ)।
- 24 महिला अभ्यर्थियों के लिए डीएससीआई एवं माइक्रोसॉफ्ट द्वारा प्रायोजित तथा प्रबंधित "साइबर शिक्षा" शीर्षक पर 4 माह का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।
- नाइलिट जम्मू ने 'टैली का उपयोग करके लेखा प्रबंधन' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम बैच का समापन किया। यह कार्यक्रम विशेष रूप से जम्मू विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के लिए डिज़ाइन किया गया था। प्रशिक्षण में कुल 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में टैली सॉफ़्टवेयर पर व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करके व्यावहारिक शिक्षा पर बल दिया गया, जहाँ प्रतिभागियों को अपने ज्ञान का वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों में उपयोग करने का अवसर मिला।

- नाइलिट श्रीनगर ने भारतीय सेना की जेएकेएलआई रेजिमेंट के अभ्यर्थियों के लिए उन्नत नेटवर्किंग, साइबर सुरक्षा, पीसी असेंबलिंग एवं रखरखाव पर 4 सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया, जिसमें कुल 35 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया।
- आकांक्षात्मक प्रशिक्षण परियोजना के लिए जिला प्रशासन बारामुल्ला से प्रशंसा पुरस्कार प्राप्त किया।
- जम्मू–कश्मीर में लगभग 480 जेएनवी छात्रों को इंटर्नशिप प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- स्कूल शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों के लिए प्रौद्योगिकी प्रदर्शन एवं कैरियर परामर्श हेतु औद्योगिक भ्रमण, जिसमें लगभग 1000 से अधिक अभ्यर्थियों को भ्रमण की सुविधा प्रदान की गई।
- नाइलिट जम्मू और कश्मीर ने जम्मू में नाबार्ड अधिकारियों के लिए 4 दिवसीय एडवांस्ड एक्सेल प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया है। इस सत्र में बैंकिंग अनुप्रयोगों एवं डेटा प्रबंधन हेतु उपयोग की जाने वाली एक्सेल सुविधाओं को सम्मिलित किया गया है।
- नाइलिट जम्मू ने जम्मू विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के छात्रों हेतु "एडवांस्ड एक्सेल" पर 3 सप्ताह का प्रशिक्षण कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न किया। कुल 31 उत्साही छात्रों ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

महत्वपूर्ण बिंदु

- **मेगा जॉब फेयर "युवा रोजगार मंच"**: नाइलिट श्रीनगर ने दिनांकः 26 नवंबर, 2023 को एक मेगा जॉब फेयर "युवा रोज़गार मंच" का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में कुल 800 अभ्यर्थियों ने भाग लिया। कुल 20 कंपनियों ने आईटी एवं अन्य क्षेत्रों में विभिन्न रोजगार की पेशकश की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में बडगाम के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) श्री अक्षय लाबरू तथा केंद्र शासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर के रोजगार निदेशक श्री निसार ए वानी ने जॉब फेयर का उद्घाटन किया।

- **नाइलिट श्रीनगर में रोजगार मेलाः** मॉडल करियर सेंटर (एमसीसी) नाइलिट जम्मू और कश्मीर, श्रीनगर ने मॉडल करियर सेंटर (एमसीसी) पुलवामा के सहयोग से दिनांक 29 अप्रैल, 2023 को नाइलिट श्रीनगर परिसर में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में लगभग 150 जॉब सिकर्स ने भाग लिया, जिनमें से 25 को आर्यन्स ग्रुप ऑफ कॉलेज, चंडीगढ़, पंजाब में विभिन्न शिक्षण एवं गैर–शिक्षण पदों के लिए चयनित किया गया। चयनित अभ्यर्थियों के बीच ऑफर लेटर वितरित किए गए
- **नाइलिट जम्मू में रोजगार मेलाः** नाइलिट जम्मू ने एनसीएससी जम्मू के सहयोग से दिनांक 3 जनवरी, 2023 और 4 फरवरी, 2023 को 2 दिवसीय कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया। कुल 130 अभ्यर्थी पंजीकृत हुए तथा 15 को शॉर्टलिस्ट किया गया।

सोसायटी के लेखा परीक्षक

नाइलिट, नई दिल्ली वित्तीय वर्ष 2023–24 हेतु नाइलिट मुख्यालय एवं इसके केंद्रों के संबंध में सांविधिक तथा आंतरिक लेखा परीक्षकों की सूची

क्र. सं.	नाइलिट केंद्र	सांविधिक लेखा परीक्षक	लेखा परीक्षा शुल्क	आंतरिक लेखा परीक्षक	लेखा परीक्षा शुल्क
1	औरंगाबाद	एएस बेडमुथा एंड कंपनी, चार्टर्ड अकाउंटेंट, ओ–1, एज आर्केड, उस्मानपुरा, औरंगाबाद. (एमएस) – 431 005 फोन नं.: 2321392, 2358566 ई–मेल-asbedmutha@yahoo.co.in	33,960/-	भोलाने शिलवंत एंड कंपनी (सीए) ए–5, माणिक अपार्टमेंट, दिवेकर प्लाजा के पीछे, देवगिरीकॉलेज रोड, पदमपुर, औरंगाबाद – 431 005	25,200/-
2	अगरतला	कौशिक देबनाथ एंड एसोसिएट्स (सीए) लेनिन सारणी, पुरानी नगर पालिका रोड (नाथ भंडार के पास) अगरतला, त्रिपुरा (पश्चिम) –799001 मोबाइल–8787591218/9436167893 ई–मेल-cakoushik2012@gmail.com	27,240/-	कुमार प्रशांत एंड एसोसिएट्स तीसरी मंजिल, शंकर पाल, शिव शंकर सेनेटरी और हार्डवेयर स्टोर, कल्याण समिति के पास, एडी नगर, अगरतला – 799003 टेली.: 03812376215	13,200/-
3	आइजोल	एकेएएस एंड एसोसिएट्स (सीए) टी–5/बी, केएस थांगा बिल्डिंग, स्वच्छता कार्यालय के पास, आइजोल कॉलेज के पीछे, तुइखुआहत्लांग, आइजोल, मिजोरम–796001 मोबाइल–8777021042, 8259947688 ई–मेल-info_aizawl@akasassociates.com	18,000/-	नितीश अग्रवाल एंड कंपनी (सीए) एमसी/3, चाल्टलांगवेंगलाई, हाउस ऑफ लेट वीएल रेमा, विकलांग व्यक्ति आयुक्त कार्यालय के पास (पीडब्ल्यूडी कार्यालय), मिजोरम–796012, आइजोल। मोबाइल–9485140614, 09864785485 ई–मेल-agarwallanitish@gmail.com	30,000/-
4	अजमेर (पाली सहित)	ताम्बी अशोक एंड एसोसिएट्स (सीए) बी–19 पदम निवास न्यू कॉलोनी एमआई रोड जयपुर 302001 फ़ोन: 0141403384; एमबी. 9414071078 ई–मेल-tambiashokassociates@gmail.com	13,800/-	सुनील पोरवाल एंड कंपनी (सीए) राधे प्रेम, 19ए, सोभाग क्लब, सिविल लाइन्स, अजमेर – 305001, राजस्थान मोबाइल– +911452620407 ई–मेल-office@sunilporwal.com	16,800/-
5	कालीकट	अजय एंड एसोसिएट्स (सीए) 5/1210, एम कनारन रोड, पूर्व नादक्कवे जंक्शन, एरनहिपालम पीओकोझिकोड–673006 मोबाइल–9847931012 ई–मेल-ajaye101@yahoo.co.uk	30,000/-	मैसर्स के वी नारायणन कुट्टी एंड कंपनी (सीए) प्रथम मंजिल, विजया मेंशन, एनी हॉलरोड, कालीकट–673002, मोबाइल–09995775650 ई–मेल-kvnkutty@hotmail.com	30,000/-

क्र. सं.	नाइलिट केंद्र	सांविधिक लेखा परीक्षक	लेखा परीक्षा शुल्क	आंतरिक लेखा परीक्षक	लेखा परीक्षा शुल्क
6	चेन्नई	ए. अम्बालाथरासन एंड एसोसिएट्स (सीए) नंबर 21, पंचवर्णम बिल्डिंग, नया नंबर 76, रामेश्वरम रोड, टी. नगर, चेन्नई–600017 मोबाइल– 9443151394 ई–मेल-aambalatharasan@yahoo.com	19,200/-	पीएल एंड एसोसिएट्स विजय विष्णु अपार्टमेंट, 169, एफ2, 15वां सेक्टर, 94वीं स्ट्रीट, के. के. नगर, चेन्नई – 600078	18,000/-
7	रोपड़ (कुरुक्षेत्र सहित)	जेएस एंड एसोसिएट्स (सीए) 683, सेक्टर 8–बी चंडीगढ़–160009 मोबाइल – 9878027183 ई–मेल-jsassociates85@gmail.com	71,400/-	राकेश खन्ना एंड कंपनी (सीए) 50–ए और 50–सी, सेक्टर 44–ए, चंडीगढ़–160047 मोबाइल–9815369590 ई–मेल-ca.rkkhanna@gmail.com	33,600/-
8	गंगटोक	एन. मर्दा एंड एसोसिएट्स (सीए) जल आपूर्ति नियंत्रण कार्यालय के पास 164/1, तिब्बत रोड, गंगटोक, पूर्वी सिक्किम–737101 मोबाइल–94340–23311 ई–मेल-mardanehru@yahoo.com	30,000/-	वाई एम एंड एसोसिएट्स (सीए) जल आपूर्ति नियंत्रण कार्यालय के पास, सोनम ग्यात्सो मार्ग, पूर्वी सिक्किम–737101, गंगटोक मोबाइल–9851589898 ई–मेल-caymarda@gmail.com	14,400/-
9	गुवाहाटी	ए रे चौधरी एंड कंपनी (सीए) एच.ओ –1 फ्लोर, हाउस नं.15, राजाढ़ रोड, बायलेन–2 के सामने, मीरा म्यूजिकल मार्ट के ऊपर – गुवाहाटी–781003 मोबाइल–9864109702 ई–मेल-akhyadhee@yahoo.com	27,180/-	अरुण राठी एंड एसोसिएट्स (सीए) मकान नंबर–183, मुलगाभारू पथ, हातिगांव रोड, दिसपुर, गुवाहाटी – 781 006 मोबली–9864353611 ई–मेल-arunrathi.Ca@gmail.com	14,400/-
10	गोरखपुर	गौरव जी अग्रवाल एंड कंपनी (सीए) 41–बी "गोपाल कुंज", मुखर्जी होमियो हॉल की गली में, बेनीगंज, गोरखपुर–273001, उत्तर प्रदेश मोबाइल–09415211951	48,000/-	दिलीप बदलानी एंड कंपनी (सीए) दूसरा तल, चतुर्वेदी कॉम्प्लेक्स, डिग बंगलो के सामने, 33 कासिया रोड, गोरखपुर–273001, मोबाइल–9532601089 ई–मेल-dbcogkp@gmail.com	18,000/-
11	हरिद्वार	विजय गर्ग एंड एसोसिएट्स, एफ–13, प्रथम तल, सुखदेव कुटीर, ओबीसी बैंक के सामने दादूबाग कनखल, हरिद्वार–249 408	18,000/-	भटनागर नितिन एंड एसोसिएट्स (सीए) सी–4, 2 मंजिल, कार्यालय नं.9, सेक्टर–63, नोएडा 201301 मोबाइल–9990289241 ई–मेल-canitinkrb@gmail.com	14,400/-

क्र. सं.	नाइलिट केंद्र	सांविधिक लेखा परीक्षक	लेखा परीक्षा शुल्क	आंतरिक लेखा परीक्षक	लेखा परीक्षा शुल्क
12	नाइलिट मुख्यालय	एच के दुआ एंड कंपनी (सीए) 309, ज्योति शिखर बिल्डिंग, डिस्ट्रिक्ट सेंटर, जनकपुरी नई दिल्ली–110058 मोबाइल नः 9958364420 ई–मेल-cavikramdheerwas@gmail.com	92,400/-	जीएसीएस एंड एसोसिएट्स (सीए) 124, एसएफ, डिफेंस एन्क्लेव, विकास मार्ग, नई दिल्ली–110092. मोबाइल–9313006697 ई–मेल-Shashifca@gmail.com	1,05,600/-
13	ईटानगर	सिंह जी एंड कंपनी (सीए) बागरा बिल्डिंग, एसबीआई एटीएम बैंक तिनाली के समीप, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश–791111 मोबाइल–7838918967, 9326160062 ई–मेल-inghgandco@gmail.com	20,400/-	अनूप शर्मा एंड एसोसिएट्स किपा कमर्शियल सेंटर, दूसरा तल जी–एक्सटेंशन, नाहरलागुन, अरुणाचल प्रदेश–791110 मोबाइल–9864164816	21,120/-
14	इम्फ़ाल	प्रशांत एन एंड एसोसिएट्स (सीए) सी/ओ बोबोराज एंड कंपनी एमजी एवेन्यू, पीएनबी बिल्डिंग, दूसरा तल, निर्मलबास स्कूल के पास, इम्फ़ाल–795001, मणिपुर मोबाइल–993131343/ 9681159004 ई–मेल-caprashantm@yahoo.com	24,000/-	एआरकेट एंड एसोसिएट्स, दूसरा तल, ताम्पा एबेमा बिल्डिंग, एम जी एवेन्यू, थंगल बाजार, इंफाल–795001 मोबाइल– 9830041328 ई–मेल-arktassociates@gmail.com	14,520/-
15	कोहिमा	एस. डेब्रे एंड एसोसिएट्स (सीए) हाउस नं. बी/111, केजीखे (उत्तरी ब्लॉक), केके एंटरप्राइज के ऊपर/ एचडीएफसी बैंक के सामने, कोहिमा बीआर, कोहिमा– 797001, नागालैंड मोबाइलः 09862089819/ 8974036517 ई–मेल-cadebrav@gmail.com	16,698/-	संजय आर जैन एंड एसोसिएट्स, (सीए) गुरुमुख इमारत, इंडियन बैंक (इलाहाबाद) के समीप, कालीबाड़ी रोड, दीमापुर–797112, नागालैंड, कोहिमा मोबाइल–09862570319 ई–मेल-sanjayseemajain@yahoo.co.in	13,800/-
16	कोलकाता	एसी भौमिक एंड कंपनी (सीए) जीसी–132, साल्ट लेक सिटी कोलकाता–4061–9461 मोबाइल–9830201665 ई–मेल-acbfca32@gmail.com	29,988/-	एसी भूटेरिया एंड कंपनी (सीए) 2, इंडियन इएक्सचेंज प्लेस दूसर तल कक्ष, नं.10, कोलकाता–700001 मोबाइल–23306990,22317128 ई–मेल-m_bhuteria@yahoo.co.in	48,000/-
17	नई दिल्ली	मसार एंड कंपनी (सीए) 6/78, ओल्ड राजेंद्र नगर, नई दिल्ली–110060 संपर्क – 01142630694, 42500125/26 ई–मेल-info@masarindia.com	19,354/-	मेसर्स कुमरा भाटिया एंड कंपनी (सीए) फ्लैट नंबर 8, वसंत एन्क्लेव, नई दिल्ली–110057 मोबाइल–+91–11–41008405, 41008406 ई–मेल-kumrabhatia@hotmail.com	52,800/-

क्र. सं.	नाइलिट केंद्र	सांविधिक लेखा परीक्षक	लेखा परीक्षा शुल्क	आंतरिक लेखा परीक्षक	लेखा परीक्षा शुल्क
18	पटना	रोहतगी आशीष एंड कंपनी (सीए) 316, अशोका प्लेस, एग्जीबिशन रोड, पटना–800001, बिहार मोबाइल–94310348892, 7004822085 ई–मेल-rohatgiashish2003@gmail.com	24,000/-	संजय कुमार झा एंड एसोसिएट्स, मोबाइल–9431003698 ई–मेल-skjapatna@gmail.com	18,000/-
19	श्रीनगर	मेसर्स नजीर एंड एसोसिएट्स एफ–13, औक्वाफ बिल्डिंग, बडशाह चौक, श्रीनगर (जम्मू–कश्मीर) फ़ोन – 01942480566 ई–मेल-nshikari@gmail.com, nshikari@rediffmail.com	79,200/-	गुप्ता अग्रवाल एंड कंपनी (सीए) 331–ए शास्त्री नगर, जम्मू–180004 मोबाइल–9419142214 ई–मेल-consultcagarun@gmail.com	9,108/-
20	शिलांग	डी. दास वी एसोसिएट्स (सीए) प्रथम तल, एमटीसी शॉपिंग आर्केड, विशाल मेगा मार्ट के सामने, जेल रोड, शिलांग–793001 संपर्क–03642500444, 2504670 ई–मेल-ddasgs@rediffmail.com	42,000/-	गौरव सुरेका एंड एसोसिएट्स (सीए) ई गीता भवन, थाना रोड, शिलांग–1 संपर्क–2500424 ई–मेल-cagaurav14@yahoo.com	16,698/-
21	रांची	एएसएन एंड कंपनी (सीए) 306, बलदेव भवन, श्रद्धानंद रोड, अपर बाज़ार, रांची–834001, झारखंड. मोबाइल–9534067333 ई–मेल-asn.ranchi@gmail.com	17,760/-	ए.के. सिंघानिया एंड कंपनी (सीए) 233, तीरथ मेनसन, प्रथम तल, ओवर ब्रिज के समीप, मेन रोड रांची– 834001, झारखंड मोबाइल–9431174269 ई–मेल-aks_ca02@rediffmail.com	18,000/-
22	शिमला	राजीव सूद एंड कंपनी (सीए) 71, मिडिल बाजार, शिमला मोबाइल–9817033330 ई–मेल-rajeevsood_co@yahoo.co.in	27,600/-	पंकज रतन एंड कंपनी (सीए) क्रिस्टल लॉज, ग्राउंड फ्लोर, एलीसियम हिल, भराड़ी रोड, शांकली, शिमला, हिमाचल प्रदेश–17100 मोबाइल–09817060601 ई–मेल-pankajrattansharma@yahoo.co.in	23,760/-
23	लेह	बाबा एंड एसोसिएट्स (सीए) तृतीय तल एसएनएबी कॉम्प्लेक्स, रेड क्रॉस रोड, जेएंडके बैंक के सामने अमीराकदल, श्रीनगर–190001, लेह मोबाइल–9622227979, 9796947098 ई–मेल-caishfaqbaba@gmail.com	18,000/-	यूएसए – कंपनी (सीए) स्तर तृतीय, एआई, मदाद कॉम्प्लेक्स सराय पयीन, आई जी रोड, श्रीनगर–190001 मोबाइल–9622712085, 9419045175 ई–मेल-usacompany.ca@gmail.com	14,400/-
24	भुवनेश्वर	एबीपीएस एंड एसोसिएट्स 182, शहीद नगर, आलोक भारती बिल्डिंग के पीछे, भुवनेश्वर	18,000/-	पीडीआर एंड एसोसिएट्स, प्लॉट नं.एल–3/76, आचार्य विहार, वाटर टैंक के पास, भुवनेश्वर	14,000/-

H.K. DUA & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS
309, Jyoti Shikhar 8, District Centre, Janakpuri, New Delhi-110058
Ph.: 011-25511883, 011-45530162
Email: harshdua@hotmail.com, harshduaca@hotmail.com

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की रिपोर्ट

सेवा में,

महानिदेशक

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट)

सापेक्ष राय

हमने **राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट),** नाइलिट भवन, सेक्टर–8, द्वारका, नई दिल्ली–110077, (जिसे आगे "सोसायटी" के रूप में कहा गया है) के समेकित वित्तीय विवरणों का ऑडिट किया है, जो सोसायटी पंजीकरण अधिनियम 1860 के तहत पंजीकृत एक सोसायटी है, जिसमें 31 मार्च, 2024 तक समेकित तुलन पत्र, उसी तिथि को समाप्त वर्ष हेतु समेकित आय एवं व्यय लेखा तथा समेकित प्राप्ति एवं भुगतान लेखा तथा महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का सारांश और अन्य स्पष्टीकरण संबंधी सूचना सम्मिलित है जिसमें हमारे द्वारा नाइलिट दिल्ली मुख्यालय की रिटर्न, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के समेकित लेखा–विवरणों की लेखा–परीक्षा की गई है तथा तेईस केंद्रों– आइजोल, औरंगाबाद, कालीकट, चंडीगढ़, चेन्नई, गोरखपुर, गुवाहाटी, गंगटोक, इम्फाल, ईटानगर, कोलकाता, कोहिमा, श्रीनगर और जम्मू, अगरतला, शिलांग, नई दिल्ली, अजमेर, पटना, रांची, शिमला, हरिद्वार, लेह एवं भुवनेश्वर के लेखा विवरण अन्य लेखापरीक्षकों द्वारा लेखा–परीक्षित किए गए हैं, जो इसमें सम्मिलित हैं।

हमारी राय में एवं हमारी जानकारी के अनुसार तथा हमें दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, सभी भौतिक मामलों में प्रयोज्य क़ानूनों के अनुसार सोसाइटी के समेकित वित्तीय विवरण तैयार किए जाते हैं। इस रिपोर्ट में शामिल समेकित तुलन–पत्र और आय और व्यय के समेकित विवरण तथा समेकित प्राप्तियां और भुगतान लेखा बहियों और हमारे द्वारा न देखे गए केंद्रों से प्राप्त लेखा–विवरणों के अनुरूप है तथा जो भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों और लेखांकन मानकों के अनुरूप, सही और स्पष्ट स्थिति प्रस्तुत करते हैं।

उचित राय का आधार

हमने आईसीएआई द्वारा जारी ऑडिटिंग (एसए) के मानकों के अनुसार अपना ऑडिट किया है। उन मानकों के तहत हमारी जिम्मेदारियों को आगे हमारी *रिपोर्ट के समेकित वित्तीय विवरण अनुभाग की लेखा–परीक्षा के लिए लेखा–परीक्षक* की जिम्मेदारियों में वर्णित किया गया है। नैतिक आवश्यकताओं के अनुसार हम संस्था से स्वतंत्र है जो वित्तीय विवरणों के हमारे ऑडिट के लिए प्रासंगिक है, और हमने इन आवश्यकताओं के अनुसार अपनी अन्य जिम्मेदारियों को पूरा किया है। हमारा मानना है कि, हमने जो ऑडिट साक्ष्य प्राप्त किए हैं, वे हमारी राय का आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

ध्यान देने योग्य मामले

हम आपका ध्यान अनुसूची 25 के नोट 3 की ओर आकृष्ट करते हैं, जो अशोध्य और संदिग्ध ऋण, असमायोजित ऋण, पुराने

H. K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

चेक, जीएसटी टर्नओवर और देयता में अंतर और असमायोजित अग्रिम/सुरक्षा जमा हेतु प्रावधान से संबंधित मामलों के संबंध में है। आगे, आपका ध्यान राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर की वर्तमान स्थिति के संबंध में वित्तीय विवरणों की अनुसूची 25 के नोट 4 (सी, डी, ई, एफ, जी, एच, जे) एवं समेकित वित्तीय विवरणों में केवल महत्वपूर्ण नोटों के संकलन के संबंध में अनुसूची 25 के नोट संख्या 10 की ओर भी आकृष्ट करते हैं। आकस्मिक देनदारियों संबंधी अनुसूची 25 के नोट संख्या 1 और 4 (ए) की ओर भी ध्यान आकृष्ट किया जाता है।

अनुसूची 25 के नोट संख्या 4(प) की ओर भी ध्यान आकृष्ट किया जाता है, जिसमें जारी किए गए चेकों के संबंध में बताया गया है, किन्तु उन्हें प्रस्तुत नहीं किया गया है। अनुसूची 25 के नोट संख्या 6 की ओर भी ध्यान आकृष्ट किया जाता है, जिसमें वित्तीय विवरणों में बताए गए देनदारों, लेनदारों एवं ऋणों तथा अग्रिमों की पुष्टि की चल रही प्रक्रिया के संबंध में बताया गया है।

हमारे द्वारा लेखापरीक्षित नाइलिट दिल्ली मुख्यालय के मामले में निम्नलिखित बातों पर बल दिया गया

छात्रों और संस्थानों आदि से प्राप्त अग्रिम शुल्क की असमायोजित राशि के संबंध में अनुसूची 24 के नोट संख्या 12 की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है। इसके अतिरिक्त, विविध ऋणदाता अर्थात डीएपीवी की असमायोजित राशि के संबंध में अनुसूची 24 के नोट संख्या 16 की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है।

आगे कर्मचारियों से वसूली योग्य ईपीएफ के संबंध में अनुसूची 24 के नोट 17 की ओर भी ध्यान आकृष्ट किया जाता है। पार्टियों से प्राप्त असमायोजित अग्रिम के संबंध में अनुसूची 24 के नोट 19 की ओर भी ध्यान आकृष्ट किया जाता है तथा आगे देनदारों, लेनदारों, चालू परिसंपत्तियों, चालू देनदारियों और ऋणों तथा अग्रिमों के साथ पुष्टि की चल रही प्रक्रिया के संबंध में अनुसूची 24 के नोट 27 की ओर भी ध्यान आकृष्ट किया जाता है, जो लेखाओं में वसूली योग्य/देय मूल्य पर दर्शाए गए हैं। ऐसे मामलों के संबंध में हमारी राय मान्य नहीं है।

नई दिल्ली केंद्र, कालीकट केंद्र एवं चेन्नई केंद्र के मामले में, उनके लेखापरीक्षकों द्वारा कुछ मामलों की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है, ऐसी रिपोर्टों को संदर्भित किया जा सकता है।

अन्य मामले

हमने आइजोल, औरंगाबाद, कालीकट, चंडीगढ़, चेन्नई, गोरखपुर, गुवाहाटी, गंगटोक, इम्फाल, ईटानगर, कोलकाता, कोहिमा, श्रीनगर और जम्मू, अगरतला, शिलांग, नई दिल्ली, अजमेर, पटना, रांची, शिमला, हरिद्वार, लेह और भुवनेश्वर के वित्तीय विवरणों (रिटर्न के रूप में संदर्भित) का ऑडिट नहीं किया, जैसा कि समेकित वित्तीय विवरणों में देखा जा सकता है।

इन वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा अन्य लेखापरीक्षकों द्वारा की गई है, जिनकी रिपोर्ट प्रबंधन द्वारा हमें उपलब्ध कराई गई है तथा समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय, जहां तक इन केंद्रों के संबंध में सम्मिलित राशियों और प्रकटीकरणों से संबंधित है, पूर्ण रूप से अन्य लेखापरीक्षकों की रिपोर्टों पर आधारित है।

हमारे द्वारा लेखापरीक्षित नाइलिट दिल्ली मुख्यालय के मामले में निम्नलिखित अन्य मामले थेः

यह सूचित किया जाता है कि मेसर्स उमंग सर्विसेज के वित्तीय वर्ष 2021–22 और 2022–23 से संबंधित आस्थगित इनपुट टैक्स क्रेडिट का उपयोग माननीय उच्च न्यायालय के निर्णयों के आधार पर ऑडिट की अवधि के दौरान किया गया है और जीएसटी रिटर्न दाखिल न करने के लिए उक्त पार्टी के खिलाफ माल एवं सेवा विभाग में शिकायत दर्ज की गई है।

एमईआईटीवाई से वसूली योग्य राशि के संबंध में, यह सूचित किया जाता है कि राशि का निपटान एनइएफटी/आरटीजीएस के माध्यम से किया जा चुका है, जैसा कि एमईआईटीवाई ने कहा, इसलिए कुछ भी लंबित नहीं है।

शिमला केन्द्र और गोरखपुर केन्द्र के मामले में, यदि उनके लेखापरीक्षकों द्वारा कुछ मामलों की ओर ध्यान आकृष्ट किया जाता है, तो ऐसी रिपोर्टों को संदर्भित किया जा सकता है।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन और शासन के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों के उत्तरदायित्व

ऐसे आंतरिक नियंत्रण जिसमें प्रबंधन यह निर्धारित करता है कि, समेकित वित्तीय विवरण जो, तथ्यात्मक गलत विवरण, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हों, से मुक्त हैं, के लिए प्रयोज्य कानून व उपनियमों के अनुसार इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने कि ज़िम्मेदारी प्रबंधन कि है।

इन वित्तीय विवरणों को तैयार करने में संस्था का प्रबंधन, संस्था के सामर्थ्य की निरंतरता की धारणा, प्रकटीकरण, जो भी हो, कार्यकलापों से संबन्धित मामले तथा लेखाओं के आधार पर निरंतरता की धारणा का उपयोग चाहे प्रबंधन की परिसमाप्ति का इरादा रखें अथवा संचालन बंद करें अथवा ऐसा करे किन्तु, कोई वास्तविक विकल्प न हों, के निर्धारण के लिए उत्तरदायी है।

संस्था के वित्तीय रिपोटिंग प्रक्रिया की देखरेख के लिए शासन के लिए जिम्मेदार अधिकारी उत्तरदायी है।

वित्तीय विवरणों की लेखापरीक्षा के लिए लेखापरीक्षकों का उत्तरदायित्व

हमारा उद्देश्य इन वित्तीय विवरणों के बारे में उपयुक्त आश्वासन प्राप्त करना है कि यह समेकित वित्तीय विवरण सम्पूर्ण रूप से भौतिक गलत विवरण, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि हो, से मुक्त है, और लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना है, जिसमें हमारी राय शामिल है। उचित आश्वासन एक उच्चस्तरीय आश्वासन होता है, लेकिन, यह कोई गारंटी नहीं है, कि एस.ए. के अनुसार किए गए ऑडिट में, हमेशा भौतिक गलत विवरणों, जो निहित हों, का पता लगेगा। गलत विवरण धोखाधड़ी या गलती से उत्पन्न हो सकते हैं और यदि पृथक या समग्र रूप से इन समेकित वित्तीय विवरणों के आधार पर उपयोगकर्ता द्वारा लिए गए वित्तीय निर्णय उपयुक्ततः प्रभावित किए जाने की संभावना हो तो वे महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

एस.ए. के अनुसार लेखा परीक्षा के भाग के रूप में हम पेशेवर अनुमान का प्रयोग करते हैं तथा सम्पूर्ण ऑडिट के दौरान व्यवसायिकी संशयात्मकता बनाए रखते हैं। जिन केन्द्रों के लिए हमने ऑडिट किया है, हमने निम्नलिखित उपाय (इसके बाद ''अतिरिक्त उपाय केआर रूप में संदर्भित '') भी किए हैं।

- समेकित वित्तीय विवरण के भौतिक गलत विवरण के जोखिमों की पहचान करना और उनका आकलन करना, चाहे धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण हो, उन जोखिमों के लिए उत्तरदायी प्रक्रियाओं को तैयार और निष्पादित करना, और ऑडिट साक्ष्य प्राप्त करना जो, हमारी राय के लिए आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उचित हों। धोखाधड़ी के परिणामस्वरूप होने वाली सामाग्री के गलत विवरण का पता नहीं लगाने का जोखिम, त्रुटि के परिणामस्वरूप होने वाले एक से अधिक है, क्योंकि धोखाधड़ी में मिलीभगत, जालसाजी, जानबुझकर चूक, गलतबयानी या आंतरिक नियंत्रण के ओवरराइड सम्मिलित हो सकते हैं।
- ऑडिट से संबन्धित आंतरिक नियंत्रणों की जानकारी प्राप्त करना ताकि परिस्थितियों के अनुसार उपयुक्त ऑडिट प्रक्रियाएँ तैयार की जा सके, लेकिन यह सोसायटी के आंतरिक नियंत्रण की प्रभावशीलता पर राय देने के प्रयोजन के लिए नहीं है।

- उपयोग की गई लेखांकन नीतियों की उपयुक्तता और प्रबंधन द्वारा किए गए लेखांकन अनुमानों और संबन्धित खुलासों की तर्कशीलता का मूल्यांकन करना।

- प्रबंधन द्वारा लेखांकन के लिए चालू संस्था आधार का उपयोग किए जाने की औचित्ययता, और प्राप्त ऑडिट साक्ष्य के आधार पर, घटनाओं या परिस्थितियों से संबन्धित महत्वपूर्ण अनिश्चितता विद्यमान है या नहीं, जिससे चालू संस्था के रूप में सोसाईटी के सामर्थ पर महत्वपूर्ण संदेह उत्पन्न होते हों, पर निष्कर्ष देना है। यदि हम निष्कर्ष देते है कि, भौतिक अनिश्चितताएं विद्यमान हैं तो, हमें वित्तीय विवरणों से संबन्धित प्रकटीकरण के लिए अपनी ऑडिट रिपोर्ट में ध्यान आकृष्ट करना आवश्यक है अथवा यदि ऐसा प्रकटीकरण अपर्याप्त है तो हमारी राय को संशोधित करें। हमारे निष्कर्ष, आडिटर रिपोर्ट की तिथि तक प्राप्त आडिट साक्ष्य के आधार पर हैं तथापि, भविष्य में, घटनाएँ या परिस्थितियाँ सोसाईटी की निरंतरता की धारणा के सतत क्रम में अवरोध उत्पन्न कर सकती हैं।

शासन के लिए जिम्मेदार अधिकारियों को हम यह विवरण देते हैं कि हमने स्वायत्ता के संबंध में प्रासंगिक नैतिक अपेक्षाओं का अनुपालन किया है और उन सभी रिश्तों पर अन्य मामलों के साथ संवाद करने के लिए जो हमारी स्वायत्ता पर और जहां लागू हो, संबन्धित सुरक्षा उपायों के बारे में यथोचित रूप से सोचा जा सकता है।

हम शासन के लिए जिम्मेदार अधिकारियों से अन्य मामलें में ऑडिट के योजनाबद्ध कार्य व समय और महत्वपूर्ण लेखा परीक्षा परिणामों जिसमें हमारे ऑडिट के दौरान पहचान की गई आंतरिक नियंत्रण में महत्वपूर्ण कमियाँ भी शामिल हैं के बारे में विचार विमर्श कर सकते हैं।

उन केन्द्रों के लिए जिनका हमने ऑडिट नहीं किया है और अन्य ऑडिटर्स द्वारा ऑडिट किया गया है जिनकी रिपोर्ट हमें प्रबंधन द्वारा प्रस्तुत की गई है, तदनुसार हमने उपर्युक्त अतिरिक्त उपाय करने के लिए उन ऑडिटर्स पर भरोसा किया गया है।

कृते एचके दुआ एंड कंपनी

चार्टर्ड अकाउंटेंट

एफआरएनः 000581एन

विक्रम धीरवास

भागीदार

सदस्यता संख्या 422199

स्थानः नई दिल्ली

दिनांकः 06.09.2024

यूडीआईएनः 24422199ठज्ञठव्ब्स8286

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट)

(इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय)

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
देयताएं			
समेकित/ पूंजीगत निधि	1	7,48,70,19,173	7,04,56,54,718
सरकार से प्राप्त	2	2,84,38,88,256	2,96,50,68,552
अनुदान सहायता (ख) प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त निधि	2 क	23,67,43,394	74,67,07,268
आरक्षित एवं अधिशेष	3	16	17
निर्धारित/बंदोबस्ती निधि इयरमार्क्ड/एडाउमेंट निधि	4	5,31,35,85,827	4,80,53,55,476
सुरक्षित ऋण एवं उधारी	5	-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधारी	6	-	-
वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	7	2,79,44,30,475	2,81,99,87,405
कुल		**18,67,56,67,141**	**18,38,27,73,436**
परिसम्पत्तियाँ			
स्थिर परिसम्पत्तियाँ	8	1,08,89,71,124	1,20,73,34,291
स्थिर परिसम्पत्तियाँ – प्रायोजित परियोजनाएं	8-एक	1,79,42,31,121	78,80,73,587
स्थिर परिसम्पत्तियाँ – सोसायटी के अधिशेष पूंजी से	8-बी	48,20,33,668	40,47,30,975
पूंजीगत निर्माणाधीन कार्य	9	61,11,10,948	1,38,91,83,869
इयरमार्क्ड/ एनडाऊमेंट निधि का निवेश	10	3,82,12,30,553	3,66,54,85,196
निवेश अन्य	11	17,15,85,405	16,17,06,411
वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण, पेशगियाँ आदि।	12	10,70,65,04,322	10,76,62,59,107
कुल		**18,67,56,67,141**	**18,38,27,73,436**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां लेखाओं पर टिप्पणियाँ	24 25		

हमारी इस तारीख की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार,
एचके दुआ एंड कंपनी के लिए
शासपत्रित लेखाकर
एफआरएन 000581एन

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 06-09-2024

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

(सीए विक्रम धीरवास)
(भागीदार)
एम. नं. 422199

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट)

(इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय)

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	नाइलिट	एनपीआर परियोजना	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष नाइलिट	गत वर्ष एनपीआर	गत वर्ष
देयताए							
समेकित/ पूंजीगत निधि	1	5,55,26,25,697	1,93,43,93,476	7,48,70,19,173	5,10,93,56,562	1,93,62,98,156	7,04,56,54,718
सहायता अनुदान	2	2,84,38,88,256	-	2,84,38,88,256	2,96,50,68,552	-	2,96,50,68,552
सहायता अनुदान (ख) प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त आय	2-क	23,67,43,394	-	23,67,43,394	74,67,07,268	-	74,67,07,268
आरक्षित एवं अधिशेष	3	16	-	16	17	-	17
इयरमार्क्ड/एडाउमेंट निधि	4	1,06,04,73,293	4,25,31,12,534	5,31,35,85,827	96,21,77,236	3,84,31,78,240	4,80,53,55,476
सुरक्षित ऋण एवं उधार	5	-	-	-		-	-
असुरक्षित ऋण एवं उधार	6	-	-	-	-	-	-
वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान	7	1,89,70,64,789	89,73,65,686	2,79,44,30,475	1,92,29,39,703	89,70,47,702	2,81,99,87,405
योग		**11,59,07,95,445**	**7,08,48,71,696**	**18,67,56,67,141**	**11,70,62,49,338**	**6,67,65,24,098**	**18,38,27,73,436**
परिसम्पत्तियाँ							
स्थिर परिसम्पत्तियाँ	8	1,08,89,71,124	-	1,08,89,71,124	1,20,73,34,291	-	1,20,73,34,291
स्थिर परिसम्पत्तियाँ – प्रायोजित परियोजनाएं	8-क	1,79,41,82,922	48,199	1,79,42,31,121	78,79,23,955	1,49,632	78,80,73,587
स्थिर परिसम्पत्तियाँ–सोसायटी के अधिशेष पूंजी से	8-ख	48,20,33,668	-	48,20,33,668	40,47,30,975	-	40,47,30,975
पूंजीगत कार्य प्रगति पर	9	61,11,10,948	-	61,11,10,948	1,38,91,83,869	-	1,38,91,83,869
निर्धारित / बंदोबस्ती निधि का निवेश	10	1,07,72,66,859	2,74,39,63,694	3,82,12,30,553	1,02,33,52,241	2,64,21,32,955	3,66,54,85,196
निवेश अन्य	11	17,15,85,405	-	17,15,85,405	16,17,06,411	-	16,17,06,411
वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि।	12	6,36,56,44,519	4,34,08,59,803	10,70,65,04,322	6,73,20,17,596	4,03,42,41,511	10,76,62,59,107
योग		**11,59,07,95,445**	**7,08,48,71,696**	**18,67,56,67,141**	**11,70,62,49,338**	**6,67,65,24,098**	**18,38,27,73,436**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	24						
लेखाओं पर टिप्पणियाँ	25						

हमारी इस तारीख की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार,
एचके दुआ एंड कंपनी के लिए
शासपत्रित लेखाकार
एफआरएन 000581एन

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक: 06-09-2024

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

(सीए विक्रम धीरवास)
(भागीदार)
एम. नं. 422199

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट)

(इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय)

31.03.2024 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
आय			
सेवाओं से आय	13	1,43,01,93,550	1,23,62,65,836
अनुदान / इमदाद	14	4,12,48,329	2,55,58,453
शुल्क / अंशदान	15	1,01,91,30,495	91,91,26,427
परियोजनाओं से आय	16	1,19,62,48,835	1,39,18,62,670
प्रकाशन की बिक्री से आय	17	4,02,629	3,45,544
अर्जित ब्याज	18	79,56,36,510	29,37,98,028
टाउनशिप से प्राप्तियां	19	43,66,845	37,92,651
विविध आय	20	36,94,09,169	31,38,09,477
योग (क)		**4,85,66,36,362**	**4,18,45,59,086**
व्यय			
स्थापना व्यय	21	74,16,66,670	70,97,21,270
अन्य प्रशासनिक व्यय	22	50,34,40,841	47,36,52,026
परियोजनाओं पर व्यय	23	1,02,06,12,420	1,13,15,74,487
सेवाओं पर व्यय	23	1,28,22,61,495	1,12,53,21,091
स्थिर परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास – जीआईए से	22	13,02,19,450	14,26,98,036
स्थिर परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास – अधिशेष से	22	6,69,41,924	6,66,93,642
स्थिर परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास – प्रायोजित परियोजनाएं	23	18,41,89,447	11,50,15,487
योग (ख)		**3,92,93,32,247**	**3,76,46,76,039**
व्यय से अधिक आय के रूप में शेष (क – ख)		92,73,04,115	41,98,83,047
घटाइए: एण्डाउमेंट निधि को अंतरित ब्याज		47,49,29,559	3,78,64,818
अधिशेष राशि को समेकित निधि पूंजीगत निधि में ले जाया गया।		**45,23,74,556**	**38,20,18,229**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	24		
लेखाओं पर टिप्पणियाँ	25		

हमारी इस तारीख की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार,
एचके दुआ एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफआरएन 000581एन

स्थान : नई दिल्ली
दिनांक : 06-09-2024

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

(सीए विक्रम धीरवास)
(भागीदार)
एम. नं. 422199

H. K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट)

(इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय)

31.03.2024 को समाप्त वर्ष का आय और व्यय लेखा

(राशि रुपए में)

विवरण	अनुसूची	नाइलिट	एनपीआईआर परियोजना	गत वर्ष	गत वर्ष नाइलिट	गत वर्ष एनपीआईआर	गत वर्ष
आय							
सेवाओं से आय	13	1,43,01,93,550	-	1,43,01,93,550	1,23,62,65,836	-	1,23,62,65,836
अनुदान / इमदाद	14	4,12,48,329	-	4,12,48,329	2,55,58,453	-	2,55,58,453
शुल्क / अंशदान	15	1,01,91,30,495	-	1,01,91,30,495	91,91,26,427	-	91,91,26,427
परियोजनाओं से आय	16	1,19,62,48,835	-	1,19,62,48,835	1,39,18,62,670	-	1,39,18,62,670
प्रकाशन की बिक्री से आय	17	4,02,629	-	4,02,629	3,45,544	-	3,45,544
अर्जित ब्याज	18	38,05,90,549	41,50,45,961	79,56,36,510	29,21,75,741	16,22,287	29,37,98,028
टाउनशिप से प्राप्तियां	19	43,66,845	-	43,66,845	37,92,651	-	37,92,651
विविध आय	20	36,94,08,669	500	36,94,09,169	31,38,09,477 -	-	31,38,09,477
योग (क)		**4,44,15,89,901**	**41,50,46,461**	**4,85,66,36,362**	**4,18,29,36,799**	**16,22,287**	**4,18,45,59,086**
व्यय							
स्थापना व्यय	21	73,96,82,087	19,84,583	74,16,66,670	70,86,25,038	10,96,232	70,97,21,270
अन्य प्रशासनिक व्यय	22	50,23,69,651	10,71,190	50,34,40,841	47,28,20,467	8,31,559	47,36,52,026
परियोजनाओं पर व्यय	23	1,02,06,12,420	-	1,02,06,12,420	1,13,15,50,457	24,030	1,13,15,74,487
सेवाओं पर व्यय	23	1,28,22,61,495	-	1,28,22,61,495	1,12,53,21,091	-	1,12,53,21,091
स्थिर परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास - जीआईए से	22	13,02,19,450	-	13,02,19,450	14,26,98,036	-	14,26,98,036
स्थिर परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास - अधिशेष से	22	6,69,35,738	6,186	6,69,41,924	6,66,93,642	-	6,66,93,642
अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास - प्रायोजित परियोजनाएं	23	18,41,89,447	-	18,41,89,447	11,50,15,487	-	11,50,15,487
योग (ख)		**3,92,62,70,288**	**30,61,959**	**3,92,93,32,247**	**3,76,27,24,218**	**19,51,821**	**3,76,46,76,039**
व्यय से अधिक आय के रूप में शेष (क – ख)		51,53,19,613	41,19,84,502	92,73,04,115	42,02,12,581	(3,29,534)	41,98,83,047
घटाइए: एण्डाउमेंट निधि को अंतरित ब्याज		6,10,40,377	41,38,89,182	47,49,29,559	3,78,64,818	-	3,78,64,818
शेष राशि को पूंजीगत निधि में ले जाया गया।		**45,42,79,236**	**(19,04,680)**	**45,23,74,556**	**38,23,47,763**	**(3,29,534)**	**38,20,18,229**
महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	24						
लेखाओं पर टिप्पणियाँ	25						

हमारी इस तारीख की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार,
एचके दुआ एंड कंपनी के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट
एफआरएन 000581एन

स्थान : नई दिल्ली
दिनांकित : 06-09-2024

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

(सीए विक्रम धीरवास)
(भागीदार)
एम. नं. 422199

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

नाइलिट

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 1 - समेकित/ पूंजीगत निधि

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
आय तथा व्यय समायोजन खाता		
वर्ष के आरम्भ में शेष राशि	7,04,06,54,717	6,80,31,72,556
जोड़िए/(घटाइए) : मुख्यालय से सहायता निधि	(1,70,00,000)	-
घटाइए:- निर्धारित निधि में स्थानांतरण (पुरस्कार, अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति, कर्मचारी कल्याण, आदि)	-	(13,55,00,000)
जोड़िए/घटाइए:- अन्य पूर्व अवधि समायोजन	66,70,858	(65,84,357)
घटाइए:- ग्रेच्युटी और अवकाश नकदीकरण निधि	-	-
जोड़िए/घटाइए:- संचित बचत का उपयोग	4,13,225	-
जोड़िए/घटाइए:- जीआईए/केंद्र/निर्धारित निधि से स्थानांतरित	(10,94,183)	(24,51,710)
जोड़िए:- आय/(व्यय) का व्यय/(आय) से अधिक होना	45,23,74,556	38,20,18,229
योग क	**7,48,20,19,173**	**7,04,06,54,718**
नाइलिट योजना से अधिशेष जारी		
अथ शेष योग ख	**50,00,000**	**50,00,000**
वर्ष के अंत में शेष योग क + ख	**7,48,70,19,173**	**7,04,56,54,718**

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

नाइलिट

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 2- सहायता अनुदान

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
मुख्य गतिविधियों के लिए सहायता अनुदान एवं बजटीय स्रोत		
केंद्र सरकार से अनुदान सहायता		
अध शेष	1,33,82,53,050	1,47,18,35,522
जोड़िए:- ब्याज	-	-
जोड़िए:- एमईआईटीवाई से प्राप्त योजना अनुदान / केंद्रों से प्राप्त	5,43,33,982	3,78,14,203
घटाइए:- मुख्यालय/एमईआईटीवाई को वापस की गई धनराशि	(1,68,08,144)	(1,72,92,626)
घटाइए: आवर्ती व्यय के लिए राजस्व को अंतरित	(2,30,78,877)	(35,74,412)
जोड़िए/घटाइए:- उपयोग/संवितरण	(63,974)	(3,13,33,298)
जोड़िए/घटाइए:- समायोजन	(12,37,072)	1,37,30,412
घटाइये:- मूल्यह्रास प्रभारित	(12,04,09,553)	(13,29,26,752)
31.03.2024 को इतिशेष	**1,23,09,89,412**	**1,33,82,53,049**
सहायता अनुदान (विस्तार केन्द्र)		
प्रारंभिक जमा	1,46,60,34,291	1,40,80,82,126
वर्ष के दौरान एमईआईटीवाई से प्राप्त योजना अनुदान	12,78,18,202	11,66,84,657
जोड़िए:- अर्जित ब्याज/अन्य स्रोतों से आय	-	26,14,826
जोड़िए:- वर्ष के दौरान अधिशेष निधि का उपयोग	-	-
घटाइए:- स्थगित राजस्व व्यय वापस किया गया	-	(5,26,428)
घटाइए:- मुख्यालय को लौटाई गई	5,59,000	-
घटाइए:- आवर्ती व्यय/गैर योजना को अंतरित जीआईए	-	-
घटाइए:- मूल्यह्रास प्रभारित	(12,66,94,971)	(6,08,20,891)
31.03.2024 तक इतिशेष	**1,46,77,16,522**	**1,46,60,34,290**
भवन के लिए सहायता अनुदान (राज्य सरकार)– अथ शेष	15,19,91,017	16,75,15,016
घटाइए: मूल्यह्रास प्रभारित	(1,43,64,285)	(1,54,16,973)
जोड़िए: अर्जित/अंतरित ब्याज	-	(1,07,026)
जोड़िए:- वर्ष के दौरान प्राप्त	-	-
31.03.2024 तक इतिशेष	**13,76,26,732**	**15,19,91,017**
राज्य सरकार से अनुदान सहायता	-	-
प्रारंभिक जमा	87,00,195	98,04,736
जोड़िए:- फंड/ पूंजीकृत ब्याज	-	-
जोड़िए :– वर्ष के दौरान प्राप्त	(2,48,453)	-
घटाइए :– मूल्यह्रास वापस किया गया	(9,86,153)	(11,04,541)
31.03.2024 तक इतिशेष	**74,65,589**	**87,00,195**
अन्य से सहायता अनुदान		
अन्य शेष	90,001	90,001
31.03.2024 तक इतिशेष	**90,001**	**90,001**
वर्ष के अंत तक शेष राशि	**2,84,38,88,256**	**2,96,50,68,552**

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची– 2ए– सहायता अनुदान (ख) प्रायोजित परियोजनाओं से प्राप्त निधि

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
प्रायोजित परियोजनाओं-बी के लिए प्राप्त जी.आई.ए.		
डोनर-परियोजनाएं		
प्रारंभिक जमा	10,67,029	11,08,102
वर्ष के दौरान प्राप्त	-	-
घटाइए:– उपयोग की गई धनराशि/वापस की गई धनराशि/कोष में अंतरण	-	-
घटाइए:- मूल्यह्रास प्रभारित	(24,644)	(41,073)
परियोजना पूर्ण होने तक निधि शेष (क)	**10,42,385**	**10,67,029**
एमईआईटीवाई और केंद्र सरकार परियोजना	-	-
अथ शेष	74,44,50,441	1,94,66,07,444
जोड़िए:- परियोजना के लिए प्राप्त धनराशि	1,41,33,69,936	4,99,95,24,155
जोड़िए/घटाइए: पूर्व अवधि समायोजन	31,01,334	(5,44,046)
जोड़िए: केंद्र से प्राप्त ब्याज अर्जित/उपार्जित/अव्ययित शेष राशि	4,55,20,368	5,33,20,407
जोड़िए/घटाइए: पाठ्यक्रमों से आय	(4,01,05,000)	10,50,87,448
जोड़िए: स्थिर परिसंपत्तियों के लिए रखा गया जीआईए	2,12,07,565	-
घटाइए:- उपयोग की गई निधि/वितरण/वापस की गई राशि	(1,79,08,39,037)	(6,06,35,37,979)
घटाइए:- परियोजना आय/एनपीआर परियोजना/कॉर्पस निधि को अंतरित की गई राशि	(11,12,65,106)	(24,86,29,566)
घटाइए:- मूल्यह्रास प्रभारित	(5,19,27,641)	(4,73,77,422)
परियोजना पूर्ण होने तक निधि शेष (ख)	**23,35,12,860**	**74,44,50,441**
अन्य परियोजनाएँ		
अथ शेष	2,76,798	2,78,639
जोड़िए:- वर्ष के दौरान प्राप्त निधियाँ / टीआरएफडी	-	-
घटाइए:- आवर्ती और पूंजीगत व्यय / वापस किया गया	-	-
घटाइए:- मूल्यह्रास प्रभारित	(1,649)	(1,841)
परियोजना पूर्ण होने तक निधि शेष (ग)	**2,75,149**	**2,76,798**
(राज्य सरकार की परियोजनाएं)		
अथ शेष	9,13,000	10,70,114
जोडिए:- वर्ष के दौरान प्राप्त धनराशि	10,00,000	36,70,142
जोडिए:- वर्ष के दौरान निवेश से अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए:- लगाया गया मूल्यह्रास	-	-
घटाइए:- आवर्ती व्यय/उपयोग की गई निधियों का कुल योग	-	(38,27,256)
परियोजना पूर्ण होने तक निधि शेष (घ)	**19,13,000**	**9,13,000**
योग (क+ख+ग+घ)	**23,67,43,394**	**74,67,07,268**

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 3 - आरक्षित और अधिशेष

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
पूंजीगत आरक्षित निधि	16	17
	-	-
आरक्षित निधि	-	-
	-	-
आय एवं व्यय लेखा के अनुसार अधिशेष (कमी)	-	-
	-	-
योग	**16**	**17**

* शुल्क रूप में प्राप्त परिसंपत्तियों के संबंध में

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 4 - इयरमार्क्ड /एंडाउमेंट निधि

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
क. निधियों का प्रारंभिक शेष		
भवन निधि	61,50,73,911	58,80,51,505
जोड़िए :– वर्ष के दौरान संवर्धन		-
जोड़िए:- वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	4,00,68,431	2,70,22,406
जोड़िए: पूर्ण और अंतिम निपटान के बाद सीपीडब्ल्यूडी से अंतरित राशि	18,10,532	-
घटाइए:– वर्ष के दौरान प्रयुक्त निधि	-	-
वर्ष के अंत में कुल निधियाँ	**65,69,52,874**	**61,50,73,911**
पाठ्यक्रम विकास निधि	29,24,238	31,82,435
जोड़िए:- वर्ष के दौरान वृद्धि	-	-
घटाइए:- वर्ष के दौरान उपयोग की गई निधियाँ	-	(4,22,204)
घटाइए:– वर्ष के दौरान प्राप्त निधियाँ	2,74,310	1,64,007
जोड़िए: अर्जित ब्याज	-	-
वर्ष के अंत में कुल निधियाँ	**31,98,548**	**29,24,238**
प्रोत्साहन पुरस्कार निधि	3,07,08,826	(1,86,29,379)
जोड़िए:- वर्ष के दौरान वृद्धि	-	5,30,00,000
जोड़िए:- वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	23,16,996	6,64,205
जोड़िए: अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए:– उपयोग की गई धनराशि/निधि	(4,94,000)	(43,26,000)
वर्ष के अंत में कुल निधियाँ	**3,25,31,822**	**3,07,08,826**
पुरस्कार निधि	57,44,038	54,63,962
जोड़िए:- वर्ष के दौरान वृद्धि	-	-
जोड़िए:- वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	4,66,909	2,80,076
जोड़िए: अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए:– प्रावधान /प्रयुक्त धनराशि	-	-
वर्ष के अंत में कुल निधियाँ	**62,10,947**	**57,44,038**
एचआरडी फंड के लिए अनुसंधान एवं विकास	6,80,93,168	6,47,60,066
जोड़िए:– वर्ष के दौरान संवर्धन	-	-
जोड़िए:- वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	48,57,409	33,33,102
जोड़िए: अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए:– वर्ष के दौरान प्रयुक्त निधियाँ	-	-
वर्ष के अंत में कुल निधियाँ	**7,29,50,577**	**6,80,93,168**
आईईसीटी के उभरते क्षेत्रों में पाठ्यक्रमों का विकास	64,06,221	60,92,471
जोड़िए:- वर्ष के दौरान वृद्धि	-	-
जोड़िए:- वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	4,83,589	3,13,750
जोड़िए: अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए:– वर्ष के दौरान प्रयुक्त निधियाँ	(29,68,000)	-
वर्ष के अंत में कुल निधियाँ	**39,21,810**	**64,06,221**
नाइलिट के कर्मचारियों का प्रशिक्षण एवं पुनः प्रशिक्षण	4,96,74,774	4,70,37,300
जोड़िए:- वर्ष के दौरान वृद्धि	-	-
जोड़िए:- वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	36,69,821	26,83,474
जोड़िए: अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए:- उपयोग की गई धनराशि	(38,75,424)	(46,000)
वर्ष के अंत में कुल निधियाँ	**4,94,69,171**	**4,96,74,774**
ग्रेच्यूटी और अवकाश नकदीकरण निधि	15,87,48,974	8,14,93,206
जोड़िए:- वर्ष के दौरान वृद्धि	5,25,53,007	7,45,24,045
जोड़िए:- वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	75,36,053	27,31,723
जोड़िए: अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए:- उपयोग की गई धनराशि	(97,70,435)	-
वर्ष के अंत में कुल निधियाँ	**20,90,67,599**	**15,87,48,974**
चिकित्सा प्रतिपूर्ति निधि	62,14,668	58,77,105
जोड़िए: वर्ष के दौरान वृद्धि	-	-
जोड़िए:- वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	4,82,945	3,37,563
जोड़िए: अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए:– उपयोग की गई धनराशि	-	-
वर्ष के अंत में कुल निधियाँ	**66,97,613**	**62,14,668**

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

जारी.... अनुसूची - 4

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
एनपीआर/आरजीआई फंड (ब्याज)	3,84,31,78,240	3,53,97,69,301
वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	54,69,43,471	2,55,86,50,583
जोड़िए: अर्जित ब्याज	-	-
घटाइए:- एनपीआर परियोजना खाते में अंतरित	(13,70,09,177)	(2,25,52,41,644)
वर्ष के अंत में कुल निधियाँ	**4,25,31,12,534**	**3,84,31,78,240**
कर्मचारी कल्याण निधि	57,84,660	55,05,498
जोड़िए:- अधिशेष से ब्याज	-	2,79,162
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	4,66,909	-
वर्ष के अंत में कुल निधियाँ	**62,51,569**	**57,84,660**
भवन रखरखाव निधि	-	-
जोड़िए– भवन निधि से अंतरित राशि	-	-
घटाइए:– कॉर्पस फंड में अंतरित	-	-
घटाइए:- मूल्यह्रास प्रभारित	-	-
वर्ष के अंत में कुल निधियाँ	**-**	**-**
एनईएफडी फंड	1,02,48,408	1,02,48,408
जोड़िए:– प्रारंभिक शेष राशि	-	-
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	2,23,923	-
घटाइए:– वर्ष के दौरान प्रयुक्त निधियाँ	-	-
वर्ष के अंत में कुल निधियाँ	**1,04,72,331**	**1,02,48,408**
बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) कोष	25,55,350	
जोड़िए:– प्रारम्भिक शेष राशि	-	25,00,000
जोड़िए: वर्ष के दौरान प्राप्त ब्याज	1,93,082	55,350
घटाइए:– वर्ष के दौरान कॉर्पस फंड में अंतरित की गई धनराशि	-	-
वर्ष के अंत में कुल निधियाँ	**27,48,432**	**25,55,350**
वर्ष के अंत में कुल शेष	**5,31,35,85,827**	**4,80,53,55,476**

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 5 - सुरक्षित ऋण और उधारियां

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
बैंक से सावधि ऋण (वाहन को बंधक में रखने पर सुरक्षित)	-	-
अनुसूचित बैंक के साथ नकद जमा	-	-
अनुसूचित बैंक के साथ नकद ऋण पर अर्जित एवं प्राप्य व्याज	-	-
अन्य संस्थाएं और एजेंसियां	-	-
निवेश के एवज में अनुसूचित बैंक से सुरक्षित ऋण	-	-
योग	**-**	**-**

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 6 - असुरक्षित ऋण तथा उधारियाँ

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
भारत सरकार से ऋण	-	-
राज्य सरकार/केन्द्रों से ऋण	-	-
अन्य/मुख्यालय से ऋण	-	-
मांग नकद उधार	-	-
ऋण पर उपचित ब्याज एवं देय	-	-
योग	**-**	**-**

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची - 7 वर्तमान देयताएं एवं प्रावधान

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
क) वर्तमान देयताएं		
1. वर्तमान लेनदार		
कंप्यूटर तथा उपकरण	65,41,831	90,13,798
आपूर्तिकर्ता	8,41,43,822	3,36,72,199
सेवाएँ/अन्य	14,74,28,565	14,26,00,118
2. प्राप्त सुरक्षा जमा राशि		
आपूर्तिकर्ता एवं अन्य	6,46,49,561	10,32,45,687
बयाना राशि/प्रतिधारण राशि	57,33,02,118	65,16,27,982
जमानती राशि/पुस्तकालय सुरक्षा	5,59,29,104	3,07,55,405
प्रतिधारण राशि दंड	12,72,421	6,59,189
3. प्राप्त अग्रिम		
छात्रों से	4,18,13,860	3,86,36,992
अन्यों से	24,40,52,677	22,96,74,870
आरजीआई से	-	-
जम्मू-कश्मीर के स्कूल शिक्षा विभाग से	-	-
नाइलिट योजना से	3,95,241	15,70,900
4. व्यय की देयताएँ		
संचित/देय ब्याज–अन्य	3,58,263	66,25,775
देयताएँ - एलआरयूआर (एनपीआर)	12,10,89,436	10,71,07,989
आकस्मिक देयताएँ	-	2,20,43,034
देयताएँ - अन्य व्यय	5,32,41,069	5,10,63,323
5. कर्मचारियों के देय वेतन, मजदूरी और अन्य दावे		
देय वेतन और मजदूरी	4,66,63,002	4,29,88,676
भुगतान न किए गए वेतन और मजदूरी	-	-
कर्मचारियों को देय अन्य दावे	2,06,83,474	1,69,35,404
अनुबंध कर्मचारियों को वेतन और मजदूरी	3,57,57,465	3,69,88,932
6. निधियों में अंशदान		
कर्मचारियों का अनिवार्य अंशदान– ईपीएफ/एनपीएस	82,87,265	90,82,298
कर्मचारियों का स्वैच्छिक अंशदान– ईपीएफ/एनपीएस	5,82,113	2,51,071
अनुबंध पर कर्मचारियों का अंशदान– पीएफ	7,06,650	(44,077)
सोसायटी का अंशदान– ईपीएफ/ईएसआई/एनपीएस	83,77,180	1,28,44,699
ऋण की वसूली	-	-

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

H.Y. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

अनुसूची- 7 जारी

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
7. वेतन से वसुलियां जिनका प्रेक्षण शेष है।		
वेतन पर आयकर	79,46,978	82,23,758
जीवन/समूह बीमा प्रीमियम	1,02,360	23,274
रोजगार/व्यावसायिक कर	1,56,350	3,10,615
प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त व्यक्तियों से वसूली	-	-
वेतन से अन्य वसूली	30,76,724	37,31,426
सामूहिम बीमा	4,115	1,34,266
8. अन्य देयताएँ		
वितरण के लिए रखी गई राशि	23,02,78,348	23,02,78,348
आयकर कटौती	88,86,530	1,50,44,838
ठेकेदारों/पेशेवर/किराए से काटा गया आयकर		
परीक्षा व्यय देय ओ/ए/बी/सी	27,85,697	15,16,865
प्रतयायन व्यय देय	-	3,212
परीक्षा व्यय देय 'सीसीसी'/बीसीसी	5,66,518	5,57,960
जारी किए गए चेक/पुराने चेक	12,70,035	10,88,694
परीक्षा शुल्क वापसी योग्य	1,500	6,960
देय अन्य व्यय	11,69,58,541	1,67,23,952
लेखा परीक्षक को देय राशि	10,78,201	8,76,153
वेतन/जीएसटी पर टीडीएस	42,05,005	4,51,75,363
जीएसटी देय	8,59,36,516	8,45,39,787
सेवा कर देय	53,43,972	5,49,804
केन्द्रों को देय राशि	64,71,983	35,30,332
अप्रयुक्त जी.आई.ए.	-	(1,26,049)
अचल संपत्तियों के लिए जीआईए	-	4,13,225
योग (क)	**1,99,03,44,490**	**1,95,99,47,047**
(ख) प्रावधान		
कराधान के लिए प्रावधान	-	4,60,024
बोनस के लिए प्रावधान	-	-
सेवा कर के लिए प्रावधान	-	-
व्यय एवं अन्य के लिए प्रावधान	19,76,106	5,25,62,039
अवकाश नकदीकरण के लिए प्रावधान	40,72,05,369	39,33,95,079
ग्रेच्यूटी के लिए प्रावधान	39,49,04,510	41,36,23,216
योग (ख)	**80,40,85,985**	**86,00,40,358**
योग (क) + (ख)	**2,79,44,30,475**	**2,81,99,87,405**

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

H.Y. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तूलना पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 8 – स्थायी परिसंपत्तियों का विवरण

(राशि रुपए में)

विवरण	मूल्यह्रास	सकल मालियत				मूल्यह्रास				शुद्ध मालियत	
		वर्ष के आरंभ में लागत 01.04.2023 तक	वर्ष के दौरान बढ़ोतरी	वर्ष के दौरान कटौती	वर्ष के अंत में लागत/मूल्य	वर्ष के आरंभ में	वर्ष के दौरान परिवर्धन	वर्ष के दौरान समायोजन/कटौती	वर्ष के अंत तक योग	वर्तमान वर्ष के अंत तक शेष	गत वर्ष के अंत में
1. भूमि											
क) फ्रीहोल्ड		4	-	-	4	-	-	-	-	4	4
ख)पट्टाकृत		42,000	-	-	42,000	-	-	-	-	42,000	42,000
2. भवन		-	-	-	-	-	-	-		-	-
क) फ्रीहोल्ड	10%	1,54,68,86,809	-	-	1,54,68,86,809	86,21,82,171	6,84,70,464	-	93,06,52,635	61,62,34,174	68,47,04,638
ख) पट्टाकृत		29,84,60,586	-	-	29,84,60,586	15,50,23,150	1,43,23,430	-	16,93,46,580	12,91,14,006	14,34,37,436
ग) स्वामित्व वाले फ्लैट/परिसर		9,19,48,099	-	-	9,19,48,099	3,27,69,530	59,17,857	-	3,86,87,387	5,32,60,712	5,91,78,569
घ) भूमि पर अधिसंरचना जो स्वत्व से संबंधित नहीं है	10%	33,54,54,719	-	-	33,54,54,719	18,23,99,565	1,53,05,514	-	19,77,05,079	13,77,49,640	15,30,55,154
3. संयंत्र एवं मशीनरी एवं उपकरण	15%	8,53,77,604	-	-	8,53,77,604	7,91,87,712	9,28,483	-	8,01,16,195	52,61,409	61,89,892
4. वाहन	15%	1,30,23,734	-	(6,71,748)	1,23,51,986	1,03,69,209	3,83,846	(5,76,198)	1,01,76,857	21,75,129	26,54,525
5.फर्नीचर एवं फिक्स्चर	10%	15,73,70,862	18,26,001	(3,08,700)	15,88,88,163	10,40,46,786	53,10,562	(2,72,619)	10,90,84,729	4,98,03,434	5,33,24,076
6. कार्यालय उपकरण	15%	18,02,15,701	51,90,694	(1,20,562)	18,52,85,833	11,75,96,477	98,68,079	(1,13,668)	12,73,50,888	5,79,34,945	6,26,19,224
7. कंप्यूटर एवं पेरिफेरल (सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर)	40%	46,09,72,903	43,75,093	(54,07,930)	45,99,40,066	44,73,14,510	61,97,171	(54,04,337)	44,81,07,344	1,18,32,722	1,36,58,393
8. विद्युत प्रतिष्ठापन	15%	6,74,08,243	1,86,490	(2,72,513)	6,73,22,220	4,66,60,099	22,69,410	(2,40,069)	4,86,89,440	1,86,32,780	2,07,48,144
9. पुस्तकालय एव पुस्तकें	40%	4,77,36,228	1,99,237	-	4,79,35,465	4,74,70,020	1,46,524	-	4,76,16,544	3,18,921	2,66,208
10. ट्यूबवेल जल आपूर्ति एवं भूमि विकास	15%	50,71,642	-	-	50,71,642	43,19,387	75,226	-	43,94,613	6,77,029	7,52,255
11. इंटरनेट कनेक्शन	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12. एयरकंडीशनर	10%	71,17,621	2,63,333	-	73,80,954	62,87,523	1,44,265	-	64,31,788	9,49,166	8,30,098
13. प्रयोगशाला उपकरण	15%	5,22,58,654	-	(1,13,962)	5,21,44,692	4,73,43,685	7,36,466	(1,08,766)	4,79,71,385	41,73,307	49,14,969
14. अन्य अचल संपत्तियां	15%	33,57,596	-	(25,423)	33,32,173	23,98,892	1,42,153	(20,616)	25,20,429	8,11,744	9,58,704
15. यूएनडीपी उपकरण	15%	1	-	-	1	-	-	-	-	1	1
16. सड़कें एवं पुलिया		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
17. गैस सिलेंडर	40%	72,534	-	-	72,534 -	72,533	-	-	72,533	1	1
योग		**3,35,27,75,540**	**1,20,40,848**	**(69,20,838)**	**3,35,78,95,550**	**2,14,54,41,249**	**13,02,19,450**	**(67,36,273)**	**2,26,89,24,426**	**1,08,89,71,124**	**1,20,73,34,291**

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तूलना पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 8–ए अचल संपत्तियो का विवरण (प्रायोजित परियोजनाएं)

(राशि रुपए में)

विवरण	अबमूल्यन दर	सकल मालियत				मूल्यह्रास				सकल मालियत	
		वर्ष के आरंभ में लागत 01.04.2023 तक	वर्ष के दौरान बढ़ोतरी	वर्ष के दौरान कटौती	वर्ष के अंत में लागत/मूल्य	वर्ष के आरंभ में	वर्ष के दौरान बढ़ोतरी	वर्ष के दौरान समायोजन/कटौती	वर्ष के अंत तक कुल	वर्तमान वर्ष के अंत तक शेष	पिछले वर्ष के अंत में
1. भूमि											
क) फ्रीहोल्ड		6	-	-	6	-	-	-	-	6	6
ख)पट्टाकृत		1,01,176	-	-	1,01,176	-	-	-	-	1,01,176	1,01,176
2. भवन		-	-	-	-	-	-	-		-	-
क) फ्रीहोल्ड	10%	69,01,88,588	56,42,88,288	(6,93,582)	1,25,37,83,294	12,75,20,612	8,44,03,600	-	21,19,24,212	1,04,18,59,082	56,26,67,976
ख) पट्टाकृत		-	-	-	-	-	-	-		-	-
ग) स्वामित्व फ्लैट/परिसर		-	36,13,92,352	-	36,13,92,352	-	1,80,69,618	-	1,80,69,618	34,33,22,734	-
घ) बिना स्वत्व की भूमि पर सुपरस्ट्रक्चर	10%	1,95,69,790	9,30,24,947	-	11,25,94,737	68,30,892	1,04,68,460	-	1,72,99,352	9,52,95,385	1,27,38,898
3. संयंत्र एवं मशीनरी एवं उपकरण	15%	1,13,22,464	1,49,87,662	-	2,63,10,126	77,79,961	16,59,867	-	94,39,828	1,68,70,298	35,42,503
4. वाहन	15%	18,04,093	1,81,78,290	-	1,99,82,383	13,28,088	14,20,488	95,247	28,43,823	1,71,38,560	4,76,005
5.फर्नीचर और फिक्स्चर	10%	6,72,17,025	1,75,99,368	-	8,48,16,393	2,57,44,829	53,41,457	-	3,10,86,286	5,37,30,107	4,14,72,196
6. कार्यालय उपकरण	15%	12,41,71,303	2,54,05,831	-	14,95,77,134	5,39,84,158	1,29,65,685	-	6,69,49,843	8,26,27,291	7,01,87,145
7. कंप्यूटर एवं पेरिफेरल (सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर)	40%	32,60,30,657	5,67,17,583	3,52,973	38,31,01,213	25,09,30,498	4,37,56,213	(4,28,143)	29,42,58,568	8,88,42,645	7,51,00,159
8. विद्युत प्रतिष्ठापन	15%	89,56,568	77,41,117	-	1,66,97,685	49,62,148	11,45,992	-	61,08,140	1,05,89,545	39,94,420
९. पुस्तकालय एव पुस्तक	40%	81,04,257	1,03,818	-	82,08,075	75,39,891	2,58,187	-	77,98,078	4,09,997	5,64,366
10. ट्यूबवेल जल आपूर्ति एवं भूमि विकास	15%	-	2,40,97,700	-	2,40,97,700	-	18,07,328	-	18,07,328	2,22,90,372	-
11. इंटरनेट कनेक्शन	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12. एयरकंडीशनर	10%	3,66,951	-	-	3,66,951	2,56,504	16,567	-	2,73,071	93,880	1,10,447
13. प्रयोगशाला उपकरण	15%	5,43,53,623	31,29,490	-	5,74,83,113	3,75,13,109	27,60,789	-	4,02,73,898	1,72,09,215	1,68,40,514
14.अन्य अचल संपत्तियां	15%	3,62,462	36,94,434	-	40,56,896	84,686	1,21,382	-	2,06,068	38,50,828	2,77,776
15. यूएनडीपी उपकरण	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
16. सड़क एवं पुलिया		-	-	-	-	- -	-	-	-	-	-
योग		1,31,25,48,963	1,19,03,60,880	(3,40,609)	2,50,25,69,234	52,44,75,376	18,41,95,633	(3,32,896)	70,83,38,113	1,79,42,31,121	78,80,73,587

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

H. K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तूलना पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 8–बी स्थिर परिसंपत्तियों का विवरण

(राशि रुपए में)

विवरण	अबमूल्यन दर	सकल मालियत				मूल्यह्रास				सकल मालियत	
		वर्ष के आरंभ में लागत 01.04.2023 तक	वर्ष के दौरान बढ़ोतरी	वर्ष के दौरान कटौती	वर्ष के अंत में लागत/मूल्य	वर्ष के आरंभ में	वर्ष के दौरान बढ़ोतरी	वर्ष के दौरान समायोजन/कटौती	वर्ष के अंत तक योग	वर्तमान वर्ष के अंत तक योग	गत वर्ष के अंत में
1. भूमि											
क) फ्रीहोल्ड		21,62,860	94,26,040	-	1,15,88,900	-	-	-	-	1,15,88,900	21,62,860
ख)पट्टाकृत		1,24,02,545	-	-	1,24,02,545	-	-	-	-	1,24,02,545	1,24,02,545
2. भवन		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
क) फ्री होल्ड	10%	11,10,79,771	8,42,716	-	11,19,22,487	3,35,59,482	78,28,940	-	4,13,88,422	7,05,34,065	7,75,20,289
ख)पट्टाकृत		32,03,63,241	8,03,06,910	-	40,06,70,151	15,05,87,327	2,09,92,937	-	17,15,80,264	22,90,89,887	16,97,75,914
ग) स्वामित्व वाले फ्लैट/परिसर		36,20,947	-	-	36,20,947	32,44,388	37,656	-	32,82,044	3,38,903	3,76,559
घ) भूमि पर अधिसंरचना जो इकाई से संबंधित नहीं है	10%	1,93,19,591	-	-	1,93,19,591	96,49,709	9,67,323	-	1,06,17,032	87,02,559	96,69,882
3. संयंत्र एवं मशीनरी एवं उपकरण	15%	2,61,88,011	3,76,212	(27,68,641)	2,37,95,582	1,33,96,583	19,35,270	(26,76,903)	1,26,54,950	1,11,40,632	1,27,91,428
4. वाहन	15%	94,29,828	42,44,269	-	1,36,74,097	54,79,350	11,69,129	-	66,48,479	70,25,618	39,50,478
5.फर्नीचर एवं फिक्स्चर	10%	6,87,03,347	79,05,679	-	7,66,09,026	3,37,16,260	39,50,929	-	3,76,67,189	3,89,41,837	3,49,87,087
6. कार्यालय उपकरण	15%	3,76,59,097	2,10,81,999	(13,243)	5,87,27,853	2,33,82,171	38,21,938	-	2,72,04,109	3,15,23,744	1,42,76,926
7. कंप्यूटर एवं पेरिफेरल (सॉफ्टवेयर और हार्डवेयर)	40%	29,33,55,287	1,91,66,773	(1,34,65,453)	29,90,56,607	25,14,22,517	2,14,08,749	(1,24,94,178)	26,03,37,088	3,87,19,519	4,19,32,770
8. विद्युत प्रतिष्ठापन	15%	68,15,591	3,72,030	-	71,87,621	38,71,402	3,73,558	-	42,44,960	29,42,661	29,44,189
9. पुस्तकालय एवं पुस्तकें	40%	1,13,02,588	4,21,703	-	1,17,24,291	1,00,06,725	6,43,603	-	1,06,50,328	10,73,963	12,95,863
10. ट्यूबवेल जल आपूर्ति एवं भूमि विकास	15%	9,63,642	-	-	9,63,642	7,76,901	27,495	-	8,04,396	1,59,246	1,86,741
11. इंटरनेट कनेक्शन	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12. एयरकंडीशनर	10%	44,33,546	9,72,896	-	54,06,442	28,79,109	3,72,529	-	32,51,638	21,54,804	15,54,437
13. प्रयोगशाला उपकरण	15%	3,56,81,607	2,81,512	-	3,59,63,119	1,92,61,382	24,84,148	-	2,17,45,530	1,42,17,589	1,64,20,225
14. अन्य अचल संपत्तियां	15%	1,28,60,478	-	(6,50,230)	1,22,10,248	1,03,77,697	9,21,534	(5,66,179)	1,07,33,052	14,77,196	24,82,781
15. यूएनडीपी उपकरण	15%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
16. सड़कें एवं पुलिया		-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
17. गैस सिलेंडर	40%	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग		97,63,41,977	14,53,98,739	(1,68,97,567)	1,10,48,43,149	57,16,11,003	6,69,35,738	(1,57,37,260)	62,28,09,481	48,20,33,668	40,47,30,974

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तूलना–पत्र के भाग के रूप में अनुसूचि

अनुसूची 09 निर्माणाधीन पूंजीगत कार्य

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
निर्माणाधीन पूंजीगत कार्य		
कार्यालय, छात्रावास और आवासीय भवनों का निर्माण	50,49,00,271	92,65,16,829
घटाएँ: स्थिर परिसंपत्तियों को अंतरित	(36,76,56,363)	-
ii) सिविल परामर्श सेवा	-	-
iii) कार्यालय भवन किदवई नगर (एनबीसीसी)	47,38,67,040	46,26,67,040
	-	-
योग	**61,11,10,948**	**1,38,91,83,869**

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 10 – इयरमार्क्ड/एन्डाउमेंट निधियों से निवेश

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	-	-
अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियाँ	-	-
शेयर	-	-
डिबेंचर और बॉन्ड	-	-
अन्य (राष्ट्रीयकृत बैंक के साथ एफ.डी.आर.)		
एनपीआर/आरजीआई एफडीआर का निर्माण	2,74,39,63,694	2,64,21,32,955
बिल्डिंग फंड-मुख्यालय	54,84,64,689	50,90,25,302
बिल्डिंग फंड दिल्ली केंद्र	-	3,55,07,597
पाठ्य सामग्री विकास निधि	36,70,657	33,95,778
प्रोत्साहन पुरस्कार निधि	3,22,82,368	3,00,00,000
पुरस्कार निधि	62,47,926	57,80,047
कर्मचारी कल्याण निधि	62,47,925	57,80,046
मानव संसाधन विकास निधि के लिए अनुसंधान एवं विकास	6,96,48,922	6,54,72,152
आईईसीटी के उभरते क्षेत्रों में पाठ्यक्रमों के पाठ्यक्रम के लिए निधियों का विकास	68,08,408	63,10,903
नाइलिट के कर्मचारियों का प्रशिक्षण और पुनः प्रशिक्षण	5,03,60,096	4,70,43,208
चिकित्सा प्रतिपूर्ति निधि	67,28,795	62,53,068
ग्रेच्युटी और अवकाश नकदीकरण निधि	33,38,68,468	30,62,84,140
बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) निधि	26,90,197	25,00,000
एनईएफडी निधि	1,02,48,408	-
योग	**3,82,12,30,553**	**3,66,54,85,196**

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 11 - निवेश - अन्य

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश	-	-
अन्य स्वीकृत प्रतिभूतियाँ	-	-
शेयर	-	-
सामूहिक उपदान (भारतीय जीवन बीमा निगम की योजना)	15,99,61,996	14,66,56,195
अवकाश नकदीकरण (भारतीय जीवन बीमा निगम की योजना)	66,23,409	1,00,20,216
डिबेंचर और बॉन्ड	-	-
सहायक कंपनियां और संयुक्त उद्यम	-	-
अन्य (एफ.डी.आर.)	-	-
एनपीआर/आरजीआई एफडीआर का निर्माण	-	-
ईएसडीएम क्षेत्र में कौशल विकास चरण-2 एफडीआर	-	-
इनक्यूबेशन प्रोजेक्ट्स एफडीआर	50,00,000	50,30,000
योग	**17,15,85,405**	**16,17,06,411**

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 12– वर्तमान परिसंपत्तियां, ऋण, अग्रिम आदि।

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
क. वर्तमान परिसंपत्तियां		
वर्तमान परिसंपत्तियाँ		
फुटकर देनदार - आपूर्तिकर्ताओं के लिए	26,50,250	95,255
फुटकर देनदार - सेवाओं के लिए	45,35,60,776	37,19,85,493
फुटकर देनदार - स्मार्ट क्लास रूम परियोजना (जम्मू-कश्मीर) / अन्य	3,09,14,114	2,77,72,668
फुटकर देनदार – केन्द्र	-	-
संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान	(3,96,17,837)	(4,51,10,157)
विविध देनदार - आरजीआई	68,92,08,907	68,92,08,907
2. स्टॉक-इन-हैंड (स्टेशनरी और प्रकाशन)	10,60,863	11,34,678
3. हाथ में नकद शेष	-	-
पास में नकदी	13,441	12,995
पास में अग्रदाय	55,970	6,685
पास में टिकट	-	-
चेक/डीडी पारगमन में धन प्रेषण	6,29,854	1,88,848
पास में चेक/ड्राफ्ट/पोस्टल ऑर्डर (आरटीआई)	-	50
4 बैंक बैलेंस	-	-
चालू खाता	37,91,61,240	15,55,33,319
बचत खाता	38,49,29,765	1,10,49,84,979
अल्पकालिक जमा	4,02,69,03,228	4,77,55,34,615
दीर्घकालिक जमा	2,96,97,10,333	2,16,01,71,535
जीआईए फंड के लिए दीर्घकालिक जमा	-	-
दीर्घकालिक जमा (ईएमडी)	10,000	10,000
जमा/सीएनए फंड पर अर्जित ब्याज	28,38,28,399	18,91,52,810
जीआईए फंड पर अर्जित ब्याज	-	-
5. अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	-	-
जमाराशियों पर अर्जित ब्याज	1,23,58,614	7,11,76,939
स्रोत पर आयकर कटौती	64,42,38,168	52,76,40,567
जीएसटी इनपुट क्रेडिट	1,97,36,216	2,99,25,632
आस्थगित जीएसटी इनपुट क्रेडिट/सेनवैट क्रेडिट	1,88,25,839	1,54,55,167
नकद खाता जीएसटी	3,96,252	47,110
एससी/एसटी शुल्क रियायत और अन्य जीआईए प्राप्य एमईआईटीवाई से	28,76,89,865	22,33,61,439
डोनर से प्राप्य राशि	9,54,551	10,27,712
शुल्क/वसूली योग्य आय	13,49,76,956	7,34,78,285
योग (क)	**10,30,21,95,764**	**10,37,27,95,531**
ख. ऋण, अग्रिम आदि.		
1. ऋण		
कर्मचारियों को गृह निर्माण ऋण	-	-
कर्मचारियों को मोटर - कार / स्कूटर ऋण	-	-
कर्मचारियों को अन्य ऋण	3,17,400	3,67,800
बाहरी संस्थाओं को ऋण	-	-
ऋण पर अर्जित ब्याज	4,30,967	3,98,220

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

अनुसूची 12 जारी...

(राशि रुपए में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
2. वसूली योग्य पेशगियाँ		
जमा कार्यों के लिए पेशगियाँ	14,29,23,377	17,42,12,517
अन्य अचल परिसंपत्तियों के लिए पेशगियाँ	8,000	8,000
आपूर्तिकर्ताओं को पेशगियाँ	1,43,91,434	36,16,673
अन्य को पेशगियाँ – बाहरी	10,63,76,588	12,74,43,455
कर्मचारियों को त्यौहार पेशगियाँ	-	-
यात्रा पेशगियाँ	3,11,471	44,698
कर्मचारियों को अन्य पेशगियाँ	9,84,596	18,08,016
परीक्षा अधीक्षक ओ/ए/बी/सी स्तर को पेशगियाँ	1,13,07,024	1,24,86,229
परीक्षा अधीक्षक - बीआईओ/सीसीसी को पेशगियाँ	22,100	72,100
परीक्षा अधीक्षक - बीयूडीए को पेशगियाँ	1,02,357	1,02,357
व्यय के लिए अस्थायी पेशगियाँ	3,12,528	6,65,803
कर्मचारियों से वसूली जाने पेशगियाँ	20,886	56,086
पार्टियों/केंद्रों से वसूली जाने पेशगियाँ	3,89,00,586	53,00,095
जीएसटी/जीएसटी टीडीएस	4,45,05,047	3,89,56,936
प्रीपेड खर्च/सदस्यता	29,19,625	22,31,513
सुरक्षा जमा/ईएमडी	1,13,17,867	85,04,093
क्षेत्रीय कार्यालय/शाखा कार्यालय को पेशगियाँ	-	2,18,77,089
सीपीएफ ट्रस्ट से वसूली योग्य	2,42,517	2,36,325
अन्य चालू परिसंपत्तियाँ (उत्तर पूर्व परियोजना)	6,55,13,889	18,82,876
3. विविध व्यय और हानियाँ	-	-
आस्थगित राजस्व व्यय	-	-
योग (ख)	**44,09,08,259**	**40,02,70,881**
ग. अंतर केंद्र सेवा		
क) आइजोल केंद्र	(1,44,946)	(11,69,271)
ख) औरंगाबाद केंद्र	(26,00,403)	(19,30,987)
ग) कालीकट केंद्र	20,82,803	(11,23,723)
घ) चंडीगढ़/कुरुक्षेत्र केंद्र	(4,43,85,747)	(3,21,15,728)
ड़) चेन्नई केंद्र	(11,33,891)	(15,90,212)
च) गोरखपुर/लखनऊ केंद्र	(2,32,44,822)	(96,43,178)
छ) गंगटोक केंद्र	(31,900)	(7,44,291)
ज) इंफाल केंद्र	(34,10,179)	(42,97,895)
झ) श्रीनगर/जम्मू केंद्र	7,28,151	(55,88,211)
ञ) कोलकाता केंद्र	10,57,18,631	10,21,07,234
ट) कोहिमा केंद्र	12,66,460	7,99,338
ठ) शिलांग केंद्र	56,70,575	(4,49,618)
ड) अगरतला केंद्र	(10,00,430)	(18,53,861)
ढ) गुवाहाटी/तेजपुर केंद्र)	(5,39,13,559)	1,36,36,806
ण) ईटानगर/तेज़ू/पासीघाट केंद्र	(16,65,858)	(2,33,73,050)
त) मुख्यालय	1,53,69,377	3,53,47,398
थ) दिल्ली केंद्र	3,25,70,244	68,15,582
द) पटना केंद्र	29,15,238	28,28,048
ध) रांची केंद्र	(4,76,372)	(3,03,359)
न) अजमेर	(1,22,46,520)	(1,09,45,101)
प) शिमला केंद्र	3,33,00,754	3,38,45,908
फ) हरिद्वार केंद्र	1,58,29,071	1,57,62,488
ब) भुवनेश्वर केंद्र	(9,13,423)	(39,30,999)
भ) पाली केंद्र/बीकानेर केंद्र	1,13,01,342	1,01,68,920
म) लखनऊ केंद्र	3,31,161	(82,94,416)
य) एनपीआर	(12,46,72,888)	(12,69,22,557)
र) लेह	61,57,430	61,57,430
योग (ग)	**(3,65,99,701)**	**(68,07,305)**
योग (क+ख+ग)	**10,70,65,04,322**	**10,76,62,59,107**

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची- 13 - सेवाओं से आय

(राशि रुपये में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
परामर्श/व्यवशायिक शुल्क		
परामर्श शुल्क	15,02,970	60,94,972
आईआरडीए परीक्षा/पीएमजी दिशा परीक्षा	2,49,58,197	4,96,05,321
एवीएसईसी/बीसीएएस परीक्षा/ईएसडीएम/यूटी काउंसलिंग	1,90,65,180	1,20,52,454
वेबसाइट रखरखाव/प्रयोगशाला रखरखाव	42,62,342	23,00,950
भर्ती परीक्षाओं का आयोजन	33,34,43,061	20,12,96,431
ऑनलाइन परीक्षा आयोजित करने की फीस	4,13,19,644	1,19,59,415
कॉर्पोरेट प्रशिक्षण	37,69,844	6,09,839
ऑनलाइन परीक्षा के लिए अबसंरचना उपलब्ध कराना	23,87,448	30,86,410
डेटा प्रोसेसिंग सेवाएँ	-	-
पीएसइबी	7,86,41,629	8,88,78,197
जनशक्ति सेवा प्रदान करना	92,08,43,235	86,03,81,847
योग	**1,43,01,93,550**	**1,23,62,65,836**

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची- 14 - अनुदान/ इमदाद

(राशि रुपये में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
अनुदान - एमआईइटीवाई		
योजना -भिन्न सामान्य	-	-
अनुदान - एमआईइटीवाई के अलावा	-	-
योजना से अंतरण/ आवर्ती व्यय के लिए एमआईइटीवाई से प्राप्त	4,12,48,329	2,55,58,453
राज्य सरकार-मॉडल कैरियर काउंसिल केंद्र	-	-
योग	**4,12,48,329**	**2,55,58,453**

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची- 15 - शुल्क/सदस्यता

(राशि रुपये में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1. दीर्घावधि पाठयक्रमों का संचालन से आय		
क.) औपचारिक पाठ्यक्रम (विश्वविद्यालय से संबद्ध)		
पाठ्यक्रम शुल्क		
बी.टेक	1,11,32,425	1,81,64,894
एम.टेक	1,31,29,185	1,30,55,756
बीसीए	4,41,17,366	3,13,97,246
एमसीए/एमएससी आईटी	1,70,23,175	1,38,56,080
अन्य (एमसीआरपी)/पीएचडी/डीसीएसई/डीईटीई	1,77,71,058	2,01,87,824
पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा पाठ्यक्रम/पोस्ट मैट्रिक डिप्लोमा पाठ्यक्रम/डीईपीएम	1,89,50,227	91,88,075
पंजीकरण एवं अन्य शुल्क		
बी.टेक	-	-
एम.टेक	-	-
बीसीए	5,93,225	3,46,180
एमसीए/एमएससी इलेक्ट्रॉनिक्स	3,94,200	1,89,060
अन्य (पीजीडीसीए)/पीएचडी/डीईपीएम/डीसीएसटी	1,92,000	1,69,532
परीक्षा शुल्क		
बी.टेक	-	-
एम.टेक	-	-
बीसीए	10,451	4,270
एमसीए/एमएससी आईटी	8,455	4,550
अन्य(डीईपीएम)	-	34,307
ख.) गैर-औपचारिक पाठ्यक्रम (विश्वविद्यालय से असंबद्ध)		
पाठ्यक्रम शुल्क		
ओ स्तर	5,00,39,413	6,57,59,879
ए स्तर	31,61,392	29,91,178
बी स्तर	-	-
सी स्तर	-	-
मैट ओ स्तर	-	27,689
जैव सूचना विज्ञान / हार्डवेयर	2,50,80,501	1,55,32,778
अन्य (पीजीडीसीए, डीईटीई और डीसीएसई)	1,59,39,910	1,08,72,009
पंजीकरण एवं अन्य शुल्क		
ओ स्तर/ए स्तर/ एमएटी ओ स्तर	8,33,139	8,000
जैव सूचना विज्ञान / हार्डवेयर	6,46,645	-
अन्य	25,12,055	43,66,743
परीक्षा शुल्क		
मैट ओ स्तर/ ओ स्तर / ए स्तर	12,76,595	57,306
जैव सूचना विज्ञान / हार्डवेयर	41,81,092	80,74,000
अन्य	7,06,962	-

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची-15 शुल्क/सदस्यता (जारी...)

(राशि रुपये में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
2. लघु अवधि पाठ्यक्रम (एक वर्ष से कम) से		
क.) पाठ्यक्रम शुल्क		
एसीसी (जागरूकता कंप्यूटर अवधारणाएँ)	31,11,937	35,74,263
बीसीसी (बेसिक कंप्यूटर कोर्स)	45,133	6,93,281
सीसीसी (कम्प्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम)	1,54,31,253	1,91,80,684
ईसीसी (विशेषज्ञ कंप्यूटर कोर्स)	-	3,07,507
कस्टम शॉर्ट टर्म कोर्स (प्रशिक्षण, आईटीईएस, टैली आदि)	21,22,44,635	14,35,19,207
ख.) पंजीकरण और अन्य शुल्क		
एसीसी (जागरूकता कंप्यूटर अवधारणाएँ)	-	-
बीसीसी (बेसिक कंप्यूटर कोर्स)	92,400	-
सीसीसी (कम्प्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम)	3,92,500	7,816
ईसीसी (विशेषज्ञ कंप्यूटर कोर्स)	-	-
आंतरिक पंजीकरण शुल्क, ईएसडीएम परिवर्तन, बायो, इलेक्ट्रॉनिक और सर्किट डिजाइन आदि/एनएसक्यूएफ	22,23,752	23,35,119
ग.) परीक्षा शुल्क		
एसीसी (जागरूकता कंप्यूटर अवधारणाएँ)	91,000	58,300
बीसीसी - डीवीपी	-	57,32,433
ईसीसी (विशेषज्ञ कंप्यूटर कोर्स)	2,34,500	3,11,875
सीसीसी प्लस/सीसीसी-डीवीपी	29,48,391	32,85,538
बीसीएएस/ऑनलाइन परीक्षा प्रसंस्करण शुल्क, ईएसडीएम परिवर्तन, यूडीएके/जेयूडीए, ईएसडीएम/डीसीए, एनएसक्यूएफ आदि।	1,42,82,304	1,61,78,277
अन्य (पीजीडीसीए, डीईटीई और डीसीएसई)	29,29,895	19,69,987
3.नाइलिट योजना से आय		
क.) मान्यता शुल्क		
अनंतिम मान्यता शुल्क		
ओ स्तर	1,42,65,123	41,30,000
ए स्तर	-	-
बी स्तर	-	-
सी स्तर	-	-
सभी स्तरों पर प्रावधान विस्तार	-	-
हार्डवेयर ओ स्तर	-	-
पूर्ण प्रत्यायन शुल्क		
ओ स्तर	41,300	3,56,087
ए स्तर	-	77,356
बी स्तर	-	-
सी स्तर	-	-
सभी स्तरों पर पूर्ण स्वीकृति का विस्तार	4,70,000	16,50,000
ईएसडीएम/एनएसक्यूएफ	13,78,474	9,96,873
अन्य– एसीसीआर शुल्क		
नाम/पता सभी स्तर पर परिवर्तन	2,76,500	4,35,950
प्रत्यायन के सभी स्तर का नवीनीकरण	8,12,500	25,99,000
प्रत्यायन के लिए विलम्ब शुल्क	1,14,000	2,64,000
पाठ्यक्रम का विविधीकरण	-	5,000
स्थगित मामले	20,000	-
सभी स्तरों पर एसीसीआर की निरंतरता	33,60,000	71,65,500
परिवतनीय ए सी सी आरशुल्क/ए सी फ	76,64,375	2,71,593

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची-15 शुल्क/सदस्यता (जारी...)

(राशि रुपये में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
ख.) पंजीकरण और अन्य शुल्क		
ओ स्तर	4,07,91,500	3,78,56,532
ए स्तर	8,78,250	6,50,000
बी स्तर	55,000	52,500
सी लेवल	47,500	39,750
पुनः पंजीकरण/आई-कार्ड एवं अन्य	4,74,192	6,14,458
ग.) परीक्षा शुल्क		
ओ स्तर	10,59,56,140	9,91,91,000
ए स्तर	34,77,900	34,80,750
बी स्तर	4,32,700	3,77,250
सी स्तर	6,352	1,65,750
परियोजना शुल्क	33,13,300	24,48,864
छूट शुल्क	5,000	5,500
पुनर्मूल्यांकन शुल्क और अन्य	19,240	3,17,824
ओ/ए/बी/सी स्तर के लिए व्यावहारिक परीक्षा शुल्क	10,32,72,400	10,06,25,000
ओ/ए/बी/सी स्तर के लिए प्रसंस्करण शुल्क	1,11,96,241	1,09,70,446
4.सीसीसी और बीसीसी कोर्स से आय		
क.) पाठ्यक्रम शुल्क		
बीसीसी	-	-
सीसीसी	-	-
ख.) सुविधा शुल्क		
एससीआर- सीसीसी/बीसीसी	-	-
ग.) पंजीकरण और अन्य शुल्क		
बीसीसी	-	-
सीसीसी	-	-
घ.) परीक्षा शुल्क/परीक्षा शुल्क का हिस्सा		
बीसीसी	1,01,13,483	64,97,914
सीसीसी	22,89,61,854	22,64,39,887
5.हार्डवेयर योजना से आय		
क.)कोर्स फीस		
हार्डवेयर पाठ्यक्रम	-	-
ओ स्तर -एच/डब्लू	-	-
ए स्तर -एच/डब्लू	-	-
ख.) पंजीकरण एवं अन्य शुल्क		
हार्डवेयर पाठ्यक्रम	-	-
ओ लेवल-एच/डब्लू	-	-
ए लेवल-एच/डब्लू	-	-
ग.) परीक्षा शुल्क		
हार्डवेयर पाठ्यक्रम	-	-
ओ स्तर -एच/डब्लू	-	-
ए स्तर -एच/डब्लू	-	-
योग	**1,01,91,30,495**	**91,91,26,427**

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची- 16 - परियोजनाओं से आय

(राशि रुपये में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
सरकार द्वारा प्रायोजित परियोनाएं (एमईआईटीवाई के अलावा)		
एनसीपीयूएल	32,47,09,675	32,34,06,593
एच पी स्कूल परियोजनाएं	4,77,56,355	28,13,21,248
अन्य (एमसीसी / क्षेत्रीय रोजगार प्रशिक्षण / एक्सचेंज-डीजीईटी आदि)	33,07,850	38,99,833
एमइआईटीवाई परियोजनाएं		
ईएसडीएम परियोजनाएं	1,01,84,423	81,79,126
ई-कचरा परियोजनाएं	-	88,44,400
आमजन हेतु आईटी में प्रशिक्षण / वरिष्ठ नागरिक / एनईजीडी के अंतर्गत सीसीसी में प्रशिक्षण	35,20,294	2,18,65,430
स्वरोजगार क्षमता निर्माण	21,86,811	53,731
साइबर फोरेंसिक लैब/ साइबर सुरक्षा/ आईएसईए / डब्ल्यू बी एल	6,30,58,356	2,67,67,893
फ्यूचर स्किल प्राइम- 3 डी प्रिंटिंग / रोबोट / आईओटी	4,49,04,469	9,36,22,561
प्रशिक्षण ओ लेवल जॉबसीकर्स वाले (डीजीईटी -डीजीआर) सी एच एम ओ लेवल	4,58,68,340	3,08,73,182
एससी/एसटी की प्रतिपूर्ति	1,02,92,076	1,36,49,956
अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के युवाओं/महिलाओं के रोजगार के लिए कौशल प्रशिक्षण	2,03,52,948	1,98,34,769
आकांक्षी जिला परियोजना	3,64,11,850	4,09,75,554
उत्तर पूर्व परियोजना -2	20,49,23,145	23,64,78,314
अन्य (सी2एस स्मार्ट लैब/ड्रोन/सीओई/आईसीटी यात्रा एवं पर्यटन)	10,44,58,413	9,41,38,117
राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित।		
वेबसाइट विकास/डीआईटी-मणिपुर/सॉफ्टवेयर विकास.	40,97,695	23,62,873
उद्योग विभाग एवं ई-गवर्नेंस (बिहार- पुलिस विभाग)	-	59,07,735
स्मार्ट वर्चुअल क्लास रूम/इन्क्यूबेशन सेंटर (कोहिमा)/अन्य राज्य सरकार	8,47,09,626	94,08,570
स्वयं की परियोजनाएं		
परीक्षा से आय	9,91,41,771	10,34,91,321
लोक सेवा आयोग	-	3,04,999
कृषि जनगणना / भर्ती / एचआईपीए / सामाजिक न्याय और अधिकारिता (शिमला) / अन्य	7,29,46,091	4,68,50,340
विस्तार केंद्र-एनई परियोजना से आय	1,34,18,647	1,96,26,125
योग	**1,19,62,48,835**	**1,39,18,62,670**

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 17 - प्रकाशन की बिक्री से आय

(राशि रुपये में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
प्रॉस्पेक्टस की बिक्री		
ओ स्तर	2,03,195	2,76,046
ए स्तर	-	-
ओ स्तर - एच/डब्ल्यू	-	-
बीसीए	-	-
एमसीए	-	-
अन्य (एम.टेक)/पीएचडी/डीसीएसई/डीईटीई	45,940	46,490
पाठ्यक्रम की बिक्री		
ओ स्तर	-	-
परीक्षा फॉर्म की बिक्री		
ओ/ए/बी/सी स्तर	-	-
बीसीसी/सीसीसी	-	-
अन्य वस्तुओं की बिक्री	-	-
प्रकाशन की बिक्री- अन्य केंद्र/हार्डवेयर पाठ्यक्रम	1,53,494	23,008
रॉयल्टी से आय	-	-
योग	**4,02,629**	**3,45,544**

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

H.K. DUA & Co. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची- 18 - अर्जित ब्याज

(राशि रुपये में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
सावधि जमा पर	71,31,67,742	24,16,35,531
बचत खातों पर	63,69,961	1,54,43,192
स्टाफ ऋण पर	34,195	37,535
अन्य पर- सुरक्षा जमा / ऑटोस्वीप / निवेश / टीडीएस रिफंड आदि पर।	1,55,20,895	81,29,264
ईयरमार्क्ड़/ एंडाउनमेंट निधि / जीआईए	6,11,27,717	3,79,02,459
घटाइए: प्रायोजित परियोजना को अंतरित ब्याज	(5,84,000)	(93,49,953)
योग	**79,56,36,510**	**29,37,98,028**

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची **19 - टाउनशिप से प्राप्तियाँ**

(राशि रुपये में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
किराया प्रतियाँ	32,38,921	19,99,313
जल शुल्क की वसूली	2,10,773	3,54,230
बिजली शुल्क की वसूली	5,24,527	1,86,544
टाउनशिप से अन्य प्राप्तियां (लाइसेंस शुल्क)	3,92,624	12,52,564
योग	**43,66,845**	**37,92,651**

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची **20 - विविध प्राप्तियाँ**

(राशि रुपये में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
विविध आय	60,26,762	53,35,198
कार्यशाला रसीद	6,65,847	6,71,271
गेस्ट हाउस/छात्रावास रसीदें	74,75,607	72,88,425
अन्य विविध प्राप्तियाँ	95,40,770	80,27,620
योग (क)	**2,37,08,986**	**2,13,22,514**
गैर-प्रचालन आय		
पिछले वर्षों से संबंधित आय	1,16,50,830	29,42,105
स्थिर परिसंपत्तियों की बिक्री पर लाभ	6,09,826	1,58,659
असाधारण वस्तुओं से आय	1,46,404	-
चिन्हित निधियों के अधीन सृजित परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास	-	-
अतिरिक्त प्रावधान वापस लिया गया	1,88,85,673	3,16,94,092
जीआईए से खरीदी गई परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास	13,02,19,450	14,26,98,036
प्रायोजित परियोजनाओं पर मूल्यह्रास	18,41,89,447	11,49,91,457
योग (ख)	**34,57,01,630**	**29,24,84,349**
अंतिम स्टॉक		
तैयार वस्तुओं तथा निर्माणाधीन कार्य के स्टाक में बढ़ोतरी/कमी	(1,447)	2,614
स्टोर, पुर्जे, उपभोग्य और घटक	-	-
योग (ग)	**(1,447)**	**2,614**
कुल योग (क+ख+ग)	**36,94,09,169**	**31,38,09,477**

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची **21 - स्थापना व्यय**

(राशि रुपये में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1. कर्मचारियों की परिलब्धियाँ		
वेतन और मजदूरी	48,52,71,323	46,92,65,717
समयोपरि भत्ता/ अवकाश दिवस क्षतिपूर्ति	-	11,300
बोनस/अनुग्रह राशि	-	-
प्रतिनियुक्ति पर आए कर्मचारियों के लिए छुट्टी वेतन तथा पेंशन अंशदान	-	-
अतिथि शिक्षकों को मानदेय	1,37,824	24,600
प्रशिक्षार्थियों को छात्रवृति	-	-
सेवानिवृत्ति भुगतान	-	-
2. कर्मचारियों को लाभ		
चिकित्सा प्रसार- प्रतिपूर्ति	4,57,19,786	4,60,04,854
अवकाश यात्रा रियायत	40,51,904	77,20,913
प्रोत्साहन योजनाओं के अंतर्गत भुगतान	-	-
अवकाश नकदीकरण- व्यय	2,30,94,607	1,81,31,898
उपदान-व्यय	86,91,819	68,07,013
कर्मचारियों को अन्य लाभ	67,02,977	34,92,103
सामूहिक/उपदान बीमा प्रीमियम	235	7,647
बाल शिक्षा भत्ता/ ट्यूशन शुल्क की प्रतिपूर्ति	56,31,547	55,26,725
3. निधियों संस्था का अंशदान		
भविष्य निधि में योगदान	8,96,16,129	6,97,45,505
उपदान का प्रावधान	3,74,45,153	4,16,22,651
अवकाश नकदीकरण का प्रावधान	2,57,29,293	3,86,05,511
अन्य निधियों में योगदान- एनपीएस/ईएसआई	95,74,073	27,54,833
योग	**74,16,66,670**	**70,97,21,270**

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची **22 - अन्य प्रशासनिक व्यय**

(राशि रुपये में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
1. कर्मचारी कल्याण व्यय		
कैंटीन पर व्यय	45,14,337	35,81,324
अन्य कल्याणकारी व्यय	20,66,709	27,87,504
2. मुख्यालय द्वारा नाइलिट योजना के कार्यान्वयन से व्यय		
मानदेय व्यय	2,03,800	9,39,538
नाइलिट पाठ्यक्रमों पर किया गया व्यय	9,56,35,307	9,58,53,355
3. किराया दर एवं कर		
परिसर का किराया	1,69,42,962	2,72,70,533
भवन का सेवा शुल्क	61,49,561	36,72,609
वाहन शुल्क	-	2,28,966
बिजली एवं पानी का शुल्क	3,46,24,583	2,81,28,243
4. बीमा		
कार्यालय बीमा	15,41,654	12,24,111
वाहन बीमा	4,05,462	3,05,861
अन्य बीमा	3,16,140	9,78,777
5. मरम्मत और रखरखाव		
उपकरणों	66,01,131	56,51,162
कार्यालय एवं आवास भवन	2,08,01,762	2,79,54,434
वाहनों	30,91,271	29,77,830
अन्य/स्थिर परिसंपत्ति	42,72,722	32,33,983
6. यात्रा व्यय		
अंतर्देशीय	1,39,67,231	1,53,32,265
विदेशी	7,01,456	14,54,197
परिवहन शुल्क प्रतिपूर्ति	5,96,321	4,77,772
यात्रा व्यय- अन्य	11,09,731	13,44,504
स्थानांतरण व्यय	2,84,780	7,27,519
7. विज्ञापन एवं प्रचार		
निविदाएं आमंत्रित करना	22,868	2,03,220
भर्ती	4,55,949	8,49,955
बिक्री संवर्धन एवं प्रचार	50,01,767	51,63,466
प्रदर्शनियां एवं स्टॉल	1,97,228	1,89,327
अन्य बिक्री संवर्धन व्यय	1,94,648	51,239
कार्यशाला व्यय	47,24,401	1,03,02,159
8. कार्यालय व्यय		
पुस्तकें और पत्रिकाएँ	5,36,775	7,06,380
डाक एवं तार	11,80,460	20,34,742
कूरियर एवं माल भाड़ा	47,100	1,29,466

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची 22 – अन्य प्रशासनिक व्यय (जारी...)

(राशि रुपये में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
टेलीफोन/इंटरनेट शुल्क	1,50,26,420	1,13,42,488
पाठ्यक्रम सामग्री की खरीद और विकास	-	-
प्रिंटिंग व स्टेशनरी	57,95,655	47,67,033
वाहन चलाने का खर्च	16,70,466	20,40,556
आतिथ्य व्यय	12,69,788	13,29,859
स्टाफ को उपहार	-	-
कानूनी/पेशेवर/परामर्श शुल्क व्यय	43,38,956	37,45,928
मानव-शक्ति व्यय	8,81,63,289	8,59,45,227
9. विविध व्यय		
फीस ऑडिट	13,92,461	14,23,436
अन्य क्षमता में लेखा परीक्षकों को भुगतान	2,23,360	4,18,406
अनुसंधान संस्थानों/आई ई ई ई लाइब्रेरी की सदस्यता/लाइसेंस शुल्क	8,303	21,180
श्रमिकों और पर्यवेक्षकों का प्रशिक्षण	2,19,10,738	2,75,79,042
सॉफ्टवेयर विकास व्यय	1,67,036	87,581
सेमिनारों और विकास पाठ्यक्रमों पर व्यय	80,85,055	9,46,489
कम्प्यूटरों की खरीद	40,43,433	7,63,763
वाहन किराये पर लेना	28,31,391	41,72,800
बैंक शुल्क	8,46,680	3,68,128
गेस्ट हाउस का खर्च	18,815	3,22,685
अन्य विविध व्यय	2,31,08,843	2,13,88,442
बैठक व्यय	44,73,900	19,69,096
परीक्षा अनुभव/पंजीकरण शुल्क (सीएफएस, सीसीसी, डीईपीएम, एम.टेक., बायोइन्फो)	26,14,673	63,90,888
सबद्धता शुल्क	25,14,895	3,34,384
प्रशिक्षुओं को वजीफा	56,355	50,000
स्वच्छता कार्य योजना	55,262	7,32,537
परियोजनाओं पर व्यय का आबंटन/परियोजनाओं /ऊपरिव्ययों से वसूल किया गया	(1,37,02,805)	(1,36,23,763)
पट्टा किराया भुगतान (जीआईए)	-	-
खराब ऋण बट्टे खाते में डाले गए/ प्रावधान	-	-
घाटे को बट्टे खाते में डाला गया	14,29,104	1,03,996
आस्थगित राजस्व व्यय/विविध परिसंपत्तियां बट्टे खाते में डाली गईं	-	5,26,427
घटक और उपभोग्य वस्तुएं	7,62,567	1,76,770
10. ब्याज		
वित्तीय संस्थाओं से ऋण पर ब्याज	-	-
नकद ऋण / ओवरड्राफ्ट पर ब्याज	-	-
अन्य मदों पर ब्याज (निर्दिष्ट करें)	4,71,126	1,01,146
11. आयकर / व्यावसायिक कर		
आयकर / व्यावसायिक कर	5,490	15,000
अन्य कर (स्वच्छ भारत, जीएसटी आदि)	91,94,776	3,14,528
12. प्रावधान		
संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान	-	-

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

H.K. DUA & CO. Chartered Accountants New Delhi

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची **22** - अन्य प्रशासनिक व्यय (जारी...)

(राशि रुपये में)

विवरण	**वर्तमान वर्ष**	**गत वर्ष**
पिछले वर्ष से संबंधित व्यय (पूर्व अवधि व्यय)	1,75,45,014	75,63,838
अचल संपत्तियों की बिक्री/निपटान पर हानि	2,04,595	5,448
13. पाठ्यक्रमों के संचालन पर व्यय		
दीर्घकालिक पाठ्यक्रम	1,27,44,744	39,24,529
एम.टेक/एमसीए	3,61,976	3,65,633
सीसीसी योजना	95,73,024	92,80,105
बीसीसी पाठ्यक्रम	-	-
लघु अवधि पाठ्यक्रम	4,96,89,906	4,00,58,253
हार्डवेयर/सॉफ्टवेयर पाठ्यक्रम	-	47,62,859
एनएसक्यूएफ व्यय	3,30,314	-
जैव सूचनात्मक पाठ्यक्रम/ईएसडीएम/अन्य	27,120	54,868
14. बाहरी पार्टियों को प्रशिक्षण व्यय	-	1,28,000
योग	**50,34,40,841**	**47,36,52,026**
अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास - जीआईए	**13,02,19,450**	**14,26,98,036**
अचल संपत्तियों पर मूल्यह्रास - अधिशेष में से	**6,69,41,924**	**6,66,93,642**

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

नाइलिट

31.03.2024 की स्थिति के अनुसार तुलन-पत्र के भाग के रूप में अनुसूची

अनुसूची **23 - परियोजनाओं पर व्यय**

(राशि रुपये में)

विवरण	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
केंद्र सरकार (एमईआईटीवाई/डीएसटी/एआईसीटीई/डीजी एवं ईटी परियोजनाएं)	51,11,36,181	39,11,32,316
विस्तार केंद्र पर व्यय	1,42,70,895	1,98,23,851
राज्य सरकार	8,41,23,522	70,33,671
अन्य परियोजनाएँ	-	72,20,119
स्वयं की परियोजनाएं	41,10,81,822	70,63,64,530
योग (क)	**1,02,06,12,420**	**1,13,15,74,487**
सेवाओं पर व्यय (ख)	**1,28,22,61,495**	**1,12,53,21,091**
परियोजनाओं की अचल संपत्तियों का मूल्यह्रास (ग)	**18,41,89,447**	**11,50,15,487**
योग (क+ख+ग)	**2,48,70,63,362**	**2,37,19,11,065**

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट)

नाइलिट भवन, प्लॉट नं.3, पीएसपी पॉकेट, सेक्टर–8, द्वारका, नई दिल्ली – 110077

अनुसूची 24– महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियां

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (आगे नाइलिट के रूप में संदर्भित), एक स्वायत्त वैज्ञानिक संस्था (डीओईएसीसी सोसायटी से, दिनांक 10.10.2011 से परिवर्तित नाम) की स्थापना इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारत सरकार के प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत नवंबर, 1994 के दौरान सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के क्षेत्र में मानव संसाधन विकास और संबंधित कार्यकलापों को कार्यान्वित करने के लिए की गई थी। यह संस्था धारा 12ए के तहत आयकर विभाग में पंजीकृत है तथा विश्व स्तरीय शिक्षा व प्रशिक्षण तथा प्रत्यायन सेवाएं प्रदान करते हुए, सूचनाएं, इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी (आईईसीटी) और संबद्ध क्षेत्रों में केवल उत्तम जनशक्ति का सृजन और कौशल पेशेवरों का विकास करने के उद्धेश्य से, बनायी गई है। यह संस्था सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) के क्षेत्र में दोनों औपचारिक एवं अनौपचारिक रूप से शिक्षण प्रदान करती है। इसके अतिरिक्त, आईसीटी के क्षेत्र में परीक्षा व प्रमाणन हेतु देश के प्रमुख संस्थान के लिए मानक स्थापित करने के लिए अत्याधुनिक क्षेत्रों में उद्योग उन्मुखी उत्तम शिक्षा व प्रशिक्षण प्रदान करती है। यह एक राष्ट्रीय परीक्षा निकाय भी है जो संस्थानों/संगठनों को विशेष रूप से आईटी शिक्षा और प्रशिक्षण के अनौपचारिक क्षेत्र में पाठ्यक्रमों का संचालन करने के लिए प्रत्यायन प्रदान करती है। रा.इ.सू.प्रौ.सं. अपने 23 केंद्रों– अइजोल, औरंगाबाद, अगरतला, अजमेर, भुवनेश्वर, कालीकट, चंडीगढ़, चेन्नई, दिल्ली, गंगटोक, गोरखपुर, गुवाहाटी, हरिद्वार, ईटानगर, इम्फाल, कोलकाता, कोहिमा, पटना, रांची, शिलांग, शिमला, श्रीनगर एवं जम्मू और लेह के माध्यम से कार्य कर रहा है।

निम्नलिखित नीतियां इसके विभिन्न केन्द्रों सहित नाइलिट की समेकित लेखांकन नीतियों का प्रतिनिधित्व करती हैं। इसमें विभिन्न केन्द्रों की लेखा परीक्षित रिपोर्टों में लेखों की महत्वपूर्ण टिप्पणियाँ और विभिन्न महत्वपूर्ण सूचनाएँ भी शामिल हैं जो नाइलिट के समेकित वित्तीय विवरण का अंश बन गयी हैं।

1. लेखांकन की परंपरा

क) लेखांकन पद्धति

वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत परम्परा और जब तक नीचे अन्यथा उल्लेख न किया गया हो लेखांकन की अर्जित पद्धति के आधार पर तैयार किए जाते हैं।

ख) अनुमानों का प्रयोग

वित्तीय विवरण तैयार करने के लिए आंकलन तथा पूर्वानुमान करने होते हैं जो वित्तीय विवरण की तिथि को बताई जाने वाली परिसम्पतियों तथा देयताओं की राशि तथा रिपोर्ट की अवधि के दौरान राजस्व तथा व्यय की राशि को प्रभावित करती हैं। वास्तविक परिणामों तथा अनुमानों के बीच अन्तर को उस समय स्वीकार किया जाता है जिस अवधि में परिणाम प्राप्त होते हैं/मूर्त रूप देते हैं।

2. आय की पहचान

निम्नलिखित को छोड़कर, सभी नाइलिट केंद्र लेखांकन की अर्जन पद्धति का अनुसरण कर रहे हैं:

क) नाइलिट ने भारत सरकार से प्राप्त अनुदान को नकद आधार पर दिखाया है।

ख) श्रीनगर/जम्मू केंद्र प्रत्यायित पाठ्यक्रम शुल्क रसीद के आधार पर।

ग) पंजीकरण शुल्क, प्रत्यायन शुल्क, परिवर्तनीय प्रत्यायन शुल्क (वीएएफ) और जागरूकता निर्माण कोष (एसीएफ) को रसीद के आधार पर माना गया है।

3. **इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा आवर्ती व्यय की पूर्ति हेतु केन्द्रों को जारी राजस्व अनुदान–सहायता को संबंधित केंद्रों द्वारा आय के रूप में लेखांकित किया गया है जिसका विवरण नीचे दिया गया है:**

क्र.सं.	नाइलिट केंद्र का नाम	राशि (रु.)
i.	गुवाहाटी	1,30,70,526/–
ii.	शिलांग	8,98,925/–
iii.	अजमेर	59,02,653/–
iv.	पटना	1,23,52,411/–
v.	लेह	48,23,814/–
vi.	दमन	42,00,000/–
	कुल	**4,12,48,329/–**

4. **निवेश**

संस्था की निधियों को राष्ट्रीयकृत बैंकों में अल्पकालीन सावधि जमाओं में निवेश किया गया है जिसे संस्था के दिशा–निर्देशों के अनुसार 'कोषागार प्रबंध अतिशेष' के रूप में दर्शाया गया है।

वर्ष के दौरान प्राप्त इयरमार्क्ड /एन्डाउमेंट निधि सावधि जमा राशियों पर ब्याज को संबंधित इयरमार्क्ड /एन्डाउमेंट निधि के खाते में रखा जा रहा है । जीआईए पर ब्याज़ भी माइटी को वापस किया गया ।

5. **इनवेंटरी**

स्टॉक को कम या शुद्ध वसूली योग्य मूल्य पर मूल्यांकित किया जाता है।

6. **स्थिर परिसंपत्तियाँ**

स्थिर परिसम्पत्तियों को लागत कम संचित मूल्यह्रास पर दर्शाया जाता है। खरीद की लागत में आवक मालभाड़ा, शुल्क एवं कर तथा खरीद से संबन्धित एवं प्रत्यक्ष व्यय को शामिल करके दर्शाया जाता है। निर्माण से संबंधित परियोजनाओं के मामले में, संबंधित प्रचालन–पूर्व व्यय पूँजीकृत परिसंपत्तियों के मूल्य के भाग के रूप में होता है।

क) कोलकाता केंद्र के संदर्भ में, स्थिर परिसंपत्तियों को लागत (सकल) संचित मूल्यह्रास घटाकर दर्शाया गया है। लागत में, अधिग्रहण की लागत, संस्थापन, भाड़ा व शुल्क कर, अनुषंगी खर्च सम्मिलित है। बिधान नगर के सेक्टर–1 (सॉल्ट लेक, प्लाट नं. 267, ब्लॉक– बीएफ) स्थित 999 वर्षों के लिए 'पट्टाकृत भूमि' को स्थिर परिसंपत्तियों की अनुसूची में 'भवन' शीर्षक के अन्तर्गत दर्शाया गया है।

ख) अगरतला केंद्र के संदर्भ में, त्रिपुरा सरकार द्वारा निशुल्क रूप से स्थायी परिसर के निर्माण के लिए 15 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। इसे स्थायी परिसंपत्ति अनुसूची के अंतर्गत नाममात्र मूल्य रु.1/– पर दर्शाया गया है।

ग) राजस्थान सरकार ने केकड़ी, जिला अजमेर के पास खोडा गाँव में 16.33 हेक्टेयर की जमीन 99 वर्षों की लीज पर निःशुल्क रूप में आवंटित की है जिसे 1/– रु. के सांकेतिक मूल्य पर दर्शाया गया है।

घ) नाइलिट गुवाहाटी (सिटी केन्द्र) के मामले में, 10 वर्षों की अवधि के लिए किराए पर लिए गए भवन के नवीकरण (सिविल तथा विद्युत) पर किए गए व्यय के रूप में दर्शाया गया है जिसे उसके कब्जे की अवधि के दौरान बट्टे खाते में डाला जाएगा।

ङ) वर्ष के दौरान उत्तर पूर्व क्षमता–निर्माण परियोजना के अंतर्गत नाइलिट गुवाहाटी केंद्र के स्थायी परिसर का निर्माण पूरा कर लिया गया है तथा प्रगति पर कुल पूंजीगत कार्य (सीडब्ल्यूआईपी) की राशि रु. 48,17,47,002/– को अचल परिसंपत्तियों में परिवर्तित कर दिया गया है।

च) वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान, नाइलिट कोहिमा ने ''पूर्वोत्तर राज्यों में समाज के विभिन्न वर्गों के लिए डिजिटल कौशल सेट एवं वर्तमान उद्योग की मांग वाली प्रौद्योगिकियों में प्रशिक्षण सहित आईईसीटी में क्षमता–निर्माण'' (एनईसीबी 2.0) परियोजना के अंतर्गत एमईआईटीवाई से प्राप्त जीआईए में से रु. 2,42,37,720/– की लागत से 8 मोबाइल आईसीटी बसें खरीदी गई हैं तथा वाहनों को 8 पूर्वोत्तर केंद्रों (अर्थात कोहिमा, गुवाहाटी, शिलांग, अगरतला, आइजोल, इम्फाल, ईटानगर और गंगटोक) को उपलब्ध करा दिया गया है।

नाइलिट गंगटोक के अतिरिक्त सभी केंद्रों ने इसे (अर्थात प्रत्येक 30,29,715/– रुपये) लेखा बहियों में दर्ज किया है। वित्तीय वर्ष 2024–25 के दौरान, इसे नाइलिट गंगटोक लेखा बहियों में दर्ज करेगा। ।

छ) दिल्ली केंद्र के मामले में – अचल संपत्ति रजिस्टर और आंतरिक नियंत्रण प्रक्रिया का प्रतिरूप सत्यापित किया गया है, हालांकि यह इकाई के आकार के अनुरूप नहीं है।

ज) नाइलिट भुवनेश्वर में, रु. 4,38,923/– की अचल संपत्ति डब्ल्यूबीएल परियोजना से संबंधित है, जिसे पहले अधिशेष से सृजित परिसंपत्तियों में जोड़ा गया था, अब प्रायोजित परियोजनाओं से सृजित परिसंपत्तियों में सुधारा/स्थानांतरित किया गया है।

7. मूल्यह्रास

मूल्यह्रास का प्रावधान आयकर अधिनियम 1961 में निर्धारित दरों पर डब्ल्यू.ए.वी पद्धति पर किया जाता है।

''अनुदान से संबंधित परिसंपत्तियों'' पर चालू वर्ष के लिए मूल्यह्रास को आय तथा व्यय खाते के नाम किया गया है तथा एएस–12 के अनुसार आय तथा व्यय खाते में जमा भी किया गया है तथा वर्ष के दौरान 'पूँजीगत सहायता अनुदान' से घटाया गया है।

8. लेखांकन नीति में परिवर्तन

वर्ष के दौरान ऐसा कोई परिवर्तन नहीं होता।

9. कर्मचारी के लाभ

- उपदान के लिए प्रावधान का लेखांकन एएस–15 के अनुसार बीमांकिक मूल्यांकन पर किया जाता है और कर्मचारी "ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम 1972" के अंतर्गत आते हैं।
- चण्डीगढ़ के मामले में उपदान की देयता को भारतीय जीवन बीमा निगम से समूह उपदान नकद संचयन के अधीन संबंधित कर्मचारी न्यास के पक्ष में ली गयी पालिसी द्वारा सुरक्षित किया गया।
- छुट्टी के नकदीकरण के लिए प्रावधान का लेखांकन एएस–15 के अनुसार बीमांकिक मूल्यांकन आधार पर किया जाता है ।
- बोनस नकद आधार पर लेखांकित किया गया है।
- नाइलिट मुख्यालय तथा केन्द्रों को सक्षम अधिकारी के अनुमोदन से 01.01.2003 सेईपीएफ के अंतर्गत सम्मिलित किया गया है। नाइलिट ने 1 सितंबर, 2014 के बाद नियुक्त हुए सभी नियमित कर्मचारियों के लिए एनपीएस योजना को अपनाया है।

अनुसूची 25: लेखाओं पर टिप्पणियाँ

1. आकस्मिक देयता:

क) चंडीगढ़ केंद्र

(i) विभाग द्वारा उठाए गए सेवा कर मांग:

क्र.सं.	मामले का प्राधिकारी	मामले के तथ्य	सम्मिलित राशि
1	केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण, (सीईएसटीएटी), चंडीगढ़	सेवा कर विभाग ने नाइलिट द्वारा उपलब्ध कराई गई स्टेशनरी के मूल्य को सेवाओं के कर योग्य मूल्य में सम्मिलित करने का निर्णय लिया है। विभाग द्वारा की गई मांग पर सीईएसटीएटी, चंडीगढ़ ने रोक लगा दी है। हालाँकि, मामले में नियमित सुनवाई अभी शुरू होनी है।	रु. 83,92,094/– तथा समान राशि पर जुर्माना एवं ब्याज।
2	केंद्रीय उत्पाद शुल्क एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण, (सीईएसटीएटी), चंडीगढ़	वर्ष 2012 के दौरान सेवा कर विभाग ने सेवाओं के कर योग्य मूल्य में नाइलिट द्वारा प्रदान की गई स्टेशनरी के मूल्य को सम्मिलित करने का निर्णय लिया है। विभाग द्वारा की गई मांग के संबंध में आयुक्त (अपील) के आदेश के विरुद्ध अपील दायर की गई है।	रु. 3,55,310/– तथा समान राशि का जुर्माना और ब्याज।
3	आयुक्त (अपील) माल एवं सेवा कर, लुधियाना	वर्ष 2014–15 के दौरान सेवा कर विभाग ने वित्तीय कर योग्य सेवाओं के मूल्य में शिक्षा सहायक सेवाओं से आय, नाइलिट के ओ स्तर पाठ्यक्रमों से आय और सीसीसी परीक्षा आदि से आय जैसी छूट प्राप्त सेवाओं के मूल्य को सम्मिलित करने का निर्णय लिया है। विभाग द्वारा की गई मांग के संबंध में सहायक आयुक्त के आदेश के खिलाफ अपील दायर की गई है।	रु. 46,23,975/– के साथ–साथ समान राशि का जुर्माना, ब्याज और रु. 10,000/– का अतिरिक्त जुर्माना
4	आयुक्त (अपील) माल एवं सेवा कर, लुधियाना	वर्ष 2011–12 के दौरान सेवा कर विभाग ने वित्तीय सेवाओं के कर योग्य मूल्य में अनुसूचित जाति/जनजाति के छात्रों को दिए जाने वाले व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं कोचिंग से प्राप्त अग्रिम राशि तथा आय को सम्मिलित करने का निर्णय लिया है। विभाग द्वारा की गई मांग के संबंध में सहायक आयुक्त के आदेश के विरुद्ध अपील दायर की गई है।	28,21,447/– रुपये, बराबर राशि का जुर्माना, ब्याज और 10,000/– रुपये का अतिरिक्त जुर्माना

(ii) अन्य मुकदमे:

- नाइलिट चंडीगढ़ ने विद्यालय परियोजना के लिए प्रशिक्षक उपलब्ध कराने के लिए रु. 15,66,021 की बकाया राशि की वसूली के लिए केन्द्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) के विरुद्ध मध्यस्थता कार्यवाही शुरू की, जिसके लिए संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान के रूप में बहियों में पहले से ही उचित प्रावधान किया गया था। केवीएस ने न केवल केन्द्र के दावे का खंडन किया है, बल्कि केन्द्र (पूर्व में आरसीसी) के लिए रु. 2,68,650 के अधिक भुगतान के रूप में प्रति दावा भी दायर किया है। अभी मध्यस्थता कार्यवाही शेष है।

- ईएसआई ने अक्टूबर, 2002 से मार्च, 2003 की अवधि हेतु ईएसआई योजना का पालन न करने के लिए रु. 11,22,702/– तथा रु.3,03,947/– का डिमांड नोटिस जारी किया था। ईएसआई के उप निदेशक ने आदेश संख्या पीबी. 17000399790001013/245 दिनांकित 21.07.2011 के अंतर्गत केंद्र को मांग का भुगतान करने का निर्देश दिया है। हालांकि, केंद्र ने एक अपील को प्राथमिकता दी है और तदनुसार सिविल रिट याचिका (सीडब्ल्यूपी) संख्या 5441/2013 और सीडब्ल्यूपी संख्या 5367/2013 माननीय पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय, चंडीगढ़ में लंबित हैं, हालांकि माननीय उच्च न्यायालय ने अंतरिम राहत के रूप में मांग की वसूली के खिलाफ रोक लगा दी है। मामला तर्क–वितर्क स्तर पर है तथा रोक लगा दी है। सुनवाई की अंतिम तिथि 08.05.2024 थी तथा मामले पर अगली सुनवाई की तिथि 04.11.2024 निर्धारित की गई है।

- दिनांकः 02 मई 2014 के आदेशों के विरुद्ध, इस केंद्र ने गलत तरीके से निकाले गए एचआरए की शेष राशि रु. 3,89,642.00/— दंडात्मक ब्याज के साथ वसूलने के लिए माननीय पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय चंडीगढ़ के समक्ष सिविल रिट याचिका संख्या 15204/2014 दायर की, जो सुश्री मंजीत कौर, पूर्व डाटा एंट्री ऑपरेटर 'ई' द्वारा दायर की गई थी। मामले में कार्यवाही जारी है। रु. 3,89,642/— की उक्त राशि उनकी सेवानिवृत्ति पर देय अवकाश नकदीकरण की राशि से वसूल की गई थी। इस केंद्र की पूर्व डाटा एंट्री ऑपरेटर 'ई' सुश्री मंजीत कौर ने रोकी गई रु. 3,89,642/— की राशि को भुगतान करने हेतु माननीय केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण, चंडीगढ़ बेंच के समक्ष पुनः ओए संख्या 60/129/2018 दायर की है। यह धनराशि रु. 3,89,642/— का मामला है जिसे माननीय केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण, चंडीगढ़ द्वारा दिनांक 10.10.2018 को वापस ले लिया गया था, कार्यवाही जारी है। मामले में सुनवाई की अंतिम तिथि 15.07.2024 (नियमित संख्या 617) थी। माननीय कैट की वेबसाइट पर सुनवाई की अगली तिथि अभी उपलब्ध नहीं है।

जब तक माननीय न्यायाधीश द्वारा मामले पर निर्णय नहीं हो जाता, तब तक धनराशि रु. 3,89,642/— की उक्त राशि को आकस्मिक देनदारियों के रूप में माना जाएगा।

- पत्र संख्या एमसी/इएसटीएटीई/2002/4732 दिनांक 29—01—2002 के द्वारा आवंटित भूमि के विरुद्ध नगर निगम चंडीगढ़ के विरुद्ध धनराशि रु.43,24,045/— की वसूली योग्य दर्शायी गई थी, जिसे बाद में, केंद्र द्वारा वापस कर दिया गया था। चंडीगढ़ के मुख्य प्रशासक और यूटी प्रशासन, चंडीगढ़ द्वारा कोई राहत प्रदान न किए जाने पर, माननीय पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय, चंडीगढ़ के समक्ष रिट याचिका दायर की गई थी, जिसे भी डिफ़ॉल्ट रूप से खारिज कर दिया गया था, जिसके विरुद्ध, मामले की बहाली के लिए एक और रिट याचिका दायर की गई थी। उक्त रिट याचिका को भी उसी कारण से नए सिरे से दायर करने की स्वतंत्रता के साथ वापस ले लिया गया था। नगर निगम, चंडीगढ़ को भेजे गए अभ्यावेदन के आधार पर, इस केंद्र द्वारा नगर निगम चंडीगढ़ के पक्ष में पहले से जारी किए गए रु. 43.24 लाख के प्रारंभिक भुगतान को समायोजित करके मणि माजरा में भूमि के आवंटन के लिए पुनर्विचार करने और प्रीमियम, ग्राउंड रेंट और विचार राशि की जब्ती राशि के विलंबित भुगतान पर ब्याज के लिए उठाए गए डिमांड नोट के लागू न होने के संबंध में, केंद्र सरकार के वकील के माध्यम से नई रिट याचिका दायर की गई है। चंडीगढ़ प्रशासन और नगर निगम के वकील को प्रस्ताव का नोटिस जारी किया गया। माननीय उच्च न्यायालय द्वारा अंतिम अवसर दिए जाने के बाद दिनांक 23.09.2019 को नगर निगम चंडीगढ़ के वकील द्वारा जवाबी हलफनामा दायर किया गया है।

कार्यवाही प्रक्रियाधीन है और मामले की अगली सुनवाई की तारीख दिनांक 07.11.2024 है। इस संबंध में केंद्र की लेखा बहियों में पहले से ही उचित प्रावधान किया गया है।

- श्री वी.के. जैन, पूर्व प्रभारी निदेशक, नाइलिट चंडीगढ़ ने नाइलिट चंडीगढ़ के पंद्रह अन्य पूर्व कर्मचारियों के साथ, जो 01.01.2016 के बाद और 29.03.2018 से पहले सेवानिवृत्त हुए थे, अर्थात जो श्रम और रोजगार मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा राजपत्र अधिसूचना जारी करने की तारीख है, जिसके द्वारा "ग्रेच्युटी भुगतान अधिनियम, 1972" के तहत एक कर्मचारी को देय ग्रेच्युटी की अधिकतम राशि 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 20 लाख रुपये कर दी गई है, ने आवेदकों को संबंधित सेवानिवृत्ति की तारीखों से वास्तविक वसूली की तारीख तक 12: प्रति वर्ष ब्याज के साथ अधिकतम 20 लाख रुपये की संशोधित ग्रेच्युटी देने के लिए माननीय केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण, प्रधान पीठ, चंडीगढ़ के समक्ष ओए संख्या 60/1144/2018 दायर किया है। प्रतिवादियों की ओर से उत्तर माननीय कैट के समक्ष दायर किया गया आगे की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है और मामले में अंतिम बहस के लिए अगली सुनवाई की तारीख दिनांक 13.09.2024 है।

- नाइलिट चंडीगढ़ ने राजस्थान राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड, जयपुर के साथ दिनांक 25.01.2003 को आरएससीबी और राज्य के 26 जिला केंद्रीय सहकारी बैंकों (डीसीसीबी) के मुख्यालय (पांच क्षेत्रीय कार्यालयों सहित) के कम्प्यूटरीकरण के लिए एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर के विकास के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। इस संबंध में चंडीगढ़ केंद्र ने हार्डवेयर इन्फ्रास्ट्रक्चर की खरीद के लिए राजस्थान राज्य सहकारी बैंक जयपुर को परामर्श सेवाएं प्रदान की थीं, जिसके लिए केंद्र को रु . 17.15 लाख अग्रिम राशि के रूप में प्राप्त हुए थे । किन्तु, राजस्थान राज्य सहकारी बैंक जयपुर ने अंततः

आपूर्ति आदेश नहीं दिया और रु. 23.58 लाख (रु 17.15 एवं ब्याज के रूप में रु 6.43 लाख) की राशि की वसूली के लिए अतिरिक्त जिला और सत्र न्यायाधीश, फास्ट ट्रैक –3, जयपुर शहर के समक्ष वर्ष 2007 में वसूली वाद दायर किया।

इस संबंध में, यह बताया जाता है कि माननीय न्यायालय द्वारा दिनांक 06.09.2019 को प्रस्तुत मामले में निर्णय दिया गया है, जिसके अनुसार राजस्थान राज्य सहकारी बैंक, जयपुर की याचिका को नाइलिट के पक्ष में निर्णय देते हुए खारिज कर दिया गया है। माननीय न्यायाधीश द्वारा यह भी आदेश दिया गया है कि व्यय का वहन संबंधित पक्षों द्वारा किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, वाणिज्यिक अदालतों, वाणिज्यिक अपीलीय अदालतों, वाणिज्यिक प्रभाग और उच्च न्यायालय अधिनियमों के वाणिज्यिक अपीलीय प्रभाग, 2015 की धारा 13 के तहत अपील, सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 की धारा 96 के साथ पठित, अपीलकर्ता (आरएससीबी) द्वारा संख्या डीबी सिविल नियमित प्रथम अपील संख्या 1109/2019 के तहत श्री राज कुमार, पीठासीन अधिकारी, वाणिज्यिक न्यायालय संख्या 2, जयपुर महानगर द्वारा सिविल वाद संख्या 37/18, जिसे ''राजस्थान राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड बनाम डीओईएसीसी एवं अन्य'' के रूप में प्रस्तुत किया गया है, में पारित निर्णय एवं डिक्री आदेश दिनांक 06.09.2019 के खिलाफ दायर की गई है।

उक्त मामले में सुनवाई की अंतिम तिथि 21.08.2024 थी। बहस के लिए अगली सुनवाई की तिथि दिनांक 19.09.2024 निर्धारित की गई है।

ख) <u>कोलकाता केंद्र</u>

i. आयकर मान्यता प्राप्त आरसीसी कर्मचारी अंशदायी भविष्य निधि ट्रस्ट उन कर्मचारियों के पीएफ का रखरखाव कर रहा है, जो 01.01.2004 से पहले नाइलिट में नियुक्त हुए हैं। हालाँकि, दिनांक 01.01.2004 को या उसके बाद सम्मिलित हुए कर्मचारियों के पीएफ का रखरखाव ईपीआर एवं एमपी अधिनियम, 1952 के तहत नाइलिट मुख्यालय में किया जाता है। केंद्र को क्षेत्रीय ईपीएफ प्राधिकरण से दिनांक 11.07.2006 को एक नोटिस तथा धारा 7ए दिनांक 09.07.2008 और धारा 7बी दिनांक 30.01.2009 के तहत आदेश प्राप्त हुआ है कि नाइलिट अगस्त,1982 से ईपीएफ और एमपी अधिनियम, 1952 के तहत कवर करेगा। उपर्युक्त आदेशों के खिलाफ, केंद्र ने ईपीएफ अपीलीय न्यायाधिकरण, दिल्ली (उपयुक्त प्राधिकारी) में अपील दायर की है कि हमारा मुख्यालय सीपीएफ अधिनियम के अधीन है। 26.07.1997. हालांकि, ईपीएफ अपीलीय न्यायाधिकरण, दिल्ली ने 3 अगस्त, 2011 के आदेश द्वारा अपील को खारिज कर दिया है। इसके बाद, केंद्र ने दिनांक 21 मार्च, 2012 को उपरोक्त आदेश के विरुद्ध माननीय उच्च न्यायालय, कोलकाता में अपील दायर की। दिनांकः 17.08.2012 को माननीय उच्च न्यायालय कोलकाता ने निर्णय जारी किया कि "अगले आदेश तक, प्रतिवादियों को ईपीएफ अपीलीय न्यायाधिकरण द्वारा पारित दिनांक 03 अगस्त, 2011 के आदेश के आधार पर आगे बढ़ने से रोका जाता है।''

नाइलिट कोलकाता ने कर्मचारी राज्य बीमा निगम, पश्चिम बंगाल क्षेत्र की रु 6,27,413/– की मांग के सापेक्ष रु. 1,56,854/– का भुगतान किया है। केंद्र स्तर पर इस मांग पर मतभेद हैं।

ii. धनराशि रु.9,82,620/–(सामान्य इनपुट सेवा पर प्राप्त सेनवैट क्रेडिट के लिए रु 4,87,425/–) के लिए सेवा कर की आकस्मिक देयता है, जिसके लिए तुलन– पत्र की तिथि तक मूल्यांकन लंबित है तथा सीसीआर नियम, 2004 के नियम 6(3) और नियम 14 के अधीन रु.4,95,195/–, जिसके लिए सेवा कर प्राधिकरण के पास अपील लंबित है, जिसमें से रु.4,95,195/– को सीजीएसटी एंड सी आयुक्त एवं पूर्व, हावड़ा आयुक्तालय द्वारा अपने आदेश संख्या 219/एस. टैक्स–11/को1/2018 दिनांक 20.03.18 के अधीन अलग रखा।

ग) शिमला केंद्र

i) हिमाचल प्रदेश के उच्च शिक्षा निदेशक को प्रदान की गई सेवाओं को अक्टूबर, 2018 तक जीएसटी से मुक्त माना गया था तथा उसके पश्चात जीएसटी लिया गया तथा जीएसटी विभाग को भुगतान किया गया। इससे पहले राज्य कर और उत्पाद शुल्क ने सीजीएसटी/एचपीजीएसटी अधिनियम, 2017 की धारा 73 के तहत रु 4,00,43,034/– का नोटिस जारी

किया था, जिसमें से रु 1,80,00,000/– वित्त वर्ष 2022–23 में जमा किए गए और शेष राशि का भुगतान वित्त वर्ष 2023–24 में किया गया।

आगे, अप्रैल, 2018 से अक्टूबर, 2018 की अवधि हेतु की मांग अभी भी निर्धारित की जानी है। हालाँकि, जीएसटी विभाग द्वारा कुछ ब्याज या जुर्माना लगाया जा सकता है, जिसे वर्तमान में निर्धारित नहीं किया जा सकता है।

ii) ईएसआईसी पोर्टल पर कर्मचारी के पंजीकरण में देरी के कारण कर्मचारी राज्य बीमा द्वारा कुछ ब्याज या जुर्माना लगाया जा सकता है। हालाँकि, ब्याज या जुर्माने की मात्रा का अभी आकलन नहीं किया जा सका है।

iii) पोर्टल संबंधी समस्या के कारण ईएसआईसी में नियोक्ता का अंशदान रु 99,771/– (जनवरी, 20 से सितंबर, 20 तक) अभी भी देय है। इसे अभी तक विभाग में जमा नहीं किया गया है। विभाग इस पर दंडात्मक ब्याज या शुल्क अधिरोपित कर सकता है। हालाँकि, वर्तमान में इसे निर्धारित नहीं किया जा सकता है।

घ) रांची केंद्र

i) माह मार्च, 2024 के लिए रु 1,52,88,453/– की सेल मार्च, 2024 के जीएसटीआर–3बी में नहीं भरी गई है। जिसकी विलंब रिपोर्टिंग से बिक्री की देर रिपोर्टिंग पर ब्याज हेतु आकस्मिक देयता उत्पन्न होगी।

ङ) पटना केंद्र

i) वर्ष जुलाई, 2017 से मार्च, 2018 की अवधि हेतु अधिकारी द्वारा दिनांक 31–12–2023 का जीएसटी आदेश जारी किया गया है, जिसमें कुल कर मांग रु. 47,146/–, ब्याज रु. 1,65,958/– और जुर्माना रु. 20,000/– है। इकाई ने दिनांक 06.06.2024 को धनराशि रु 53,065/– का ब्याज एवं रु 20,000/– का जुर्माना अदा किया है। शेष राशि अभी भी भुगतान के लिए लंबित है। प्रबंधन द्वारा उत्तर दिए जाने के अनुसार वित्त (सं. 2) विधेयक, 2024 ने सीजीएसटी अधिनियम 2017 में संशोधन करके वित्त वर्ष 2017–18 से 2019–20 तक की मांगों के लिए ब्याज और जुर्माने की सशर्त छूट के लिए धारा 128ए को पेश किया है, यदि पूर्ण कर देयता एक निर्दिष्ट तिथि से पहले चुकाई जाती है। इकाई संबंधित जीएसटी अधिकारियों से बकाया कर भुगतान के लिए ब्याज और जुर्माने के रूप में भुगतान की गई राशि को समायोजित करने का अनुरोध करेगी, ताकि इकाई द्वारा आगे कोई देयता न चुकाई जा सके।

च) इम्फाल केंद्र

i) संस्थान की सीमा भूमि के संबंध में एक मामला सिविल जज जूनियर डिवीजन, इम्फाल ईस्ट के समक्ष लंबित है, जिसकी मूल वाद संख्या 15/2013 है।

छ) नाइलिट मुख्यालय

i) दक्षिण दिल्ली नगर निगम ने उपयोग कारक 4 (व्यवसायिक भवन होने के कारण) लागू करके नाइलिट मुख्यालय द्वारका भवन के संबंध में संपत्ति कर का आकलन किया है और अपने मूल्यांकन आदेश दिनांक 17.02.2021 के माध्यम से रु 1,84,06,741/– की मूल्यांकन मांग बताई है। हालाँकि, नाइलिट ने फैक्टर 1 लागू करके दिनांक 18.03.2021 को रु 32,72,727/– तथा दिनांक 29.07.2021 को रु 5,64,910/– संपत्ति कर जमा किया है।

ii) नाइलिट ने 26.03.2021 को डब्ल्यूपी (सी) 4128/2021 के माध्यम से माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की है, जिसमें माननीय न्यायालय से अनुरोध किया गया है कि वह प्रतिवादी द्वारा जारी किए गए दिनांक 17. 02.2021 के मूल्यांकन आदेश, दिनांक 18.03.2021 और 24.03.2021 के वारंट को रद्द कर दे, प्रतिवादी को विषय परिसर को उपयोग कारक 1 के तहत मानकर एक नया मूल्यांकन आदेश पारित करने का निर्देश दें तथा गतिमान एमनेस्टी योजना (2021) का लाभ देने की अनुमति दें। माननीय उच्च न्यायालय ने अपने दिनांक 26.03.2021 के आदेश के माध्यम से नाइलिट को स्टे दे दिया है। यह मामला विचाराधीन है और अगली सुनवाई की तिथि 27.10.2024 है।

2. पूंजी प्रतिबद्धता :

(i) नाइलिट ने एनबीसीसी टावर, किदवई नगर में कार्यालय स्थान अधिग्रहण के लिए दिनांक 31 मार्च, 2024 तक एनबीसीसी को धनराशि रु 47.39 करोड़ जारी किए हैं तथा इसे पूंजीगत कार्य प्रगति के अंतर्गत दर्शाया है।

(ii) दिल्ली विकास प्राधिकरण ने नाइलिट को अपने नाइलिट भवन के निर्माण के लिए सेक्टर 8 द्वारका, नई दिल्ली में 4277.88 वर्ग मीटर का भूखंड आवंटित किया है । भूमि की अंतिम कीमत अभी तक डीडीए द्वारा निर्धारित नहीं की गई है।

3. वर्तमान परिसंपत्तियां, वर्तमान देयताएं, प्रावधान तथा ऋण एवं अग्रिम

प्रबंधन की राय में, चालू परिसंपत्तियों, ऋणों और अग्रिमों को उस मूल्य पर दर्शाया गया है जो व्यवसाय के सामान्य क्रम में वसूली योग्य होगा, देनदारों के मामले को छोड़कर जहां अनुपयुक्त और संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान किया गया है।

क) <u>दिल्ली केंद्र के मामले में</u>

i) शिक्षा निदेशक, झंडेवालान से वसूली योग्य धनराशि रु 1,12,71,327/– के सापेक्ष संदिग्ध ऋणों के लिए रु 28,60,720/– का प्रावधान किया गया है। यह राशि वर्ष 2004–05 से बकाया है। मामला मध्यस्थता में है। मध्यस्थ ने दिनांक 27.12.2017 को रु 78,98,437/– की राशि तथा दिनांक 23.03.2011 से 8% प्रति वर्ष ब्याज हेतु एवार्ड किया। शिक्षा निदेशालय, झंडेवालान ने बकाया भुगतान के सापेक्ष रु 78,98,437/– का भुगतान जारी किया तथा दिनांक 29.04.2023 को ब्याज स्वरूप धनराशि रु 9,00,000/– तथा दिनांक 19.10.2023 को ब्याज स्वरूप राशि रु 65,40,111/– भी जारी किए।

ii) वित्तीय वर्ष के दौरान, केंद्र को सहायक आयुक्त और वार्ड 203–जोन 11 दिल्ली, जीएसटी से दिनांक 5.12.2023 को डिमांड ऑर्डर प्राप्त हुआ, जिसके अनुसार वित्त वर्ष 2017–18 हेतु एसजीएसटी के भुगतान में विसंगति के कारण धनराशि रु 81,12,166/– का भुगतान करना था। नाइलिट दिल्ली केंद्र ने दिनांक 27.2.2024 को मेसर्स एच के दुआ, नई दिल्ली, सांविधिक लेखा परीक्षक, नाइलिट मुख्यालय के माध्यम से जीएसटी विभाग में अपीलीय प्राधिकारी के समक्ष अपील की।

iii) मध्यस्थता निपटान: शिक्षा निदेशालय, झंडेवालान के खिलाफ़ एक अनुकूल मध्यस्थता निर्णय के बाद, नाइलिट केंद्र को धनराशि रु 1,12,71,327/– के कुल दावे में से रु 78,98,437/– का अंतिम निपटान प्राप्त हुआ। यह पाया गया है कि केंद्र ने धनराशि रु 33,72,890/– की अप्राप्य शेष राशि को बट्टे खाते में डालने हेतु उचित उपाय नहीं किए हैं।

iv) टीडीएस प्राप्य – टीडीएस प्रमाणपत्र के अभाव के कारण लगभग धनराशि रु 4,75,780 के टीडीएस प्राप्य राशि सत्यापन योग्य नहीं है।

ख) <u>चंडीगढ केंद्र के मामले में</u>

i) वर्ष के दौरान देनदारों से प्राप्त कुल धनराशि रु 9,28,155/– को प्रासंगिक सूचना के अभाव में उचित देनदार के खाते में जमा नहीं की जा सकी। उक्त समेकित राशि को तुलन–पत्र एवं उसके खातों में दर्शाए गए कुल देनदारों से घटा दिया गया है।

ii) मुख्यालय आदेश संख्या नाइलिट/मुख्या/एडीटी/38/2019 दिनांक 13.05.2019 के अनुसार, नाइलिट रोपड़ की खाता बहियों को नाइलिट चंडीगढ़ की खाता बहियों के साथ दिनांक 1.04.2019 से विलय कर दिया गया था और वित्त वर्ष 2019–20 के लिए समेकित अंतिम खाते तैयार किए गए थे। पूर्ववर्ती नाइलिट रोपड़ की सभी अचल संपत्तियों के आंकड़े पिछले वर्ष के तुलन– पत्र में लिखित मूल्य पर "जोड़" कॉलम में दिए गए थे, जैसाकि, वित्त वर्ष 2018–19 के लिए नाइलिट रोपड़ के तुलन–पत्र में दर्शाया गया था। सभी अचल संपत्तियों की संबंधित मूल लागत अब चालू वर्ष के तुलन–पत्र की अनुसूची 5(बी) में "दिनांक 01.04.2020 तक मूल लागत" कॉलम में दिए गए हैं।

iii) वित्तीय वर्ष 2019–20 के दौरान, रोपड़ में कार्यालय भवन बाढ़ से जलमग्न हुआ, जिससे भवन, हार्डवेयर, फर्नीचर और फिक्सचर, विद्युत कनेक्शन, वाहन आदि को क्षति पहुंची। नष्ट/क्षतिग्रस्त परिसंपत्तियों के संबंध में विभिन्न ओईएम द्वारा

दिए गए पुनर्स्थापन मूल्य के आकलन के आधार पर, इसके द्वारा जारी बीमा पॉलिसियों के तहत न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के समक्ष तत्काल बीमा दावा पेश किया गया था।

सर्वेक्षक को कई बार निर्धारित प्रारूप में सभी आवश्यक दस्तावेज और जानकारी प्रदान करने और बीमा कंपनी के साथ पत्राचार करने पर भी, वर्तमान समय था बीमा कंपनी द्वारा दावे के आकलन या निपटान के संबंध में कोई संचार नहीं किया है। परिणामस्वरूप, इस संबंध में कानूनी नोटिस दिए जाने के पश्चात, लंबित दावे के शीघ्र निपटान हेतु दिनांक 15 जून, 2021 को जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, चंडीगढ़ के समक्ष शिकायत दर्ज की गई है। माननीय जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग II, यूटी चंडीगढ़ में न्यू इंडिया एश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के विरुद्ध नाइलिट चंडीगढ़ द्वारा शिकायत संख्या 371/2021 दायर की गई। उक्त मामले में बहस के लिए सुनवाई की तिथि 13.08.2024 निर्धारित की गई है। चूंकि निपटान दावा अभियोग में है और दावे की स्वीकार्यता को बीमा कंपनी द्वारा अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है इसलिए किसी भी आय को प्राप्य राशि के रूप में दर्ज नहीं किया जा सकता है, क्योंकि यह अभी भी पता लगाने योग्य नहीं है।

चालू वित्त वर्ष के दौरान आईटी उपकरण एवं अन्य परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास लगाया गया है, जो दिनांक 18.08.2019 को बाढ़ में पूर्ण रूप से नष्ट हो गए थे तथा इन परिसंपत्तियों को अनुसूची 8, 8ए एवं 8बी में पृथक रूप से चिह्नित किया गया है, जब तक कि सक्षम प्राधिकारी द्वारा उनके बट्टे खाते में डालने की स्वीकृति नहीं दी जाती है।

iv) पारगमन में चेकों में पिछले वर्षों से संबंधित धनराशि रु 1,77,517/– सम्मिलित हैं, जिनकी जांच गतिमान थी , जो पूर्ण हो गई है, किन्तु, संबंधित केंद्र से प्रासंगिक रिकॉर्ड प्राप्त होने पर लेखांकन प्रविष्टियां की जाएंगी।

ग) मुख्यालय के मामले में

i) श्री सुबोध राज एवं रामनिवास शर्मा द्वारा जिला उपभोक्ता विवाद निवारण फोरम, जयपुर में शिकायत दर्ज कराई जा रही है। नाइलिट ने जिला फोरम में रु 21,000/– की सावधि जमा राशि जमा कर दी है। अभी, मामला राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, नई दिल्ली में केस संख्या आरपी/1957/2019 के जरिए लंबित है। एनसीडीआरसी पोर्टल के अनुसार, सुनवाई की तिथि 03.06.2021 निर्धारित थी, लेकिन कोविड–19 प्रतिबंधों के कारण उस तिथि पर मामले की सुनवाई नहीं हो सकी। मामला विचाराधीन है और सुनवाई की अगली तिथि दिनांक 24.02.2025 है।

ii) अग्रिम शुल्क के रूप में धनराशि रु 1,16,84,903/– प्राप्त हुए हैं, जो चालू देयताओं के अंतर्गत दर्शाए गए हैं, यह राशि वित्तीय वर्ष 2018–19 से 2023–24 तक से संबंधित है।

iii) इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय से वसूली योग्य धनराशि रु 61,53,614/– का निपटान एनईएफटी/आरटीजीएस के माध्यम से किया जा चुका है, जैसाकि, इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय बताया, कुछ भी लंबित नहीं है।

iv) नाइलिट मुख्यालय ने विज्ञापन के लिए डीएवीपी को अग्रिम राशि जारी की तथा रिलीज ऑर्डर/चालान प्राप्त होने पर उसका निपटान किया। धनराशि रु 7,02,905/– अग्रिम के रूप में है तथा दिनांक 31.03.24 तक रु 5,13,285/– का क्रेडिट शेष दिख रहा है, जिसका समाधान किया जा रहा है।

v) कर्मचारियों से वसूली योग्य ईपीएफ के खाते में धनराशि रु 6,53,587/– का क्रेडिट शेष है, जिसका समाधान किया जा रहा है, चूंकि, सोसायटी अंशदान सहित कर्मचारी से ईपीएफ वसूली हेतु नाइलिट चंडीगढ़ से धनराशि रु 15,65,135/– प्राप्त हो चुके हैं।

vi) पूर्व छात्र सदस्यता निधि के खाते में धनराशि रु 39,000/– का क्रेडिट शेष है, जिसे पूर्व छात्र संघ के पंजीकरण के समय अलग बैंक खाते में स्थानांतरित कर दिया जाएगा।

vii) कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय से प्राप्त धनराशि रु 7,01,559/– की अग्रिम राशि निपटान हेतु लंबित है।

viii) वर्ष के दौरान, नाइलिट मुख्यालय ने तीन केन्द्रों की स्थापना करने तथा पूंजीगत व्यय को पूरा करने के लिए धनराशि रु 9.80 करोड़ हस्तांतरित किए, जिसका उपयोग कोष के रूप में किया गया।

ix) ओ/ए/बी/सी स्तर जुलाई, 2022 के संचालन के लिए नाइलिट केंद्रों/परीक्षा अधीक्षक को जारी अग्रिम राशि निपटान के लिए लंबित है।

x) पांच परियोजनाओं अर्थात एनईसीबी–01, ईएंडआईसीटी अकादमी, ईएसडीएम–01, मोबाइल हैंडसेट और त्रिपुरा के एससी/एसटी बेरोजगार युवाओं से संबंधित धनराशि रु 6.71 करोड़ का जीआईए एमईआईटीवाई से प्राप्त होना है। यह राशि परियोजना को समय पर और आवर्ती व्यय (मुख्य रूप से पीएमयू का वेतन) को पूरा करने के लिए नाइलिट द्वारा अपने संसाधनों से खर्च की गई है।

घ) औरंगाबाद केंद्र के मामले में

i) खातों से यह ज्ञात हुआ कि टीडीएस प्राप्य खातों के संबंध में वित्तीय वर्ष 2013–14, 2014–15 और 2019–20 से 2021–22 तक के बहुत पुराने शेष हैं, आवश्यक प्रविष्टियाँ की जानी आवश्यक हैं। यह कुल राशि रु 97,51,163/– है। इस संबंध में प्रधान कार्यालय के परामर्श से आवश्यक कार्रवाई की जानी है।

ii) यह पाया गया है कि बयाना राशि जमा खाता और सुरक्षा जमा खाता में विभिन्न पक्षों के नाम पर लंबे समय से शेष राशि जमा है। इस मामले में आवश्यक कार्रवाई की आवश्यकता है।

iii) व्यय हेतु देयताएं– सत्यापन हेतु उपलब्ध कराए गए विवरण से यह पाया गया कि इस खाते में वर्ष 2015–16 से पुराने प्रावधान रखे गए हैं, खाते को बंद करने हेतु आवश्यक प्रविष्टियां की जानी चाहिए।

iv) अप्राप्य आरटीजीएस– वर्ष 2020–21, 2022–23 एवं 2023–24 हेतु इन खातों में जमा की गई कुल राशि रु. 3,73,326/– संबंधी प्रविष्टियों को स्पष्ट करने हेतु मामले में आवश्यक कार्रवाई की आवश्यकता है।

v) यह देखा गया है कि छात्रों से प्राप्त अग्रिम राशि के अंतर्गत डेबिट शेष हैं तथा उनमें से कुछ राशि लंबे समय से बकाया है, तथा आवश्यक सराधन तैयार तथा उचित प्रविष्टियां करने की आवश्यकता है।

vi) यह ध्यान देने योग्य बात है कि ग्रेच्युटी और अवकाश नकदीकरण प्रावधान हेतु मिलान योग्य सावधि जमा नहीं किया जाता है।

ङ) अजमेर के मामले में

हमें बयाना राशि जमा की दीर्घकालीन देयता धनराशि रु 2,30,000/–, पुस्तक शुल्क आरईटी एसटी एससी के लिए धनराशि रु 26,184/–, परीक्षा व्यय देय योग्य धनराशि रु 30,300/–, एमओपीआर परियोजना पर दिनांक 31.03.2013 तक देय प्रशिक्षण व्यय धनराशि रु 3,32,000/–, ग्रामीण युवा परियोजना धनराशि रु 4,96,800/–, अन्य से अग्रिम धनराशि रु 25,550/– तथा बीसीसी परीक्षा व्यय के संबंध में नहीं बताया गया, इसलिए हमारे द्वारा सत्यापित नहीं किया गया।

च) गुवाहाटी केंद्र के मामले में

i) आयकर अधिनियम 1961 के अधीन बैंकों में सावधि जमा से अर्जित ब्याज पर धनराशि रु 33,90,115/– का टीडीएस एवं डीजीईटी प्राप्तियों से धनराशि रु 18,39,387/– का टीडीएस अन्य चालू परिसंपत्तियों के अंतर्गत दर्शाया गया है। इसे अभी तक नाइलिट (मुख्यालय) को हस्तांतरित नहीं किया गया है।

ii) वित्तीय वर्ष 2018–19 से वित्तीय वर्ष 2020–21 हेतु धनराशि रु 27,06,600/– की कॉशन डिपॉजित राशि को बट्टे खाते में डाल दिया गया है, क्योंकि पाठ्यक्रम पूर्ण होने के पश्चात उक्त अवधि के लिए छात्रों द्वारा कोई दावा नहीं किया गया था।

छ) आइजोल केंद्र के मामले में

वित्तीय वर्ष के दौरान, ग्रेच्युटी के लिए दर्ज कुल देयता धनराशि रु 1,45,76,269 है, इसमें से धनराशि रु. 1,28,79,182/– पिछले वर्षों से संबंधित हैं।

ञ) शिमला केन्द्र के मामले में

विविध लेनदारों की मद में दर्ज रु 2,18,814/– की राशि वर्ष 2010 से मार्च, 2023 तक बकाया है। यह राशि श्रेणीगत (एससी/एसटी) छात्रों के दावे से संबंधित है। कुछ छात्रों द्वारा आज तक इसका भुगतान/संग्रह नहीं किया गया है एवं इसके भुगतान की संभावना भी नहीं है, तथा प्रशासनिक स्वीकृति के पश्चात, इसे वापस करने की आवश्यकता है। मेसर्स सनराइज फैसिलिटेटर्स प्राइवेट लिमिटेड के नाम पर मई, 2020 से धनराशि रु 58,031/– बकाया है तथा पत्राचार के अनुसार पार्टी ने इस आशय से ईमेल भेजा है कि उसके पास कोई रिकॉर्ड नहीं है, तथा इस प्रकार पुनः प्रशासनिक स्वीकृति लेने एवं राशि वापस किए जाने की आवश्यकता है।

ट) हरिद्वार केंद्र के मामले में

निम्नलिखित कारणों से वस्तु एवं सेवा कर के अंतर्गत देय कर का मिलान जीएसटी पोर्टल पर नकद खाता बही एवं क्रेडिट खाता बही में दर्शाई गई राशि से नहीं किया जा रहा है–

टर्नओवर में अंतर–

आय और व्यय खाते में दर्शाए गए आउटपुट सेवा टर्नओवर और जीएसटी के तहत जीएसटीआर–1 में दिखाए गए टर्नओवर में अंतर है। अंतर का मुख्य कारण, मार्च, 2024 से संबंधित धनराशि रु 1,09,900 की कर योग्य सेवा का चालान मई, 2024 अर्थात अगले वित्तीय वर्ष के जीएसटीआर–1 में उल्लेख किया था। आंतरिक लेखापरीक्षा को अंतिम रूप देने के समय कुछ और प्रविष्टियाँ की गई जिसके परिणामस्वरूप, वित्त वर्ष 2023–24 के टर्नओवर में वृद्धि हुई, लेकिन इसे वित्त वर्ष 2023–24 के जीएसटीआर 1 में नहीं दिखाया गया, जिसके परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2023–24 के आय और व्यय खाते में दर्शाए गए टर्नओवर और जीएसटी विभाग के साथ घोषित टर्नओवर में अंतर है और इस अंतर का वित्त वर्ष 2023–24 के जीएसटी वार्षिक रिटर्न में उल्लेख किया जाएगा।

जीएसटी देयता में अंतर–

ऑडिट के दौरान पाया गया कि प्राप्त कुछ इनपुट सेवाओं पर भुगतान किए गए जीएसटी का जीएसटी इनपुट क्रेडिट वित्त वर्ष 2023–24 के जीएसटीआर 3बी में दावा नहीं किया गया, जिसके परिणामस्वरूप लेखा विवरणों में दर्शाए गए इनपुट क्रेडिट और जीएसटीआर 3बी में दावा किए गए इनपुट क्रेडिट में अंतर है। यह आईटीसी जिसका दावा कम किया गया है, उसे निर्दिष्ट अवधि के भीतर अगले वित्त वर्ष 2024–25 के जीएसटीआर 3बी में लिया जाएगा और इस अंतर का वित्त वर्ष 2023–24 के जीएसटी वार्षिक रिटर्न में उल्लेख किया जाएगा।

ठ) भुवनेश्वर केंद्र के मामले में

i) वित्तीय वर्ष के दौरान जीएसटीआर 3बी के रूप में रु 1,05,036/– की राशि हेतु जीएसटी इनपुट का अधिक लाभ लिया गया है। यह जीएसटी क्रेडिट लेजर में दर्शाया गया है। जीएसटीएन पोर्टल में आवश्यक फॉर्म दाखिल करके धनराशि रु 51,576/– को वापस किया जाएगा।

ii) केंद्र के जीर्णोद्धार और पुनरुद्धार के लिए सीपीडब्ल्यूडी को धनराशि रु 1,22,00,024/– जारी की गई है। इसे प्रगतिशील पूंजीगत कार्य में दर्शाया गया है। इस वित्तीय वर्ष के दौरान ऐसी किसी भी संपत्ति में कोई वृद्धि या पूंजीकरण नहीं किया गया है।

ड) गोरखपुर केंद्र के मामले में

दिनांक 31.03.2024 तक बैंक समाधान विवरण के अनुसार, यह पाया गयाकि महत्वपूर्ण पुरानी प्रविष्टियाँ हैं जिन्हें रद्द अथवा हल नहीं किया गया है। ये प्रविष्टियाँ 365 दिनों से अधिक समय से लंबित हैं, जिससे बैंक समाधान प्रक्रिया की प्रभावशीलता संबंधी चिंता उत्पन्न हो गई है।

4. राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर)

(क) आकस्मिक देयताएं :

i) मेसर्स एसआरईआई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस लिमिटेड द्वारा नई दिल्ली में माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष नाइलिट के खिलाफ एक मध्यस्थता याचिका दायर की गई थी, जिसमें एलआरयूआर सुधारों की लागत को एमएसपी द्वारा उद्धृत डिजिटलीकृत दर के 4.3% की दर से कटौती किए बिना डेटा डिजिटलीकरण कार्य के लिए भुगतान जारी करने की मांग की गई थी, जैसा कि नाइलिट की अधिशासी परिषद द्वारा दिनांक 26 सितंबर, 2017 को आयोजित अपनी 35वीं बैठक में निर्णय लिया था। मध्यस्थ ने दिनांक 23 अप्रैल, 2020 को दावेदार के पक्ष में धनराशि रु11,23,31,726/– पर दिनांक 04.06.2015 से आज तक 11% प्रति वर्ष की दर से ब्याज सहित निर्णय सुनाया।

क्षेत्रवार विवरण निम्नानुसार है:

(क)	जोन नं 8 और 11 (बिहार)	रु. 2,83,48,309/–
(ख)	जोन क्रमांक 62 (यूपी)	रु. 1,94,88,226/–
(ग)	जोन क्रमांक 61 (यूपी)	रु. 2,51,65,706/–
(घ)	जोन क्रमांक 2,3 और 4	रु 3,93,29,485/–
	कुल	रु 11,23,31,726/–

मध्यस्थता एवं सुलह अधिनियम 1996 की धारा 34 के अंतर्गत, नाइलिट केंद्र, चंडीगढ़ द्वारा स्टे लेने तथा दिनांक 23.04.2020 को हुई मध्यस्थता को चुनौती देने के लिए मध्यस्थता याचिका पहले ही दायर की जा चुकी है। उपरोक्त मामले में सुनवाई की अगली तिथि 30.09.2024 निर्धारित है।

इसके अतिरिक्त, मेसर्स एसआरईआई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस लिमिटेड ने भी नाइलिट के विरुद्ध माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष एक याचिका दायर की है, जिसमें एकमात्र मध्यस्थ द्वारा दिनांक 23.04.2020 को की गई मध्यस्थता के निष्पादन की मांग की गई है। मामले में सुनवाई की अंतिम तिथि 04.02.2021 थी और माननीय न्यायालय ने मामले को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया है।

चंडीगढ़ केंद्र के मामले में

(ii) मेसर्स एसआरईआई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस लिमिटेड द्वारा नई दिल्ली में दिल्ली के माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष नाइलिट, मुख्यालय और नाइलिट चंडीगढ़ सहित अन्य केंद्रों के विरुद्ध मध्यस्थता याचिका दायर की गई थी, जिसमें एमएसपी द्वारा उद्धृत डिजिटाइज्ड दर का 4.3%, एलआरयूआर सुधारों की लागत में कटौती किए बिना जोन 61 और 62 के डेटा डिजिटलीकरण कार्य के लिए भुगतान जारी करने की मांग की गई थी जैसाकि 26 सितंबर, 2017 को आयोजित अपनी 35 वीं बैठक में नाइलिट की शासी परिषद द्वारा तय किया गया था। मध्यस्थ ने दावेदार के पक्ष में जोन 61 के लिए धनराशी रु 2,51,65,706/– पर 11% प्रति वर्ष की दर से ब्याज एवं जोन 62 को धनराशि रु 1,94,88,226/– पर 04.06.2015 से 23.04.2020 अर्थात अवार्ड तक 11% प्रति वर्ष की दर से ब्याज देने का फैसला सुनाया। नाइलिट चंडीगढ़ द्वारा दोनों क्षेत्रों के लिए मेसर्स एसआरईआई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस लिमिटेड के खिलाफ माननीय जिला और सत्र न्यायालय, चंडीगढ़ में दिनांक 24.07.2020 को मध्यस्थता और सुलह अधिनियम 1996 की धारा 34 के तहत दो अलग–अलग मध्यस्थता याचिकाएं दायर की गई थीं ताकि मध्यस्थता और सुलह अधिनियम 1996 की धारा 34 के तहत एकमात्र मध्यस्थ द्वारा दिनांक 23.04.2020 को सुनाए गए मध्यस्थता अवार्ड पर रोक लगाई जा सके और उसे चुनौती दी जा सके। उपर्युक्त मामले में सुनवाई की अगली तिथि 30.09.2024 निर्धारित की गई है।

इसके अतिरिक्त, मेसर्स एसआरईआई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस लिमिटेड ने भी नाइलिट के विरुद्ध नई दिल्ली में माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष एक याचिका दायर की है, जिसमें एकमात्र मध्यस्थ द्वारा दिनांक 23.04.2020 के मध्यस्थता अवार्ड के निष्पादन की मांग की गई है। मामले में सुनवाई की अंतिम तिथि 04.02.2021 थी और माननीय न्यायालय ने मामले को अनिश्चित काल के लिए स्थगित कर दिया है।

(iii) मेसर्स अव्वास इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड द्वारा माननीय पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय, चंडीगढ़ में आवंटित तीन मंडलों अर्थात 52, 56 एवं 57 के डेटा डिजिटाइजेशन कार्य के संबंध में धनराशि रु 6,01,26,368/– के बकाया भुगतान को जारी करने के संबंध में सिविल रिट याचिका दायर की गई थी, जिसका भुगतान नाइलिट चंडीगढ़ द्वारा संसाधित किया गया था, लेकिन माननीय ऋण वसूली न्यायाधिकरण, विशाखापत्तनम के आदेश के अनुसार रोक दिया गया था। धनराशि रु 6,01,26,368/– का अंतिम देय भुगतान मेसर्स अव्वास इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड को दिनांक 03.11.2020 को माननीय ऋण वसूली न्यायाधिकरण, विशाखापत्तनम के दिनांक 23.10.2020 के आदेशों के अनुसार जारी किया गया, जिसके द्वारा आईए 327/2018 में कुर्की के आदेश रद्द कर दिए गए थे। भुगतान जारी करने से पूर्व इस मामले में वकीलों से कानूनी राय भी मांगी गई थी।

मेसर्स अव्वास इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड ने उक्त मामले को वापस नहीं लिया है और कार्य अनुबंध–पत्र में उल्लिखित कुल अनुमानित लागत अर्थात धनराशि रु 11,02,16,360/– के अनुसार शेष राशि का दावा करने हेतु न्यायालय में आवेदन पेश किया है। मेसर्स अव्वास इन्फोटेक प्राइवेट लिमिटेड को धनराशि रु 7,11,48,004/– (अग्रिम भुगतान के रूप में रु 1,10,21,636/– तथा दिनांक 03.11.2020 को रु 6,01,26,368/–) का भुगतान किया गया है, जो कि नाइलिट की शासी परिषद द्वारा दंड की सीमा तय करने और एलआरयूआर सुधार लागत निर्धारित करने के संबंध में दिनांक 26.09.2017 की बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुसार है। इसके अतिरिक्त, सुनवाई की अंतिम तिथि अर्थात 04.09.2023 को मामले का निपटारा इस अवलोकन के साथ किया गया कि मामला सुनवाई योग्य नहीं है और समझौते के अनुसार आगे बढ़ें।

(iv) मेसर्स वर्गो सॉफ्टेक लिमिटेड, नई दिल्ली ने नाइलिट चंडीगढ़ के विरुद्ध पंजाब और हरियाणा के माननीय उच्च न्यायालय चंडीगढ़ में 2019 की मध्यस्थता याचिका संख्या 248,252,255 और 289 दायर की है, जिसमें दिनांक 5 जनवरी, 2012 को नाइलिट चंडीगढ़ और मेसर्स वर्गो सॉफ्टेक लिमिटेड के बीच जोन 6 पंचकूला, जोन 23 मुरादाबाद, जोन 24 आगरा और जोन 27 जालंधर के शहरी क्षेत्रों के सामान्य निवासियों के लिए जनसांख्यिकीय डेटा डिजिटलीकरण के लिए हस्ताक्षरित समझौते से उत्पन्न सभी विवादों, विवादों या दावों का निपटारा करने के लिए एकमात्र मध्यस्थ की नियुक्ति की मांग की गई है। उपर्युक्त मध्यस्थता याचिकाओं में उन्होंने उल्लेख किया है कि नाइलिट ने मनमानित ढंग से 25% की दर से जुर्माना लगाया है तथा धनराशि रु 3,36,76,262/– रोक रखी है।

नाइलिट ने पहले ही इस केन्द्र के पत्र संख्या नाइलिट/सीएच/एनपीआर–402/2018/8853 दिनांक 01.06.2018 के माध्यम से मेसर्स वर्गो सॉफ्टेक को जारी किए गए क्षेत्रवार भुगतान का विवरण उपलब्ध करा दिया था।

मामले में सुनवाई की अंतिम तिथि 2.09.2022 थी। प्रतिवादी के वकील ने प्रार्थना की और उन्हें जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया गया। अधिवक्ता ने सूचित किया है कि धारा 11 याचिकाएँ माननीय पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के समक्ष दिनांक 16.09.2022 को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध थीं। याचिकाकर्ता ने माननीय उच्च न्यायालय के समक्ष याचिकाओं को वापस लेने के लिए अपील दायर की थी। माननीय न्यायालय ने अपने दिनांक 16.09.2022 के आदेशों के माध्यम से मुख्य याचिकाओं को वापस ले लिया है और उन्हें सक्षम न्यायालय के समक्ष दायर करने की स्वतंत्रता दी है।

इसके अलावा मेसर्स वर्गो सॉफ्टेक लिमिटेड ने माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष मध्यस्थता याचिका संख्या 1285,1286,1288 और 1289 दायर की है, जिसमें पार्टियों के बीच दिनांक 05.01.2012 को निष्पादित समझौते से उत्पन्न सभी विवादों, विवादों या दावों का निपटारा करने के लिए मध्यस्थ नियुक्त करने की मांग की गई है। पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय में याचिका वापस लेने के बाद नए सिरे से याचिका दायर करने की स्वतंत्रता दी गई है। मामला पहली बार 25.07. 2023 को सूचीबद्ध किया गया था (याचिकाकर्ता को अग्रिम प्रति के साथ दिनांक 24.07.2023 को जवाब प्रस्तुत किया गया,

याचिकाकर्ता को 2 सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करना होगा यदि कोई हो)।

दिनांक 14.09.2023 को न्यायमूर्ति पूनम ए. बांबा (सेवानिवृत्त) को एकमात्र मध्यस्थ नियुक्त किया गया तथा प्रस्तावित मुद्दों के लिए मामला दिनांक 03.07.2024 को सूचीबद्ध किया गया, सुनवाई की अगली तिथि 21.09.2024 है। दावेदार एक सप्ताह के भीतर गवाहों की सूची दाखिल करें तथा चार सप्ताह में गवाहों के साक्ष्य का हलफनामा दाखिल करें।

(v) मेसर्स स्ट्रैटेजिक इंफ्रा द्वारा माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय में मध्यस्थता और सुलह अधिनियम की धारा 11 के तहत मध्यस्थता याचिका संख्या 8/2023 दायर की गई, जिसमें दिनांक 19.06.2012 को पक्षों के बीच निष्पादित समझौते से उत्पन्न सभी विवादों, विवादों या दावों का निपटारा करने के लिए मध्यस्थ नियुक्त करने की मांग की गई। न्यायमूर्ति प्रदीप नंदराजोग (सेवानिवृत्त) को दिनांक 06.07.2023 को पक्षों के बीच विवाद का निपटारा करने के लिए मध्यस्थ नियुक्त किया गया। याचिका सभी लंबित आवेदनों के साथ निपटाई जाती है।

अब मध्यस्थता मामला बहस के लिए 12, 13 और 14 नवंबर, 2024 को सूचीबद्ध है।

<u>गोरखपुर केंद्र के मामले में</u>

(vi) मेसर्स एसआरईआई इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस लिमिटेड के बीच मध्यस्थता के मामले में नाइलिट गोरखपुर प्रतिवादी है और एकमात्र मध्यस्थ न्यायमूर्ति जी रोहिणी द्वारा दिए गए फैसले के अनुपालन के अनुसार, धनराशि रु 6,53,31,523.00 (डिक्री राशि दिनांक 18.08.2023 तक ब्याज सहित) डिमांड ड्राफ्ट संख्या 833829 के माध्यम से दिनांक 17.08.2023 को दिल्ली उच्च न्यायालय के रजिस्ट्रार के समक्ष जमा कर दिए गए हैं। मामले में सुनवाई की अगली तिथि 03.09.2024 है।

(vii) एनपीआर परियोजना के प्रति देनदारियों में एमएसपी को उनके बिलों/चालानों के आधार पर देय राशि सम्मिलित है। हालांकि, एमएसपी के चालानों के विरुद्ध गणना/लगाए गए जुर्माने की राशि ₹6,48,18,991/– को अनुसूची–8 के तहत देनदारियों के रूप में रखा गया है, जो आरएफपी की शर्तों के दंड खंड के अनुसार एमएसपी को लगाए गए जुर्माने के प्रति देनदारियों के रूप में है।

<u>औरंगाबाद केंद्र के मामले में</u>

जनवरी, 2012 को जोन–11 भोपाल, मध्य प्रदेश और जोन–12 जबलपुर, मध्य प्रदेश के डेटा डिजिटाइजेशन के कार्य के लिए वर्गो सॉफ्टेक लिमिटेड, नई दिल्ली के साथ किए गए समझौते के अनुसार। हालाँकि, वर्गो सॉफ्टेक लिमिटेड, नई दिल्ली ने विवाद के निपटारे के लिए नोटिस दिया है और नाइलिट (एनपीआर), औरंगाबाद से प्राप्त होने वाली राशि के रूप में धनराशि रु 1,64,77,738/– का दावा पेश किया है। यह भविष्य में आकस्मिक देयता के रूप में उत्पन्न हो सकता है।

<u>गुवाहाटी केंद्र के मामले में</u>

(ix) एनपीआर परियोजना के लिए असम के जोन 2,3 और 4 के संबंध में दिनांक 15.06.2012 के अनुबंध संबंधी विवाद के संबंध में, जिसके अंतर्गत एकमात्र मध्यस्थ ने दावेदार मेसर्स एसआरईआई इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के पक्ष में धनराशि रु 3,93,29,485/– सहित उक्त राशि पर दिनांक 04.06.2015 से निर्णय तिथि अर्थात दिनांक 23.04.2020 तक 11% प्रति वर्ष की दर से ब्याज देने का निर्णय पारित किया है।

हालाँकि, नाइलिट गुवाहाटी ने उपरोक्त निर्णय के विरुद्ध जिला न्यायाधीश, कामरूप (एम) की अदालत में ब्याज में छूट और धनराशि रु 3,93,29,485/– की मांग की, जिसे पहले से ही नाइलिट गुवाहाटी द्वारा देयता के रूप में रखा गया है। यह निर्णय अभी भी जिला न्यायाधीश कामरूप (एम) की अदालत में लंबित है।

(ख) <u>चालू परिसंपत्तियां, ऋण और अग्रिम :</u>

प्रबंधन की राय में, वर्तमान परिसंपत्तियों, ऋणों और अग्रिमों को उस मूल्य पर दर्शाया गया है जो व्यवसाय के सामान्य

क्रम में वसूल किया जाएगा।

(ग) इलेक्ट्रॉनिकी सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग (अब इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय) ने अपने पत्र संख्या: एफ संख्या 7(2)2011– ईजी–1 दिनांक 05.04.2011 के माध्यम से 17 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों के संबंध में राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) बनाने हेतु जनसांख्यिकीय डेटा डिजिटलीकरण और बायोमेट्रिक डेटा संग्रह का कार्य सौंपा है। आर जी आई ने अपने डीओ संख्या(9.83.2010–सीआरडी(एनपीआर) दिनांक 27.06.2012 के माध्यम से नाइलिट से बायोमेट्रिक डेटा डिजिटलीकरण का कार्य वापस ले लिया है।

(घ) भारत के महापंजीयक कार्यालय ने राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर परियोजना के क्रियान्वयन के लिए नाइलिट को ध नराशि रु 522.24 करोड़ की अग्रिम राशि जारी की है। डेटा डिजिटलीकरण (एनपीआर परियोजना) की कुल लागत लगभग धनराशि रु 580.71 करोड़ रुपये है।

(ङ) सक्षम प्राधिकारी द्वारा लिए गए निर्णयों के अनुसार, एलआरयूआर सुधारों के कारण कटौती की गई लागत को "वर्तमान देयताएं और प्रावधान" के अंतर्गत देयताएं–एलआरयूआर (एनपीआर) उपमदों के अंतर्गत गणना की गई है।

(च) एनपीआर निधि पर अर्जित/उपार्जित धनराशि रु 425.31 करोड़ का ब्याज देयताओं के अंतर्गत निर्धारित किया गया है।

(छ) जून, 2014 के दौरान, चंडीगढ़ के सेक्टर 17बी, एससीओ 114–116 में स्थित नाइलिट सेंटर चंडीगढ़ के कार्यालय भवन में भीषण आग लग गई थी। वित्तीय वर्ष 2015–2016 में इसके संबंध में हानि/बट्टे खाते में डालने के संबंध में उचित लेखा प्रविष्टियाँ दर्ज की गई हैं। आग के कारण, केंद्र को एनपीआर रिकॉर्ड/परिसंपत्तियों सहित सभी बुनियादी संरचना की क्षति हुई।

(ज) परियोजना के निष्पादन में निहित कार्य 2013 में पूर्ण हो गए, किन्तु, एमएसपी (प्रबंधित सेवा प्रदाता) को भुगतान नहीं किया जा सका क्योंकि एमएसपी द्वारा प्रस्तुत बिलों के विरुद्ध आरएफक्यू (कोटेशन के लिए अनुरोध) की शर्तों के अनुसार नाइलिट द्वारा लगाए गए जुर्माने पर एमएसपी द्वारा विवाद किया गया था। इसके अतिरिक्त, स्थानीय सामान्य निवासियों के रजिस्टर (एलआरयूआर) कनेक्शन का कार्य बाद में आरजीआई (भारत के महापंजीयक) द्वारा वापस ले लिया गया था। जुर्माने के निपटान और एलआरयूआर सुधार लागत से संबंधित मामले को प्रबंधन बोर्ड के समक्ष उठाया गया।

प्रबंधन बोर्ड की सिफारिशों पर, नाइलिट की अधिशासी परिषद ने दिनांक 26 सितंबर, 2017 को आयोजित अपनी 35वीं बैठक में एनपीआर परियोजनाओं के संबंध में निम्नलिखित निर्णय दिए थे: –

क) अधिशासी परिषद ने सैद्धांतिक रूप से इस बात पर सहमति व्यक्त की कि विलंब के कारण लगाए जाने वाले जुर्माने की सीमा एलआरयूआर सुधारों की राशि को घटाने के बाद अनुबंध मूल्य के 25% तक होगी तथा कार्य की खराब गुणवत्ता के लिए अन्य जुर्माने अनुबंध के मौजूदा प्रावधानों के अनुसार लगाए जाएंगे।

ख) अधिशासी परिषद ने आगे यह भी स्वीकृति दी कि एमएसपी को पारदर्शी और जवाबदेह तरीके से भुगतान जारी किया जाएगा, जिसमें एलआरयूआर सुधार लागत की कटौती की जाएगी, जो एमएसपी द्वारा उद्धृत डिजिटलीकृत दर का 4.3% है। एलआरयूआर सुधारों के कारण कटौती की गई लागत आरजीआई को वापस लौटाई जाएगी।

शासी परिषद के निर्णयों के अनुसार, एमएसपी द्वारा कार्य पूरा करने में देरी के कारण जुर्माने की सीमा और एलआरयूआर सुधार लागत के निर्देश को ध्यान में रखते हुए देय राशि की पुनर्गणना करने के बाद वित्त वर्ष 2017–18 और वित्त वर्ष 2018–19 में एमएसपी को भुगतान किया गया है। आरजीआई को वापस लौटाए जाने वाले एलआरयूआर सुधारों के कारण कटौती की गई लागत का लेखा–जोखा रखा गया है और इसे "वर्तमान देनदारियों और प्रावधान" के तहत उप–मदों "अन्य देनदारियां–आरजीआई को देय एलआरयूआर" के तहत दर्शाया गया है और एमएसपी को भुगतान करते समय कटौती की गई जुर्माने की राशि को मुख्यालय से प्राप्त निर्देशों के अनुसार उप–मदों "प्रतिधारण धन – जुर्माना" और "वर्तमान देनदारियों

और प्रावधान" के तहत दर्ज किया गया है।

(i) नाइलिट चंडीगढ़ के मामले में, जारी किए गए लेकिन प्रस्तुत नहीं किए गए चेकों की धनराशि रु 8,63,182 है, जो ऐसे चेक हैं जिनकी वैधता वर्ष के अंत में समाप्त हो गई है। इस संबंध में निर्धारित प्रक्रिया के पूरा होने तक उक्त राशि को उचित व्यक्तिगत/पार्टी खातों में जमा किया जाना शेष है।

(झ) एनपीआर परियोजना के संबंध में एनपीआर में सम्मिलित होने वाले सभी नाइलिट केंद्रों द्वारा दिनांक 01.04.2012 से पृथक रूप से लेखा बहियाँ रखी गई हैं तथा वित्तीय वर्ष 2012–2013 से पृथक वार्षिक लेखा तैयार किया गया है।

5. हम एतद्द्वारा पुष्टि करते हैं कि समिति के पास सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम अधिनियम, 2006 की धारा 7(1) में परिभाषित सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के अंतर्गत आने वाले किसी भी पक्ष को देय कोई राशि नहीं है, प्रबंधन द्वारा एकत्रित जानकारी के आधार पर ऐसे पक्षों की पहचान की गई है।

6. देनदार और लेनदार, ऋण और अग्रिम, चालू परिसंपत्तियां और चालू देनदारियां बहियों में उस मूल्य पर दर्शायी गई हैं जो वसूली योग्य/देय है। हालांकि, पार्टियों से पुष्टि प्रक्रियाधीन है।

7. आंकड़े निकटतम रुपए में पूर्णांकित किए गए हैं।

8. पिछले वर्ष के आंकड़ों को पुनः समूहीकृत/पुनः वर्गीकृत किया गया है, जहां भी आवश्यक हो, उन्हें विभिन्न पक्षों से तुलना योग्य बनाने की प्रक्रिया चल रही है।

9. विभिन्न केन्द्रों के एकीकरण के दौरान, बेहतर एवं निष्पक्ष प्रस्तुति के लिए शीर्षकों/समूहों को पुनः व्यवस्थित किया गया है।

10. इन समेकित वित्तीय विवरणों में विभिन्न केन्द्रों के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों के संबंध में प्रबंधन के विवेक अनुसार केवल भौतिक नोट ही प्रस्तुत किए गए हैं, गैर–भौतिक नोटों के लिए व्यक्तिगत केन्द्र के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों को संदर्भित किया जा सकता है।

कृतेएचके दुआ एंड कंपनी
(चार्टर्ड अकाउंटेंट)
एफआरएन 000581एन

(राज कुमार त्रिपाठी)	**(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)**	**(सीए विक्रम धीरवास)**
मुख्य वित्त अधिकारी	महानिदेशक	भागीदार
		एम. नं. 422199

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

स्थानः नई दिल्ली
दिनांकितः 06-09-2024

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान (नाइलिट)

(इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त निकाय)

31 मार्च, 2024 को समाप्त वर्ष का प्राप्ति एवं भुगतान लेखा

(राशि रुपए में)

क्र.सं.	प्राप्तियां	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष	क्रम सं.	भुगतान	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
I	**अथ शेष**			i	**खर्च :**		
	क) पास में नकदी/अग्रिम/स्टाम्प	2,08,528	3,54,980		क) स्थापना व्यय	65,72,15,778	56,62,04,842
	ख) बैंक शेष		-		ख) प्रशासनिक व्यय	48,98,47,970	42,22,02,728
	i) चालू खातों में	88,25,47,033	32,45,27,448				
	ii बचत खातों में	30,58,00,480	1,75,73,13,276				
	iii) अल्पावधि जमा में	4,09,81,54,068	2,70,94,91,517				
	iv) दीर्घावधि जमा में	3,31,39,90,653	3,18,62,22,573				
	v) दीर्घावधि जमा में - निर्धारित निधि	2,21,28,57,614	3,53,23,73,443				
	vi) दीर्घावधि जमा में - जीआईए फंड	11,88,020	-				
	vii) पास में चेक/ड्राफ्ट	-	-				
	viii) एनपीआर बैलेंस	-	-				
ii	**प्राप्त अनुदान**			iii	**विभिन्न परियोजनाओं के लिए प्राप्त धनराशि के सापेक्ष किए गए भुगतान (परियोजनाओं पर व्यय)**		
	क) भारत सरकार से						
	योजनागत	-	8,45,02,060		i) डोनर (आईटीईएस)	-	23,83,538
	ii) पूर्वोत्तर परियोजना के लिए योजना निधि	-	9,63,70,394				
	iii) गैर-योजना	42,00,000	3,81,43,197		ii) परियोजना व्यय के लिए अग्रिम।	-	-
	iv) नवीनीकरण निधि	-	-		iii) सूचना सुरक्षा पेशेवरों का प्रमाणन	-	-
	v) फोरेंसिक लैब स्थापना	-	-		iv) एमईआईटीवाई/डी एस टी और अन्य परियोजनाएं (स्वयं सहित)	16,69,35,071	50,27,35,694
	vi) केन्द्रों से हस्तांतरित धनराशि	43,48,375	-		v) एम.टेक (एआईसीटीई परियोजनाएं)	1,10,249	-
	एनपीआर परियोजना	-	-		vi) राज्य सरकार की परियोजनाएं	-	-
	योजना निधि पर ब्याज	6,260	9,37,858				
	ख) राज्य सरकार से	10,00,000	-		पटना आर.सी. की स्थापना	-	-
	c) प्रायोजित परियोजनाओं के लिए प्राप्त	-	-		केन्द्रों को जारी की गई धनराशि	28,16,80,671	-
	i) डोनर (आईटीईएस)	-	-		विभिन्न परियोजनाओं के लिए केन्द्रों को धनराशि जारी की गई	5,81,51,39,131	4,60,08,07,766
	ii) डोनर (सूचना विज्ञान और कॉलेज के प्रमाणन के लिए)	-	-		परियोजना पर व्यय	2,17,14,07,150	1,99,34,85,184
	iii) एमईआईटीवाई (सूचना सुरक्षा शिक्षा और जागरूकता के लिए)	1,14,61,74,531	83,83,61,807		एनपीआर परियोजनाओं पर व्यय	96,130	-
	iv) एमईआईटीवाई(महिला सशक्तिकरण)	-	-		मुख्यालय को धन वापसी	8,07,28,279	4,17,02,855
	v) एआईसीटीई, नई दिल्ली	-	1,00,000				
	vi) दूसरों से प्राप्त धनराशि (राज्य सरकार एवं अन्य एजेंसियां)	-	-				
	vii) केन्द्रों को संवितरण हेतु (योजनागत एवं गैर-योजनागत)	5,39,10,60,100	4,23,86,45,796				
	viii) विभिन्न परियोजनाओं के लिए केंद्र को संवितरण हेतु	-	-				
	ix) ई-लर्निंग	-	-				
	x) वर्चुअल प्रशिक्षण वातावरण (वीटीई) के साथ सूचना सुरक्षा कौशल विकास के लिए टेस्ट बेड का विकास	-	-				
	xi)एमईआईटीवाई(पटना आर.सी. की स्थापना)	10,50,80,857	8,38,07,450				
	xii)एमईआईटीवाई (एससी/एसटी अनुदान)/एससीएसपी एवं टीएसपी	3,23,72,757	4,01,58,726				
	xiii) अन्य परियोजनाएँ	40,60,674	2,43,05,933				
	xiv) डोनर से प्राप्त	-	-				
iii	**निवेश पर आय**			iii	**किए गए निवेश तथा जमा**		
	क) निर्धारित / बंदोबस्ती निधि	83,21,85,786	64,72,27,568		क) निर्धारित / बंदोबस्ती निधि में से	94,51,36,713	70,60,01,223
	ख) स्वयं के फंड (अन्य निवेश)	-	-		ख) स्वयं के धन से (निवेश - अन्य)	21,92,69,679	13,23,57,559
	ग) जीआईए फंड से	2,24,67,35,271	2,78,46,75,305		ग)जीआईए फंड से	2,39,41,10,934	5,04,95,53,735
	घ) एफ.डी.आर. का नकदीकरण	10,44,33,126	-		घ) अल्पावधि जमा	-	-

जारी.....

जारी....

(राशि रुपए में)

क्र.सं.	प्राप्तियां	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष	क्रम सं.	भुगतान	वर्तमान वर्ष	गत वर्ष
iv	**प्राप्त ब्याज**						
	क) बैंक जमा पर - सावधि जमा	57,35,67,599	44,29,50,754	iv	**स्थिर संपत्तियों पर व्यय तथा निर्माणाधीन पूंजीगत कार्य**		
	ख) बचत बैंक खाते पर	5,06,28,291	4,86,64,038		क) स्थिर संपत्ति की खरीद	13,22,02,045	10,54,85,781
	ग) ऋण एवं अग्रिम आदि।	81,68,705	12,24,420		ख) पूंजीगत कार्य प्रगति पर व्यय	9,12,80,859	62,31,048
	घ) बचत बैंक-एनपीआर परियोजना	23,152	8,09,52,197				
	ङ) एफडीआर में उपार्जित ब्याज	6,57,48,868	2,34,01,518				
v	**आय(निर्दिष्ट करें)**			v	**अधिशेष धन / ऋण की वापसी**		
	शुल्क/सदस्यता	1,04,17,67,283	77,90,56,775		क) भारत सरकार को	1,35,67,077	5,91,74,887
	सेवाओं से आय	1,25,52,24,163	1,15,88,04,372		ख) राज्य सरकार को	-	-
	परियोजनाओं से आय	65,65,88,260	88,99,81,771		ग) अन्य निधि प्रदाताओं को	18,226	26,47,27,470
	प्रकाशन की बिक्री से आय	3,64,699	5,49,075				
	टाउनशिप से रसीद	15,86,057	7,77,954				
	विविध आय	5,44,99,366	4,88,45,181				
	जैव-सूचना विज्ञान पाठ्यक्रमों का कार्यान्वयन	1,12,372	-				
	संचित बचत निधि	-	-				
vi	**उधार में ली गई राशि**			vi	**वित्त प्रभार (ब्याज)**	-	64,336
	नाइलिट योजना से अग्रिम	5,006	-				
	मुख्यालय से सॉफ्ट लोन प्राप्त हुआ	8,05,30,964	3,34,00,000				
vii	**कोई अन्य प्राप्ति**			vii	**अन्य भुगतान**		
	क) हाथ में चेक/ड्राफ्ट	-	-		क) सुरक्षा जमा, जमानत राशि, ईएमडी आदि।	15,15,45,678	1,72,71,211
	ख) जमा रसीद (एसडी, ईएमडी, सीएमडी आदि)	4,42,19,116	15,41,87,512		ख) ऋण एवं अग्रिम (आपूर्तिकर्ता, कर्मचारी)	17,96,62,007	26,71,26,764
	ग) वसूली / अग्रिम राशि की वापसी	12,32,45,781	5,70,04,701		ग) विविध व्यय	68,52,971	58,05,842
	घ)सावधि जमा नकदीकरण और निवेश से निकासी	1,87,79,596	24,34,04,204		घ) अध्याय जारी किया गया लेकिन प्रस्तुत नहीं किया गया	8,800	-
	ई) विविध प्राप्तियां/प्रावधान	14,46,82,495	4,48,82,819		ई) वेतन कटौती भुगतान	87,80,472	7,67,79,170
	च) विविध क्रेता/वर्तमान देनदारियों में वृद्धि	15,20,96,949	20,64,17,251		च) विविध देनदारों/वर्तमान परिसंपत्तियों में वृद्धि	22,13,10,708	14,73,18,204
	छ) विविध देनदारों में कमी	32,86,54,488	35,48,01,030		छ) विविध क्रीमीटियर्स में कमी	40,00,61,006	48,23,63,536
	ज) इंटर सेंटर खाता	86,37,21,804	2,52,95,86,100		ज) अन्य देयताओं का भुगतान	12,39,09,956	46,77,95,216
	झ) चेक जारी किया गया लेकिन प्रस्तुत नहीं किया गया	8,800	-		झ)पंजीकरण शुल्क	36,95,102	52,70,841
	ञ) वर्ष के दौरान निगमित नकदी एवं बैंक शेष	-	5,70,176		ञ) गैर-परिचालन व्यय	-	-
	ट) सेवा कर/आयकर/वैट/अन्य कर	4,43,79,075	4,97,97,279		ट) संचयन व्यय	-	-
	ठ) ईपीएफ/सीपीएफ	1,35,66,446	1,43,61,956		ठ) अंतर केंद्र खाता	1,08,81,67,666	56,19,27,377
					ड) केन्द्रों को जारी अधिशेष	-	-
					ढ) भुगतान किया गया सेवा कर/आयकर/टीडीएस/वैट/व्यावसायिक कर/जीएसटी	15,34,94,972	21,25,14,563
					ण)सीपीएफ ट्रस्ट/ईपीएफ को देय	2,25,68,341	3,31,02,648
					त) संचित अधिशेष से भुगतान	1,49,36,831	-
				viii	**अथ शेष**		
					क) नकद/अग्रिम/स्टाम्प हाथ में	2,30,333	2,08,528
					ख) बैंक बैलेंस		-
					i) चालू खातों में	37,91,61,240	88,25,47,033
					ii) बचत खातों में	38,49,29,765	30,58,00,479
					iii) अल्पावधि जमा में	3,94,49,37,300	4,10,41,54,068
					iv) दीर्घावधि जमा में	5,62,40,73,228	3,31,39,90,653
					v) दीर्घावधि जमा में - निर्धारित निधि	4,15,01,130	2,21,28,57,614
					vi)जीआईए फंड के लिए दीर्घकालिक जमा	-	11,88,020
					ग) एनपीआर खाता-नकद राशि	-	-
					घ) एनपीआर खाता- बैंक बैलेंस	-	-
	योग	**26,20,85,73,468**	**27,55,11,40,414**		**योग**	**26,20,85,73,468**	**27,55,11,40,414**

हमारी इस तारीख की लेखापरीक्षा रिपोर्ट के अनुसार,
एचके दुआ एंड कंपनी के लिए
शासपत्रित लेखाकर
एफआरएन 000581एन

स्थान : नई दिल्ली
दिनांकित : 06-09-2024

(राज कुमार त्रिपाठी)
मुख्य वित्त अधिकारी

(डॉ. मदन मोहन त्रिपाठी)
महानिदेशक

H.K. DUA & CO. New Delhi Chartered Accountants

(सीए विक्रम धीरवास)
भागीदार
एम नं 422199

संक्षेपाक्षर

एएसी अकादमिक सलाहकार समिति | **एआईसीटीई** अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद | **एवीटीयू** जागरूकता वृद्धि और शहरी सहकारी बैंकों के लिए प्रशिक्षण | **बीसीसी** बेसिक कम्प्यूटर कोर्स | **बीआई** जैव सूचना विज्ञान ओ लेवल | **बीपीओ** व्यवसाय प्रक्रिया आउटसोर्सिंग | **सीसीसी** कम्प्यूटर अवधारणाओं पर पाठ्यक्रम | **सीईडीटी** सेंटर फॉर इलेक्ट्रॉनिक डिजाइन एंड टेक्नोलॉजी ऑफ इंडिया | **सीएचएमटी–ओ** लेवल कम्प्यूटर हार्डवेयर मेंटेनेंस–टेक्नीशियन (ओ लेवल) | **सीवीओ** मुख्य सतर्कता अधिकारी | **डीईपीएम** डिप्लोमा इन इलेक्ट्रॉनिक प्रोडक्शन एंड मेंटेनेंस | **डीआईटी** सूचना प्रौद्योगिकी विभाग | **डीजीई** रोजगार महानिदेशालय | **डीजीआर** पुनर्वास महानिदेशालय | **डोनर** पूर्वोत्तर क्षेत्र विभाग | **डीपीआर** विस्तृत परियोजना रिपोर्ट | **ईसीसी** विशेषज्ञ कम्प्यूटर पाठ्यक्रम| **ईएसडीएम** इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम डिजाइन एवं विनिर्माण | **एफ एंड ए** वित्त और लेखा समिति | **एफडीपी** फैकल्टी प्रणाली प्रोग्राम | **जीसी** अधिशासी परिषद | **आईसीटी** सूचना संचार प्रौद्योगिकी | **आईईसीटी** सूचना इलेक्ट्रॉनिकी और संचार प्रौद्योगिकी | **आईटी** सूचना प्रौद्योगिकी | **आईटीईएस** सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवाएँ | **एमबी** प्रबंधन बोर्ड | **एमईआईटीवाई** इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय | **एमएसडीई** कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय | **एनसीपीयूएल** राष्ट्रीय उर्दू भाषा संवर्धन परिषद | **एनसीएससी** राष्ट्रीय कैरियर सेवा केंद्र | **एनडीएलएम** राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन | **एनआईईएलआईटी** राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान | **एनपीआर** राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर | **एनएसक्यूएफ** राष्ट्रीय कौशल योग्यता संरचना | **पीजीडीसीए** कंप्यूटर अनुप्रयोग में स्नातकोत्तर डिप्लोमा | **पीएमसी** परियोजना प्रबंधन सलाहकार | **पीएमएसएचआरआई** प्रगतिशील भारत हेतु प्रधानमंत्री विद्यालय | **पीआरएसजी** परियोजना समीक्षा एवं संचालन समूह | **आर एंड डी** अनुसंधान एवं विकास | **एससी** अनुसूचित जाति | **एसटी** अनुसूचित जनजाति |

डिजिटल प्लैटफॉर्म

Accreditation Portal

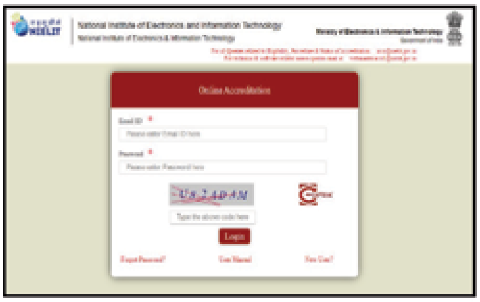

Facilitation Centre Registration

Student Portal

Management Information System Portal

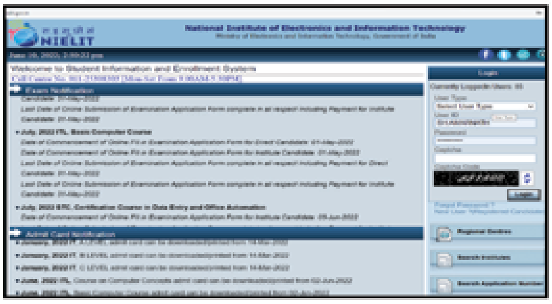

e - Content Portal

Kaushal Setu App

NIELIT on UMANG Platform

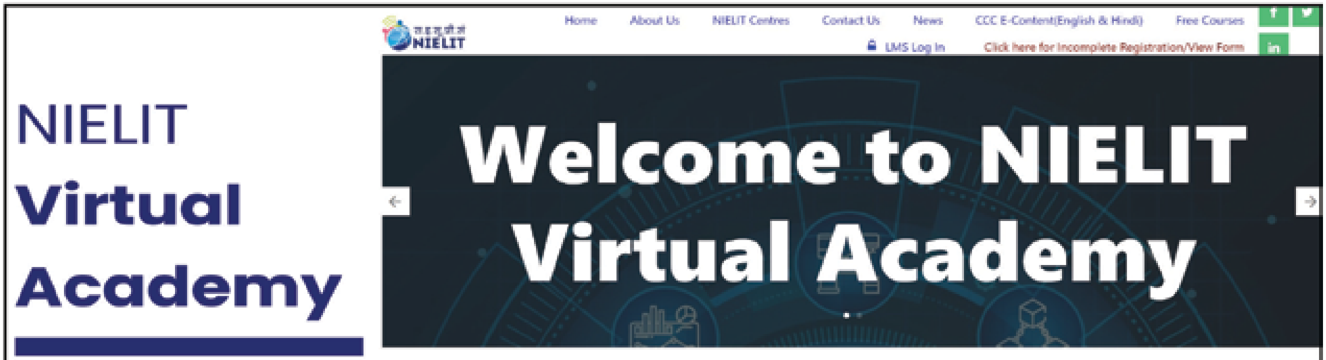

Fulfilling the dream of Atmanirbhar Bharat by setting Digital Revolution through inclusive, state-of-art Virtual education platform. NIELIT Virtual Academy is launched to broaden the reach of NIELIT among the target audience across the length and breadth of the country overcoming the urban-rural divide. It provides a platform for affordable anytime anywhere learning delivered through modern digital technologies. An academically strong and committed faculty is the backbone of NIELIT known for their personalised attention to the individual's training needs. The programs employ transformational training methods that are more engaging and student-centric and help learn through discovery.

To Register

Scan Me

नाइलिट मानित विश्वविद्यालय

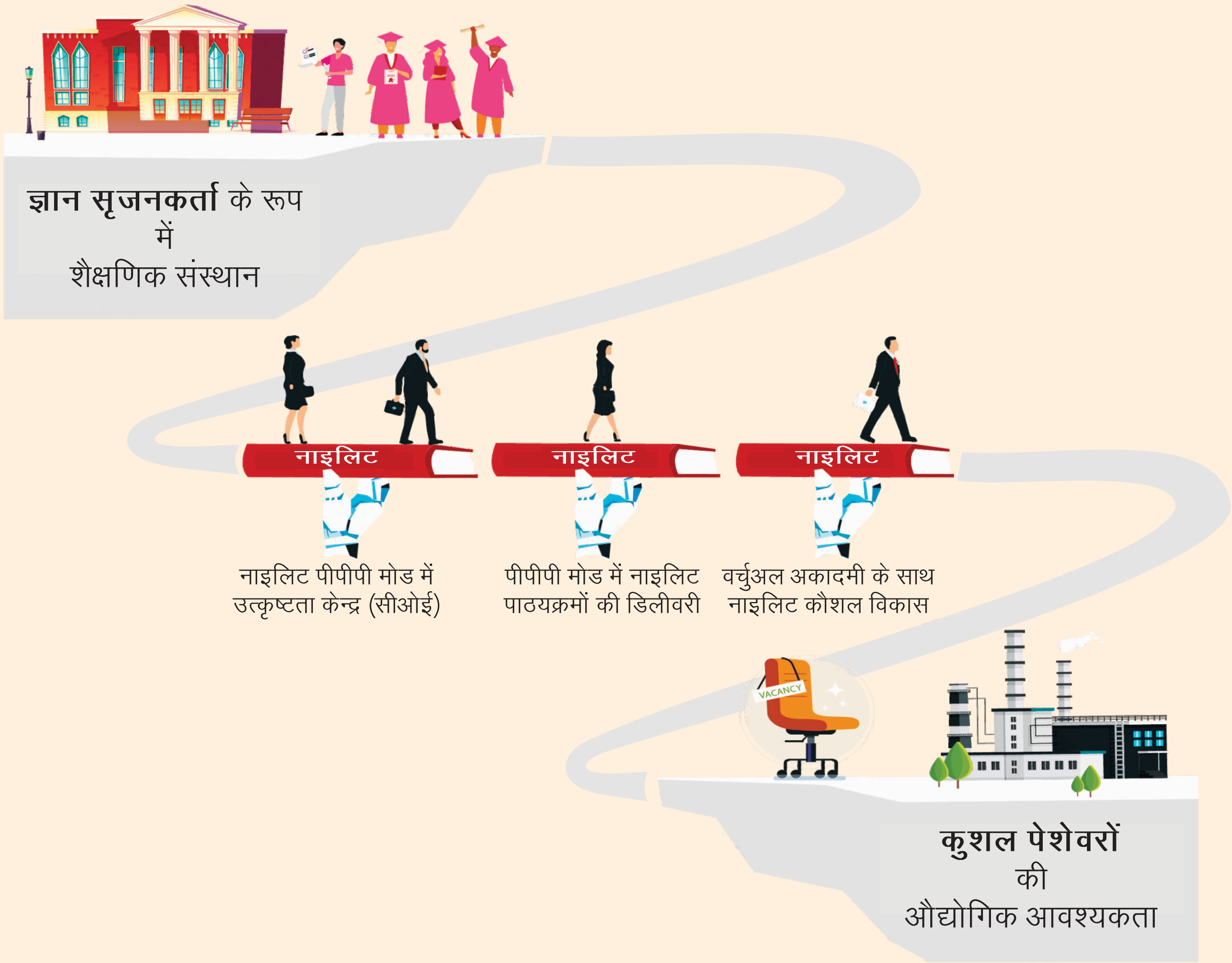

रा.इ.सू.प्रौ.सं
NIELIT

राष्ट्रीय इलेक्ट्रॉनिकी एवं सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान

इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, भारत सरकार

नाइलिट भवन, प्लॉट नं. 3, पीएसपी पॉकेट, सेक्टर–8, द्वारका, नई दिल्ली–110077
हेल्पलाइन नंबर (टोल फ्री)-1800116511; फोन: 91-11-2530 8300
वेबसाइट : http://www.nielit.gov.in/; ई–मेल : contact@nielit.gov.in

स्वच्छ भारत एक कदम स्वच्छता की ओर · DIGITAL NORTH EAST · जल है तो कल है · Digital India Power To Empower · GREENE · Skill India कौशल भारत-कुशल भारत · MAKE IN INDIA